

प्रदेश सरकार
मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय
प्रदेश सुशासन केन्द्र (PCGG)
बाग्मती प्रदेश
जावलाखेल, ललितपुर



आवधिक योजना खैरहनी नगरपालिका चितवन

(RFP No. NCB/Consulting/RFP/Periodic Plan/ Cluster-3)

अन्तिम प्रतिवेदन
खण्ड क : आवधिक योजना

असार, २०७९

प्रतिवेदन विवरण

क्लस्टर	३
योजनाको नाम	स्थानीय तहको आवधिक विकास योजना तर्जुमा Preparation of Periodic Plan of Local Governments (RFP No. NCB/Consulting/RFP/Periodic Plan/ Cluster-3)
सेवाग्राहीको नाम	प्रदेश सरकार मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेश खैरहनी नगरपालिका, चितवन
परामर्शदाता संस्थाको नाम	नेष्ट-पिकासो-प्यारागन जेभि, सानेपा, ललितपुर
प्रतिवेदनको नाम	आवधिक योजना
प्रतिवेदन संख्या	३
प्रतिवेदन पेश भएको मिति	२०७९
प्रतिवेदन किसिम	Hard Copy तथा Soft Copy
परामर्शदाताको नाम	श्री पुनम बज्राचार्य शहरी योजना - विद् (Team Leader) श्री नारायणहरी रिजाल- भौतिक पूर्वाधार विज्ञ (Physical Infrastructure Expert) श्री बच्चु नारायण श्रेष्ठ – सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन विज्ञ श्री भागवत दाहाल - समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री श्री गणेश भट्टराई - समाजशास्त्री श्री विकास श्रेष्ठ – जिआईएस विद् श्री महेन्द्र भट्टराई - वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन विद् श्री सन्तोष कुमार शाह – तथ्याङ्क विद् श्री निर्मल गौतम – सहजकर्ता
प्रतिवेदन जाँच गर्ने	श्री पुनम बज्राचार्य (Team Leader)
कार्यालयको छाप	

आभार

स्थानीय तहको आवधिक विकास योजना (२०७८/०७९ – २०८२/०८३) को तर्जुमाका लागि प्रदेश सुशासन केन्द्र बागमती प्रदेशले यस नेष्ट-पिकासो-प्यारागन जेभीलाई प्याकेज-३ अन्तरगतका खैरहनी नगरपालिका, चितवनको आवधिक योजना तर्जुमाको अवसर प्रदान गर्नु भएकोमा प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती लाई हार्दिक धन्यवाद व्यक्त गर्दछौ । आवधिक योजना तर्जुमामा निरन्तर सहयोग, मार्ग दर्शन, पालिकाहरुमा समन्वय गरि योजना तर्जुमामा सक्रिय सहभागि भई कार्यमा सहजता प्रदान गरिदिनु हुने बागमती प्रदेश सुशासन केन्द्रका कार्यकारी निर्देशक श्री विमल पोखरेल, स्थानीय सुशासन विद् श्री चन्द्रप्रकाश सिग्देल लगाएत सम्पूर्ण विज्ञ टोली प्रति योजना तर्जुमा टोलीको तर्फबाट कृतज्ञता व्यक्त गर्दछौ ।

त्यसैगरी आवधिक योजना तर्जुमाको क्रममा पुर्याउनु भएको अतुलनिय सहयोगका लागि खैरहनी नगरपालिकाका नगरप्रमुख श्री शशी कुमार खनियाँ ज्यु , उप- प्रमुख श्री कविता उप्रेती ज्यु तथा प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत श्री पुरुषोत्तम शर्मा ज्यु प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त गर्दछौ । त्यसैगरी अध्ययनका क्रममा महत्वपूर्ण सहयोग पुर्याउनु हुने नगरपालिकाका पुर्व नगर प्रमुख श्री लालमणी चौधरी, उप प्रमुख श्री सुनिता थपलियाज्यु प्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्न चाहन्छौ । योजना तर्जुमाका क्रममा सम्पर्क व्यक्तिको रुपमा रही योगदान गर्नु हुने प्रशासन शाखा प्रमुख श्री सुरेश चौधरी ज्यु तथा सम्पूर्ण शाखाका शाखा प्रमुख तथा कर्मचारी ज्यूहरुलाई योजना तर्जुमाको क्रममा पुर्याउनु भएको अतुलनीय सहयोगका लागि हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छौ ।

अध्ययनका क्रममा स्थलगत रुपमा जानकारी, सूचना तथा सल्लाह/सुझाव प्रदान गरि सहयोग गर्नु हुने सबै वडाका वडा अध्यक्ष तथा सदस्यज्यूहरु, वडा कर्मचारीहरुलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छौ । अन्यमा यस योजना तर्जुमा कार्यमा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रुपमा सहयोग पुर्याउनु हुने विकास साझेदार निकायका प्रतिनिधि तथा पालिका सम्पूर्ण स्थानीयवासीलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छौ ।

अध्ययन टोली

Contents

परिच्छेद १: परिचय.....	11
1.1. पृष्ठभूमि	11
1.2. आवधिक योजनाको उद्देश्य.....	12
1.3. अध्ययन कार्य क्षेत्र.....	12
1.4. आवधिक योजना तर्जुमाका आधारहरु	13
1.5. आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रिया तथा विधि	14
1.6. आवधिक योजना तर्जुमाका सिमाहरु	18
परिच्छेद २: नगरपालिकाको वर्तमान अवस्था.....	1
2.1. पृष्ठभूमि	1
2.2. भौगोलिक अवस्थिति.....	1
2.3. जनसंख्या	1
2.4. भूउपयोगको अवस्था.....	2
2.5. आर्थिक क्षेत्रको अवस्था	3
2.6. संस्थागत उपस्थिति	4
2.7. भौगोलिक पूर्वाधार.....	4
2.7.1. सडक	4
2.7.2. विद्युत	4
2.7.3. सिंचाई	5
2.7.4. खानेपानी.....	5
2.7.5. सूचना तथा प्रविधि	5
2.8. सामाजिक क्षेत्र	5
2.8.1. शिक्षा	5
2.8.2. स्वास्थ्य	6
2.8.3. युवा तथा खेलकुद	6
2.8.4. धार्मिक , सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरु	6
परिच्छेद ३: सोच तथा विकासको अवधारणा.....	7
3.1. पृष्ठभूमि	7
3.2. प्रमुख समस्या तथा चुनौती	8

३.३.	प्रमुख संभावना र अवसर.....	९
३.४.	आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशक सिद्धान्त तथा आधार	१०
३.५.	सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य	१०
३.६.	समष्टिगत लक्ष्य.....	११
३.७.	समष्टिगत उद्देश्य	११
३.८.	समष्टिगत रणनीति	१२
३.९.	समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्य	१३
३.१०.	नगरपालिकाको समष्टिगत वित्तीय अवस्था	१७
३.११.	नगरपालिकाको आन्तरिक आय.....	१८
परिच्छेद ४: आर्थिक क्षेत्र.....		१९
४.१.	कृषि तथा पशुपन्छी	१९
४.१.१.	पृष्ठभूमि	१९
४.१.२.	समस्या तथा चुनौती	१९
४.१.३.	संभावना तथा अवसर.....	२०
४.१.४.	कृषि क्षेत्रको विकास योजना.....	२१
४.१.५.	अपेक्षित उपलब्धि	२८
४.२.	पर्यटन	२९
४.२.१.	पृष्ठभूमि	२९
४.२.२.	समस्या तथा चुनौती	३०
४.२.३.	संभावना तथा अवसर	३०
४.२.४.	पर्यटन विकास योजना.....	३१
४.२.५.	अपेक्षित उपलब्धि	३४
४.३.	उद्योग.....	३५
४.३.१.	पृष्ठभूमि	३५
४.३.२.	समस्या तथा चुनौती	३५
४.३.३.	संभावना तथा अवसर	३६
४.३.४.	उद्योग विकास योजना.....	३६
४.३.५.	अपेक्षित उपलब्धि	४१
४.४.	व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्ति.....	४२
४.४.१.	पृष्ठभूमि	४२

4.4.2.	समस्या तथा चुनौती	42
4.4.3.	संभावना तथा अवसर	42
4.4.4.	व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्ति विकास योजना.....	43
4.4.5.	अपेक्षित उपलब्धि	45
4.5.	श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा.....	46
4.5.1.	पृष्ठभूमि	46
4.5.2.	समस्या तथा चुनौती	46
4.5.3.	संभावना तथा अवसर	46
4.5.4.	श्रम तथा रोजगारी योजना	47
4.5.5.	अपेक्षित उपलब्धि	50
परिच्छेद ५:	सामाजिक क्षेत्र	51
5.1.	स्वास्थ्य तथा पोषण	51
5.1.1.	पृष्ठभूमि	51
5.1.2.	समस्या तथा चुनौती	51
5.1.3.	संभावना तथा अवसर	52
5.1.4.	स्वास्थ्य योजना.....	53
5.1.5.	अपेक्षित उपलब्धि	58
5.2.	शिक्षा	58
5.2.1.	पृष्ठभूमि	58
5.2.2.	समस्या तथा चुनौती	59
5.2.3.	संभावना तथा अवसर	60
5.2.4.	शिक्षा विकास योजना	60
5.2.5.	अपेक्षित उपलब्धि	68
5.3.	महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग.....	69
5.3.1.	पृष्ठभूमि	69
5.3.2.	समस्या तथा चुनौती	69
5.3.3.	संभावना तथा अवसर	70
5.3.4.	लक्षित वर्ग, महिला तथा बालबालिका विकास योजना	70
5.3.5.	अपेक्षित उपलब्धि	74
5.4.	युवा तथा खेलकुद	75

5.4.1.	पृष्ठभूमि	75
5.4.2.	समस्या तथा चुनौती	75
5.4.3.	संभावना तथा अवसर	75
5.4.4.	युवा तथा खेलकुद विकास योजना	76
5.4.5.	अपेक्षित उपलब्धि	78
परिच्छेद 6: पूर्वाधार क्षेत्र		79
6.1.	आवास तथा वस्ती	79
6.1.1.	पृष्ठभूमि	79
6.1.2.	समस्या तथा चुनौती	79
6.1.3.	संभावना तथा अवसर	79
6.1.4.	आवास तथा वस्ती विकास योजना	80
6.1.5.	अपेक्षित उपलब्धि	82
6.2.	सडक, पुल तथा यातायात	83
6.2.1.	पृष्ठभूमि	83
6.2.2.	समस्या तथा चुनौती	83
6.2.3.	संभावना तथा अवसर	83
6.2.4.	सडक तथा यातायात विकास योजना	84
6.2.5.	अपेक्षित उपलब्धि	87
6.3.	खानेपानी तथा सरसफाई	88
6.3.1.	पृष्ठभूमि	88
6.3.2.	समस्या तथा चुनौती	88
6.3.3.	संभावना तथा अवसर	88
6.3.4.	खानेपानी तथा सरसफाई योजना	89
6.3.5.	अपेक्षित उपलब्धि	91
6.4.	सिंचाई	92
6.4.1.	पृष्ठभूमि	92
6.4.2.	समस्या तथा चुनौती	92
6.4.3.	संभावना तथा अवसर	92
6.4.4.	सिंचाई योजना	92
6.4.5.	अपेक्षित उपलब्धि	94

6.5. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा	94
6.5.1. पृष्ठभूमि	94
6.5.2. समस्या तथा चुनौती	94
6.5.3. सम्भावना तथा अवसर	95
6.5.4. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा योजना	95
6.5.5. अपेक्षित उपलब्धि	97
6.6. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि	98
6.6.1. पृष्ठभूमि	98
6.6.2. समस्या तथा चुनौती	98
6.6.3. संभावना तथा अवसर	98
6.6.4. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि योजना	98
6.6.5. अपेक्षित उपलब्धि	99
परिच्छेद 7: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र	100
7.1. वन तथा जैविक विविधता	100
7.1.1. पृष्ठभूमि	100
7.1.2. समस्या तथा चुनौती	100
7.1.3. संभावना तथा अवसर	100
7.1.4. वन तथा जैविक विविधता संरक्षण योजना	101
7.1.5. अपेक्षित उपलब्धि	105
7.2. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन	106
7.2.1. पृष्ठभूमि	106
7.2.2. समस्या तथा चुनौती	106
7.2.3. संभावना तथा अवसर	106
7.2.4. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन योजना	106
7.2.5. अपेक्षित उपलब्धि	109
7.3. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन	109
7.3.1. पृष्ठभूमि	109
7.3.2. समस्या तथा चुनौती	110
7.3.3. संभावना तथा अवसर	110
7.3.4. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना	110

7.3.5.	अपेक्षित उपलब्धि	112
7.4.	विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता	112
7.4.1.	पृष्ठभूमि	112
7.4.2.	समस्या तथा चुनौती	113
7.4.3.	संभावना तथा अवसर	113
7.4.4.	विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन योजना.....	113
7.4.5.	अपेक्षित उपलब्धि	117
परिच्छेद 8:	संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र	118
8.1.	संस्थागत विकास तथा सुशासन	118
8.1.1.	पृष्ठभूमि	118
8.1.2.	समस्या तथा चुनौती	118
8.1.3.	संभावना तथा अवसर	118
8.1.4.	संस्थागत विकास योजना.....	120
8.1.5.	अपेक्षित उपलब्धि	122
8.2.	राजश्व तथा स्रोत परिचालन	123
8.2.1.	पृष्ठभूमि	123
8.2.2.	समस्या तथा चुनौती	123
8.2.3.	संभावना तथा अवसर	123
8.2.4.	राजश्व तथा स्रोत परिचालन योजना.....	125
8.2.5.	अपेक्षित उपलब्धि	128
8.3.	सुशासन तथा जनसहभागिता	129
8.3.1.	पृष्ठभूमि	129
8.3.2.	समस्या तथा चुनौती	129
8.3.3.	संभावना तथा अवसर	129
8.3.4.	सुशासन तथा जनसहभागिता योजना.....	130
परिच्छेद 9:	कार्यान्वयन व्यवस्था	133
9.1.	योजना अनुगमन तथा मूल्याङ्कन	133
9.1.1.	नतिजामा आधारित व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन.....	134
9.1.2.	अनुगमन तथा मूल्याङ्कन.....	135
9.1.3.	अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यको उद्देश्य.....	135

१.१.४	रणनीति	135
१.१.५	मुख्य कार्यक्रम.....	135
१.१.६	अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यको प्रक्रिया र जिम्मेवारी.....	135
परिच्छेद १०:	अनुमान तथा जोखिम	137
परिच्छेद ११:	नतिजा खाका	138
११.१.	परिचय.....	138
११.२.	नगरपालिकाको समष्टिगत क्षेत्र	139
११.३.	कृषि तथा पशुपालन.....	140
११.४.	पर्यटन.....	142
११.५.	उद्योग.....	143
११.६.	व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति.....	145
११.७.	श्रम तथा रोजगारी	146
११.८.	स्वास्थ्य तथा पोषण	147
११.९.	शिक्षा	151
११.१०.	महिला बालबालिका तथा लक्षित वर्ग.....	155
११.११.	लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तिकरण.....	156
११.१२.	सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण	161
११.१३.	युवा तथा खेलकुद.....	164
११.१४.	वस्ती तथा आवास	166
११.१५.	सडक पुल तथा यातायात.....	168
११.१६.	खानेपानी तथा सरसफाई	172
११.१७.	सिंचाई	174
११.१८.	विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा.....	175
११.१९.	सूचना संचार तथा प्रविधि.....	176
११.२०.	वन तथा जैविक विविधता	178
११.२१.	वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन	180
११.२२.	विपद व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन	182
अनुसूची	184
	बहुक्षेत्रगत लगानी योजना.....	184
	माइन्सुट.....	184

फोटोग्राफ	184
प्रश्नावली	

परिच्छेदः परिचय

II. पृष्ठभूमि

नेपालमा नेपाल भौगोलिक विविधता, प्राकृतिक सम्पदा तथा मानव संसाधनको अवस्था हेर्दा समृद्धिको प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । कुनै क्षेत्रको सामाजिक-आर्थिक विकासनै सो क्षेत्रको रूपान्तरणको आधार हो । नेपालमा अझैपनि जनसङ्ख्याको ठूलो हिस्सा गरिबीको रेखामुनि रहेको छ । विकास निरन्तर प्रयासरूपको बावजुद देशका सबै क्षेत्रमा आधारभूत सेवा तथा पूर्वाधारको समान पहुँच पुग्न सकेको छैन । योजनाबद्ध विकासको कमी यसको मुख्य कारकको रूपमा रहेको देखिन्छ ।

नेपालमा ६ दशक लामो योजनाबद्ध विकासको अवधिमा नौ वटा पंचवर्षीय र पाँच वटा त्रिवर्षीय योजना कार्यान्वयन भईसकेका छन् । नेपालले सन् २०१३-२०१८ मा पहिलो पंचवर्षीय योजनाबाट योजनाबद्ध विकासको थालनी भएको हो । हाल नेपालमा पन्ध्रौँ आवधिक योजना (२०७६/०७७- २०८०/८१) कार्यान्वयनमा चरणमा रहेको छ ।

नेपालको संबिधानको कार्यान्वयन पछि नेपालको राज्य प्रणाली संघिय लोकतान्त्रिक गणतान्त्रिक प्रणालीमा रूपान्तरण भईसकेको छ । तीनै तहका सरकार (संघ, प्रदेश र स्थानीय) संबैधानिक रूपमा अधिकार सम्पन्न भएका छन् । संबैधानिक रूपमा स्थानीय शान्ति, समृद्धि, सुशासन; सामाजिक तथा आर्थिक विकासका लागि स्वयम स्थानीय तहलाई नै अधिकार प्रत्यायोजन गरिएको छ । नेपालको संबिधान बमोजिम स्थानीय तहको अधिकार सम्बन्धी व्यवस्था कार्यान्वयन गर्न तथा संघ, प्रदेश र स्थानीय तह बिचको सहकारिता, सहअस्तित्व र समन्वयलाई प्रवर्धन गर्न नेपाल सरकारले स्थानिय सरकार संचालन ऐन, २०७४ जारी भयो । ऐनले स्थानीय सरकारको अधिकार, भूमिका तथा जिम्मेवारी तोकेको छ । ऐनले स्थानीय तहको दिगो विकासका लागि नगरपालिका प्रोफाइल, स्रोत नक्सा, आवधिक योजना, वार्षिक योजना र दीर्घकालीन विकास योजना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । यसै सन्दर्भमा प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशले सामाजिक तथा आर्थिक विकासको लक्ष्य हासिल गर्न तथा स्थानीय तहमा योजनाबद्ध विकास मार्फत सुशासन कायम गर्न प्रदेश भित्र रहेका विभिन्न स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा गरेको छ ।

स्थानीय समस्यालाई सम्बोधन गर्न योजना तर्जुमा प्रक्रिया जनसहभागितामा आधारित, नेपालको संबिधान, तथा सम्बन्धित ऐन, कानुन, नीति तथा निर्देशिकामा आधारित भएर तर्जुमा प्रक्रिया अगाडी बढेको छ । यो स्थानीय तथाको विकासको गतिलाई निर्देशित गर्ने एक गतिशील दस्तावेज हुनेछ ।

1.2. आवधिक योजनाको उद्देश्य

यस योजनाको मुख्य उद्देश्य **स्थानीय तहको** आवधिक योजना तर्जुमा गर्नु हो । अन्य उद्देश्यहरूमा :

- नगरपालिकाको विद्यमान वस्तुस्थिति (प्रथम तथा द्वितीय तहको तथ्याङ्कमा आधारित) तयार गर्नु ।
- नगरपालिकाको समष्टिगत दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्रमुख कार्यक्रमहरू तर्जुमा गर्नु ।
- नगरपालिकाको विषय क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्रमुख कार्यक्रमहरू पहिचान गर्नु।
- आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, पूर्वाधार विकास, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन, सुशासन तथा संस्थागत विकासका लागि विषय क्षेत्रगत योजना तयार गर्नु ।
- बहु क्षेत्रगत (MSIP) लगानी योजना तयार गर्नु ।

1.3. अध्ययन कार्य क्षेत्र

निर्दिष्ट उद्देश्य प्राप्तिका लागि देहाय बमोजिमका कार्य क्षेत्र रहेका छन् ।

- नेपालको संविधान, संघीय तथा प्रदेश सरकारको दीर्घकालीन सोच, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ लगायत विकास योजना तर्जुमासँग सम्बन्धित विगतका योजना र विद्यमान ऐन, नीति तथा निर्देशिकाहरू अध्ययन तथा विश्लेषण गर्ने ।
- स्थलगत अध्ययन तथा सर्वेक्षणबाट संकलित तथ्याङ्क, विभिन्न प्रकाशित तथा अप्रकाशित प्रतिवेदन, छलफल तथा अवलोकन, राजनीतिक व्यक्तित्व तथा बुद्धिजीवीहरूबाट प्राप्त जानकारी तथा अन्य द्वितीय तहका तथ्याङ्क / सूचनाका आधारमा नगरपालिकाको विद्यमान वस्तुस्थिति विवरण तयार गर्ने।
- जनसाङ्ख्यिक, भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, वातावरणीय, वित्तीय, संस्थागत पक्षसंग सान्दर्भिक तथ्याङ्कहरूको लगत (inventory) तयार गर्ने ।
- स्थानीय तहको विभिन्न बिषय क्षेत्रगत सवल पक्ष, दुर्बल पक्ष, अवसर र चुनौतीको पहिचान तथा विश्लेषण गर्ने ।
- स्थानीय तहको समग्र विकासका लागि दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा कार्यान्वयन रणनीति तयार गर्ने ।
- योजना तर्जुमाका लागि नगरपालिकाको आधार नक्शा तयार गर्ने ।
- वर्तमान भूउपयोग, सामाजिक तथा आर्थिक पूर्वाधार, प्रमुख बजार केन्द्र तथा प्रमुख प्राकृतिक स्रोतहरूको स्थलगत अध्ययनका आधारमा नक्शा अध्यावधिक गर्ने ।

- विद्यमान पूर्वाधारको अवस्था तथा पहुँचको विश्लेषण गरी सडक तथा यातायात, सिँचाई, खानेपानी, निकास लगायतका पूर्वाधार विकास योजना तयार गर्ने ।
- नगरपालिका भित्रका सामाजिक पूर्वाधार तथा सेवाहरुको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा तथा खेलकुद लगायतका सामाजिक विकास योजना तर्जुमा गर्ने ।
- नगरपालिका भित्र रहेका आर्थिक विकासको अवस्था, आर्थिक पूर्वाधारहरुको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी स्थानीय अर्थतन्त्रको विकासको लागि योजना तयार गर्ने ।
- नगरपालिकाको विद्यमान जनशक्ति र सो को पर्याप्तता तथा क्षमताको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी संस्थागत विकास तथा सुशासनको लागि योजना तयार गर्ने ।
- भूउपयोगको वर्तमान अवस्था तथा भविष्यको मागको विश्लेषणका आधारमा सम्पूर्ण नगरपालिकाको भौतिक विकास योजना तयार गर्ने ।
- प्राकृतिक स्रोतको पहिचान गरी स्रोतको उच्चतम सदुपयोग गर्न वातावरण व्यवस्थापन योजना तयार गर्ने।
- नगरपालिकाको पछिल्लो तीन वर्षको आय व्ययको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी राजस्व प्रक्षेपणमा आधारित वित्तीय व्यवस्थापन योजना तयार गर्ने ।
- सहभागितामूलक योजना तर्जुमा प्रक्रियाका लागि स्थानीय तहका अधिकारीहरू, प्रमुख जानकार तथा स्थानीय व्यक्तिहरूसँग विभिन्न कार्यशाला बैठक तथा छलफलहरू गर्ने ।
- योजना कार्यान्वयन रणनीतिहरू सिफारिस गर्ने तथा पूँजी लगानी योजना तयार गर्ने ।
- वार्षिक लक्ष्य, सूचक र प्रमाणिकरण आधारको साथ पाँच वर्षे बहु क्षेत्रगत लगानी योजना (MSIP) तयार गर्ने ।

14 आवधिक योजना तर्जुमाका आधारहरु

नेपालको संबिधानले स्थानीय तहलाई स्थानीय विकासको सम्बन्धको उपमा स्थानीय सरकारको रूपमा स्थानिपित गरेको छ । संबिधानको धारा ५७ (४) (५) र अनुसूची ८ र ९ ले स्थानीय तहलाई आर्थिक तथा सामाजिक विकासको प्रमुख चालकको रूपमा परिभाषित गरेको छ । संवैधानिक प्रावधानहरुको अधिनमा रही स्थानीय तहले आवधिक, मध्यमकालीन एवं वार्षिक नीति, योजना, बजेट तथा कार्यक्रमहरु तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न सक्ने व्यवस्था छ । त्यसैगरी स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा २४ को उपदफा (३) (क देखि झ) र संघ, प्रदेश र स्थानीयतह (समन्वय तथा अन्तरसम्बन्ध) ऐन, २०७७ को दफा ३ को उपदफा (१) (क देखि द) ले स्थानीय तहको जिम्मेवारी र कार्य क्षेत्र तोकेका छन् । यीनै प्रावधानहरु नै स्थानीय तहको आवधिक योजना बनाउने आधारका रूपमा लिएको छ ।

१५. आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रिया तथा विधि

अध्ययन टोली तयार तथा अभिमुखीकरण

पालिकाको आवधिक योजना तर्जुमाका लागि अध्ययन टोलीलाई अभिमुखीकरण गर्ने कार्यक्रमको आयोजना गरियो । अभिमुखीकरणको मुख्य उद्देश्य अध्ययन टोलीका सबै सदस्यहरूलाई योजनाको उद्देश्य तथा अध्ययन विधि तथा प्रक्रियाका बारेमा जानकारी दिनु थियो । बैठकमा प्रत्येक सदस्यको कार्य क्षेत्र पनि स्पष्ट पारिएको थियो । विशेषगरी प्राविधिक टोली र सामाजिक टोलीलाई स्थलगत कार्यका क्रममा अपनाउनु पर्ने विधि तथा प्रक्रिया बारे अभिमुखीकरण गरिएको छ ।

द्वितीय तथ्यांक संकलन

विषय वस्तुको विस्तृत जानकारी प्राप्त गर्न योजना तर्जुमा अघि सम्बन्धित विभिन्न दस्तावेजहरूको विस्तृत अध्ययन गरियो । खैरहनी नगरपालिका, धुनिवेशी नगरपालिका र नेत्रावती डबजोड गाँउपालिका संग सम्बन्धित सान्दर्भिक दस्तावेजहरूको अध्ययन गरिएको छ । योजना तर्जुमाका क्रममा, विकास योजना सँग सम्बन्धित नीति तथा निर्देशिकाहरू, नगरपालिकासँग सम्बन्धित विभिन्न अध्ययन प्रतिवेदनहरू, विद्यमान भू-उपयोग नीति, तथा ऐन, वातावरण संरक्षण नीति, नगरपालिकाको पार्श्वचित्र, राष्ट्रिय जनगणना २०६८ लगाएतका दस्तावेजको अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको छ । आवधिक योजनाका सम्बन्धमा भएका पुर्व अध्ययनका प्रतिवेदनहरू, भौतिक विकास योजना तर्जुमा, कृषि विकास योजना, स्थानीय विकास योजना तर्जुमा, तथा सान्दर्भिक प्रकाशित तथा अप्रकाशित तथ्याङ्कहरू तथा सामाग्रीहरूको संकलन, अध्ययन तथा विश्लेषण गरी योजना तर्जुमा कार्य अगाडि बढाईएको छ ।

विभिन्न मौजुदा कानूनहरू जस्तै स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४, स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७५, राष्ट्रिय भू उपयोग नीति २०७२, Planning Norms and Standard 2015, वातावरण संरक्षण ऐन २०५३, वस्ति तथा बजार विकास, कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रको विकास लगायतका सम्बन्धमा नेपाल सरकारका नीति तथा कार्यक्रमहरूमा भएका व्यवस्थाहरूको अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको छ । त्यसैगरी सम्बन्धित नगरपालिकाले तयार गरेको आधिक योजना, अघिल्ला वार्षिक योजना तथा नीति, पालिकापार्श्वचित्र लगायत नगरपालिका संग सम्बन्धित दस्तावेजको पनि अध्ययन तथा विश्लेषण गरिएको छ ।

आधार नक्शा तयारी

आधार नक्शामा सम्बन्धित स्थानको स्थलाकृतिक सुविधाहरू, वस्तीहरू, सडक, सिंचाई लगायतका पूर्वाधार, भूउपयोग, नदी तथा पानीका स्रोतहरू, विशेष क्षेत्रहरू खुला क्षेत्र लगायतको जानकारी समावेश हुन्छ । योजना तर्जुमा प्रक्रियाका लागि सम्बन्धित नगरपालिका/ नगरपालिकाको आधार नक्शा तयार गरियो । अध्ययनका क्रममा प्राप्त सूचना तथा तथ्यांकका आधारमा आधार नक्शालाई निरन्तर अद्यावधिक गर्दै लगेको छ ।

पुर्व-योजना तर्जुमा बैठक

आवधिक योजना सम्बन्धी जानकारी गराउन, अध्ययन विधि तथा अध्ययन क्षेत्रबारे छलफल गर्न नगरपालिका सँग एक दिने पुर्व योजना तर्जुमा बैठकको आयोजना गरिएको छ । यस बैठकमा आवधिक योजनाका विषयमा अभिमुखिण साथै योजना तर्जुमा र कार्य प्रक्रियाबारे छलफल गरिएको छ । बैठकमा योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सहयोग, समन्वय तथा सहजीकरण गर्नका लागि स्थानीय तह प्रमुखको संयोजकत्वमा एक निर्देशिक समिति गठन गरिएको छ । साथै योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सहयोग, समन्वय तथा सहजीकरणका लागि नगरपालिका एक वा दुइ जना कर्मचारीलाई Focal Person को रूपमा जिम्मेवारी तोकिएको छ । यस बैठकमा, नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यपालिका सदस्यहरु, प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत, विभिन्न शाखा प्रमुखहरु लगायत अन्य कर्मचारीहरुको सहभागिता रहेको छ । बैठकमा आवधिक योजनाको महत्व तथा आवश्यकता बारेमा प्रस्ट पारिएको छ । यसका साथै अध्ययन अवधिमा स्थलगत अध्ययनको कार्य बिधि, योजना प्रक्रियामा विभिन्न समिति तथा शाखाको भूमिका आवश्यक सूचना तथा तथ्यांक लगायतका विषयमा छलफल भएको छ ।



फोटो 1: पुर्व योजना तर्जुमा बैठकमा नगरपालिकामा छलफल

रेकी सर्वेक्षण

अध्ययन स्थलको भौतिक, सामाजिक तथा आर्थिक पुर्वाधारको विद्यमान अवस्थाको जानकारी प्राप्त गर्न साथै भौगोलिक अवस्थिति तथा वातावरणीय अवस्थाको बारेमा प्रारम्भिक अध्ययन गर्न अध्ययन टोली द्वारा नगरपालिकाको रेकी सर्वेक्षणको गरिएको छ । सर्वेक्षणको मुख्य उद्देश्य अध्ययन क्षेत्रको बारेमा प्रारम्भिक आँकलन तथा नक्शांकन गर्ने र अध्ययनका अन्य चरणका लागि योजना बनाउनु हो । सर्वेक्षणका क्रममा नगरपालिकाको महत्वपूर्ण संरचना तथा स्थानहरुको फोटोहरु लिइएको छ ।

प्रश्नावली तथा नक्शा तयारी

आवधिक योजना तर्जुमाका लागि आवश्यक बिषयगत क्षेत्रसंग सम्बन्धित तथ्याङ्क तथा सूचना संकलन गर्न प्रश्नावली तयार गरिएको छ । यसका साथै तथ्याङ्क कार्यलाई अझ प्रभावकारी बनाउन तथा महत्वपूर्ण संरचना तथा स्थानको नक्शांकन गर्न साथै स्थलगत अध्ययनको योजना तयार गर्ने उद्देश्यले वडागत नक्शा तयार गरिएको छ ।

वडा स्तरीय भेला/छलफल

खैरहनी नगरपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमाको लागि नगरपालिकाको प्रत्येक वडामा छलफलको आयोजना गरिएको छ । छलफलका क्रममा नगरपालिकाका सामाजिक, आर्थिक, पूर्वाधार, वातावरणीय, संस्थागत लगायत विषयका विस्तृत तथ्यांक संकलन गरिएको छ । यस क्रममा स्थानीय स्तरका समस्या, सम्भावना, अवसरहरु तथा आवश्यकता सम्बन्धि घनिभूत छलफल गरिएको छ ।



फोटो ३: वडा भेलामा छलफल



फोटो ३: वडामा नक्शांकन गरिदै

बैठकमा तथ्याङ्क संकलनका साथै विभिन्न स्रोतबाट संकलन गरिएका तथ्यांकको प्रमाणीकरण, वडाका महत्वपूर्ण प्राकृतिक स्रोत, भौतिक संरचना, धार्मिक, संस्कृतिक तथा पर्यटकीय स्थल, प्रकोप जोखिम क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, बजार क्षेत्र,सार्वजनिक सेवा वितरण केन्द्र लगाएतको GIS प्रविधिमा नक्शांकन गरिएको छ ।

वडा स्तरीय बैठकमा वडा अध्यक्ष तथा सदस्यहरु,कर्मचारी, स्थानीय अगुवा व्यक्ति, स्थानीय व्यवसायी, महिला समुहका प्रतिनिधि, सहकारी प्रतिनिधि, युवा क्लबका प्रतिनिधि, शिक्षक लगाएत सरोकारवाला हरुको उपस्थिति रहेको थियो । बैठकमा सहभागी हरुलाई आवधिक योजनाको महत्व र उद्देश्यका बारेमा अभिमुखीकरण गरिएको छ ।

तालिका १: वडा स्तरीय भेला/छलफल समय तालिका

मिति	समय	स्थान	
२०७९/०३/१४	७:०० AM	११:०० AM	वडा १, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१४	७:०० AM	११:०० AM	वडा २, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१४	१:०० PM	५:०० PM	वडा ३, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१४	१:०० PM	५:०० PM	वडा ४, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१५	७:०० AM	११:०० AM	वडा ५, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१५	७:०० AM	११:०० AM	वडा ६, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१५	१:०० PM	५:०० PM	वडा ७, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१५	१:०० PM	५:०० PM	वडा ८, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१६	७:०० AM	११:०० AM	वडा ९, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१६	७:०० AM	११:०० AM	वडा १०, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१६	१:०० PM	५:०० PM	वडा ११, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१६	१:०० PM	५:०० PM	वडा १२, वडा कार्यालय
२०७९/०३/१६	१:०० PM	५:०० PM	वडा १३, वडा कार्यालय

लगत तयारी

स्थलगत अध्ययन तथा विभिन्न स्रोतबाट संकलन गरिएका तथ्याङ्कको विस्तृत लगत तयार गरिएको छ । जसमा नगरपालिकाको जनसांख्यिक, सामाजिक, आर्थिक, भौतिक, वातावरणीय, संस्थागत, धार्मिक तथा संस्कृतिक, पर्यटन लगायत विभिन्न विषयको विवरणको लगत तयार पारिएको छ ।

पालिकास्तरीय कार्यशाला गोष्ठी

आवधिक योजना तर्जुमाका क्रममा नगरपालिकाको दिर्घकालिन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति तय गर्न तथा बिषयगत योजनाको तर्जुमा गर्न कार्यशाला गोष्ठीको आयोजना गरिएको छ । यस क्रममा सबै विषयगत क्षेत्रको सबल पक्ष, दुर्बल पक्ष, अवसर तथा चुनौतिका बारेमा छलफल साथै वडा स्तरीय बैठक तथा स्थलगत अध्ययनबाट प्राप्त तथ्याङ्क एवं सुचनाको प्रमाणीकरण गरिएको छ । कार्यशालामा नगरपालिका कार्यपालिका, विषयगत समिति, वडा प्रतिनिधि, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, शाखा प्रमुखहरु, कर्मचारीहरु, विकास साझेदार संस्थाका प्रतिनिधि स्थानीय अगुवा, उद्यमी, विभिन्न समूह, नमुना कृषक तथा अन्य सरोकारवालाहरुको सहभागिता रहेको थियो । कायर्शाला गोष्ठी नगरपालिकाको सभा हलमा सम्पन्न गरिएको छ ।



फोटो 4: नगरपालिकाको योजना तर्जुमा क्रममा भएका गोष्ठी

1.6. आवधिक योजना तर्जुमाका सिमाहरु

संघीयता नेपालको लागि नौलो अभ्यास हो । भर्खरै मात्र स्थानीय सरकारको प्रथम कार्यकाल समाप्त भई दोश्रो कार्यकालका सुरु भएकाले स्थानीय तहको कार्यान्वयन संक्रमणकालमै छ । नगरपालिकाको विद्यमान अवस्थाको आधार तथ्यांक स्थापत भईसकेको छैन तसर्थ, स्थलगत अध्ययन, वडा छलफल, कार्यशाला गोष्ठी बाट प्राप्त तथ्यांक नै योजना तर्जुमाका मुख्य आधारको रूपमा रहेका छन् ।

नगरपालिका क्षेत्रमा क्रियाशील गैरसरकारी संस्था, सामुदायिक संघ-संस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी जस्ता सामाजिक ईकाइहरुबाट सञ्चालित कार्यक्रमहरु, कार्य प्रक्रिया, वित्तीय स्रोत आदि विषयहरु नगरपालिकाको सहमति तथा स्वीकृतिमा कार्यान्वयन गर्नु पर्ने प्रावधान भएपनि यस अन्तर्गतका क्रियाकलाप सम्बन्धित सूचनाहरु संकलन गर्न कठिनाइ रह्यो ।

यस आवधिक योजनाले नगरपालिकाको विकास तथा समृद्धिको लागि दीर्घकालीन सौच, लक्ष्य र उद्देश्यको मार्गचित्र प्रस्तुत गरेको छ । यो आवधिक योजना ५ वर्षको लागि तर्जुमा गरिएको भएता पनि यसको दिर्घकालिन सौच राष्ट्रिय तथा प्रदेशको दिर्घकालिन सौचसंग तादम्यता कायम हुनेगरी गरिएको छ । अर्थात् योजनाको सौचको परिकल्पना ५ वर्ष भन्दा बढी अवधिको छ । यस योजनामा प्रस्तुत गरिएका क्षेत्रगत सौच, लक्ष्य, उद्देश्य, तथा रणनीति विभिन्न चरणमा भएका छलफल साथै आवश्यकता तथा सम्भावना लाई ध्यानमा राखी गरिएको छ । साथै दिर्घकालिन रूपमा मात्र थालनी गर्न सकिने किसिमका कार्यक्रमहरु समेत समिटिएको छ ।

परिच्छेद १: नगरपालिकाको वर्तमान अवस्था

१.१ पृष्ठभूमि

खैरहनी नगरपालिका बागमती प्रदेशको चितवन जिल्लामा पर्दछ । राज्यको पुन संरचना गर्ने क्रममा वि.स. २०७३ सालमा साविकका खैरहनी, कमरोज, कठार र चैनपर गा.वि.स. को सम्पूर्ण भूभागको संयोजनबाट खैरहनी नगरपालिका गठन गरिएको हो । प्राचिन कालमा सो क्षेत्रमा प्रसस्त खयर घारीले भरिएकाले तत्काल खयरघारीको नामले परिचित रहेको खयरघारी शब्द अपभ्रंस भई खैरहनी भएको भन्ने भनाई रहेको छ । सोही नामबाट खैरहनी गाँउ विकास समितिको नामाकरण भई सो खैरहनी गाउँ विकास समिति समेत गरी नगरपालिका गठन भएकोले यस नगरपालिकाको नाम खैरहनी नगरपालिका नामाकरण भएको हो । नगरपालिकाले ८५.५७ वर्ग कि.मि क्षेत्रफल ओगटेको छ ।

१.२ भौगोलिक अवस्थिति

खैरहनी नगरपालिका समुद्री सतह देखि करिब १९० मि. उचाइमा रहेको छ । नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति २७.५७° उत्तरी अक्षांश तथा ८४.५७° पूर्वी देशान्तरको बिचमा फैलिएको छ ।

१.३ जनसंख्या

खैरहनी नगरपालिकाको नगर वस्तुगत विवरण २०७६ अनुसार जम्मा घरधुरी संख्या १२,९३१ र कुल जनसंख्या ६५,१२६ रहेको छ ।

तालिका २ नगरपालिकाको जनसंख्या विवरण

वर्ष	जम्मा घरधुरी	जम्मा जनसंख्या	पुरुष	महिला
२०६८, राष्ट्रिय जनगणना	१२,३३१	५६,०९४	२६,०७५	३०,०१९
२०७६, नगर वस्तुगत विवरण	१२,९३१	६५,१२६	३२,९८५	३२,१४१
२०७८, राष्ट्रिय जनगणना	१४,६५०	६८,६७५	३३,१०४	३५,५७१

नगरपालिकामा सबै भन्दा जनसंख्या ब्राह्मण, क्षेत्री, ठकुरी, सन्यासीको ४३ % रहेको छ । त्यसैगरेर थारु २७ %, अन्य जनजाती (मगर, लामारतामाङ्ग, नेवार, गुरुङ आदि) २२ % दलित ६ % रहेको छ भने तराइका अन्य जाती र मुस्लिम समुदायका जातजातीको पनि वसोवास रहेको छ ।

उमेर अनुसारको जनसंख्या हेर्दा सबै भन्दा बढी संख्या १५-३९ वर्ष उमेर समुहको ४४.०६ % रहेको छ । त्यसैगरी नगरपालिकाको कुल साक्षरता दर ७४.२५ % रहेको छ ।

२.४ भूउपयोगको अवस्था

खैरहनी नगरपालिकाको कुल क्षेत्रफल ८५६०.५७ हेक्टर रहेको छ । पालिकाको भू-उपयोगको विवरण अनुसार नगरपालिकाको कुल क्षेत्रफलको ६३.२२ % खेतीयोग्य जमिन, ९.५५ % वन क्षेत्र, १०.३५ % नदि किनार वा बगर क्षेत्र रहेको छ । नगरपालिकाको कुल जमिनको मात्र ५.८९ % जमिनमा वस्ती क्षेत्रले ओगटेको छ ।

२.५. आर्थिक क्षेत्रको अवस्था

कृषि

कृषिको लागि प्रचुर उर्वर भूमि हुनु यस नगरपालिकाको लागि बरदान साबित भएको छ । कुल परिवारसंख्याको २२.१ प्रतिशत कृषि क्षेत्रमा लागेका छन् । नगरपालिकाको अधिकांश खेतीयोग्य जमिन सिंचाई युक्त जमिन रहेको छ । यस नगरपालिकामा खास गरी धान, मकै, र गहुँ तथा तेलहनमा तोरी र दलहनमा मसुरो उत्पादनको लागि उर्वर मानिने यो नगरपालिकामा हालका दिनहरुमा यहाँका किसानहरु केरा खेती, माछापालन तथा पशुपालन तर्फ पनि आकर्षित भएको देखिन्छ । पशुपालन ब्यबसायका दृष्टिले गाइपालन व्यवसायिक रुपमा नै अघि बढेको छ भने अन्य पशुपालनको पनि त्यत्तिकै सम्भावना रहेको देखिन्छ । त्यस्तै गरी नगदेवाली तर्फ मौसम अनुसार तराइ क्षेत्रमा हुने सबै प्रकारका तरकारी खेति हुने हुँदा त्यसको व्यवसायिक उत्पादन क्रमशः बृद्धि हुँदै गएको तथ्याङ्क पाइन्छ ।

उद्योग

रोजगारी तथा आर्थिक विकासका लागि उद्योग आधारको रुपमा रहन्छ । रोजगारी सृजनाका साथै वस्तु तथा सेवा उत्पादनमा पनि उद्योगको महत्वपूर्ण योगदान रहन्छ । यस नगरपालिकामा बियर, जस्ता, औषधि, क्रेट र ब्लक, रंग खाद्य (चिउरा, भुजिया, बिस्कुट,), कागज कापी, दाना, मैन बत्ति, चामल मिल, तोरी मिल आदि विभिन्न प्रकारका उद्योग रहेको देखिन्छ । यी सम्पूर्ण उद्योगहरुले आफ्नो उद्योगको लागि चाहिने कच्चा पदार्थ सबै आयात गर्ने गर्दछन् । उत्पादित सामान स्थानीय बजारको साथै बाहिर निकासी समेत गर्दछ । यस अतिरिक्त फर्निचर, कुशन र खेल्ने पुतली पनि स्थानीयले बनाउने गर्दछन् । कच्चा पदार्थको अभाव, ढुवानीको समस्या, अनुदानको अभाव, प्रोत्साहनको अभाव, सहूलियत ऋण नहुनु, उद्योग वाणिज्यको सहयोग नहुनु, जनशक्ति आदि उद्योग क्षेत्रका समस्याहरु हुन ।

पर्यटन

खैरहनी नगरपालिका प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा धार्मिक दृष्टिकोणले एक प्रमुख पर्यटकिय गन्तव्य नगर हो । यस नगरपालिकाले उत्तरमा शक्तिखोर र सिद्धि, पूर्वमा विरेन्द्रनगर, भण्डारा पश्चिममा रत्ननगर नगरपालिका छ भने दक्षिणमा चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज अवस्थित छ । यस नगरपालिकामा रहेको आकर्षणहरुमा फन पार्क, कंकाली रिजोर्ट, सलौली/ बुदौली सामुदायिक वनभोज स्थल (Picnic spot), पम्पा खोला, देवीथान मन्दिर, आदिवासी मध्यवर्ती सामुदायिक होम्स्टे, संग्राहलय सहितको इको पार्क आदी रहेका छन् ।

२.६. संस्थागत उपस्थिति

खैरहनी नगरपालिकामा कृषि, दूध, माछा, तरकारी, मौरी संग सम्बन्धित सहकारीको संख्या जम्मा ५० र अन्य कृषि समूहको संख्या ६० रहेको देखिन्छ । यस बाहेक नगरपालिकामा "क" वर्गको कुमारी बैंक तथा सिविल बैंक रहेका छन् । लघुवित्तले गाउँ वस्तीमा समूह बनाई सो मार्फत ऋण लगानी गर्ने गर्दछन । आर्थिक गतिविधि जस्तै ब्यापार व्यवसायको वृद्धि, औद्योगिकरण, पर्यटनको विकास आदिको कारणले निकट भविष्यमा अन्य वाणिज्य बैंकहरुको शाखा पनि क्रमशः यहाँ आउने अपेक्षा गर्न सकिन्छ ।

२.७. भौगोलिक पूर्वाधार

२.७.१. सडक

सडक पूर्वाधारको पनि पूर्वाधार हो । खैरहनी नगरपालिकालाई पूर्व पश्चिम राजमार्गले उत्तर र दक्षिण भागमा बरावरी बाँडेको छ । नगरपालिकामा धेरै जस्तो सडक अझै कच्ची छन् भने केहि सडक ग्राभेल भएका छन् । पालिकाका विभिन्न सडकहरुको नाम, अवस्था, सडकले समेट्ने वस्तीहरु, सार्वजनिक बस चल्ने स्थान, बसपार्क रहेको स्थान वडागत रूपमा तल तालिकामा प्रस्तुत छ । पालिकाको सडक यातायात गुरुयोजनाले खैरहनी नगरपालिकामा पर्ने सडकहरुलाई विभिन्न स्तरमा वर्गीकरण गरेको छ ।

खैरहनी नगरपालिकामा पूर्व पश्चिम राजमार्गमा सार्वजनिक यातायात संचालन हुन्छ । त्यसैगरी वडा नं ५ को तनही, सलती, कुटेनी बस्ती, वडा नं ७ को गौचरण वस्ती, वडा नं ९ को सिमलगडी, पिपरा, बसैली वस्ती, वडा नं १० को शान्ति बजार – सिद्धार्थ चोक, सुर्तना – नहर्मी, वडागाउँ - सवनपुर- उभराह र सिर्जना डेरी – तारचोक सडक, वडा नं ११ को बुढीराप्ती सडक (मूल बाटो), सिद्धार्थ - लामा चोक, मनु भुजेल – ड्याग, गणेश चोक - बुद्ध चोकमा सार्वजनिक यातायात सञ्चालनमा रहेको छ । (नगर पार्श्वचित्र २०७४, स्थलगत सर्वेक्षण)

२.७.२. विद्युत

खैरहनी नगरपालिकामा ९६.६२ % ले दैनिक वृत्ति बाल्नका लागि विद्युतको प्रयोग गर्दछन । वृत्ति बाल्नकाका लागि सौर्य उर्जाको प्रयोग गर्नेको संख्या ०.०६ % मात्र रहेको छ । (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६)

नगरपालिकाका सबै वडाहरुमा राष्ट्रिय प्रसारण माफर्त विद्युत सेवा पुगेको भएता पनि वडा नं ७ को भित्री बाटो तथा वडा नं ११ को हरियाली टोल देखि बहरको छेउ छाउ वडा कार्यालय सम्म विद्युत पुग्न बाँकी छ । साथै भोल्टेज कम हुने, ट्रान्सफरमर संख्या बढाउनुपर्ने, अव्यवस्थित पोल, क्षमताको कमि, पोलहरु विस्तार गर्नुपर्ने समस्याहरु रहेका छन् । छ । वडाका विभिन्न स्थानहरुमा १५, २५ र ५०र १०० के.भि.ए क्षमताका ट्रान्सफर्मरहरुबाट विद्युत वितरण भईरहेको छ ।

वैकल्पिक उर्जाको रूपमा नगरपालिकामा सोलारको प्रयोग भईरहेको छ । विद्युत सेवा नपुगेका केहि घरधुरी, विद्यालय, स्वास्थ्य संस्थाहरुमा सोलार प्यानलको प्रयोग गरिएको छ ।

२.७.३. सिंचाई

खैरहनी नगरपालिकाका अधिकांश व्यक्तिहरू कृषि पेशामा संलग्न छन् । कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन सिंचाईको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । कंकाली कुलो, ठुलो राप्ती नदी, बुढीराप्ती, कुचकुचे चिसापानी, सुल्ताना कुलो आदि सिंचाईका मुख्य स्रोत हुन् । जिर्ण कुलो तथा पूर्वाधार, पानीको चुहावट, मौसमी सिंचाई, मम्मत सम्भारको कमि, सिंचाई सम्बन्धि व्यवस्थापनका लागि कुनै संस्थागत व्यवस्था नभएको जस्ता समस्याका कारणले प्रशस्त पानीका स्रोतहरू तथा थुपै सिंचाई योजनाहरू भएतापनि यसको उचित प्रयोग तथा व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । सिंचाईको उचित व्यवस्थापन गरी सबै कृषि योग्य जमिनमा सिंचाईको व्यवस्था गर्न सके कृषि उत्पादन बढाई गाउँपालिकालाई खाद्यन्नमा आत्मनिर्भर बनाउन सकिने प्रशस्त सम्भावना छ ।

२.७.४. खानेपानी

खैरहनी नगरपालिकाका सबै वडामा खानेपानीको सुबिधा पुगेको छ । नगरपालिकामा विभिन्न स्रोतबाट खानेपानीको आपूर्ति भईरहेको छ । बागमती प्रदेश स्थानीय तहको वस्तुस्थिति विवरण २०७६ का अनुसार खानेपानीका लागि सबै भन्दा धेरै ५९.३ % घरधुरीले ट्युबवेल/हातेपम्प, ३४.७४ प्रतिशत घरधुरीले पाईपबाट, ०.९७ % ले ढाकिएको ईनार, कुवाको पानी प्रयोग गरिरहेका छन् । (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६)

२.७.५. सूचना तथा प्रविधि

नगरपालिकाका सबै क्षेत्रमा मोबाइल सेवाको पहुँच राम्रो छ । पालिकामा ८१.५३ % ले मोबाईलको प्रयोग गर्दछन् भने ५.०२ % को ईन्टरनेट पहुँच रहेको छ । टेलिफोन तथा इन्टरनेट सेवामा घरधुरीको पहुँच बढाउन मोबाइल सेवाको महत्वपूर्ण योगदान रहेको छ । पालिकामा नेपाल टेलिकम र एनसेलले मोबाईल सेवा सबैभन्दा बढी प्रयोगमा रहेको छ । पालिकाका वडा ७ र ८ मा एफ एम. तथा टेलिभिजनको पहुँच पनि राम्रो छ । नगरपालिकाका सबै वडामा ईन्टरनेटको सुविधा छैन । नगरपालिकाका सरकारी कार्यालय जस्तै नगरपालिका कार्यालय, वडा कार्यालय, विद्यालय, स्वास्थ्य चौकीमा ईन्टरनेटको सुबिधा विस्तार भएको छ ।

२.८. सामाजिक क्षेत्र

२.८.१. शिक्षा

कुनै पनि क्षेत्रको सामाजिक तथा आर्थिक विकासमा शिक्षाले महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको हुन्छ । शिक्षा मानव विकासको एक महत्वपूर्ण सूचक पनि हो । खैरहनी नगरपालिकाको ५ वर्ष उमेर भन्दा माथिको कुल साक्षरता प्रतिशत ६१.१ % रहेको छ । त्यसैगरी महिला साक्षरता प्रतिशत ५३.४ % र पुरुष साक्षरता ६९.५ % रहेको छ । (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६)

खैरहनी नगरपालिकामा जम्मा ४६ वटा सामुदायिक विद्यालय र ९ वटा संस्थागत विद्यालय सहित जम्मा ५५ वटा शैक्षिक संस्थाहरू रहेका छन् । सामुदायिक विद्यालयमा १२ माध्यमिक र ३२ आधारभूत तह, ३ उच्च माध्यमिक विद्यालय संचालनमा छन् । (श्रोत: खैरहनी न.पा. वडा भेला)

२.१.२ स्वास्थ्य

खैरहनी नगरपालिकामा १ नगर अस्पताल, ६ वटा स्वास्थ्य चौकी र ५ आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्र गरी जम्मा ९ स्वास्थ्य संस्थाहरू छन् । यी स्वास्थ्य संस्थामा विरामी जांच, पोषण सेवा, प्रसुती सेवा, गर्भवती जाँच, औषधी वितरण, ल्याब सेवा, खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा, भिटामिन ए खुवाउने तथा अन्य उपचारात्मक सेवाहरू उपलब्ध रहेका छन् । पालिकामा समय समयमा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालन पनि संचालन गर्ने गरिएको छ ।

२.१.३ युवा तथा खेलकुद

युवा कुनै पनि स्थानका विकासका सम्वाहक हुन् । युवा शक्तिको परिचालन बाटनै विकास सम्भव हुन्छ । खैरहनी नगरपालिकाको जनसंख्याको बनौट हेर्दा कुल जनसंख्याको झन्डै ४५ % हिस्सा युवाको रहेको छ (जनगणना, २०६८) । यो संख्या बागमती प्रदेशमा ३५.७९ % रहेको छ । नेपालमा पछिल्लो समयमा युवाहरू विदेशिने क्रम बढ्दै गईरहेको भने यसबाट खैरहनी नगरपालिका पनि अछुतो रहन सकेको छैन । नगरपालिकाबाट विशेष गरी बैदेशिक रोजगारीका लागि तथा शिक्षा तथा रोजगारीका लागि युवाहरू बाहिरिने क्रम बढ्दो छ । यद्यपि पालिकाले युवावर्गलाई स्थानीय स्तरमानै टिकाई राख्न विभिन्न प्रोत्साहनका कार्यक्रम गर्दै आइरहेको छ । युवाहरूको भेला, सामाजिक कार्य, संस्कृतिको जगेर्ना, विभिन्न खलकुद प्रतियोगिताको आयोजना लगायत समग्र युवा वर्गको विकासका लागि पालिकाका विभिन्न वडामा युवा क्लब सक्रिय रहेका छन् ।

२.१.४ धार्मिक , सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरू

खैरहनी नगरपालिकामा विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरू रहेका छन् । यस नगरपालिकाको विभिन्न धार्मिक स्थलहरूमा कृष्ण मन्दिर, राम जानकि मन्दिर, शिव मन्दिर, चर्च, हंशेश्वर मन्दिर, ब्रिन्दबासिनि मन्दिर, सेती देवी मन्दिर, छिम्केश्वरी मन्दिर , दुर्गा मन्दिर, कृष्ण प्रणामी मन्दिर, श्री उर्गेन द्योलीङ गुम्बा , नमो सिद्धार्थ गुरुङ सेवा संस्था, चर्च आदी रहेका छन् ।

परिच्छेद ३: सोच तथा विकासको अवधारणा

३.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले नेपालको अर्थव्यवस्था समाजवाद उन्मुख बनाउनको लागि सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको समन्वयात्मक योगदानबाट दिगो र फराकिलो आर्थिक वृद्धि हासिल गर्दै सामाजिक न्यायमा आधारित समातामूलक समाज निर्माणका लागि मार्ग प्रशस्त गरेको छ । राज्यको अधिकार र कार्य क्षेत्रलाई संघ, प्रदेश र स्थानीय गरी तीन तहका सरकारमा बाँडफाँड गरिएको छ । संविधान प्रदत्त अधिकारले प्रत्येक तहको एकल र साझा अधिकारको बाँडफाँड मार्फत आर्थिक, सामाजिक विकासमा स्थानीय जनताको सहभागिता कुनै न कुनै किसिमले गरेको छ । स्थानीय सरकारले कुनै पनि योजना तर्जुमा गर्दा स्थानीयबासीहरुको कुनै न कुनै हिसावले सहभागिता, अनुभवको आदानप्रदान र योजनाको कार्यान्वयनमा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सहभागिताका लागि मार्ग प्रशस्त गरेको छ । सहभागिताको सुनिश्चितताको लागि पालिका र वडाहरुको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ । जनसहभागिताले योजनाको अपनत्व र कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता ल्याउन मद्दत गर्दछ ।

नगरपालिकाले निर्माण गरेका सामाजिक, आर्थिक विकासका कार्यहरुलाई सफल कार्यान्वयन गर्नको लागि वित्तीय क्षेत्रको उचित व्यवस्थापन गर्नुपर्दछ । पालिकाको संस्थागत क्षमता र वित्तीय क्षेत्रको प्रभावकारी परिचालनद्वारा नगरपालिकाको दीर्घकालिन सोच, मध्यमकालिन र अल्पकालिन लक्ष्य तथा उद्देश्यहरु प्राप्त गर्न सहजता हुन्छ । आफ्नो पालिकाकाको विशिष्टता अनुसारको लक्ष्य, उद्देश्य सहित संघ, प्रदेशका योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्य, उद्देश्यलाई समेत परिपुरण गर्नको लागि सहयोगी बन्नेछ ।

खैरहनी नगरपालिकासँग आफ्नै प्रकारका विशिष्ट समस्या, संभावना र अवसरहरुका साथमा स्रोत र साधनको उपलब्धता र न्यूनता रहेको छ । उपलब्ध स्रोत र साधनको उच्चतम उपयोगका लागि संस्थागत विकास र सुशासन मुख्य स्तम्भमा रुपमा लिन सकिन्छ । स्थानीय राजश्व र आयका स्रोत, संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान, राजश्व बाँडफाँड र बाह्य आम्दानीका अवसरहरुको अधिकतम उपयोग गर्न सक्ने अवसर रहेका छन् । पञ्चकन्या नगरपालिकाले आन्तरिक र बाह्य अवसरहरुको अधिकतम उपभोग गर्दै पालिकाको आर्थिक, सामाजिक विकास, पूर्वाधार विकासका लागि संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि तथा सुशासन कायम गर्नको सकेमा यस आवधिक योजनाले राखेको दीर्घकालिन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य अनुरूप कार्यहरु गरी अपेक्षित उपलब्धी र प्रतिफल प्राप्त भई समृद्ध पालिका बनाउन यो आवधिक योजना कोशेढुङ्गा सावित हुने विस्वास गरिएको छ ।

३.२. प्रमुख समस्या तथा चुनौती

खैरहनी नगरपालिकामा मापदण्ड अनुसारका सडक निर्माण नहुनु, खानेपानी मुहानको सरसफाई तथा संरक्षण, सविकमा रहेका कुलो राज कुलो जस्ता सिचाईका, पूर्वाधारहरु मिची सडक तथा भवन निर्माण, विद्युत तथा संचारमा नियमित मर्मत सम्भार सम्बन्धि कार्य नभएको, खेतीयोग्य जमिन वस्तीमा परिणत भईरहेको, कृषि प्राविधिकको कमी जस्ता समस्याका साथै विपद व्यवस्थापन बाढी भूक्षय, कटानडुबान, पशुजन्य उत्पादनको गुणस्तरको मापदण्ड बनाई एकरूपता कायम गर्नु, ठुलोठुलो उद्योगहरु संचालनको लागि आवश्यक पूर्वाधारको विकास गर्नु जस्ता चुनौतीहरु रहेका छन्। पालिकाका मुख्यमुख्य समस्या र चुनौती उल्लेखित रहेका छन्।

समस्या	चुनौती
<ul style="list-style-type: none"> • कृषि योग्य जमिनमा सिंचाईको अभाव । • परम्परागत जिविकोपार्जनमा आधारित कृषि प्रणाली । • प्राकृतिक साधन र श्रोतको उपयोग क्षमता ज्यादै न्यून र न्यून उपयोग । • गुणस्तरिय स्वास्थ्य र शिक्षाको न्यून पहुँच र सुविधा विहिनता । • सार्वजनिक शिक्षा र स्वास्थ्यको कमजोर व्यवस्थापन । • पर्यटन प्रवर्धन, विकास गर्न नसक्नु र पर्यटकिय पूर्वाधारको कमी । • जोखिमयुक्त बस्ती व्यवस्थापन र बस्ती विकास प्रति ध्यान दिन नसक्नु । • दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको पलायन र दक्ष जनशक्ति टिकाउने योजनाको अभाव । • स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण सहज र भरपर्दो गर्न नसक्नु । • जनतालाई सेवा, सुविधामा सहज पहुँच पुर्याउन नसक्नु । • सामाजिक कुरिती, हिंसा र विभेदहरु हटाउन नसक्नु । 	<ul style="list-style-type: none"> • खेती योग्य जमिन खोला भन्दा अग्लो स्थान तर्फ भएकोले नदीहरुबाट सिंचाई गर्न ठूला लगानि गर्न कठिनाई । • विषयगत शिक्षकहरु दरवन्दी भन्दा कम भएकोले गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न कठिनाई • सामाजिक र जातिय विभेदको जरा बढ्दै गएकोले समतामूलक समाज निर्माणमा कठिनाई • छरिएर रहेका बस्तीहरुमा सामाजिक, आर्थिक र भौतिक पूर्वाधार तथा नगरपालिकाले सहज सेवा पुर्याउन कठिनाई । • कटान र भूक्षयको बढी जोखिमले दिगो र भरपर्दो सडक यातायातमा पहुँच पुर्याउन कठिनाई । • दक्ष जनशक्ति र पूर्वाधारको कमीले पर्यटन प्रवर्धनमा कठिनाई । • संस्थागत क्षमता, सामाजिक सोच र परम्परागत विचारधारा, सूचनाको अभावका कारण पालिकाबाट प्रवाह हुने सेवा, सुविधा सबै जनताको पहुँचमा पुर्याउन कठिनाई । • असिमित समस्या र सिमित श्रोत साधनको तालमेल गराउन कठिनाई ।

३.३. प्रमुख संभावना र अवसर

जहाँ समस्या त्यहाँ संभावना र अवसर पनि साथसाथै हुन्छन् । खैरहनी नगरपालिकामा धेरै समस्या र चुनौतीहरु भएपनि संभावना र अवसरहरु पनि उतिकै रहेका छन् ।

अवसर	संभावना
<ul style="list-style-type: none"> नदीनालाहरुबाट सिंचाई, जलविद्युत, खानेपानीको व्यवस्थापन गरी उत्पादन र आन्तरिक श्रोतलाई बढाउन सकिने । दिगो र भरपर्दो यातायात सुविधाले कृषि उत्पादन, बजारीकरण र पहुँच बढाउन सकिने । प्राकृतिक श्रोत जस्तै: जलश्रोत, खानी, वनको उच्चतम प्रयोगबाट रोजगारी सृजना, उत्पादन बृद्धि, आय बृद्धि गर्न सकिने । कृषि र पर्या पर्यटनको विकासले आर्थिक र सामाजिक विकासमा बृद्धि गर्न सकिने । बस्तीहरुलाई स्थान्तरण गरि संयुक्त बस्ति बसाल्नमा विकास पूर्वाधार निर्माण गरि सेवा पुग्ने कृषिमा आधारित उद्योगधन्दाहरुको स्थापना र विस्तार गर्न सकिने । छिमेकी पालिकाहरुको समेत शिक्षा र स्वास्थ्यको केन्द्रका रुपमा विकास गर्न सकिने । 	<ul style="list-style-type: none"> जलविद्युत, सिंचाईको विकास गर्ने । वनको दिगो विकास गरि वनमा आवद्ध समुदायको आयश्रोत बृद्धि गर्ने । पर्यटन प्रवर्धन गरी रोजगारी, व्यापार वृद्धि गरि आर्थिक उन्नति गर्ने । घरेलु तथा साना उद्योगहरुको स्थापना र कच्चा पदार्थको उपयोग गर्ने ।

३.४ आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशक सिद्धान्त तथा आधार

संविधानको धारा ५७ (४) (५) र अनुसूची ८ र ९ ले स्थानीय तहलाई आर्थिक तथा सामाजिक विकासको अग्रपङ्क्तिको चालकको रूपमा परिभाषित गरेको छ । संविधानका प्रावधानहरूको अधिनमा रही स्थानीय तहले आवधिक, मध्यकालिन एवं वार्षिक नीति, योजना, वजेट तथा कार्यक्रमहरू तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न सक्छन् । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा २४ को उपदफा (३) (क देखि झ) र संघ, प्रदेश र स्थानीय तह (समन्वय तथा अन्तर सम्बन्ध) ऐन, २०७७ को दफा ३ को उपदफा (१) (क देखि द) ले स्थानीय तहको जिम्मेवारी र कार्य सीमा तोकेका छन् । दिगो विकास लक्ष्य, मौलिक हक, संघीय सरकारको पन्ध्रौं पञ्चबर्षिय योजना र प्रादेशिक योजनाले राखेका अल्पकालिन, मध्यकालिन र दीर्घकालिन लक्ष्य प्राप्त गर्न स्थानीय तहको जिम्मेवारी महत्वपूर्ण छ । जुन सुकै योजनाको कार्यान्वयन हुने अन्तिम विन्दु भनेको स्थानीय तह नै भएको हुँदा सबै तहका सरकारको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य आपसमा मेलखाने हुन जरुरी छ । एउटै लक्ष्य तथा उद्देश्य भएका कार्यक्रमहरूमा कुनै एक, दुई वा तीनवटै सरकारको संलग्नता रहने व्यवस्था संविधान, कानून तथा कार्यविधिहरूले निर्दिष्ट गरेका छन् । नेपाल सरकार (कार्य विभाजन) नियमावली २०७४, स्थानीय तह योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ र बजेट तर्जुमा सम्बन्धी मार्गदर्शन तथा ढाँचा, २०७६ ले स्थानीय तहका योजना निर्माण, कार्यान्वयन, मूल्याङ्कन र वित्तीय व्यवस्था बारे दायरा तोकेका छन् । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा २४ र दफा ११ ले योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन प्रक्रियामा सरकारका तीन वटै तहका जिम्मेवारी प्रष्ट पारेका छन् ।

३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य

राजनीतिक स्थायित्वको जगमा तीव्र आर्थिक विकास र समृद्धि दुरगामी सोच सहितको राष्ट्रिय लक्ष्यहरू निर्धारण गरिएका छन् । आय वृद्धि, गुणस्तरीय मानवपुँजी निर्माण र आर्थिक जोखिमको न्यूनीकरण गर्दै वि.सं. २०७९ सम्म अति कम विकसित देशबाट विकासशिल देशमा स्तरोन्नति गर्ने र वि.सं. २०८७ सम्म दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्दै उच्च मध्यम आयस्तर भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुने गरी राष्ट्रिय र प्रादेशिक सोच लक्षित रहेको छ । संघिय सरकारले नेपालको दीर्घकालीन सोच, २१०० तर्जुमा गरिसकेको हुँदा उक्त सोचलाई हासिल हुनेगरी गाँउपालिकाको विशेषता र प्राथमिकता झल्किने गरी पञ्चकन्या गाँउपालिकाको दीर्घकालीन सोच निर्धारण गरिएको छ ।

राष्ट्रिय दीर्घकालिन सोच	
“समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली”	समुन्नत, स्वाधीन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र सहितको सघन अन्तरआबद्धता तथा उच्च उत्पादकत्व भएको समान अवसर प्राप्त, स्वस्थ, शिक्षित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक ।

प्रदेश दीर्घकालिन सोच	
“सुसंस्कृत र सुखी जनता ; समाजवाद उन्मुख समृद्ध प्रदेश”	संस्कृति ,कृषि ,उद्योग ,पर्यटन ,मानव पुँजी र पूर्वाधार ; सुसंस्कृत ,सुखी र समृद्ध प्रदेशको आधार

नेपालको राष्ट्रिय दिर्घकालिन सोच र वाग्मती प्रदेशको आवधिक योजनाको दिर्घकालिन सोचलाई आत्मसाथ गर्दै खैरहनी नगरपालिकाको समग्र विकासका लागि नगरपालिकाको दिर्घकालिन सोच निर्धारण कार्यशाला गोष्ठीबाट नगरपालिकाको साधन, श्रोत, आवश्यकता, संभावना र अवसरहरुको आधारमा अग्रणी क्षेत्रहरुको पहिचान गरी सोही अनुरूप खैरहनी नगरपालिकाको दिर्घकालिन सोचको निर्धारण गरिएको छ ।

“कृषि, पर्यटन र पूर्वाधार, खैरहनी नगर विकासको आधार”

३.६. समष्टिगत लक्ष्य

दिगो विकासको अवधारणालाई आत्मसात गर्दै स्थानीय स्रोत साधन र प्रविधिको उच्चतम प्रयोगका साथ अर्थतन्त्रमा दिगो वृद्धि हासिल गरी नगरपालिकामा समतामूलक र समावेशी वातावरण सिर्जना गर्दै पालिकाबासीको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने गरी लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ ।

उपलब्ध स्थानीय स्रोत र साधनको विवेकपूर्ण उपयोग गरी खैरहनी नगरपालिकालाई राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक रूपमा स्थापित गर्ने ।

३.७. समष्टिगत उद्देश्य

आर्थिक क्षेत्र

आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थतन्त्र विकासको लागि स्थानीय प्राकृतिक स्रोतको दिगो उपयोग र प्रभावकारी व्यवस्थापन मार्फत कृषि, पशु, पर्यटन क्षेत्रको उत्पादकत्व वृद्धि गर्दै उद्यमशिलता र रोजगारीका अवसरहरु सृजना गरी सामाजिक न्याय सहितको समतामूलक आर्थिक विकास गर्ने ।

सामाजिक क्षेत्र

स्वास्थ्य र शिक्षालाई गुणस्तरीय, सर्वसुलभ र निःशुल्क बनाउँदै सबै वर्ग, समुदायको समतामूलक विकासका लागि लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरणका आधारमा स्थानीय भाषा, धर्म, संस्कृति, कला तथा साहित्यको प्रवर्धन गर्दै समतामूलक समृद्ध समाज निर्माण गर्ने ।

पूर्वाधार विकास

गुणस्तरिय सार्वजनिक पूर्वाधार निर्माण, सडक, सञ्चार, उर्जा, सिंचाई, स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाई, सूचना प्रविधि जस्ता आधारभूत पूर्वाधारयुक्त पालिका बनाउन जोड दिने ।

संस्थागत विकास तथा सुशासन

उच्च संस्थागत सम्झनायुक्त पालिका संयन्त्र, प्रभावकारी संस्थागत सहकार्य र समन्वय, सार्वजनिक प्रशासन तथा सेवा प्रवाहलाई प्रविधि मार्फत नागरिकमैत्री बनाई स्थानीय सरकारलाई नतिजामुखी र प्रभावकारी बनाउँदै जवाफदेहिता, पारदर्शिता र सुशासन अभिवृद्धि गर्ने ।

३.४. समष्टिगत रणनीति

- १ कृषि उत्पादन तथा मासुजन्य उत्पादनमा पालिकालाई आत्मनिर्भर बनाउन आधुनिकीकरण र व्यावसायिकीकरणमा जोड दिने ।
- २ कृषिजन्य उद्योग स्थापना र पर्यटन व्यवसाय प्रवर्धन गरी पालिकाको उत्पादन, आय, रोजगारी बृद्धिमा जोड दिने ।
- ३ स्थानीय सीप, प्रविधि र पूँजीको उच्चतम उपयोग एवं संरक्षण गर्दै रोजगारी सिर्जना र स्वरोजगार प्रवर्धनमा जोड दिने ।
- ४ गुणस्तरीय, निःशुल्क र सर्वसुलभ शिक्षा र स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित गर्दै समतामूलक समाज निर्माणमा जोड दिने ।
- ५ लैङ्गिक समानता, सामाजिक समावेशीकरण अभिवृद्धि गर्दै स्थानीय भाषा, धर्म, संस्कृति, कला तथा साहित्यको संरक्षण, प्रवर्धन र विकासमा जोड दिने ।
- ६ गुणस्तरिय सडक सञ्जाल मार्फत स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण र यातायात पहुँच बृद्धिमा जोड दिने ।
- ७ सुरक्षित र व्यवस्थित आवासको हकलाई आत्मसात गर्दै विपद, जोखिम न्यूनीकरण हुने गरी सुरक्षित बसोबासको प्रवन्धमा जोड दिने ।
- ८ सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको समन्वयात्मक सहकार्य मार्फत सामुहिक खेती एवं उत्पादनमूलक क्षेत्रमा उद्योग र व्यवसाय प्रवर्धनमा जोड दिने ।
- ९ प्रविधिमैत्री सार्वजनिक प्रशासन मार्फत जवाफदेहिता, पारदर्शिता, नमुनायोग्य र परिणाममुखी शासन व्यवस्था सञ्चालनमा जोड दिने ।
- १० स्थानीयस्तरमा योजना छनौटदेखि कार्यान्वयन तहसम्म नागरिक समाजसँग सहकार्य, समन्वय र साझेदारीमा जोड दिने ।

३.१. समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्य

तालिका ३ समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र सं.	सूचक/ लक्ष्य	एकाइ	आधार वर्षसम्मको अवस्था			योजनाको अवस्था		
			नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह	नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह
क.	समष्टिगत गन्तव्य तथा सूचक							
१.	मानव विकास सूचाङ्क	इन्डेक्स	०.५७४ ^१	०.६४१ ^१	०.५५४ ^२	०.७६० ^३	०.८२० ^३	
२.	जन्म हुँदाको अपेक्षित आयु	वर्ष	६९.७ ^३	७२.० ^३	७०.४२	७२ ^३	८५ ^३	
३.	गार्हस्थ्य प्रतिव्यक्ति आम्दानी	युएस डलर	१०४७ ^३	१९१७ ^३		१२१०० ^३	२२४९० ^३	
४.	साक्षरता दर (१५ वर्ष भन्दा माथि)	प्रतिशत	५८ ^३	६९ ^३	६८.५५	९८ ^३	९९ ^३	
५.	वेरोजगारी दर	प्रतिशत	११.४ ^३	७.२ ^३		३ ^३	१.८ ^३	
६.	निरपेक्ष गरिबीको रेखामुनीको जनसङ्ख्या	प्रतिशत	१८.७ ^३	१५.३ ^३		० ^३	० ^३	
७.	आर्थिक रूपले सक्रिय जनसङ्ख्या	प्रतिशत	३९.९ ^४	४२.५ ^४				
८.	विपदबाट हुने वार्षिक क्षति रकम	रु हजारमा	२,५४,२८,१२	७३,४४,६१				
ख.	विषय क्षेत्रगत गन्तव्य र सूचक							
१.	खाद्यान्न बाली उत्पादन (हजारमा)	मे.टन	५३५५२३२ ^५	६९०९०२ ^५				

^१ .व.आ) बागमती प्रदेशको पहिलो आवधिक योजना)२०७६(८१/२०८०-७७), २०७६(^२ बागमती प्रदेशको स्थानीय मानव विकास प्रतिवेदन), २०१९(^३ (पन्ध्रौं आवधिक योजना (आ. व. ७६/७७ - २०८०-८१), २०७६)^४ (A Province with many Prospects - An Introduction to Bagmati Province , 2019)^५ (नेपालको जनसांख्यिक, सामाजिक, आर्थिक तथा वित्तीय स्थिति (प्रदेशगत प्रोफाइल) , २०७५)

२.	काठको उत्पादन (लाखमा)	घ.मि	५.५ ^६			८.४९ ^३		
३.	उद्योगबाट रोजगारीको सिर्जना (हजारमा)	सङ्ख्या	३२२८.४ ^७	१२१८.४ ^७				
४.	निर्यात आयात अनुपात	अनुपात	०.०९ ^८					
५.	पर्यटक आगमन (हजारमा)	सङ्ख्या	११९७ ^९					
६.	पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी (हजारमा)	सङ्ख्या	३७१.१४० ^{१०}	१६१.६७४ ^{१०}				
७.	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत	९०.७ ^१	९८.२ ^१	८३.१७	१०० ^१	१०० ^१	१००
८.	विद्युत उत्पादन क्षमता	मे.वा.	७२५४४ ^{११}	१०५६८ ^{१२}				
९.	सिञ्चित क्षेत्रफल (हजारमा)	हेक्टर	७२८.४४७ ^{१२}	१९.५३६ ^{१३}				
१०.	सडक निर्माण लम्बाई (पक्की/ ग्राभेल/ धुले)	कि.मी						
११.	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता जनसङ्ख्या	प्रतिशत	५८ ^१	७१.२ ^१	०.६	१०० ^१	१०० ^१	
१२.	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	५८ ^१	६९ ^१	४९.१४	९८ ^१	९९ ^१	

^६ (आर्थिक सर्वेक्षण २०७८/२०७९, २०७९)

^७ (राष्ट्रिय आर्थिक जनगणना, २०१८)

^८ (Government of Nepal, Ministry of Industry, Commerce and Supplies, Trade and Export Promotion Centre, 2022)

^९ (नेपाल पर्यटन तथ्यांक, २०१९)

^{१०} (राष्ट्रिय आर्थिक जनगणना २०१८ - विश्लेषणात्मक प्रतिवेदन, २०२१)

^{११} (Assessment of Hydropower Potential of Nepal, 2019)

^{१२} (सिंचाई गुरुयोजना, २०१९)

१३.	विद्यालय (सामुदायिक र संस्थागत)	सङ्ख्या	सामुदायिक- २९०३५ संस्थागत - ६५६६	सामुदायिक- ५२४३ संस्थागत - २१४५	सामुदायिक- ३९ संस्थागत -६			
१४.	खुद भर्ना दर	प्रतिशत						
१५.	क) आधारभूत तह (कक्षा १- ८)	प्रतिशत	९३ ^३	९३.५२ ^{१३}	९५.०५	९९ ^३	१००	
	ख) माध्यमिक तह कक्षा (९- १२)	प्रतिशत	४३.९ ^१	४८.२ ^३	४०.५२	९५ ^१	९८ ^१	
१६.	काम गर्ने उमेर समूहका प्राविधिक र व्यावसायिक शिक्षामा तालिम प्राप्त जनसङ्ख्या	प्रतिशत	३१ ^३			५० ^३		
१७.	मातृ मृत्युदर (प्रति लाख जीवित जन्म)	जना	२३९ ^१	७१.२ ^१		२० ^१	१० ^१	
१८.	बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्म)	जना	३९ ^१	३६ ^१		८ ^१	४ ^१	
१९.	तौल कम भएका बालबालिका (५ वर्ष मुनी)	प्रतिशत	२७ ^१	१३.३ ^१		२ ^१	१ ^१	
२०.	आधारभूतस्तर खानेपानी सुविधाबाट लाभान्वित जनसङ्ख्या	प्रतिशत	९१ ^{१४}			१०० ^{१६}		
	उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको जनसङ्ख्या	प्रतिशत	२० ^१	२१ ^१		९५ ^१	९७ ^१	

^{१३} (शिक्षा तथ्यांक, २०१८)

^{१४} (मन्त्रालय स्तरीय विकास समस्या समाधान समितिको बैठक तथा प्रथम चौमासिक प्रगति समीक्षा आ.व. २०७६/७७)

२१.	सरसफाइ सुविधा उपलब्ध घरपरिवार	प्रतिशत	९९.७ ^{१६}			१०० ^{१६}		
२२.	बैंक तथा वित्तीय संस्थाको शाखा	सङ्ख्या	३६७३ ^५	१२६३ ^५				
२३.	जमिनमा महिलाको स्वामित्व हुने परिवार	प्रतिशत	१९.७ ^{१५}		९.९७			
२४.	विपदबाट मृत्यु हुने वार्षिक जनसङ्ख्या	जना	५०९	६१				
२५.	विपदबाट प्रभावित हुने परिवार सङ्ख्या	सङ्ख्या	६५८३	६९६				
२६.	प्रकोपबाट कृषि क्षेत्रमा भएको आर्थिक क्षति (वार्षिक)	रु हजारमा						
२७.	प्रकोपबाट खानेपानी संरचनामा भएको क्षति (वार्षिक)	वटा						
२८.	प्रकोपबाट पूर्वाधारमा भएको क्षति (वार्षिक)	वटा						

^{१६} (Securing Women's Land and Property Rights in Nepal, 2022)

३.१०. नगरपालिकाको समष्टिगत वित्तीय अवस्था

कृषि पशुपालन, पर्यटन, व्यापार व्यावसाय, विद्यार्थी, सार्वजनिक तथा नीजि क्षेत्रको नोकरी वा सेवा क्षेत्रमा आबद्ध मानिसहरुको आधारमा समुदाय र पालिकाको बस्तुस्तिथिमा फरक पर्दछ । मानिसका अनगिन्ति आवश्यकता र आकांक्षाहरु हुन्छन् र ति अनगिन्ति आवश्यकता र आकांक्षाहरु एक्लो प्रयासले परिपूर्ति गर्न सकिन्दैन र यसका लागि सामुहिक प्रयत्नहरुको समन्वय, सहकार्य, आपसी सेवाको आदान प्रदानको संयन्त्र निर्माण हुन पुग्दछ । त्यस्ता संयन्त्रहरु टोल, समुदाय, पालिका, जिल्ला, प्रदेश हुँदै देशभर पुगिरहेका हुन्छन । त्यस्ता संयन्त्रहरुको परिचालन, समन्वय, सहकार्य, सहभागिताको लागि सांगठनिक संरचनाको आधार तयार भएका हुन्छ । यसले जनआकांक्षाहरुको समाधान हेतु कार्यहरु गरिरहेका हुन्छन् । स्थानीय समुदायमा बसोबास गर्ने मानिसहरुका आवश्यकता र आकांक्षाहरुको परिपूर्तिका लागि पालिका मुख्य संयन्त्र हो ।

वस्तु तथा सेवा उत्पादन गर्ने, वस्तु विनिमय गर्ने, सेवा उपभोग गर्ने, वस्तु तथा सेवाका परिपाटीको विकसित रुप नै अहिलेको वस्तु तथा सेवा बजार हो । यसले स्थानीय आर्थिक इकाइहरुको (व्यक्ति, समाज, स्रोत साधन, उद्योग व्यापार, आयात निर्यात आदि) खाका तयार गर्छ र समुदाय स्तरका निजी, सामुदायिक र सार्वजनिक निर्माण तथा सेवाका सबै क्रियालापहरुको वित्तीय सिमाङ्कन (निजी, सामुदायिक र सरकारी क्षेत्रको वित्तीय स्तर निर्धारण) गर्छ । आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि चाहिने वित्तीय स्रोत जुटाउन सरकारले राज्यका विधि तथा कानूको सीमा भित्र रहेर यी नै आर्थिक इकाइहरुबाट राजस्व प्राप्त गर्छ ।

राजस्वको आकार तथा परिमाण आर्थिक इकाइहरुको वित्तिय आकारमा भर पर्ने विषय भएकाले प्राकृतिक स्रोत, आर्थिक स्तर र राजस्व परिमाणको बीचमा प्रत्यक्ष आनुपातिक सम्बन्ध रहन्छ । नगरपालिकाको आफ्नै आन्तरिक स्रोतहरुका साथै संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने विभिन्न प्रकार अनुदानहरु, निजी, सार्वजनिक निकायहरुसँगको साझेदारीबाट हुने आयहरुलाई पालिकाले प्राथमिक क्षेत्रहरुमा लगानी गर्दै आईरहेको छ । नगरपालिकालाई सम्पन्न बनाई नगरपालिका भित्र बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनस्तरमा गुणस्तरिय परिवर्तन ल्याउनु, गुणस्तरीय सेवा प्रवाह गर्नु, उपलब्ध स्रोत साधनहरुको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु, स्थानीय पर्यावरण, जैविक विविधताको संरक्षण गर्नु, संभावित प्रकोपबाट हुने क्षति न्यूनीकरण गरि नागरिकहरुको भय रहित वातावरणमा बाँच्न पाउने अधिकार सुनिश्चित गर्नु जस्ता कार्यमा आवश्यक पर्ने वित्तिय व्यवस्था गर्न पालिकाले वित्तीय अनुमान र प्रक्षेपण गर्नु सफल योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक छ । वित्तिय क्षमताको आकलन र वित्तिय क्षमतामा बृद्धिले मात्र लक्षित कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन हुन सक्ने भएकोले यस योजनामा वित्तिय विश्लेषणलाई महत्वपूर्ण मानिएको छ ।

नगरपालिकाले आन्तरिक राजश्व, राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने रकम, वित्तीय समानिकरण अनुदान, सर्शत अनुदान तथा विशेष कार्यक्रमका लागि संघीय र प्रदेश सरकार तथा अन्य केन्द्रिय निकायबाट प्राप्त हुने विभिन्न अनुदान तथा सहयोगबाट आर्थिक स्रोत एकिकृत गरि विकास तथा सेवा प्रवाहका कार्यहरुमा खर्च विनियोजन गरिरहेको छ । स्थानीय विकासको पूँजीगत खर्च बढाउन एकातर्फ आन्तरिक राजश्व र समग्र

स्रोतको दायरा बढाउनु पर्ने बाध्यता छ भने अर्को तर्फ नगरपालिकाको खर्च गर्ने क्षमता समेत बढाउनु पर्ने आवश्यकता छ । आवधिक योजना बनाउँदा नगरपालिकाले अनुदान, सहयोग, साझेदारी, लागत सहभागिता तथा आन्तरिक आय क्रमशः विस्तार गर्दै जाने रणनीति लिएकोले आगामी वर्षहरूमा बजेटरी खर्च र गैरबजेटरी खर्च समेतबाट क्रमशः क्षमता बढाउनु आवश्यक छ ।

३.॥ नगरपालिकाको आन्तरिक आय

संघ र प्रदेशबाट फरक फरक शीर्षकमा नगरपालिकामा जाने बजेटको २५ प्रतिशत हिस्सा नगरपालिकाले आन्तरिक स्रोतबाटै जुटाउनु पर्ने कानुनी प्रावधान छ । तर यस नगरपालिकाले आ. व. २०७७।७८ मा आन्तरिक आम्दानी जम्मा आयको २२.५९ प्रतिशत मात्र संकलन गरेको छ । संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने स्रोतको बढोत्तरी गर्न नगरपालिकाले आन्तरिक आम्दानीमा सुधार गर्नु अनिवार्य हुने देखाउँछ । हाल नगरपालिकाले फरक फरक शीर्षकमा अनुदान तथा आय प्राप्त गर्दै आएको देखिन्छ ।

१	नेपाल सरकार समानीकरण अनुदान
२	नेपाल सरकार सशर्त अनुदान
३	नेपाल सरकार समपुरक अनुदान
४	नेपाल सरकार विशेष अनुदान
५	संघीय राजस्व बाँडफाँड
६	प्रदेश सरकार समानीकरण अनुदान
७	प्रदेश सरकार सशर्त अनुदान
८	प्रदेश सरकार समपुरक अनुदान
९	प्रदेश सरकार विशेष अनुदान
१०	प्रदेश सवारी साधन कर बाँडफाँड
११	प्रदेश अन्य आय
११	आन्तरिक श्रोत
१३	नेपाल पर्यटन बोर्ड
१२	विविध (मौज्दात समेत)

परिच्छेद ४: आर्थिक क्षेत्र

४.१ कृषि तथा पशुपन्छी

४.१.१ पृष्ठभूमि

कृषि क्षेत्र नेपालको अर्थतन्त्रको महत्वपूर्ण अंग हो । हाल मुलुकमा कृषिको यान्त्रिकीकरण, आधुनिकीकरण र व्यवसायीकरण गर्ने उद्देश्यले १५ वर्षीय कृषि विकास रणनीति कार्यान्वयनको चरणमा छ । यसका साथै जैविक खेतीको विकासका निम्ति प्रविधि विकास, सामुदायिक तथा सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकासका कामहरू भइरहेका छन् ।

प्रदेश सरकारको कार्य क्षेत्रमा कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउने कार्यक्रमहरू, प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाका पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोन विकास कार्यक्रमस कृषिउपजको न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण र कार्यान्वयनस कृषि र पशुपन्छी बिमासम्बन्धी योजना र कार्यान्वयन, सहूलियत दरमा कृषि ऋणको व्यवस्था, कृषि फार्म/केन्द्रहरूको विकास र व्यवस्थापन, कृषि तथा पशु रोगको निदान प्रयोगशाला व्यवस्थापन र नियमन, कृषिजन्य वस्तु, सेवा र प्रविधिको गुणस्तर निर्धारण र प्रमाणीकरण, सामूहिक खेती प्रणालीको विकासजस्ता विषयहरू पर्दछन् । (स्रोत : खाद्य तथा पोषण सुरक्षा योजना २०७७/७८-२०८१/८२)

जनसंख्याको ठूलो हिस्सा कृषि क्षेत्रमा आश्रित रहनु, कृषि योग्य भूमि पर्याप्त र उर्वर हुनु र यातायातको पनि उत्तिकै सुबिधा भएको हुनाले कृषि विकासको माध्यमबाट नगर पालिकाको आर्थिक विकास गर्न सकिने ठूलो सम्भावना यहाँ रहेको छ । यस क्षेत्रका किसानहरूले खाद्यान्न, तरकारी, फलफूल तथा पशुपालन व्यवसाय गर्दै आइराखेका छन् । तरकारीमा काउली बन्दा, सिमि, गोलभेडा आदि, फलफूलमा केरा, आँप, मेवा, लिची आदि, पशुपालनमा बाख्रा, भैसी, गाई, कुखुरा, माछा र खाद्यन्नमा धान, मकै, गहुँ, कोदो पर्दछन् । तसर्थ, आगामी केही वर्ष सम्मको लागि कृषिलाई अग्रणी क्षेत्रको (लिड सेक्टर) रूपमा अङ्गीकार गरी विकासका कार्यक्रमहरू लैजान सकिनेमा अर्थतन्त्रका अन्य क्षेत्रहरूको जस्तै पर्यटन, उद्योग, ब्यापार आदिको पनि क्रमशः विकास हुँदै जाने देखिन्छ । श्रोत साधन ज्यादै सीमित हुने हुनाले एकै पटक अर्थतन्त्रका सबै क्षेत्रहरूमा कनिका छरेको जस्तो लगानी गर्दा त्यसको प्रतिफल कम हुन जाने डर रहने हुनाले र अर्थतन्त्रलाई शुरुमा अगाडि बढाउन (टेक अफ स्टेजमा) लगानीको रकम उल्लेख्य हुने जरुरी छ ।

४.१.२ समस्या तथा चुनौती

समस्या

- कृषि उत्पादनमा अत्यधिक विषादिको प्रयोग हुनु ।
- परम्परागत निर्वाहमूखी खेती प्रणाली ।
- पर्याप्त मात्रामा बाह्रै महिनामा सिंचाईको सुबिधा उपलब्ध नहुनु ।

- आधुनिक एवम् उन्नत मल बिउ बिजनको समयमा पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध नहुनु ।
- कृषि सूचनाको अभाव ।
- आधुनिक कृषि तालिमको अभाव ।
- दक्ष प्राविधिकको अभाव ।
- यांत्रिकरणको लागि आधुनिक उपकरणको कमी वा अभाव ।
- विचौलियाको कारणले कृषकले उत्पादनको उचित मूल्य नपाउनु ।
- कृषि उपज भण्डारणको लागि कोल्ड स्टोरेज र सकलन केन्द्रको कमी ।
- कृषि उपजको लागि बजारको अभाव ।
- रोजगारीको लागि युवाको विदेश पलायन तथा भएका युवा पनि कृषि पेशामा आकर्षित नहुनु ।
- कृषि योग्य जमिन मासिंदै जानु ।
- पकेट खेतीमा अज्ञात रोगले दुख: दिनु ।
- कृषि सडकको मर्मत नहुनु ।

चुनौती

- पर्याप्त मात्रामा सडक/बाटोघाटोको विकास निर्माण नहुनु।
- कृषि सडकको कमी तथा भएकाको पनि मर्मत नहुनु ।
- परम्परागत खेति प्रणाली।
- युवाको विदेश पलायन तथा भएका युवा पनि कृषि पेशामा आकर्षित नहुनु।
- बाढी, पहिरो र भू-क्षयको नकारात्मक प्रभाव।
- उत्पादन लागत बढी भएको
- कृषि उपज को मूल्य शृंखला विकास सुनिश्चित नभएको
- पशुपालन ब्यवसायमा औषधि उपचारको राम्रो व्यवस्था नभएको

4.1.3. संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- उर्वर जमिन प्रशस्त रहेको हुनाले कृषि विकास को ठूलो सम्भावना रहेको ।
- नदी नाला मूलहरु धेरै भएको हुनाले सिँचाईको सुबिधा बढाउन सकिने ।
- खाद्यन्नमा आत्मनिर्भर भई निर्यात गर्न सकिने ।
- कृषि उपजको प्रशोधनको सम्भावना भएको

अवसर

- व्यवसायीक कृषि तथा पशुपालनको सोच विकास भएको
- बजारीकरणको लागि सहजीकरण गरि कृषि तथा पशु व्यवसायलाई प्रोत्साहन गर्ने
- भौगोलीक उपयुक्त भएको
- पशु उपचारको मूल्य सृंखला विकास गर्ने सकिने

4.1.4 कृषि क्षेत्रको विकास योजना**4.1.4.1 सोच**

कृषि र पशुपालन उत्पादनमा वृद्धि खैरहनी नगरपालिकाको सम्बृद्धि

4.1.4.2 लक्ष्य

खाद्यन्न, फलफूल तथा पशु जन्य उत्पादनमा वृद्धि गरी आमदानी बढाउने

4.1.4.3 उद्देश्य

१. कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्न कृषिलाई आधुनिकीकरण,यांत्रिकरण एवं व्यवसायीकरण गर्दै जानु ।
२. कृषकलाई उत्पादनको उचित मूल्य दिन विचौलियाको अन्त्य गर्नु,
३. सिँचाईको सुबिधा सुनिश्चित गर्नु,
४. समयमा पर्याप्त मात्रामा बिउ बिजन,मल उपलब्ध गर्नु,
५. दक्ष प्राविधिकबाट आवश्यकता अनुसार कृषि सेवा उपलब्ध गर्नु,
६. युवालाई कृषिपेशामा आकर्षित गर्नु ।

4.1.4.4 रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्न कृषिलाई आधुनिकीकरण,यांत्रिकरण एवं व्यवसायीकरण गर्दै जानु	
१.१ कृषिको उत्पादन एवं उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।	१.१.१ कृषि उत्पादन क्षेत्र निर्धारण गरी प्रविधि, पूर्वाधार, सिँचाई, यन्त्र उपकरण, ऋण, बिमा, मल, उन्नत बिउविजन तथा विरूवा लगायतका वस्तु तथा सेवाहरू सहज रूपमा उपलब्ध गराउने व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.२ स्वस्थ बाली उत्पादन प्रवर्द्धनको लागि बाली विरुवा जाँच कार्यलाई प्राथमिकताका साथ अघि बढाइनेछ ।
	१.१.३ व्यवसाय दर्ता गरि आफ्नो व्यवसाय संचालन गरिरहेका व्यावसायिक कृषकहरुको सम्भावित क्षति न्यूनिकरणको लागि बाली विमा कार्यक्रमलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.४ कृषि तथा पशुपन्छीजन्य उत्पादनलाई बजारीकरणका लागि विशेष सुविधा दिइनेछ ।
	१.१.५ संघीय कानून अनुसार नगरपालिकाको भू-उपयोग नीति र कानून तर्जुमा गरी कृषि भूमिको व्यवस्थित प्रयोगमा जोड दिइनेछ ।
	१.१.६ घुम्ती कृषि प्रसार, प्रविधि विस्तार र कृषक अन्तरक्रिया कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.७ आधुनिक उन्नत पशुहरूको उत्पानमा जोड दिदै किसानहरूलाई दुग्ध र मासुजन्य उत्पादनमा प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.८ जमिन बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरूत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.९ कृषि पेशालाई सम्मानजनक पेशाको रूपमा विकास गर्नको लागि उत्कृष्ट किसान छनौट गरि किसान सम्मान कार्यक्रम अघि बढाइनेछ ।
	१.१.१० व्यावसायिक रूपमा कृषि पेशालाई निरन्तरता दिन नगरपालिका भित्रका कृषक, समूह, सहकारीलाई तरकारी खेती, फलफूल खेती, सम्बन्धी वडा स्तरिय तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२ व्यावसायिक खेतिको लागि जग्गा एकीकरणमा नगरपालिकाबाट सहजीकरण गर्ने	१.२.१ कृषि भूमिको संरक्षण र चक्लावन्दीलाई प्रोत्साहन गर्दै साझेदारी, सामूहिक, सहकारी र करार खेतीलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
१.३ आधुनिक कृषि उपकरण खरिदमा नगरपालिकाबाट सम्भव भएसम्म आर्थिक सहयोग गर्ने ।	१.३.१ कृषि व्यवसायको आधुनिकीकरण, यान्त्रिकरण र बजारीकरणमा जोड दिईने छ ।
१.४ सामूहिक जमीनमा बिना धितो सरल एवं कम ब्याज दरमा ऋण दिने व्यवस्थाको लागि नगरपालिकाले पहल गर्ने	१.४.१ बचत तथा ऋण सहकारी संस्थाले कृषि लगायतका उत्पादनशील क्षेत्रमा अनिवार्य रूपमा कम्तीमा ५० प्रतिशत ऋण प्रवाह गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
१.५ निर्यात योग्य एवं नगदे बालीलाई पकेट,ब्लक आदि जस्ता बृहत स्तरका व्यवसायिक खेतीपातीप्रवर्धन गर्न निजी क्षेत्रको लगानी आकृष्ट गर्ने ।	१.५.१ व्यवसायिक खेति प्रवर्द्धनका लागि व्यवसायिक कृषि नीति अवलम्वन गरिनेछ ।
१.६ कृषिको यान्त्रिकीकरण, सहजीकरण र बजारीकरणमा सहयोग गर्ने	१.६.१ कृषि सामाग्री, अनुदान, विमा, ऋण, शीत भण्डार, थोक विक्री केन्द्र, बजारीकरण र कृषि सूचनामा किसानको सहज पहुँच स्थापनामा जोड दिइनेछ ।
	१.६.२ कृषि विकासका लागि अनुगमन तथा समन्वय गरिनेछ ।
१.७ सामूहिक खेतीको प्रवर्द्धन गर्ने	१.७.१ प्रदेश सरकारको आवश्यक सहयोग र सहकार्यमा नगरपालिकाका कृषकहरु सम्मिलित सामूहिक खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम र यस्तै प्रकृतिका अन्य सामूहिक खेती कार्यक्रमहरु सुचारु गर्न अन्य नागरिकहरुलाई समेत प्रोत्साहित गरिनेछ ।
२.१ सहकारी वा अन्य उपयुक्त तरिका बाट बिचौलियाको अन्त्य गर्ने	२.१.१ प्रत्येक वडाहरुमा गठित कृषक समुहहरुलाई कृषि ज्ञान केन्द्रको रूपमा विकास गरिनेछ ।
	३.१.१ ठूला सिँचाई परियोजना सम्भव नभएका क्षेत्रमा साना प्रकृतिका सतह, भूमिगत, थोपा, लिफ्ट र

रणनीति	कार्यनीति
३.१ विभिन्न उपयुक्त प्रविधिबाट खेती योग्य जमिनमा सिँचाइ उपलब्ध गर्न	अन्य वैकल्पिक सिँचाइ प्रविधिबाट सिँचाइ सुविधाको व्यवस्था गरिनेछ ।
	३.१.२ सिँचाइ सुविधा नभएको क्षेत्रमा वर्षातको पानी सङ्कलन गरी उपयोगमा ल्याउन पोखरी संरक्षण र निर्माणलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ।
४.१ कृषकहरूलाई समयमा बिउ, बिजन,मल उपलब्ध गराउन सहकारी तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गर्ने	४.१.१ समयमा किसानलाई मल,बिउ बिजन किट नाशक औषधि उपलब्ध गर्न नगरपालिकाले पहल गर्नेछ।
४.२ रसायनीक मलको प्रयोगलाई न्यूनिकरण गरि प्राङ्गारीक मलको प्रयोगलाई बढोत्तरी गर्दै लैजाने	४.२.१ विषादी रहित प्राङ्गारिक खेती लाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
४.३ रसायनिक मलमा दिईदै आएको अनुदान क्रमिक रूपमा प्राङ्गारिक मल तर्फ स्थानतरण गर्दै लैजाने	४.३.१ प्राङ्गारिक मल उत्पादनमा जोड दिइनेछ ।
५.१ कृषि शाखालाई सुदृढ गरी तालिम तथा सेवा कृषकलाई उपलब्ध गराउने ।	५.१.१ कृषि तथा पशुपालन सम्बन्धी प्राविधिक परामर्श उपलब्ध गराउन प्राविधिक जनशक्तिलाई बढाइने छ।
	५.१.२ गाई तथा बाख्रा पालन प्रर्वधन कार्यक्रमलाई प्राथमिकताको साथ अगाडी बढाइने छ ।
६.१ बेरोजगार युवालाई कृषि क्षेत्रमा स्वरोजगारीको अवसर प्रदान गर्नु	६.१.१ युवा लक्षित कार्यक्रमलाई जोड दिदै कृषि फर्मको विकास गरिने छ ।

४।४.५. कार्यक्रम तथा आयोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
१.	पकेट तथा ब्लक प्रणाली अन्तर्गत बृहत एवम् व्यवसायिक हिसाबले खाद्यन्न, तरकारी, फलफूल, नगदे बाली आदि खेतिगर्नका लागि सम्भाव्य सबै स्थान/क्षेत्रहरूमा कुन उपजकोलागि जमिन उपयुक्त हुन्छ र त्यसबाट के कति परिमाणमा उत्पादन हुन्छ सो निर्धारण गर्ने।			√	√	√
२	नगरपालिका कृषि शाखाको मातहतमा रहने गरि नगरपालिका भित्रका कृषकहरूको खेतबारीको माटो जाँचका लागि माटो ल्यावको स्थापना गर्ने		√	√	√	
३.	प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना अन्तर्गत जोन र पकेट क्षेत्र (धान, केरा, मौरीपालन, तोरी र तरकारी) सञ्चालनका लागि तोकिएको मापदण्ड र कार्यविधि बमोजिम कार्यान्वयन गर्ने ।		√	√	√	
४.	कृषि उत्पादन र वजार मूल्यवारे तथ्याङ्क प्रणाली विकास गर्न आवश्यक पहल गर्ने		√	√	√	
५.	प्रत्येक वडामा बालि विरूवा जाँच कार्य सञ्चालन गर्ने			√	√	√
६.	कृषक तथ्याङ्कलाई अध्यावधिक गर्ने र कृषि व्यवसायलाई सुरक्षित गर्न अनिवार्य बाली विमा गर्न कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गर्न विमा गर्दा कृषकले बेहोर्ने प्रिमियम रकम नगरपालिकाले बेहोर्ने व्यवस्था मिलाउने			√	√	
७.	प्रत्येक वडाका कृषि उपज संकलन केन्द्र व्यवस्थापन गर्ने			√	√	√
८.	नगरपालिकाको भू-उपयोग नीति र कानून तर्जुमा गर्ने			√	√	
९.	घुम्ती कृषि प्रसार मार्फत कृषकहरूलाई बाली संरक्षण र उत्पादनोपरान्त क्षति न्यूनीकरणका लागि कृषकहरूलाई विभिन्न प्रविधि र सीप विकास तालिम सञ्चालन गर्ने			√	√	√

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
१०.	गोठ तथा नस्ल सुधार कार्यक्रम			√	√	√
११.	खेती योग्य जमीन बाझो राखेलाई जरिवाना लगाउने			√	√	
१२.	उत्कृष्ट किसान छनोट गरि किसान सम्मान कार्यक्रमको थालनी गर्ने			√	√	√
१३.	प्रत्येक वडामा कृषक, समूह, सहकारीलाई तरकारी खेती, फलफूल खेती, सम्बन्धी तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√
१४.	स-साना जमिनमा बृहत रूपले व्यवसायिक खेति गर्न जग्गा एकिकरण गर्न सकिन्छ सो को अध्ययन गर्ने।			√	√	
१५.	नेपाल ग्रामिण पुननिर्माण संस्था खैरहनी ३, रामपुर क्याम्पस खैरहनी र खैरहनी नगरपालिकाको सहकार्यमा एकिकृत कृषि पद्धती सम्बन्धि अध्ययन अनुसन्धान र प्रचार प्रसारको विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
१६.	कृषिको आधुनिकीकरणको लागि किसानलाई उत्प्रेरित गर्न उपकरण खरिदमा नगरपालिकाले सब्सिडी (आंशिक आर्थिक सहयोग) प्रदान गर्ने।			√	√	√
१७.	बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुबाट सामूहिक जमानीमा बिना धितो सरल एवं कम ब्याज दरमा ऋण दिने ब्यवथाको लागि नगरपालिकाले पहल गर्ने।			√	√	√
१८.	उपयुक्त ठाँउमा कृषि पकेट क्षेत्र संचालन गर्ने			√	√	
१९.	एक वडा एक कृषि कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने			√	√	√
२०.	कृषि तथा पशुपंक्षि सम्बन्धि तथ्याङ्क अध्यावधिक गर्ने			√	√	
२१.	कृषि उत्पादनको बजार प्रबर्द्धनको लागि शित गृह, कृषि उपज भण्डारण तथा हाटबजार, दाना उद्योग, बिज भण्डार, मह प्रशोधन प्लान्ट सञ्चालन गर्ने			√	√	
२२.	रसायनिक मल, विषादि तथा विउ विक्री गर्ने सहकारी संस्था लगायत अन्य विक्री			√	√	

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
	केन्द्र (एग्रोभेट) हरूमा नियमित अनुगमन गरी मल विउ र विषादीको सुरक्षित र उपयुक्त प्रयोग सम्बन्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने					
२३.	कृषि सेवाका लागि भित्रिने मेशीनरी औजार, उपकरण आदीलाई राजश्वको दायरामा ल्याई सञ्चालनको व्यवस्था मिलाउने, तिनको वडा र नगरस्तरबाट आवश्यक अनुगमन र नियमन गर्ने					
२४.	बिचौलियाको अन्त्य गर्न सहकारी वा अन्य कुनै उपयुक्त तरिकाबाट कृषि उत्पादनको बजारीकरण गर्न नगरपालिकाले सहजीकरण गर्ने।			√	√	√
२५.	कृषक र उपभोक्ता बीच प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित गर्नु			√	√	
२६.	लिफ्ट सिँचाई गर्न सकिने स्थान/क्षेत्रहरु सम्भाव्यता अध्ययन गरी लागत तयार गर्ने।			√	√	√
२७.	सिँचाईको सुविधा विस्तार गर्न नगरपालिकामा विद्यमान सम्पूर्ण नदी/नालाहरुको सम्भाव्यता अध्ययन गरी क्षमता निर्धारण गर्ने।		√	√	√	
२८.	समयमा किसान लाई मल,बिउ बिजन किट नाशक औषधि उपलब्ध गर्न सहकारी संस्थाहरु मार्फत सहज बनाउने			√	√	
२९.	प्राङ्गरीक मल उत्पादन केन्द्र स्थापना गरि अर्गानीक खेतिलाई प्रवद्र्धन गर्ने		√	√	√	
३०.	कृषि शाखाको समन्वयमा दक्ष प्राविधिक जनशक्ति सम्भव भएसम्म नगरपालिकामा नै तयार गर्ने (वातावरण तयार गर्न)।		√	√	√	
३१.	आधुनिक कृषि प्रणालीबारे किसानलाई कृषि शाखाको पहलमा प्रदेश सरकारको सहयोग समेत लिएर तालिम प्रदान गर्ने (घटीमा वर्षमा दुई पटक)।		√	√	√	
३२.	कृषकहरूलाई एकीकृत रूपमा प्राविधिक सहायता उपलब्ध गराउने		√	√	√	

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
३३.	निशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर संचालनमा ल्याउने					
३४.	पशुहरूमा लाग्ने रोग निदानको लागि प्रयोगशाला स्थापना गर्ने					
३५.	प्रत्येक वडामा कृषिमा निर्भर लघुउद्यम कार्यक्रम संचालन गर्न युवाहरूलाई आर्कषित गर्न अनुदान दिने			√	√	√

4.5. अपेक्षित उपलब्धि

पाँच वर्ष भित्र खाद्यन्नमा आत्मनिर्भर हासिल गरी निर्यात गरिनेछ। फलफूल, तरकारी, मासु, दूध आदिमा आत्मनिर्भर हुनेछ। नगदे बालीको उल्लेख्य उत्पादन हुनेछ। सिँचाई सुबिधा धेरै हदसम्म पूर्ति भई सकेको हुनेछ। मल बिउ अभावको वर्तमान अवस्थामा सुधार हुनेछ। प्राविधिक जनशक्तिको व्यवस्थाबाट किसानलाई आवश्यक कृषि सेवा प्राप्त भएको अवस्था हुनेछ। कृषि उत्पादनको लागि बजारको व्यवस्था भई सकेको अवस्था हुनेछ। कृषिको ब्यवसायिकीकरण, यांत्रिकीकरण एवम् आधुनिकीकरणमा सुधार भई परम्परागत खेती प्रणालीको प्रायः अन्त्य भइसकेको अवस्था हुनेछ।

4.2. पर्यटन

4.2.1. पृष्ठभूमि

पर्यटन उद्योगले नेपालमा, विशेष गरी देशको ग्रामीण क्षेत्रमा जीवनस्तर उकास्न महत्वपूर्ण भूमिका खेलिरहेको छ। विशाल प्राकृतिक सौन्दर्यसँगै सांस्कृतिक सम्पदाको मिश्रणका कारण पर्यटन नेपालको प्रमुख उद्योग बन्न पुगेको छ। विशेषतया हिमालमा रहेको प्राकृतिक सौन्दर्य, महत्वपूर्ण धार्मिक गन्तव्य र अनुपम सांस्कृतिक तथा पुरातात्विक सम्पदा नेपालको पर्यटनका लागि उच्च सम्भावित सम्पदा हुन्। नेपालको संविधानले यी स्थान र सम्पदालाई पर्यटकीय गन्तव्यका रूपमा विकास गरी राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको प्रमुख संवाहकको रूपमा पर्यटन विकास गर्ने नीतिहरू समावेश गरेको छ। रोजगारीका अवसरहरू अभिवृद्धि, गरिबी न्यूनीकरण र जनताको जीवनस्तरमा सुधार गरी आर्थिक समृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न पर्यटनले महत्वपूर्ण योगदान पुर्याइरहेको हुनाले यो क्षेत्रलाई अर्थतन्त्रको प्रमुख संवाहकका रूपमा लिन सकिन्छ।

आर्थिक वर्ष २०१८/२०१९ मा, पर्यटक आगमन १.१९७ मिलियन थियो; कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटनको योगदान २.७ प्रतिशत थियो; २००,००० मानिसहरूले प्रत्यक्ष रोजगारी पाए; औसत पर्यटकले प्रति व्यक्ति प्रति दिन अमेरिकी दलर ४८ खर्च गरे, र बस्ने औसत लम्बाइ १२.७ दिन थियो। कोभिड-१९ को महामारीका बेला पर्यटकको आवतजावत ठप्प हुँदा पर्यटन उद्योगमा नराम्रो असर परेको छ। सन् २०१९/२०२० मा पर्यटक आगमन विगतका वर्षहरूको तुलनामा ८० प्रतिशतले घटेको छ। यसले पर्यटन व्यवसायीलाई ठूलो असर गर्यो र धेरै बेरोजगार भए। २०२१ को अन्त्यमा आउँदै गर्दा पर्यटनले गति लिएको छ र अब बिस्तारै पुनः सुरु हुँदैछ। यसले फेरि जनतालाई जीविकोपार्जन गर्ने अवसर दिएको छ।

कुल क्षेत्रफल ८५.५७ वर्ग कि.मि. रहेको यस खैरहनी नगरपालिका प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा धार्मिक दृष्टिकोणले एक प्रमुख पर्यटकिय गन्तव्य नगर हो। यस नगरपालिकाले उत्तरमा शक्तिखोर र सिद्धि, पूर्वमा विरेन्द्रनगर, भण्डारा पश्चिममा रत्ननगर नगरपालिका छ भने दक्षिणमा चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज अवस्थित छ। दक्षिण तर्फ प्राकृतिक सिमानाको रूपमा बुढी राप्ती नदीले खैरहनीलाई छुट्याएको छ। नियमित रूपमा राप्ती नदी र यसका शाखा नदीहरूले बगाएर ल्याएका कृषि योग्य मलिलो माटोको कारण यो क्षेत्र कृषिको लागि निकै उपयुक्त छ। प्रशस्त उर्वर कृषि भुमी यस क्षेत्रको अर्को वरदान सावित हुँदै गएको देखिन्छ। यस क्षेत्रका किसानहरूले वार्षिक एक अर्ब बढिको तरकारी मात्र देशका प्रमुख शहरहरू र छिमेकी देश भारतमा समेत निर्यात गर्ने गर्दछन्। त्यसैले यस नगरमा कृषि पर्यटनको सम्भावना बढि नै छ।

4.2.2. समस्या तथा चुनौती

समस्या

प्रमुख समस्याहरू पर्यटन उत्पादन र गतिविधिहरूको कमजोर विकास र विविधीकरण समावेश छन्; राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा अपेक्षित रूपमा पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न असमर्थ; अविकसित पर्यटन पूर्वाधार; धार्मिक तथा साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण र पूजा खर्च व्यवस्थापन र संरक्षणका साथै पर्यटन विकासमा निजी क्षेत्रको पर्याप्त संलग्नता हुन नसक्नु; विकृत साँस्कृतिक विकास हुनु; धर्म प्रति वितृष्णा हुनु; उद्यमशीलता विकासलाई पर्यटन विकाससँग जोड्न नसक्नु; पर्यटनबाट प्राप्त लाभहरूको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्न असफल; खोलानाला बाट प्रभावित; पर्यटन गतिविधिलाई प्रविधिमैत्री बनाउन नसक्नु ।

चुनौती

नगरपालिकालाई नेपालको आन्तरिक पर्यटन बजार र विश्व पर्यटन बजारमा आकर्षक पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा स्थापित गर्ने प्रमुख चुनौतीहरू छन्; सडक सुरक्षा, सुरक्षा र विश्वसनीयता सुधार र सडक सेवा विस्तार; पर्यटन सेवा र सुविधाहरूको गुणस्तर अभिवृद्धि; नयाँ गन्तव्यहरू पहिचान र विविधता; पर्यटन पूर्वाधारको विकासमा निजी लगानी आकर्षित गर्ने; यस क्षेत्रमा पर्याप्त दक्ष जनशक्ति; र यस क्षेत्रमा जलवायु परिवर्तनको प्रभावलाई कम गर्ने। अन्य चुनौतीहरूमा खर्च बढाउने र बसाइको लम्बाइलाई ध्यानमा राखेर पर्यटन उत्पादनहरू विविधीकरण र प्याकेज गर्ने; गुणस्तरीय पर्यटक (आन्तरिक र अन्तर्राष्ट्रिय) को आगमनमा वृद्धि; पर्यटन सेवालाई स्मार्ट, पर्यटकमैत्री, सुरक्षित र भरपर्दो बनाउने, आधुनिक प्रविधि र उपकरणको प्रयोग गरी पर्यटकीय वस्तुलाई आकर्षक र मनोरञ्जनात्मक बनाएर पर्यटकलाई व्यस्त राख्ने ।

4.2.3. संभावना तथा अवसर

खैरहनी नगरपालिकाको पर्यटन प्रवर्द्धन गर्ने वातावरण बनाउने; नयाँ पर्यटकीय गन्तव्यहरूको विकास; पदमार्ग लगायत पर्यटन पूर्वाधार निर्माणमा प्रगति; द्रुत रूपमा विकासशील छिमेकीहरूको निकटता; प्राकृतिक सुन्दरता; शान्तिको ठूलो भावना; मिलनसार आध्यात्मिकता; र दर्शन; जैविक विविधता; र नगरपालिकालाई आन्तरिक पर्यटकका लागि धार्मिक र साहसिक (पानीमा गरिने कृयाकलाप) पर्यटकीय गन्तव्य र अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकका लागि विभिन्न साहसिक पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने सम्भावना छ । कंकाली डाडामा तथा तल बेसीमा धार्मिक पर्यटन विकास गर्न सकिने । नगरपालिकामा प्रचुर प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक स्रोत हुनु, संघीय तथा प्रादेशिक पर्यटन नीति पर्यटन विकास अनुकूल हुनु, पालिकामा आन्तरिक पर्यटकको संख्या बढ्दै जानु, आधुनिक प्रविधिको विकास हुँदै जानु, आधारभूत पूर्वाधारको विकास बढ्दै जानु अवसरको रूपमा रहेका छन् ।

4.2.1 पर्यटन विकास योजना**4.2.1.1 सोच**

दिगो पर्यटनको विकास गरी संस्कृति र प्रकृतिलाई जोगाऔं

4.2.1.2 लक्ष्य

खैरहनी नगरपालिकामा आउने पर्यटकको संख्या र ती पर्यटकको बसाई लम्ब्याएर कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान पुर्याउने

4.2.1.3 उद्देश्य

1. खैरहनी नगरपालिकामा भएका गन्तव्यहरूको विकास गर्नु,
2. पर्यटन जनशक्ति विकास गर्नु,
3. गन्तव्यहरूको अन्तर्राष्ट्रिय तथा आन्तरिक बजारमा बजारीकरण गर्नु,
4. खैरहनी नगरपालिकाको प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण गर्ने,

4.2.1.4 रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: खैरहनी नगरपालिकामा भएका गन्तव्यहरूको विकास गर्नु	
१.१ नगरपालिकामा भएका गन्तव्यहरूको अध्ययन र अनुसन्धान गरी पर्यटन योजना तयार गर्ने ।	१.१.१ गन्तव्यहरूको पहिचान, अध्ययन र अनुसन्धान गरी तस्विर र भिडियो सहित अभिलेख तयार गरिनेछ। १.१.२ पर्यटनको गन्तव्य र उत्पादनहरूको विविधीकरण गरिनेछ । १.१.३ पर्यटन गुरूयोजना तयार गरिनेछ।
१.२ पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्ने ।	१.२.१ विभिन्न पर्यटन पूर्वाधारको अध्ययन तथा डि.पि.आर. तयार गरिनेछ।
१.३ पर्यटकीय उपजलाई मूल्य शृंखला आबद्ध गरी स्थानीय स्तरसम्म यस क्षेत्रको लाभ वितरण गर्ने ।	१.३.१ पर्यटन उपजको विकासमा स्थानीय साधन र उत्पादनलाई प्रोत्साहित गरिनेछ। १.३.२ पर्यटकीय क्षेत्रको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि प्रदेश, स्थानीय तह र समुदायसँग सहकार्य गरिनेछ। १.३.३ पर्यटनको विस्तार गरी यस क्षेत्रबाट प्राप्त लाभलाई जनस्तरसम्म पुर्याइनेछ।

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य २: पर्यटन जनशक्ति विकास गर्नु	
२.१ नगरपालिकाको पर्यटन जनशक्तिको अध्ययन र अनुसन्धान गरी मानव संसाधन योजना तयार गर्ने ।	२.१.१ नगरपालिकामा भएको मानव संसाधनको अध्ययन र अनुसन्धान गरिनेछ । २.१.२ मानव संसाधन योजना तयार गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: गन्तव्यहरूको अन्तर्राष्ट्रिय तथा आन्तरिक बजारमा बजारीकरण गर्नु	
३.१. अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा र प्रमुख पर्यटन बजारहरूमा खैरहनी नगरपालिकाको पर्यटन प्रवर्द्धन र प्रचार प्रसार गर्ने ।	३.१.१ नगरपालिकाको पहिचानका लागि सूचना, सञ्चार, शिक्षा सामग्रीको विकास, उत्पादन, र अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकहरूमा गाउँपालिकाको धारणा र छविलाई आकार दिनको लागि अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटन बजारहरूमा प्रसारित गरिनेछ । ३.१.२ नगरपालिकामा भएका विभिन्न मठ मन्दिरहरूलाई प्रकाश पारी धार्मिक पर्यटनको प्रचार प्रसार गरिनेछ । ३.१.३ प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रमहरूबाट देश र विदेशमा पर्यटन प्रचार प्रसार गरिनेछ ।
उद्देश्य ४: खैरहनी नगरपालिकाको प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण गर्ने	
४.१ नगरपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्ने ।	४.१.१ नगरपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी अभिलेख तयार गरिनेछ । ४.१.२ प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदा वरिपरी फोहोर व्यवस्थापन योजना तयार गरिनेछ । ४.१.३ प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदा क्षेत्रमा पर्यटनको प्रभाव न्यूनीकरण गर्न संयन्त्र तयार गरिनेछ ।

42.45. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	गन्तव्यहरूको पहिचान, अध्ययन र अनुसन्धान गरी तस्विर र भिडियो सहित अभिलेख तयार गर्ने।			√	√	
२.	फन पार्क, खेलकुद मैदान मर्मत गर्ने			√	√	
३.	नगरपालिका भित्र सम्भव भएका विभिन्न पर्यटनका प्रकार (पर्या पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, कृषि पर्यटन)हरूको तथा पर्यटनका गतिविधि (राफ्टिङ, कृषि कार्यशाला, हाईकीड, जङ्गल सफारी, फन पार्क)सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने ।			√	√	
४.	नगरपालिका भित्र उत्पादन हुने हस्तकलाको अध्ययन गरी त्यसलाई पर्यटकका लागि कोशेलीको रूपमा बजारीकरण गर्ने ।			√	√	
५.	विभिन्न साहसिक खेल खेलन उपयुक्त स्थानको पहिचान गरी निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गर्ने			√	√	
६.	पर्यटन गुरूयोजना तयार गर्ने।			√	√	
७.	खैरेनी नगरपालिकाको वडा नं. १३ अवस्थित हर्नरीमा "हर्नरी पर्यटक सचूना केन्द्र" को स्थापना गर्ने ।			√	√	
८.	फन पार्कको निर्माण गर्ने ।			√	√	
९.	नगरपालिका भित्र बसोबास गर्ने विभिन्न जातजाति को मौलिकता, कला संस्कृति , पहिचान झल्कने श्रोत सामाग्रीको प्रदर्शनी (Exhibition) गर्नुका साथै स्थापना भएका सङ्ग्रालयहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।			√	√	
१०.	पर्यटक सूचना केन्द्रको निर्माण ।			√	√	
११.	नगरस्तरीय सेमिनार हल निर्माण गर्ने ।			√	√	
१२.	कोशेली घरको निर्माण गर्ने ।			√	√	
१३.	स्थानीय स्रोत र साधन प्रयोग गरी पर्यटन कोशेली तयार पार्न आवश्यक तालिम कार्यक्रम			√	√	
१४.	कोशेली बनाउने कारखाना संचान गर्ने ।			√	√	
१५.	नगरपालिकामा भएको मानव संसाधनको अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने ।			√	√	
१६.	मानव संसाधन योजना तयार गर्ने ।			√	√	
१७.	कूक तथा वेटर तालिम दिने ।			√	√	

क्र. स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१८.	पथप्रदर्शक तालिम दिने ।			√	√	
१९.	घरवास तालिम कार्यक्रम संचालन गर्ने ।			√	√	
२०.	खैरहनीको बारेमा यथार्थ पुस्तक, अडियो, भिजवल तयार गर्ने ।			√	√	
२१.	धार्मिक पर्यटकहरूलाई ध्यानमा राखि धार्मिक पर्यटनका उपजहरूको विकास गरी प्रचार प्रसार गर्ने।			√	√	
२२.	नगरक्षेत्रभित्र रहेको पर्यटकीय क्षेत्रहरू कंकाली पिकनिक स्थल, कुमरोज सामुदायिक वन र कुचकुचे सामुदायिक वन र अन्य सम्भा व्यस्थलहरूको विकासका लागि थप योजना सहित पर्यटन प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रमहरू अगाडि बढाउने ।			√	√	
२३.	नगरक्षेत्रभित्रका पर्यटकीय सम्भावना बोकेका स्थलहरूको सूचना र जानकारी सार्वजनिकीकरण गर्न पालिकाको Web site, Mobile App. र Social Site मार्फत सचित्र प्रचारप्रसार गर्ने कार्यको थालनी गर्ने			√	√	
२४.	नगरपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी अभिलेख तयार गर्ने ।			√	√	
२५.	नगरपालिकामा विभिन्न गन्तव्यहरूमा फोहोर संकलनका लागि डस्टविन राख्ने।			√	√	
२६.	फोहोरलाई न्यूनीकरण र व्यवस्थापन गर्न सचेतना कार्यक्रमको व्यवस्था गर्ने			√	√	
२७.	ऐतिहासिक धार्मिक तथा पुरातात्विक मठ, मन्दिर, गुम्बा , मस्जिदको संरक्षण तथा उपयोगलाई सम्बन्धित क्षेत्रको आयआर्जनसंग अन्तर सम्बन्धित गर्ने नीति अबलम्बन गर्ने ।			√	√	

४.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजनाको अन्तिम वर्षमा विदेशी पर्यटक आगमन संख्या ३०००० पुगेको हुनेछ । विदेशी पर्यटक र आन्तरिक पर्यटकको सरदर बसाइ अवधि ४ दिन र सरदर दैनिक खर्च ३५-४५ अमेरिकी डलर पुगेको हुनेछ । योजना अवधिमा ७०० प्रत्यक्ष रोजगारीका अवसर सिर्जना भएको हुनेछ र कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान १० प्रतिशत पुगेको हुनेछ ।

4.3. उद्योग

4.3.1. पृष्ठभूमि

उद्योग क्षेत्रलाई राष्ट्र विकासको प्रमुख आधार स्तम्भको रूपमा लिन सकिन्छ । उद्योग क्षेत्रको विकास बिना यथेष्ट मात्रमा देशमा रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना र आर्थिक विकास गर्न सम्भव प्रायः हुँदैन । तीव्र औद्योगीकीरणले मुलुकको आर्थिक उन्नति गर्न मद्दत गर्दछ । नेपालको संबिधानले पनि राष्ट्रिय हित अनुकूल आयात व्यवस्थापन र निर्यात प्रबर्धन क्षेत्र मा विदेशी लगानी आकर्षितगर्ने तर्फ जोड दिएको छ । औद्योगिक नीतिले सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको सहकार्यमा दिगो एवं बृहत आधार सहितको औद्योगिक विकासको माध्यमवाट अर्थतन्त्रमा उल्लेख्य योगदान पुर्याउने लक्ष्य लिएको छ । आ.ब. २०७५/७६ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा द्वितीय क्षेत्रको योगदान १४.६ प्रतिशत र उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको योगदान ५.६ प्रतिशत रहेको छ ।

नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान ५.५ छ भने राष्ट्रिय रोजगारीमा ६.६ प्रतिशत रहेको छ । आ.ब. २०७४/७५ सम्ममा देशमा विभिन्न किसिमका उद्योग गरी जम्मा ७५२९ रहेका छन् भने लगानी कुल रु.१६ खर्ब ८१ अर्ब भएको देखिन्छ । नेपालको कुल उद्योग मध्य दुई तिहाइ ५०९८ (६७.७१%) उद्योग यस बागमती प्रदेशमा रहेका छन् । नेपालमा रहेका ११ औद्योगिक क्षेत्रहरू मध्ये चार वटा यस प्रदेशमा रहेका छन् । यस प्रदेशमा स्थापित उद्योगहरू मध्ये काठमाडौँ उपत्यकामा अत्यधिक छन् ।

रोजगारी तथा आर्थिक विकासका लागि उद्योग आधारको रूपमा रहन्छ । रोजगारी सृजनाका साथै वस्तु तथा सेवा उत्पादनमा पनि उद्योगको महत्वपूर्ण योगदान रहन्छ । यस नगरपालिकाका परिवारहरू उद्योग र ब्यापार व्यवसायमा संलग्न रहेको छ । नगरपालिका भित्र विभिन्न किसिमका उद्योगहरूले रोजगारीका अवसरहरू प्रदान गर्दै आइराखेको देखिन्छ । घरेलु स्तरका विभिन्न हस्तकला सम्बन्धी उद्योगहरू यहाँ संचालन मा छन् । यस अतिरिक्त विभिन्न पसलहरूले नगरवासीहरूको दैनिक उपभोगका सामानको आपूर्ति गर्दै आइराखेको देखिन्छ । सेवा प्रदान गर्ने जस्तै टेलरिंग, सेलुन, क्यात्रिंग सेवा, नृत्य प्रशिक्षण आदिको संख्या उल्लेख्य रहेका छन् ।

4.3.2. समस्या तथा चुनौती

समस्या

- उद्योग तथा व्यवसाय दर्ता प्रक्रिया झन्झटिलो रहेको
- अनुदान मुखी व्यवसाय दर्ता बढीरहेको
- नगरपालिकामा सम्भाव्य उद्योगहरूबारे हालसम्म कुनै सम्भाव्यता अध्ययन नभएको
- नगरपालिकामा उपलब्ध कच्चा पदार्थ बारे र तीनको परिमाण बारे कुनै तथ्यांक नभएको
- सडक यातायात लगायत अन्य भौतिक पूर्वाधारको कमी रहेको
- ठूला उद्योग स्थापना गर्न निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्न नसकेको

चुनौती

- प्रारम्भिक वातावरणीय अध्ययन (EIA) गरेर सो अनुसार मात्र उद्योग स्थापना गर्नु
- मध्यवर्ती क्षेत्रमा उद्योग संचालन गर्नु
- ठुलो ठुलो उद्योगहरु संचालनको लागि -आवश्यक पुर्वाधारको विकास गर्नु
- दक्ष जनशक्तिको कमि
- उद्योग तथा व्यवसाय क्षेत्रमा थप लगानी आकर्षण गर्नु

4.3.3. संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- ठुला तथा मझौला उद्योग व्यवसाय संचालनमा रहेका
- स्थानीय निकायमा दर्ता गर्ने प्रचलन बढेको
- उद्योग व्यवसायको क्षेत्र विस्तार भईरहेको
- राजस्व संकलनमा टेवा पुगेको

अवसर

- कृषि तथा वनमा आधारित उद्योग हरु संचालन गर्न सकिने सम्भावना रहेको ।
- बेरोजगार युवालाई औद्योगिकीकरणको माध्यमबाट रोजगारीका अवसर दिन सकिने ।
- स्थानीय उपलब्ध कच्चा पदार्थको अधिकतम प्रयोग हुने ।

4.3.4. उद्योग विकास योजना

4.3.4.1. सोच

आर्थिक विकास र उन्नतिको सपना, उद्योगको स्थापना

4.3.4.2. लक्ष्य

औद्योगिकीकरणबाट आम्दानी वृद्धि गरी गरिवी निवारण र बेरोजगारीको समस्या समाधान गर्ने ।

4.3.4.3. उद्देश्य

1. उद्योग वाणिज्य क्षेत्रको प्रवर्द्धन र विकास गर्नु
2. औद्योगिकीकरणबाट रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना गर्नु
3. औद्योगिकीकरणको लागि निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्नु,
4. विद्यमान उद्योगहरुको उत्पादनको गुणस्तरमा वृद्धि गरी बढी प्रतिस्पर्धत्मक बनाउनु

4344 रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: उद्योग वाणिज्य क्षेत्रको प्रवर्द्धन र विकास गर्नु	
१.१ एकिकृत उद्योग स्थापनालाई प्रोत्साहन गर्ने ।	१.१.१ औद्योगिक ग्रामको विकास गर्न सो क्षेत्रको पूर्वाधार विकासका लागि नगरपालिकाले प्राथमिकताका साथ कार्य अघि बढाउनेछ । १.१.२ वातावरण मैत्री उद्योग स्थापनाका लागि वातावरण तयार गर्नुका साथै प्रोत्साहन गरिनेछ ।
१.२ नगरमा सञ्चालनमा रहेका उद्योग व्यवसायको तथ्याङ्क व्यवस्थित गर्ने	१.२.१ नगरपालिकामा स्थापना हुने उद्योग व्यवसायलाई दर्ता, नवीकरणमा कार्य तीव्र रूपमा अघि बढाईनेछ । १.२.२ नगरपालिकामा दर्ता भएका उद्योग व्यवसायहरूको अभिलेख व्यवस्थित गर्न प्रयोगमा ल्याईएको व्यवसाय दर्ता व्यवस्थापन प्रणालीमा सुधार गरी थप व्यवस्थित बनाईनेछ । १.२.३ व्यवसाय दर्ताको अभिलेख व्यवस्थापन वडा कार्यालयमा पनि व्यवस्थित गर्दै लगिनेछ ।
उद्देश्य २: औद्योगिकीकरणबाट रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्नु	
२.१. दक्ष जनशक्ति स्थानीय स्तरमा तयार गरी रोजगारी सिर्जना गर्ने	२.१.१. लघु उद्यम कार्यक्रम मार्फत विभिन्न सिपमुलक तालिम प्रदान गर्ने २.१.२. स्थानीय मौलिक सिप तथा कलाको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गरिनेछ २.१.३ आधुनिक प्रविधि सम्बन्धि तालिम प्रदान गरिनेछ २.१.४ स्थानीय प्राविधिक विद्यालयलाई उद्योग व्यवसायसंग आवद्ध गर्दै लाने
२.२. पालिकामा स्थापना हुने उद्योगमा स्थानीयलाई पहिलो प्राथमिकता दिने नीति लिने	२.२.१. स्थानीयका श्रमिक लागि निश्चित कोटाको व्यवस्था गरिनेछ
२.३. स्वरोजगार प्रवर्द्धनको तथा रोजगारमूलक उद्यमलाई प्रवर्द्धन गर्ने	२.३.१ स्थानीय युवालाई स्वरोजगारको लागि प्रोत्साहन गरिनेछ २.३.२ स्वरोजगार हुन चाहने स्थानीयका लागि लगानी पुँजीको व्यवस्था गर्न पहल गरिनेछ
उद्देश्य ३: औद्योगिकीकरणको लागि निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्नु ।	
३.१ औद्योगिक विकासका आवश्यक लागि नीति, योजना तथा मापदण्ड तयार गर्ने	३.१.१. उद्योग स्थापनाका लागि अध्ययन गरिनेछ

रणनीति	कार्यनीति
	<p>३.१.२. साना तथा घरेलु उद्योग स्थापना, संचालन तथा व्यवस्थापनका लागि ऐन, कार्यविधि तथा मापदण्ड तयार गरि लागु गरिनेछ ।</p> <p>३.१.३ उद्योग तथा कल कारखानामा काम गर्ने मजदुर तथा रोजगारदाता बीचको द्वन्द्व व्यवस्थापन तथा रोजगारदाताहरूको हकहित संरक्षणको पक्षमा उद्योगी व्यवसायीहरूसँग आवश्यक समन्वय तथा सहजीकरण गरिनेछ ।</p>
३.२ उद्योग क्षेत्रमा लगानी भित्र्याउन प्रोत्साहन गर्ने	<p>३.२.१ उद्योग स्थापनामा सार्वजनिक निजि साझेदारीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> <p>३.३.२ सहकारी क्षेत्रको वित्तीय परिचालन गरिनेछ ।</p> <p>३.३.३ साना तथा घरेलु उद्यम विकासमा सामुहिक लगानीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> <p>३.३.४ नगरपालिका बाहिर रही उद्योग व्यवसाय गर्ने स्थानीयलाई नगरपालिकामा लगानी गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> <p>३.३.५ नगरपालिकामा भित्रीने विप्रेषणलाई उद्योग क्षेत्रमा लगानी गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p>
३.४ उद्योग व्यवसाय क्षेत्रको सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्ने	<p>३.४.१. उद्योग तथा व्यवसाय क्षेत्र तोकेर सो क्षेत्रको सुरक्षाको लागि सुरक्षा निकायमा पहल गरिनेछ ।</p> <p>३.४.२. विमा कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा लागु गर्न विमा कम्पनीहरूसँग समन्वय गरिनेछ ।</p>
उद्देश्य ४. औद्योगिक उत्पादनको गुणस्तरमा वृद्धि गरी प्रतिस्पर्धात्मक बनाउनु	
४.१. स्थानीय उत्पादनलाई गुणस्तरीय बनाई प्रतिस्पर्धामक बनाउने	<p>४.१.१. एक वस्ती एक उत्पादन लाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> <p>४.१.२. उद्योगमा प्रविधिको प्रयोग गरिनेछ ।</p> <p>४.१.३. गुणस्तर परिक्षणका लागि पहल गरिनेछ</p>

43.45. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	पाँच बिगाह वा सो भन्दा बढी क्षेत्रफलको जग्गामा ५ वा सो भन्दा बढी उद्योग एकिकृत रूपमा स्थापना गरी मिनी औद्योगिक ग्रामको रूपमा विकास गर्न			√		
२	वडा ३ मा औद्योगिक क्षेत्रको स्थापनाको लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने			√		
३	औद्योगिक ग्राम स्थापनाका लागि जग्गाको व्यवस्थापन गर्ने			√		
४	औद्योगिक ग्रामको स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन तथा डी.पि.आर तयार गर्ने			√		
५	औद्योगिक ग्राम स्थलमा आवश्यक आधारभूत पूर्वाधार (पहुँच बाटो, पानी, निकास, विद्युत सेवा आदि) विकास गर्ने	√	√	√	√	√
६	वातावरण मैत्री ठुला उद्योग स्थापनामा कर छुटको व्यवस्था गर्ने				√	√
७	ठूला उद्योग स्थापना गर्न अगाडि EIA अनिवार्य गराउने			√		
८	वडा ५ र ७ मा विधुत आपूर्ति निरन्तर रूपमा पुर्याउने			√		√
९	वडा १ मा आलुको परिकार (चिप्स, दालमोठ) बनाउने सम्बन्धि उद्योगलाई विस्तार गर्ने				√	
१०	वडा २ मा निर्माण सम्बन्धि उद्योग बिस्तार गर्ने (जस्ता, ब्लक, रंग)			√	√	
११	नगरपालिकामा दर्ता नभई सञ्चालनमा रहेको व्यवसायलाई व्यवसाय दर्ता नविकरण तथा व्यवसाय कर संकलनको लागि घरदैलो कार्यक्रम तीब्र रूपमा अघि बढाउने ।			√		
१२	नगरमा सञ्चालनमा रहेका उद्योग व्यवसायको तथ्याङ्क व्यवस्थित गरी उद्योग सम्बन्धि प्रोफाइल तयार गर्ने ।			√		
१३	मध्यवर्ति क्षेत्र र राष्ट्रिय निकुञ्ज आसपासका क्षेत्रमा सञ्चालन हुने उद्योग तथा व्यवसायको सहजरूपमा दर्ताका लागि चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जसँग समन्वय गरी सहजीकरण गर्न ।			√		
१४	व्यवसाय दर्ता व्यवस्थापन प्रणालीमा सुधार गर्न सफ्टवेयरको प्रयोग गर्ने			√		√

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१५	व्यवसाय दर्ताको अभिलेख व्यवस्थापन वडा कार्यालयमा बाट पनि अघि बढाउने			√		√
१६	चिप्स, भुजिया बनाउने तालिम दिने			√		√
१७	आधुनिक फर्निचर बनाउने सम्बन्धि तालिम दिने			√		√
१८	Basic accounting and management सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
१९	उद्यमीका लागि बजारीकरण सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२०	हाल परम्परागत रूपमा उद्यम संचालन गरिरहेका व्यक्तिहरुको पहिचान (कागज, तोरी मिल, मह उत्पादन निर्माण आदि)			√		√
२१	परम्परागत रूपमा उद्यम संचालन गरिरहेका व्यक्तिहरुका लागि क्षमता विकास सम्बन्धि तालिम (Advance level) संचालन गर्ने			√		√
२२	उद्यमी तथा उद्योग संचालन गर्ने चाहने व्यक्तिका लागि आधारभूत कम्प्युटर सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२३	कृषि विद्यालयमा कृषि उत्पादनलाई ग्रेडीड गर्ने तथा प्रसोधन गर्ने सम्बन्धि कक्षा संचालन गर्ने			√		
२४	नगरपालिकामा उद्योग स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरि उद्योग विकास योजना तयार गर्ने			√		
२५	उद्योग स्थापना,संचालन तथा व्यवस्थापन ऐन तर्जुमा गरि लागु गर्ने			√		
२६	सबै प्रकारका उद्यम स्थापना तथा संचालन गर्न आवश्यक पर्ने मापदण्ड तयार गरि लागु गर्ने			√		
२७	उद्योग स्थापनामा छुट, सहूलियत दिने सम्बन्धि कार्यविधि तयार गरि लागु गर्ने			√		
२८	लगानी आकर्षित गर्न विभिन्न सरोकारवाला (निजि क्षेत्र, सहकारी, सरकारी) बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		√
२९	सहकारीमा भएको वित्तीय स्रोतलाई उद्योग स्थापना तथा संचालनमा परिचालन गर्न प्रोत्साहन गर्ने			√		√
३०	सहकारीको लगानीमा स्थापना भएका उद्योगलाई विशेष छुटको व्यवस्था गर्ने			√		

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
३१	आधुनिक प्रविधि सहकारी मार्फत भित्र्याउने सो का लागि सहकारीलाई सहूलियत दिने			√		
३२	साना तथा घरेलु उद्यम स्थापनामा आमा समुह, महिला समूह, युवा समूह (क्लब) लाई प्रोत्साहन गर्न कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		
३३	उद्योग तथा व्यवसायको सुरक्षाको प्रत्याभूतिका लागि सुरक्षा निकाय संग पहल गर्ने	√		√		
३४	उद्योग व्यवसायको लगानी सुरक्षित गर्न विमा सम्बन्धि छलफल गर्ने			√	√	
३५	उद्योगलाई विमा गराउन प्रोत्साहन गर्ने			√	√	
३६	एक वस्ती एक उत्पादन सम्बन्धि अध्ययन गर्ने			√		
३७	उत्पादित सामग्रीको गुणस्तर परिक्षणका लागि विभिन्न निकाय संग समन्वय गर्ने			√		
३८	उत्पादित सामग्रीको ब्रान्ड निर्माण गर्न पहल गर्ने			√		
३९	बजार अनुगमन, गुणस्तरीयता परीक्षणको कार्यलाई सरोकारवालाहरू सबैको सहभागितामा प्रभावकारी तथा नियमित रूपले अगाडी बढाउने। (वार्षिक रूपमा)			√		

४.३.५. अपेक्षित उपलब्धि

पाँच वर्ष भित्रमा उद्योग सम्बन्धी सम्पूर्ण अध्ययन सम्पन्न भई सक्नेछ। उद्योग ग्राम स्थापना भई संचालन भएको हुनेछ। सडक लगायत अन्य पूर्वाधारको उचित व्यवस्था भएको हुनेछ। औद्योगिक उत्पादनको लागि बजारको व्यवस्था भई सकेको अवस्था हुनेछ। निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्न उपयुक्त नीति तर्जुमा भई कार्यन्वयनमा आइसकेको हुनेछ। बेरोजगार युवालाई औद्योगिकीकरणको माध्यमबाट रोजगारीका अवसर उपलब्ध हुनेछ। पुंजी अभावको समस्याको अन्त्य हुनेछ। स्थानीय तहमा उपलब्ध कच्चा पदार्थको बढी भन्दा बढी उपयोग भएको अवस्था हुनेछ।

4.1 व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्ति

4.1.1 पृष्ठभूमि

यस नगरपालिकामा विभिन्न पसलहरूले नगरवासीहरूको दैनिक उपभोगका सामानको आपूर्ति गर्दै आइराखेको देखिन्छ । सेवा प्रदान गर्ने जस्तै टेलरिंग, सेलुन, क्यात्रिंग सेवा, नृत्य प्रशिक्षण आदिको संख्या उल्लेख्य रहेका छन् । व्यापार व्यवसायबाट उल्लेख्य रकमको कारोबार हुने गरेको देखिन्छ ।

4.1.2 समस्या तथा चुनौती

समस्या

- सामानको मूल्यमा एकरूपता नहुनु र गुण स्तरीय सामान प्रायः उपलब्ध नहुनु।
- विद्यमान बजार अव्यवस्थित र छरिएर रहनु।
- हाल भएका सम्पूर्ण पसलहरू नगरपालिकामा दर्ता नहुनु।
- पसलमा बिक्रीको लागि ल्याउने सामानको लोड अनलोडको लागि निश्चित स्थान नतोक्नु।
- उपभोक्तामा सामानको मूल्य र गुण स्तरमा खाशै (म्याद नाघेको सामान प्रति समेत) चासो नहुनु।
- सम्बन्धित निकायबाट समय समयमा अनुगमन नहुनु वा नगर्नु।

चुनौती

- विद्यमान अव्यवस्थित बजारलाई व्यवस्थित गर्न नसक्नु।
- उपभोक्तामा सामानको मूल्य र गुण स्तर प्रति चनाखो नहुनु।
- सम्बन्धित निकायबाट समय समयमा अनुगमन गर्ने तर्फ ध्यान नजानु।
- सम्पूर्ण पसलहरूलाई नगरपालिकाले हाल सम्म दर्ता गर्न नसक्नु।

4.1.3 संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- नगरपालिकाको जनसंख्या क्रमिक रूपले बढ्दै गईराखेको हुनाले सामानको लागि माग पनि सोहि अनुरूप बढ्ने हुनाले बजार विस्तारको ठूलो सम्भावना रहेको।

अवसर

- जनसंख्या क्रमिक रूपले बढ्दै जानु ब्यवसायको हिसाबले आफैमा एउटा सकारात्मक पक्ष हो। तसर्थ भविष्यमा ब्यापार ब्यवसायको लागि प्रशस्त अवसर हुने अनुमान गर्न सकिन्छ ।

४४४ व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्ति विकास योजना**४४४.१ सोच**

गुण स्तरीय सामानको आपूर्ति स्वस्थ जीवनको उक्ति

४४४.२ लक्ष्य

बजारलाई व्यवस्थित गरी उचित मूल्यमा गुणस्तरीय सामान आपूर्ति गर्ने

४४४.३ उद्देश्य

- १ नगरपालिकाभित्र हुने सबै प्रकारका व्यापार व्यवसायलाई करको दायरामा ल्याउनु ।
- २ व्यापार व्यवसायमा स्वस्थ प्रतिस्पर्धाका माध्यमबाट गुणस्तरीय उपभोग्य वस्तुको सहज आपूर्ति गर्नु
- ३ स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका सामग्रीको निकासी प्रवर्धन गर्नु ।

४४४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: नगरपालिकाभित्र हुने सबै प्रकारका व्यापार व्यवसायलाई करको दायरामा ल्याउनु ।	
१.१. पालिकामा स्थापना हुने सबै प्रकारका व्यवसाय अनिवार्य दर्ता गर्नुपर्ने व्यवस्था गर्ने	१.१.१ नगरपालिका भित्र संचालित व्यवसायिक फर्महरूको दर्ता तथा नविकरणलाई गति दिईनेछ । १.१.२ दर्ता भएका व्यापार व्यवसायको विद्युतीय रेकर्ड राखिनेछ ।
उद्देश्य २: गुणस्तरीय उपभोग्य वस्तुको सहज आपूर्ति तथा वितरणको व्यवस्था गर्नु ।	
२.१ नगरपालिकामा आवश्यक विभिन्न वस्तुको सहज र नियमित आपूर्तिका विभिन्न सरोकावालासंग सहकार्य गर्ने	२.१.१ दैनिक उपभोग्य सामग्रीको सहज आपूर्तिका निजि क्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ । २.१.२ कृषि जन्य सामग्रीको आपूर्तिका लागि सहकारीको परिचालन गरिनेछ ।
२.२ वस्तु तथा सेवाको सहज वितरणको व्यवस्था मिलाउनु	२.२.१ व्यवस्थित बजार विकासको लागि सहजीकरण गरिनेछ । २.२.२ सहकारी संगको सहकार्यमा सुपथ मूल्य पसल संचालन गर्नु ।
२.३ सामग्रीको मुल्यमा एकरूपता र गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने	२.३.१ नियमित रुपमा अनुगमन गरि गुणस्तर हिन सामग्री बिक्री गर्ने व्यापारीलाई कारवाही गरिनेछ ।

रणनिति	कार्यनीतिहरु
	२.३.२ उपभोक्तालाई सचेत गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका सामाग्रीको निकासी प्रवर्धन गर्नु ।	
३.१ निर्यात हुने वस्तुहरुको उत्पादनमा वृद्धि गर्नु	३.१.१ कृषिजन्य सामाग्रीको उत्पादनमा वृद्धि गरिनेछ ३.१.२ साना तथा घरेलु उद्यमको प्रवर्धन गरि उत्पादन वृद्धि गरिनेछ ।
३.२ स्थानीय सामाग्रीको निकासीमा सहजीकरण गरिनेछ ।	३.२.१ स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामाग्रीको बजारीकरण गरिनेछ । ३.२.२ कोशेली घरको स्थापना तथा संचालन गरिनेछ ३.२.३ लोड अनलोड गर्ने निश्चित स्थान तोकिनेछ

४४४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	न.पा.मा स्थापना हुने व्यवसायिक फर्म, पसलहरुको दर्ता तथा नवीकरण गर्न वार्षिक रुपमा चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	
२	नगरपालिकामा रहेको सम्पूर्ण पसल तथा व्यवसायको दर्ता गर्ने कार्य लाई अभियानको रुपमा अघि सार्ने			√		
३	प्रत्येक वर्ष सबै भन्दा बढी कर बुझाउने एक जना व्यवसायीलाई पुरस्कृत गर्ने			√		√
४	व्यवसाय दर्ता, नवीकरण तथा खारेजी कम्प्युटर तथा सफ्टवेयरको माध्यमबाट गर्ने			√		
५	वडा कार्यालय बाटनै व्यवसाय दर्ता हुने व्यवस्था मिलाउने			√		
६	दैनिक उपभोग्य सामग्री आपूर्ति गर्ने निजि क्षेत्रलाई सहूलियत तथा कर छुटको व्यवस्था गर्ने			√		
७	उन्नत जातका विउ तथा मलको आपूर्ति गर्न सहकारीलाई सहूलियत दिने			√		√
८	कृषि उपकरणको आपूर्ति तथा वितरण सहकारी मार्फत गर्ने			√		√
९	साप्ताहिक हाटको लागि व्यवस्थित स्थल निर्माण गर्ने			√	√	
१०	बजार व्यवस्थित गर्ने					

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय
११	उपयुक्त ठाँउमा सुपथ मूल्य पसल संचालन गर्ने			√	√	√
१२	जनप्रतिनिधि/ व्यापारी सहितको अनुगमन समिति गठन गर्ने					
१३	प्रत्येक ६ महिनामा बजार अनुगमन गर्ने र प्रतिवेदन तयार गरि पेश गर्ने			√	√	√
१४	गुणस्तरीय तथा नियमित सामग्री आपूर्ति गर्न व्यापारीहरुलाई अभिमुखीकरण गर्ने			√	√	√
१५	विद्यालयमा तथा समुदायमा उपभोक्ता हक सम्बन्धि चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	√
१६	आमा समुह, महिला समुह बीच वस्तु तथा सामानको गुणस्तर सम्बन्धि चेतनामुलक छलफल संचालन गर्ने			√	√	√
१७	रेडियो कार्यक्रम मार्फत चेतनामुलक सन्देश प्रसारण गर्ने			√		√
१८	वस्तु तथा सामानको गुणस्तरप्रति नागरिकलाई सचेत गराउन पम्प्लेट छाप्ने र वितरण गर्ने			√		√
१९	प्रत्येक वर्ष सबै भन्दा बढी कृषि जन्य सामग्री निर्यात गर्ने १ जना किसानलाई पुरस्कृत गर्ने			√	√	
२०	स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरण लागि विज्ञापन गर्ने			√		
२१	स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरणका लागि बजार क्षेत्रमा (काठमाडौँ) मा पसल संचालन गर्ने			√		
२२	उपयुक्त स्थानमा कोशेली घरको स्थापना गर्ने			√	√	√
२३	सामान लोड अनलोड गर्ने स्थान तोकी व्यवस्थित गर्ने			√	√	

४.५. अपेक्षित उपलब्धि

ब्यवस्थित बजारको लागि स्थानको व्यवस्था भई ब्यवस्थित बजार संचालनमा सकेको हुनेछ । नगरपालिकामा संचालन हुने सम्पूर्ण पसलहरु तथा व्यवसाय दर्ता तथा नवीकरण अनिवार्य हुने परिपाटीको विकास भएको हुनेछ । उपभोग्य सामग्रीको गुणस्तर तथा उपभोक्ता हक प्रति उपभोक्ताहरु जागरुक भएका हुनेछन् । नगरपालिकाबाट नियमित रुपमा महिनामा एक पटक अनुगमन नियमनको कार्य हुनेछ ।

4.5. श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

4.5.1. पृष्ठभूमि

नेपालको संबिधानले रोजगारी र श्रमको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ । साथै दक्ष र व्यावसायिक श्रमशक्तिको विकास गर्ने, श्रमिक र उद्यमबीच सुसम्बन्ध कायम गर्ने, वैदेशिक रोजगारीबाट आर्जित सीप, पुंजी, प्रविधि आदि देश भित्रै सदुपयोग गर्ने नीति लिएको छ । देशमा राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१ र वैदेशिक रोजगार नीति, २०६८ कार्यन्वयनमा आएका छन् भने दिगो विकास लक्ष्य र अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठन अभिसन्धि मार्फत सुरक्षित रोजगारीको प्रतिबद्धता व्यक्त गरिएको छ । हाल नेपालमा श्रम शक्तिको ३६.५ प्रतिशत औपचारिक क्षेत्रमा संलग्न रहेको र बेरोजगार दर ११.४ प्रतिशत रहेको छ । श्रम, सीप र उत्पादनबीच तादम्यता कायम हुन नसक्नु, श्रम प्रतिको सम्मान कमी हुनु, उद्यमशीलताको विकास नहुनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन्।

देशको कुल जनसंख्यामा आर्थिक रूपले सक्रिय जनशक्तिको हिस्सा ५७ प्रतिशत छ । संबिधानले प्रदेशको कार्य क्षेत्रमा रोजगार प्रवर्धन सम्बन्धी प्रादेशिक नीति, मापदण्ड, श्रम शक्ति योजना र अध्ययन र श्रम शक्ति योजना जस्ता विषय पर्दछन् । सन् २०११ मा नेपालमा क्षेत्रगत रोजगारीको स्थिति हेर्दा कृषिमा ६६.७ प्रतिशत, सामुदायिक कार्य तथा समाज सेवामा १२.८ प्रतिशत, ब्यापार, रेस्टुराँ तथा होटेलमा ८.१ प्रतिशत र निर्माणमा क्षेत्रमा ३.२ प्रतिशत रोजगारी सिर्जना भएको छ । प्रदेशको हकमा जनसंख्या तथा घरधुरी सर्वेक्षण २०११ अनुसार काठमाडौँमा आर्थिक दृष्टिले सक्षम जनसंख्या मध्ये सबैभन्दा बढी सेवा प्रदायकका रूपमा (२६ प्रतिशत) छन् भने दोश्रोमा हस्तकला र सम्बन्धित ब्यापारीहरू (१७.२२ प्रतिशत र १९ प्रतिशत) छन् ।

कृषि क्षेत्र नै यस नगरपालिकाको मुख्य रोजगारी दाता र आम बासिन्दाको जीवन जिउने आधार हुन् । तसर्थ श्रमको उपयोग सबै भन्दा बढी कृषि क्षेत्रमा नै हुने नै स्वभाविक छ । कृषि पछि उद्योग, ब्यापार, नोकरी वा सेवा स्वदेशी र विदेशी दुवै लगायत पेशाहरूमा स्थानीय नगरबासी कार्यरत रहेको देखिन्छ । भविष्यमा औद्योगिकीकरण ले गति लिएपछि रोजगार अन्या थपै अवसरहरू सिर्जना हुने आशा गर्न सकिन्छ ।

4.5.2. समस्या तथा चुनौती

उपलब्ध युवा श्रमशक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा संलग्न गराउन नसक्नुनै सबै भन्दा ठूलो समस्या हो । श्रम शक्तिको रूपमा रहेको युवा जनशक्ति विदेशसिन्नु तथा नगरपालिकाबाट बाहिरिनु, स्थानीय स्तरमा श्रम शक्तिको माग र आपूर्ति बिचको असन्तुल, बढ्दो बेरोजगारीका कारणले आपराधिक क्रियाकलापमा वृद्धि, नगरपालिकाका युवा श्रमशक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा संलग्न गराउनु नै ठूलो चुनौतिको रूपमा रहेको छ ।

4.5.3. संभावना तथा अवसर

नगरपालिकाको तीब्रतर विकासको लागि अन्य भौतिक श्रोत साधनको साथ साथै मानवीय श्रोत साधनको पनि उत्तिकै आवश्यकता पर्दछ । तसर्थ नगरपालिकामा विद्यमान मानवीय संसाधनको उपयुक्त परिचालनबाट नै

विकास सम्भव हुन सक्दछ । कृषि पशुपालन लगायतका क्षेत्रलाई व्यवसायीकरण तथा उद्योग धन्दाको विकास गरि स्थानीय स्तरमानै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्ने प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । त्यसैगरी प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमले पनि केहि मात्रामा स्थानीय स्तरमा रोजगारीको सिर्जना गरेको देखिन्छ ।

4.5.4 श्रम तथा रोजगारी योजना

4.5.4.1 सोच

श्रमशक्तिको उपयोग समृद्धिको सहयोग

4.5.4.2 लक्ष्य

कृषि लगायत अन्य क्षेत्रको विकासगरी सम्पूर्ण श्रमशक्तिलाई नगरमा नै उत्पादनशील क्षेत्रमा उपयोग गर्ने ।

4.5.4.3 उद्देश्य

- 1 स्थानीय स्तरमानै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्नु
- 2 सीपयुक्त दक्ष जनशक्तिको विकास गर्नु
- 3 श्रमिकको हक हितको सुरक्षा गर्नु

4.5.4.4 रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १ : स्थानीय स्तरमानै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्नु	
१.१ रोजगार तथा बेरोजगार श्रम शक्तिको लगत तयार गर्ने	१.१.१ नगरपालिकामा भएका रोजगार तथा बेरोजगारको तथ्यांक संकलन तथा व्यवस्थापन गरिनेछ । १.१.२ नगरपालिका क्षेत्रमा कार्यरत मजदुरको दक्षता र अनुभवको आधारमा लगत तयार गरि श्रम बैंकको स्थापना गरिनेछ
१.२ स्थानीय स्तरमानै लगानी गरि उद्यमशिलाता प्रवर्धन गर्ने	१.२.१ स्थानीय स्तरमा लगानी गरि रोजगारी सिर्जना गर्ने व्यवसायीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.२.२ स्थानीय युवालाई प्रस्तावका आधारमा सहयोग गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.३ विदेशबाट फर्केका युवाको ज्ञान, सीप, अनुभव लाई रोजगारमूलक क्षेत्रमा लगाउन सहजीकरण गरिनेछ ।
१.३ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलाई प्रभावकारी ढंगले अगाडि बढाउने ।	१.३.१ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलाई रोजगार सम्बन्धि कार्यक्रमसंग आवद्ध गरिनेछ । १.३.२ पालिका स्तरीय योजनाहरु कार्यन्वयन गर्दा रोजगार सेवा केन्द्रमा सुचिकृत बेरोजगारहरुलाई प्राथमिकता दिईनेछ ।
उद्देश्य २: विभिन्न सिपमूलक तालिमका अवसरको वृद्धि गर्दै दक्ष जनशक्तिको विकास गर्नु	
२.१ रोजगारमूलक तालिम संचालन गर्ने	२.१.१ मागमा आधारित रोजगारमूलक तालिम संचालन गर्ने
२.२ स्थानीय स्तरमा संचालन गरेका तालिमहरुको प्रमाणीकरणको गर्ने	२.२.१ स्थानीय स्तरमा दिने सिपमूलक तालिमको प्रमाणीकरण गर्न CTEVT संग समन्वय गरिनेछ ।
उद्देश्य ३ श्रमिकको हक हितको सुरक्षा गर्नु	
३.१ पालिका क्षेत्रमा कार्यरत मजदुरको न्युनतम हक अधिकार सुरक्षित गर्ने	३.१.१ पालिका क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिकको (महिला र पुरुषको) ज्यालामा समानता कायम गरिनेछ । ३.१.२ श्रमिकको नियमित भुक्तानी सुनिश्चित गरिनेछ । ३.१.३ पालिकाको विकास निर्माणको काम संलग्न श्रमिकको दुर्घटना विमा अनिवार्य गरिनेछ । ३.१.४ बाल श्रमलाई निरुत्साहित गरिनेछ । ३.१.५ मजदुर पेन्सन कार्यक्रम प्रारम्भ गरिनेछ ।
३.२ बैदेशिक रोजगारलाई सुरक्षित र मर्यादित बनाउन पहल गर्ने	३.२.१ विदेश जान चाहने व्यक्तिहरुलाई आधारभूत तालिमको व्यवस्था गरिनेछ । ३.१.२ वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवा श्रमशक्तिको सीप, अनुभव र पुंजीलाई नगरपालिकाको विकासमा लगाउने वातावरण तयार गरिनेछ ।

45.45. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	नगरपालिकाका रोजगार तथा बेरोजगार व्यक्तिहरुको सर्भेक्षण गरि अभिलेख तयार गर्ने			√		√
२	नगरपालिकाका रोजगार तथा बेरोजगार व्यक्तिहरुको सर्भेक्षण गरि अभिलेख नियमित अध्यावधिक गर्न सफ्टवेयरको प्रयोग गर्ने			√		
३	स्थानीय रोजगार तथा बेरोजगारको दर्ता गर्ने सम्बन्धमा वडा मार्फत स्थानीयलाई जानकारी गराउने			√		
४	स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरुले बेरोजगार युवाहरुलाई प्राथमिकताकासाथ रोजगारी दिने कार्यमा नगरपालिकाबाट आवश्यक सहजीकरण गर्ने					√
५	मानव स्रोत विकास योजना तयार गर्ने			√		
६	रोजगार सेवा केन्द्र संचालन गर्ने	√		√		
७	रोजगार सेवा केन्द्र सुदृढीकरण गर्ने (कम्प्युटर, फर्निचर, क्यामरा तथा अन्य विद्युतीय उपकरण खरिद)	√				
८	स्थानीय स्तरमा रोजगारी सिर्जना गर्ने २ जना उद्यमीलाई सम्मान गर्ने (वार्षिक रुपमा)			√		
९	स्वरोजगारका लागि स्थानीय युवालाई प्रस्तावको आधारमा सहयोग गर्न मेयरसंग रोजगार कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		
१०	विपन्न वर्ग तथा युवा स्वरोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत आ.व. ०७९/०८० मा १०० जनालाई १०० दिन बराबरको रोजगारी उपलब्ध गराउने			√		
११	युवा स्वरोजगार कोषको रकमलाई सहकारी संस्थाहरू मार्फत गरिबी न्यूनिकरण कार्यक्रम संचालनमा प्रयोग गर्ने			√		

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१२	बैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका व्यक्तिलाई आयमुलक क्षेत्रमा लगानी गर्न वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		√
१३	उपभोक्ता समिति मार्फत सम्पन्न हुने प्रकृतिका योजनाहरू कार्यान्वयन गर्दा बेरोजगार सूचीमा सूचीकृत व्यक्तिहरूलाई प्राथमिकता दिने			√		
१४	मागका आधारमा तालिम (वार्षिक २ प्रकारका तालिम) संचालन गर्ने			√		√
१५	वार्षिक रुपमा २ जनालाई आधुनिक सिप मुलक तालिम लिन नगरपालिका बाहिर पठाउन सहयोग गर्ने	√	√	√		
१६	सिप प्रमाणीकरण गर्न वार्षिक रुपमा कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	
१७	अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिकको नियमित भुक्तानी तथा समान ज्यालाका तथा विषयमा समय समयमा अन्तरक्रिया तथा छलफल गर्ने	√	√	√	√	√
१८	बाल अधिकार सम्बन्धि सचेतानामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		√
१९	बाल श्रम विरुद्ध ठाउँ ठाउँमा जानकारीमुलक होर्डिङ बोर्ड राख्ने			√		√
२०	मजदुर पेन्सन सम्बन्धि कार्यविधि तयार गरी लागु गर्ने			√		

४.५.५. अपेक्षित उपलब्धि

स्थानीय स्तरमानै पर्याप्त रोजगारीको सिर्जना भई वैदेशिक रोजगारीमा जाने युवाको संख्यामा उल्लेख्य रुपमा कमी आएको अवस्था हुनेछ । कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरण तथा उद्योग व्यवसायको स्थापनाबता थप रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना भएको हुनेछ । ब्यापार क्षेत्रमा हुने विस्तारले स्वरोजगार प्रवर्धन भई बेरोजगारीको समस्या धेरै हद सम्म कम भई सकेको अवस्था हुनेछ । सबै आर्थिक क्षेत्रमा हुने रोजगारीको अभिवृद्धिबाट पारिवारिक आयमा हुने वृद्धि हुने र सोबाट नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार आएको हुनेछ ।

परिच्छेद ५: सामाजिक क्षेत्र

५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

५.१.१ पृष्ठभूमि

स्वस्थ जनशक्ति समृद्ध मुलुक निर्माणको महत्वपूर्ण आधार हो । नेपालको संविधानले स्वास्थ्यलाई नागरिकको मौलिक हकका रूपमा प्रत्याभूत गरेको छ । संविधानमा पनि प्रत्येक नेपालीले आधारभूत स्वास्थ्य सेवा र सुविधा निःशुल्क पाउने व्यवस्था गरेको छ । संविधानको व्यवस्थाअनुसार सरकारले आफ्ना स्वास्थ्य चौकी र स्वास्थ्य केन्द्रमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा र सुविधा निःशुल्क गरेको छ ।

पोषणयुक्त खानपान, स्वच्छ खानेपानी एवं सरसफाइ स्वस्थ जीवनको लागि अपरिहार्य छ । स्वस्थ जीवनको लागि पोषणयुक्त खाद्यवस्तुको उपलब्धता हुनु आवश्यक हुन्छ । नगरपालिकामा उत्पादित कृषि उपजले सबै घरधुरीलाई वर्षभर खान पुग्ने अवस्था छैन । रासयनिक मलको प्रयोगले पनि स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थको उत्पादनमा चुनौती सिर्जना गरेको छ । यद्यपि नगरपालिकाका स्वास्थ्य सूचकहरु सुधारका क्रममा रहेका छन् । अधिकांश महिलाले स्वास्थ्य सेवासुविधाको उपभोग गरेका छन् ।

खैरहनी नगरपालिकामा १ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ६ वटा स्वास्थ्य चौकी, २ शहरी स्वास्थ्य केन्द्र गरी जम्मा ९ स्वास्थ्य संस्थाहरू रहेका छन् । यी स्वास्थ्य सेवा केन्द्रहरूले स्थानीयलाई विरामी जाँच, पोषण सेवा, प्रसूती सेवा, गर्भवती जाँच, औषधी वितरण, ल्याब सेवा, खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा, भिटामिन ए खुवाउने तथा अन्य उपचारात्मक सेवाहरू प्रदान गर्दै आएका छन्। गम्भीर प्रकृतिका बिरामीहरूलाई त्रिशुली अस्पताल र काठमाडौं लैजाने गर्छन् ।

(श्रोत:स्थलगत अध्ययन,२०७९)

५.१.२ समस्या तथा चुनौती

स्वास्थ्य क्षेत्रमा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच र सेवामा एकरूपता कायम गर्न नसक्नु, जनस्वास्थ्यप्रति उतरदायी तथा पर्याप्त जनशक्ति विकास गर्न नसक्नु, स्वास्थ्य सेवामा लगानी अनुसारको प्रतिफल प्राप्त नहुनु, सरकारी स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यकता अनुसारको आधुनिक उपकरण र विशेषज्ञ चिकित्सकहरूको अभाव हुनु, कुपोषण, विश्वव्यापीकरणसँगै खानपान तथा जीवनशैलीमा आएको परिवर्तनले नसर्ने रोगहरूको भार तथा मानसिक स्वास्थ्य समस्याहरू बढ्दै जानु प्रमुख समस्या हुन् । यसै गरी यस गाँउपालिकामा रहेका स्वास्थ्य क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू निम्न प्रकारका छन् ।

समस्या

- अधुरो भौतिक पूर्वाधार ९ वटा स्वास्थ्य संस्थाको निर्माणकार्य बाँकि रहेको
- आवश्यक स्वास्थ्य जनशक्ति अभाव र दरबन्दी पदपूर्ति हुन नसक्नु
- घरमा हुने सुत्केरी कायमै हुनु

- प्राकृतिक तथा बैकल्पिक चिकित्सा सेवाको बिस्तार हुन नसक्नु
- विद्यालयमा स्वास्थ्य कार्यक्रमको बिस्तार हुन नसक्नु
- न्यूनतम सेवा मापदण्डका आधारमा आधारभूत सेवा संचालन हुन नसक्नु
- आकस्मिक तथा जटिल स्वास्थ्य सेवाका लागि पालिका बाहिर जानुपर्ने

चुनौती

स्वास्थ्यका सबै क्षेत्रमा नागरिकको समतामूलक पहुँच स्थापित गर्नु, निःशुल्क गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई सबै स्थानीय तहबाट सर्वसुलभ रूपमा उपलब्ध गराउनु, अति विपन्न र जोखिममा परेका नागरिकलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्दै स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराउनु, संघीय प्रणाली अनुरूप स्वास्थ्य संस्थाको व्यवस्थापन गर्नु, स्वास्थ्य बिमालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गराउनु, नाफामूलक स्वास्थ्य क्षेत्रलाई क्रमशः सेवामूलक क्षेत्रमा रूपान्तरण गरी स्वास्थ्य क्षेत्रलाई मानव स्वास्थ्य प्रति जिम्मेवार बनाउनु जस्ता कार्यहरू प्रमुख चुनौतीको रूपमा रहेका छन् ।

यस नगरपालिकामा स्वास्थ्यका मुख्य चुनौती निम्न छन्

- स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धि जनचेतना अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गर्नु
- योग तथा सक्रिय जीवनयापन नहुनु
- बढ्दो जंकफुडको प्रयोग र व्यस्त जीवन शैलीले नसर्ने रोगीको वृद्धि
- स्वास्थ्य जन्य फोहोर व्यवस्थापन
- दक्ष तथा पर्याप्त स्वास्थ्य जनशक्तिको व्यवस्था गरि निर्वाध रूपमा स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्नु

५.१.३. संभावना तथा अवसर

तीनै तहको सरकार बिच स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी अधिकारको बाँडफाँट हुनु, स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा रहनु, प्रदेश तथा स्थानीय तहले आफ्नै स्रोतको प्रयोग गरी स्वास्थ्यमा लगानी वृद्धि गर्दै कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु, सूचना प्रविधिको विकासका साथै उपकरणहरूको उपलब्धता बढ्दै जानु, पूर्वाधारको विकाससँगै नागरिकहरूमा चेतना तथा चासो निरन्तर बढ्दै जानु, नीति तथा रणनीतिले स्वास्थ्य सेवालाई व्यवस्थित तथा गुणस्तरीय बनाउने कार्यमा जोड दिनु अवसरको रूपमा रहेका छन् । यस्तै गरी नगरपालिकामा प्राथमिक स्वास्थ्य कार्यक्रमको बिस्तार हुनु, मा. वि.तहमा विद्यालय नर्स कार्यक्रम सुरुवात, सामुदायिक वनहरूको संगको सहकार्यमा आयुर्वेदिक औषधि उत्पादन गर्न सकिने, प्राकृतिक चिकित्सा सम्बन्धि चेतना अभिवृद्धि गरि यसको विस्तार गर्न सकिने तथा प्रदेश तथा संघीय सरकारको समन्वयमा नियमित कार्यक्रम संचालन जस्ता कार्यहरू अवसरको रूपमा रहेका छन् ।

५.१.४ स्वास्थ्य योजना**५.१.४.१ सोच**

सर्वसुलभ, गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच

५.१.४.२ लक्ष्य

स्वास्थ्य क्षेत्रको व्यवस्थित विकास गर्दै जनस्तरमा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।

५.१.४.३ उद्देश्य

- १ नगरपालिकामा सर्वसुलभ गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा पहुँच बढाउनु ।
- २ स्वास्थ्य क्षेत्रमा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु ।
- ३ स्वास्थ्य सेवामा आवश्यक पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्नु ।
- ४ स्वास्थ्य सेवालाई सूचना मुलक तथा प्रविधि मैत्री बनाउनु ।
- ५ स्वच्छ र पोषणयुक्त खाद्य उपलब्धता तथा पहुँचको वृद्धि गर्नु ।
- ६ वैकल्पिक चिकित्साको माध्यमबाट स्वास्थ्य सेवा प्रवर्द्धन गर्नु ।

५.१.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: नगरपालिकामा सर्वसुलभ गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा पहुँच बढाउनु ।	
१.१ स्वास्थ्य संघसंस्थाको पहुँच अभिवृद्धि तथा विस्तार गर्ने ।	१.१.१ सबै वडामा स्वास्थ्य संस्था व्यवस्थापन गरिनेछ । १.१.२ स्वास्थ्य संस्था सम्म सहज रूपमा पुग्न यातायातका साधन व्यवस्थापन गरिने छ १.१.३ आधारभुत स्वास्थ्य केन्द्रमा आकस्मिक अवस्थाको प्रारम्भिक उपचार, प्रारम्भिक ल्याव सेवा तथा अन्य आधारभुत एकीकृत उपचार सेवा प्रवाह गरिनेछ ।
१.२ सर्वसुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने	१.२.१ निजी क्षेत्रको समन्वयमा स्वास्थ्य वीमा कार्यक्रम लागु गरिने छ ।
१.३ महिला, बालबालिका तथा वृद्धहरू साथै अपाङ्गहरूको स्वास्थ्यमा पहुँच विस्तार गर्ने ।	१.३.१ सुरक्षित मातृत्व, बाल स्वास्थ्य, किशोर किशोरी तथा प्रजनन स्वास्थ्य साथै जेष्ठ नागरिकको स्वास्थ्य सेवाको विकास तथा विस्तार गरिनेछ । १.३.२ गर्भवती महिलाहरूलाई आवश्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदान गरिने छ ।

रणनीति	कार्यनीतिहरू
	१.३.३ ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गहरुको स्वास्थ्य जाँच सहज गर्न विभिन्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ।
१.४ आधारभुत औषधीमा स्थानीयबासीको पहुँच पुर्याउने	१.४.१ सबै वडामा आधारभुत औषधीको पहुँच पुर्याइनेछ।
१.५ स्वास्थ्य सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने।	
उद्देश्य २: स्वास्थ्य क्षेत्रमा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु।	
२.१ आवश्यक दक्ष स्वास्थ्य कर्मीहरू व्यवस्थापनका लागि प्रदेश तथा गै.स.स सँग सहकार्य तथा समन्वय गर्ने	२.१.१ स्वास्थ्य संस्थाहरूमा दक्ष स्वास्थ्यकर्मीहरूको व्यवस्थापन गरिनेछ २.१.२ स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई समय अनकुल तालिम प्रदान गरिनेछ।
२.२ स्वास्थ्य संस्थाहरूमा दक्ष स्वास्थ्य कर्मीहरूको नियमित उपस्थितिको व्यवस्था मिलाउने	२.२.१ स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई आवश्यक सेवा सुविधा प्रदान गरिनेछ। २.२.२ स्वास्थ्यकर्मी प्रोत्साहन कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ।
उद्देश्य ३: स्वास्थ्य सेवामा आवश्यक पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्नु	
३.१. एक वडा एक स्वास्थ्य चौकीको नीति अवलम्बन गर्ने	३.१.१ आवश्यक स्थानहरूमा स्वास्थ्य चौकी निर्माण गरिनेछ।
३.२ प्रविधिमैत्री भौतिक पूर्वाधारहरू निर्माण तथा स्तरोन्नतीमा जोड दिने	३.२.१ विद्यमान स्वास्थ्य चौकी तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक प्रविधिमैत्री पूर्वाधारहरू निर्माण गरिनेछ। ३.२.२ निर्माणाधीन पूर्वाधारहरूलाई पूर्णता प्रदान गरी संचालनमा ल्याइनेछ।
उद्देश्य ४: स्वास्थ्य सेवालाई सूचना मुलक तथा प्रविधि मैत्री बनाउनु	
४.१ स्थानीय स्तरमा नै गुणस्तरीय सेवा उपलब्ध गराउन आवश्यक उपकरणहरू व्यवस्थापन तथा सञ्चालन गर्नु	४.१.१ सबै स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक उपकरणहरू व्यवस्थित गरिनेछ। ४.१.२ स्वास्थ्य संस्थाहरूमा नयाँ प्रविधि तथा उपकरण प्रयोग गरिनेछ।

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य ५: स्वच्छ र पोषणयुक्त खाद्य उपलब्धता तथा पहुँचको वृद्धि गर्नु	
५.१ पोषणयुक्त खानेकुराको बारेमा ज्ञान अभिवृद्धि गर्ने	५.१.१ पोषणयुक्त, सन्तुलित खानेकुराको महत्व बारेमा ज्ञान अभिवृद्धि गरिनेछ ।
उद्देश्य ६: वैकल्पिक चिकित्साको माध्यमबाट स्वास्थ्य सेवा प्रवर्द्धन गर्नु	
६.१ आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्साको विकास तथा विस्तार गर्ने	६.१.१. स्थानीय स्तरमा उपलब्ध औषधीजन्य जडीबुटी, खनिजको पहिचान, संरक्षण, संकलन, प्रवर्द्धन गर्दै आयुर्वेद चिकित्सा अभिवृद्धि गरिनेछ ।

5.14.5. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक मेशिनरी औजार, ल्याब सामग्री लगायत प्रविधिमैत्री सामग्रीहरूको व्यवस्था गर्ने			√		√
२.	१५ शैयाको अस्पतालमा स्तरोन्नती भएको खैरहनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रलाई व्यवस्थित ढंगबाट सञ्चालन गर्न अस्पताल सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि तयार गर्ने			√		
३.	चैनपुर स्वास्थ्य चौकीलाई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रमा स्तरोन्नती गर्न आवश्यक भौतिक पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने			√		√
४.	एम्बुलेन्स सेवालालाई चुस्त बनाईने			√		√
५.	आकस्मिक सेवा व्यवस्थापन (घुम्ती एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन)			√		√
६.	कठार स्वास्थ्य चौकीमा निर्मित प्रयोगशाला सञ्चालनमा ल्याउने			√		√
७.	प्रत्येक वडामा वर्षको एक पटक विशेषज्ञ डाक्टर सहितको निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन			√		√
८.	मृगौला रोगको डायलाईसिस गर्न जाने बिरामीलाई उपलब्ध गराउँदै आएको यातायात सुविधालाई निरन्तरता दिने			√		

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
९.	HIV संक्रमितहरूका परिवारका लागि पोषण सहयोगस्वरूप मासिक रूपमा निश्चित रकम उपलब्ध गराउने कार्यक्रमलाई निरन्तरता			√		
१०.	क्षयरोग, कुष्ठरोग खोजपडताल शिविर सञ्चालन गर्नुको साथै कुष्ठरोगीलाई यातायात खर्च वापत निश्चित रकम उपलब्ध गराउने			√		
११.	विपन्न नागरिक, मृगौला रोगी तथा कलेजोको सिरोसिस विरामीलाई स्वास्थ्य बिमामा लाग्ने न्यूनतम रकममा ५० प्रतिशत अनुदान उपलब्ध गराउने			√		
१२.	मातृशिशू मृत्युदर तथा बाल मृत्युदर घटाउन २४ घण्टे प्रसुती सेवालाई निरन्तरता दिदै घरमा हुने सुत्केरीलाई शुन्यमा झार्ने ।			√		√
१३.	महिलाहरूको पाठेघरको मुखको क्यान्सर, स्तन क्यान्सर तथा पाठेघर खसेको समस्याको खोजपडताल तथा उपचारको लागि विज्ञ चिकित्सकको सहभागितामा शिविर सञ्चालन गर्ने			√		√
१४.	घुम्ती शिविर मार्फत दीर्घ रोगी, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई आवश्यक पर्ने नियमित स्वास्थ्य सेवा			√		√
१५.	७० वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकलाई स्वास्थ्यकर्मीले महिनाकै एक निश्चित दिनमा घर घरमा गई स्वास्थ्य परीक्षण गर्नको लागि बा आमा स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√		√
१६.	महामारी नियन्त्रण तथा रोकथाम र उपचारका लागि औषधी तथा सुरक्षात्मक सामग्री अभाव नहुने गरी व्यवस्था गर्ने			√		√
१७.	स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट निःशुल्क वितरण हुने औषधीहरूको अभाव नहुने गरी व्यवस्था गर्ने			√		√
१८.	दीर्घ रोगी, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई आवश्यक पर्ने र सरकारले दिने निशुल्क औषधी सम्भवभएसम्म घरदैलोमै पुर्याउने			√		√
१९.	कर्मचारी क्षमता विकास तालिम			√		√
२०.	खैरहनी नगर अस्पतालको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षण गरी आवश्यक स्वास्थ्यकर्मीहरूको दरबन्दी स्वीकृतिको पहल गर्ने			√		√

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
२१.	वर्धिङ सेन्टरमा कार्यरत नर्सिग स्टाफहरूलाई समयसापेक्ष तालिमको व्यवस्था गर्ने			√		√
२२.	स्वास्थ्यकर्मीहरू तथा महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूको क्षमता अभिवृद्धि स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रमको लागि अनुदानको व्यवस्था गर्ने			√		√
२३.	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा संचालित वर्धिङ सेन्टरहरूलाई अत्याधुनिक र सुविधा सम्पन्न बनाउने			√		
२४.	कठार स्वास्थ्य चौकीमा निर्मित प्रयोगशाला सञ्चालनमा ल्याउने			√		√
२५.	चैनपुर स्वास्थ्य केन्द्रमा आवश्यक यन्त्र उपकरण तथा सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने			√		√
२६.	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा इन्टरनेटको व्यवस्था गरी टेलि मेडिसिन र सूचना प्रणाली व्यवस्थित गर्ने			√		√
२७.	स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरु मार्फत बालबालिका हेरचाह र पौष्टिक आहार सम्बन्धि आधारभूत तालिम			√		√
२८.	मातृ तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अर्न्तगत पोषण तथा खोप सेवा विद्यालय पोषण कार्यक्रमलाई थप व्यवस्थित गर्ने			√		√
२९.	मातृ, नवशिशु संरक्षण तथा पोषण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√		√
३०.	दीर्घरोग तथा नसर्ने रोगहरू जस्तै मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास प्रश्वास रोग तथा थाईराईड नियन्त्रण गर्न विभिन्न किसिमका जनचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√		√
३१.	उपलब्ध औषधीजन्य जडीबुटी, खनिजको पहिचान, संरक्षण तथा प्रबर्द्धन			√		√
३२.	वैकल्पिक चिकित्सा र आयुर्वेद सेवा समेतलाई स्तरोन्नति गरी सेवा विस्तार गर्ने			√	√	√

५.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क र सर्वसुलभ रूपमा प्राप्त भएको हुने, नगरपालिकामा अन्तराष्ट्रिय स्तरको अस्पताल स्थापना भएको हुने, स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूतिकर्मीहरूको सहयोगमा गराइएको जन्महरूको अनुपात ९० प्रतिशत पुगेको हुने, मातृ मृत्युदर प्रति लाख जीवित जन्म २३९ बाट ७० मा आउने, नवजात शिशु मृत्युदर प्रति हजार जीवित जन्म १७ बाट ९ मा झर्ने, सबै बालबालिकाले आवश्यक खोप लिएको हुने, औषत प्रतिव्यक्ति उमेर ७४ वर्ष पुगी दिगो विकासका लक्ष्य पूरा गर्न निर्धारित सूचकहरूमा महत्वपूर्ण सुधार आएको हुनेछ ।

५.२. शिक्षा

५.२.१. पृष्ठभूमि

शिक्षा आधुनिक समाज निर्माण, मर्यादित जीवन तथा सम्मानजनक रोजगारीको महत्वपूर्ण आधार हो । नेपालको संविधानले शिक्षालाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गर्दै आधारभूत तहसम्म अनिवार्य र निःशुल्क तथा माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क गरेको छ । संबिधानतः शिक्षा संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहको साझा दायित्वको रूपमा रहेको छ । त्यसैगरी स्थानिय सरकार संचालन ऐन २०७४ ले आधारभूत र माध्यमिक तह सम्मको शिक्षाको विकास, संचालन तथा नियमन गर्ने जिम्मेवारी स्थानीय तहलाई प्रदान गरेको छ । शिक्षालाई समसापेक्ष, व्यवसायिक, सिपमुलक तथा व्यवहारिक बनाउन नगरपालिकामा विभिन्न नीति नियम तथा योजना बनाई कार्यन्वयन पनि भईरहेका छन् ।

त्यसैगरी दिगो विकास लक्ष्य २०३०ले शिक्षालाई प्राथमिकता दिदै चौथो लक्ष्यका रूपमा गुणस्तरीय शिक्षालाई राखेको छ । त्यसैगरी Planning norms and standard, 2015 का अनुसार प्रति ३००० जनसंख्यामा १ वटा प्राथमिक विद्यालय र प्रति २५००० जनसंख्याका लागि १ उच्च माध्यमिक (१२ कक्षा सम्म) विद्यालय चाहिन्छ भने प्रति १०००० जनसंख्यामा १ सामुदायिक पुस्तकालय आवश्यक हुने उल्लेख छ ।

खैरहनी नगरपालिकामा जम्मा ४६ वटा सामुदायिक विद्यालय रहेका छन् । पालिकामा प्राविधिक शिक्षा (कृषि) तथा वेद विद्या पनि संचालनमा रहेका छन् । यस पालिकामा कुनै क्याम्पस भने छैन । जनगणना २०६८ का अनुसार नगरपालिकाको ५ वर्ष भन्दा माथि उमेर समुहको कुल साक्षरता दर ६९.१ % प्रतिशत रहेको छ । जुन बागमती प्रदेशको साक्षरता दरको तुलनामा न्युन हो ।

नगरको जनसांख्यिक संरचनालाई विश्लेषण गर्दा ५-१४ वर्ष उमेर समुहको हिस्सा ३३.८२ % रहेको छ, जुन विद्यालय जाने उमेर समुहमा पर्दछ । पालिकाको कुल साक्षर जनसंख्यामा एसएलसी उत्तीर्ण गर्नेको संख्या ६.१ % र १०+२ उत्तीर्ण गर्नेको संख्या २.३९ % छ । स्नातक तह र स्नातकोत्तर तह उत्तीर्ण गर्नेको संख्या क्रमशः ०.७८ % र ०.२१ % मात्र रहेको छ । खैरहनी नगरपालिकामा विद्यार्थी / शिक्षक अनुपात प्राथमिक तह १७.७३ र निम्न माध्यमिक तहमा ३३.१४ रहेको छ । *वस्तुस्थिति विवरण*, बागमती प्रदेश, २०७६।

५.२.२ समस्या तथा चुनौती

समस्याहरू

- सब विद्यालयमा भूकम्प प्रतिरोधी भवन, घेराबार, पुस्तकालय, उपयुक्त खेल मैदान, खानेपानी जस्ता पूर्वाधारको व्यवस्थापन नहुनु
- विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला तथा कम्प्युटर प्रयोगशाला नहुनु
- शिक्षकहरूलाई समय सापेक्ष तथा अध्यावधिक तालिमको व्यवस्था नहुनु
- सामुदायिक विद्यालयमा विद्यार्थी संख्या न्यून हुनु वा विद्यार्थी भर्नादर कम हुँदै जानु
- प्राथमिक बाल विकास केन्द्रलाई सुबिधा सम्पन्न र बालमैत्री बनाउन नसक्नु
- विद्यालय व्यवस्थापन समितिले प्रभावकारी भूमिका खेल्न नसक्नु
- शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री तथा प्रविधि मैत्री हुन नसक्नु
- विद्यार्थी अनुपातका आधारमा शिक्षकको वितरण नहुनु
- शैक्षिक संस्थाहरूको नियमित अनुगमन, सुपरिवेक्षण तथा मुल्यांकन गर्न नसक्नु
- शिक्षक, विद्यार्थी तथा अविभावक बिच अन्तरक्रिया तथा छलफल नहुनु
- प्राविधिक शिक्षालाई सबैको पहुँच योग्य बनाउन नसक्नु
- विद्यार्थी संख्याका आधारमा शिक्षाको व्यवस्थापन नहुनु

चुनौतिहरू

- शिक्षालाई गुणस्तरीय तथा व्यवहारिक बनाउन नसक्नु
- प्रयाप्त मात्रामा दरबन्दी नभएकोले संघीय सरकारले तोकेको न्यूनतम दरबन्दी बराबरको अनुदान दिन नसकिएको ।
- नवीन शिक्षा प्रणाली, विधि, प्रविधिको विकास अनुसार विद्यमान शैक्षिक जनशक्तिले आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरी शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप सञ्चालन गरी गुणस्तरीय शिक्षा दिन नसकिएको ।
- प्रतिभा पलायन रोक्री र स्थानीय स्तरमानै व्यवस्थापन गर्नु ।
- नतिजामुखी शिक्षा प्रदान गर्नु ।
- महामारीको समयमा बैकल्पिक माध्यमबाट शिक्षण सिकाईलाई निरन्तरता दिनु ।

५.२.३. संभावना तथा अवसर**सम्भावना**

- नगर भित्र रामपुर कृषि क्याम्पस संचालनमा रहेको
- स्नातकोत्तर सम्म आध्यापन गराउने क्याम्पस संचालनमा रहेको
- चेपाङ बालबालिकालाई कक्षा १० सम्मको निशुल्क शिक्षाको व्यवस्था गरिएको
- सबै विद्यालयमा ईन्टरनेट सुबिधा रहेको
- विद्यार्थी संख्याको आधारमा भवन, कक्षा कोठा, सौचालय, खानेपानीको व्यवस्था रहेको

अवसर

- जनजीवन मा.वि. मा प्राविधिक विषयमा कृषि कार्यक्रम संचालन
- खैरहनी मा.वि. मा कक्षा ११ र १२ मा बिज्ञान विषय संचालन
- नमुना विद्यालय कार्यक्रम संचालन गरि गुणस्तरीय शिक्षाको उदाहरण बन्न सक्ने अवसर
- कक्षा ९ र १० तथा ११ र १२ मा प्राविधिक धारको आध्यापन गर्न सकिने आसर रहेको
- भौगोलिक रूपमा टाढा रहेका र समस्यामा परेर अध्ययनलाई निरन्तरता दिन नसक्ने विद्यार्थीका लागि छात्रावासको व्यवस्था गरि अध्ययनको अवसर प्रदंगर्ना सकिने

५.२.४. शिक्षा विकास योजना**५.२.४.१. सोंच**

चाहना अनुरूपको गुणस्तरीय उच्च शिक्षा हासिलमा जोड नगरपालिकाको गुणस्तरीय शिक्षाको समान पहुँचको अठोट

५.२.४.२. लक्ष्य

गुणस्तरीय, प्रविधिमैत्री तथा रोजगारमूलक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गरि दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने।

५.२.४.३. उद्देश्य

१. शिक्षाका सबै तहलाई गुणस्तरीय बनाई सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्नु
२. प्राविधिक, व्यवसायिक एवं रोजगारमूलक शिक्षाको विकास एवं विस्तार गर्नु
३. शैक्षिक संस्थाहरुलाई आधारभूत भौतिक पूर्वाधार तथा स्रोत साधन सम्पन्न बनाउनु
४. शिक्षा क्षेत्रमा समय सापेक्ष दक्ष जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु
५. शैक्षिक क्षेत्रको संस्थागत सुधार गर्नु

५.२.४.४ रणनीति तथा कार्यक्रम

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १ : शिक्षाका सबै तहलाई गुणस्तरीय बनाई सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्नु	
१.१. शिक्षालाई गुणस्तरीय तथा प्रतिष्पर्धी बनाउन आवश्यक कानूनको तर्जुमा गरि लागु गर्ने	१.१.१. शिक्षा सम्बन्धि स्थानीय ऐन तथा नियमावली तर्जुमा गरि कार्यन्वयन गरिनेछ । १.१.२ प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र सम्बन्धि मापदण्ड बनाई लागु गरिनेछ । १.१.३ विषम परिस्थितिमा बैकल्पिक शिक्षण सिकाईका लागि कार्ययोजना बनाई लागु गरिनेछ ।
१.२ विद्यालय उमेर समूहका सबै बालबालिकालाई आधारभूत तहमा अनिवार्य निशुल्क शिक्षा तथा माध्यमिक तहमा निशुल्क शिक्षा र अध्ययन निरन्तरताको व्यवस्था मिलाउने।	१.२.१ सबै बालबालिकालाई प्रारम्भिक बाल विकास शिक्षा अनिवार्य गरिनेछ । १.२.२ विद्यालय उमेरका सबै बालबालिकालाई विद्यालय भित्र ल्याई अध्ययन निरन्तरतालाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.२.३ विपन्न तथा कठिन परिस्थितिमा रहेका बालबालिकाको शिक्षाको सुनिश्चितता गरिनेछ (Extra Class) १.२.४ सबै माध्यमिक विद्यालयमा दश जोड दुई सम्मको शिक्षा अनिवार्य गर्दै लगिनेछ । १.२.५ भौगोलिक रूपमा टाढा रहेका विद्यार्थीहरूको पठनपाठनमा निरन्तरता दिन आवासीय विद्यालय संचालन गरिनेछ
१.३ शिक्षामा गुणस्तर वृद्धि गरि सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।	१.३.१ नमुना विद्यालयको विकास व्यवस्थापन तथा संचालन गरिनेछ । १.३.२ विद्यालयहरूको वितरणलाई पुनरावलोकन गरि समतामुलक वितरण गरिनेछ । १.३.३ माध्यमिक तहमा निरन्तरताको लागि विद्यार्थीलाई प्रोत्साहनका कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । १.३.४ सबै विद्यालयको शैक्षिक गुणस्तरमा समानता ल्याउन वैज्ञानिक परीक्षा प्रणाली लागु गरिनेछ । १.३.५ उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने विद्यार्थी एवं विद्यालयलाई पुरस्कृत गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
१.४ स्थानीय स्तरमानै उच्च शिक्षाको अवसर प्रदान गर्ने ।	१.४.१ उच्च शिक्षा प्रदान गर्ने शैक्षिक संस्थाको स्थापना र संचालनका लागि पहल गरिनेछ ।
१.५ व्यवहारिक शिक्षालाई प्राथमिकता दिने	१.५.१ अतिरिक्त क्रियाकलापलाई शिक्षण सिकाईको अभिन्न अंगको रूपमा विकास गरिनेछ । १.५.२ विद्यालय शिक्षामा जिवनोपयोगी ज्ञानलाई एकीकृत रूपमा समावेश गरिनेछ । १.५.३ स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण गरि लागु गरिनेछ । १.५.४ आधारभूत तहमा स्थानीय भाषालाई समावेश गरिनेछ ।
१.६ आजीवन सिकाईको अवसर विस्तार गर्ने ।	१.६.१ विभिन्न कारणले विद्यालय जान नपाएका बालबालिका तथा प्रौढ व्यक्तिहरुका लागि अनौपचारिक शिक्षाको व्यवस्था गरिनेछ । १.६.२ औपचारिक शिक्षालाई निरन्तरता दिन नसक्ने तथा नचाहने व्यक्तिका लागि जिवनोपयोगी शिक्षा हासिल गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ । १.६.३ सामुदायिक सिकाई केन्द्रको स्थापना तथा आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्था गरिनेछ
१.७ विद्यालयमा शिक्षण सिकाईको लागि उपयुक्त वातावरण तयार गर्ने	१.७.१ सबै विद्यालयमा प्राथमिक उपचारको व्यवस्था मिलाईनेछ । १.७.२ माध्यमिक विद्यालयमा पुस्तकालय र आधारभूत विद्यालयमा बुक कर्नरको अनिवार्य व्यवस्था गरिनेछ ।
उद्देश्य २ : प्राविधिक व्यवसायिक एवं रोजगारमूलक शिक्षा संचालन गर्नु	
२.१. नगरपालिकामा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा संचालन गर्ने	२.१.१ स्थानीय र आवश्यकता सम्भावनाका आधारमा माध्यमिक विद्यालयमा कम्तिमा एक प्राविधिक वा व्यवसायिक विषयको पठनपाठनको व्यवस्था मिलाईनेछ । २.१.२ .सम्भाव्यताका आधारमा व्यवसायिक तालिमहरु संचालन गरिनेछ । २.१.३ .औपचारिक शिक्षा हासिल गरिसकेपछि Internship/ On the Job Training को अनिवार्य व्यवस्था गरिनेछ

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य ३ : शैक्षिक संस्थाहरूलाई आधारभूत भौतिक पूर्वाधार तथा स्रोत साधन सम्पन्न बनाउनु	
३.१ शैक्षिक संस्थामा आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था गर्ने ।	<p>३.१.१. भूकम्प प्रतिरोधी तथा बालमैत्री पूर्वाधारको व्यवस्था गरि भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न बनाउने ।</p> <p>३.१.२. सबै विद्यालयमा आवश्यकताका आधारमा फर्निचर, प्रयोगशाला, व्यवस्था गर्दै लगिनेछ</p> <p>३.१.३. खानेपानी तथा सरसफाईका पूर्वाधारको व्यवस्था गरिनेछ</p> <p>३.१.४ प्राविधिक तथा व्यवसायिक विद्यालयमा प्रयोगात्मक शिक्षण सिकाईको लागि विषयगत प्रयोगशालाको व्यवस्था मिलाइनेछ</p>
३.२ शिक्षण सिकाईमा सूचना प्रविधिको प्रयोग गर्ने	<p>३.२.१. सबै विद्यालयमा इन्टरनेटको विस्तार गर्ने</p> <p>३.२.२. विभिन्न विषयमा (अंग्रेजी विज्ञान गणित र प्राविधिक) डिजिटल पाठ्यसामग्रीको प्रयोग बढाउने ।</p> <p>३.२.३. विद्यालय व्यवस्थापनमा सूचना प्रविधिको प्रयोग बढाउने ।</p> <p>३.२.४. बैकल्पिक शिक्षण सिकाईमा सूचना प्रविधिको उपयोग गरिनेछ ।</p>
उद्देश्य ४ : जनशक्तिको व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास गर्नु	
४.१. शैक्षिक संस्थामा आवश्यक मानव संसाधनको व्यवस्था गर्ने ।	<p>४.१.१. सबै तहमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>४.१.२. विद्यार्थी अनुपातका आधारमा शिक्षकको व्यवस्थापन गरिनेछ ।</p> <p>४.१.३. स्वयम सेवक शिक्षक कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ ।</p> <p>४.१.४ स्थानीय विद्यार्थीलाई शिक्षण पेशामा आकर्षित गरिनेछ ।</p>
४.२. शिक्षकको पेशागत क्षमतामा सुदृढ गरिनेछ ।	<p>४.२.१. सबै तहका शिक्षकलाई आधुनिक शिक्षण सिकाई सम्बन्धि तालिम अनिवार्य गरिनेछ ।</p> <p>४.२.२ पेशागत शिक्षकबीच अनुभवको आदानप्रदानको व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p>

रणनीति	कार्यनीति
	४.२.३ प्राविधिक विषयका शिक्षक हरुको क्षमता अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । ४.२.४ तालिम पछि अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रणालीको विकास गरि लागु गरिनेछ । ४.२.५ शिक्षकको कार्यसम्पादनलाई विद्यार्थीको नातिजसँग आवद्ध गरिनेछ । ४.२.६ काममा उत्प्रेरित गर्न सबै तहका शिक्षक तथा कर्मचारीलाई संघीय सरकारको नीति अनुरूप समान परिश्रमिक सुनिश्चित गरिनेछ।
उद्देश्य ५: शैक्षिक क्षेत्रको संस्थागत सुधार गर्नु	
५.१ विद्यालयको नियमित अनुगमन तथा मुल्यांकन गरिनेछ ।	५.१.१ प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाको संचालनका लागि निजि क्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ । ५.१.२ विद्यालयमा एक दिन जनप्रतिनिधि कार्यक्रमको व्यवस्था गरिनेछ ।

५.२.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र/ गै.स.स
१.	पाँच वर्षे न.पा. शिक्षा योजना निर्माण गरि कार्यान्वयन गर्ने			√	√
२.	विद्यार्थी संख्या कम भएका विद्यालयहरूलाई एकिकरण गर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने	√	√	√	√
३.	शिक्षा ऐन निर्माण गरि कार्यान्वयनमा ल्याउने		√	√	√
४.	हरेक विद्यालयमा रहेका बालविकास केन्द्रहरूलाई नमूनाको रूपमा सञ्चालन गर्न गुणस्तरको मापदण्ड अनुरूपका सिकाई सामाग्रीहरूको व्यवस्थापन गर्ने		√	√	√
५.	मन्तेश्वरी शिक्षा विधि सहित बालविकास केन्द्र व्यवस्थापन			√	√
६.	कक्षा ६ सम्मका विद्यार्थीका साथै बाल विकास केन्द्रका विद्यार्थीहरूलाई पोषण युक्त दिवा खाजा नियमित रूपमा उपलब्ध गराउने	√	√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र/ गै.स.स
७.	विद्यार्थीहरूमा सामाजिक र परोपकारी भावना अभिवृद्धि गर्न विद्यालयमा बालक्लव गठन, जुनियर रेडक्रस तथा स्वयंसेवक कार्यक्रम सञ्चालनमा प्रोत्साहित गर्ने		√	√	√
८.	बिभिन्न कठिनाइका कारण विधालयको पहुँचमा नभएका विद्यार्थीमा विधालय छाडेका बालबालिकाहरूको पहिचान गर्ने			√	√
९.	सामुदायिक विद्यालयमा छात्राहरूको पठनपाठनलाई असहज हुन नदिन निशुल्क तथा गुणस्तरीय सेनिटरी प्याड वितरणलाई निरन्तरता दिदै भेण्डिङ्ग मेशिन जडान र प्रयोग भईसकेका सेनिटरी प्याडहरूलाई सुरक्षित विसर्जित गर्ने			√	√
१०.	विद्यालय बाहिर शून्य बालबालिका कार्यक्रम अन्तर्गत गरिब, अति विपन्न, असहाय तथा जेहेन्दार विद्यार्थीलाई शिक्षाको पहुँचमा सहजै पुर्याउन सहायता रकम प्रदान गर्ने			√	√
११.	गरिब तथा विपन्न बालबालिकाहरूलाई विद्यालयमा नै बसी पठनपाठन, गृहकार्य तथा पोषण कार्यक्रममा सहयोग पुग्ने गरि ६ देखि ६ अभियान सञ्चालन गर्ने			√	√
१२.	सामुदायिक विद्यालय, सार्वजनिक कलेज वा क्याम्पसमा अध्ययनरत थारू, दलित, अपाङ्ग, अल्पसंख्यक तथा विपन्न परिवारका छात्राहरूको शिक्षामा पहुँच कायम गर्न उक्त समूहका छात्राहरूलाई स्नातक तहसम्मको अध्ययन गर्न सहयोग पुग्ने गरी न.पा. मा एक छात्रवृत्ति कोषको स्थापना गरी कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने		√	√	
१३.	निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरणलाई प्रभावकारी रूपमा अघि बढाउने			√	√
१४.	नगरपालिका क्षेत्रभित्र सञ्चालित सामुदायिक विद्यालयहरू मध्ये नमूनाको रूपमा एक आवासीय विद्यालय र एक प्राविधिक विद्यालयको विकास गर्ने			√	√
१५.	वैज्ञानिक परीक्षा प्रणाली लागु गर्ने			√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र/ गै.स.स
१६.	उत्कृष्ट नतिजा प्राप्त गर्ने विषयगत शिक्षक तथा विद्यार्थीहरूलाई अभिप्रेरित गर्न सम्मान तथा पुरस्कृत गर्ने कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने			√	
१७.	आधारभूत र माध्यमिक विद्यालय व्यवस्थापन तथा सञ्चालनको लागि अनुदानको व्यवस्था		√	√	√
१८.	शैक्षिक भ्रमण			√	√
१९.	कला, साहित्य, संगीत, नृत्य, खेलकुद तथा सृजनात्मककला जस्ता विद्यार्थीहरूमा रहेका प्रतिभा पहिचान र प्रस्फुटनका लागि कार्यक्रम संचालन		√	√	√
२०.	न.पा. स्तरीय र विद्यालयस्तरीय अतिरिक्त क्रियाकलाप संचालन गर्न नगद तथा वस्तुगत सहयोग उपलब्ध गराउने ।			√	√
२१.	विद्यालयस्तरीय खेलकुद प्रतियोगिताहरू संचालनका लागि नगद तथा वस्तुगत सहयोग प्रदान साथै घुम्ती प्रशिक्षकको व्यवस्था गर्ने		√	√	√
२२.	माध्यमिक विद्यालयमा स्काउटको प्रभावकारी व्यवस्थापन			√	√
२३.	स्थानीय परिवेश, सामाजिक सांस्कृतिक भाषिक पक्षलाई समेटेर कक्षा ८ सम्म स्थानीय पाठ्यसन्दर्भ सामग्री निर्माण गरि लागू गर्ने			√	√
२४.	विद्यार्थीहरूलाई सकारात्मक सोच तिर उत्प्रेरित गर्न समय अन्तरालमा Psycho-Socio Counselling गर्ने			√	√
२५.	विद्यालय जान नपाएका बालबालिका तथा प्रौढ व्यक्तिहरूका लागि अनौपचारिक कक्षा सञ्चालन			√	√
२६.	साक्षरता र निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम संचालन			√	√
२७.	सामुदायिक सिकाई केन्द्र व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्ने			√	√
२८.	प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने एक विद्यालय एक नर्स कार्यक्रमलाई विद्यालयहरूमा क्रमशः विस्तार गर्ने		√	√	√
२९.	खैरहनी माध्यमिक विद्यालयमा कक्षा ११ र १२ मा विज्ञान विषयको पठनपाठन गर्ने व्यवस्था मिलाईनुका साथै अन्य विद्यालयहरूमा पनि प्राविधिक शिक्षा क्रमशः लागू गर्ने			√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र/ गै.स.स
३०.	प्राविधिक शिक्षक दरबन्दी सिर्जना		√	√	√
३१.	एक विद्यालय एक उद्यम कार्यक्रम सञ्चालन गरि विधार्थीहरूमा अर्थोपार्जन सीप विकास गर्ने			√	√
३२.	विद्यालयमा आवश्यकता अनुरूप विद्यालय भवन र कक्षाकोठा निर्माण एवम मर्मत, कम्पाउण्डवाल, पुस्तकालय निर्माण गर्ने (भूकम्प प्रतिरोधी)		√	√	√
३३.	एक विद्यालय एक विज्ञान प्रयोगशाला		√	√	√
३४.	विद्यालयमा शुद्ध खानेपानीको व्यवस्था गर्ने		√	√	√
३५.	छात्रा मैत्री तथा अंपाग मैत्री शौचालयको व्यवस्था गर्ने		√	√	√
३६.	ICT कार्यक्रमलाई विस्तार गरी सबै विद्यालयमा Internet को सुविधा प्रदान गर्ने			√	√
३७.	सुचना तथा संचार प्रविधि जडान			√	√
३८.	प्रत्येक माध्यमिक विद्यालयमा हप्ताको एक कक्षामा नगरपालिकाबाट कर्मचारी खटाई व्यवहारिक शिक्षाको कक्षा लिने व्यवस्था मिलाई शाखागत शिक्षा प्रदान गर्ने		√	√	√
३९.	विद्यार्थी संख्याका आधारमा शिक्षक तथा कर्मचारीहरूको दरवन्दी मिलान तथा समायोजन गर्ने			√	√
४०.	स्वयंम सेवक शिक्षक दरबन्दी			√	
४१.	स्थानीय विद्यार्थीलाई शिक्षण पेशामा प्राथमिकता दिने			√	√
४२.	विद्यालय व्यवस्थापन समिति, प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं अभिभावक संघका पदाधिकारीहरूको लागि क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम		√	√	√
४३.	नविन्तम शिक्षण विधि तथा सिप विकास तालिम सञ्चालन			√	√
४४.	शिक्षकमा अनुभव साटासाट तथा क्षमता अभिवृद्धिको लागि Teacher Exchange Program सञ्चालन			√	√
४५.	प्रधानाध्यापकहरूको नेतृत्व क्षमता विकास तथा संस्थागत क्षमता विकासको लागि जिल्ला तथा अन्तर जिल्ला स्तरमा अवलोकन भ्रमणको व्यवस्था गर्ने			√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र/ गै.स.स
४६.	शिक्षण सिकाई क्रियाकलापलाई प्रविधिमैत्री बनाउन विद्यालयहरूलाई प्रविधिका सामग्रीहरू उपलब्ध गराउने		√	√	√
४७.	शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धिको लागि विषयगत समिति गठन गरि तालिम प्रदान			√	√
४८.	सिकाई उपलब्धी प्रोत्साहन कार्यक्रम		√	√	√
४९.	विद्यालयको व्यवस्थापकीय अवस्था सुधार गर्न कार्य सम्पादन सूचक निर्माण गरि प्रधानाध्यापकसंग कार्य सम्पादन करार गर्ने			√	√
५०.	कार्य सम्पादन सूचकका आधारमा मूल्यांकन गरि विद्यालय एवं शिक्षकलाई थप प्रोत्सोहान उपलब्ध गराउने			√	√
५१.	सामुदायिक विद्यालयमा e-attendance र CCTV जडान गर्ने			√	√
५२.	विद्यार्थी सँग मेयर कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√

५.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा साक्षरता दर सत प्रतिशत पुगेको हुनेछ । सबै माध्यमिक विद्यालयमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक विषयको पठन पाठन भएको हुने, विद्यालयमा भूकम्प प्रतिरोधी भवन, घेराबार, पुस्तकालय, उपयुक्त खेल मैदान, खानेपानी जस्ता पूर्वाधारको व्यवस्थापन भएको हुने, शिक्षकहरू समय सापेक्ष तालिम प्राप्त गरि शिक्षाको गुणस्तरमा बढोत्तरी भएको हुने । सामुदायिक विद्यालयमा तहगत तथा विषयगत शिक्षक व्यवस्थापन भएको हुने, विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला तथा कम्प्युटर प्रयोगशालाको व्यवस्था भई प्रयोगात्मक शिक्षा हासिल गर्न सक्ने वातावरण तयार भएको हुनेछ शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री तथा प्रविधि मैत्री हुने, शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री तथा प्रविधि मैत्री भएको हुने । सबै विद्यालयमा तहगत तथा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था भएको हुने, अनुगमन तथा मूल्यांकनको माध्यमबाट विद्यालयको गुणस्तरमा वृद्धि भएको हुनेछ ।

५.३. महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

५.३.१. पृष्ठभूमि

सामाजिक विकासका लागि लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण मानव अधिकार अर्न्तगतको महत्वपूर्ण पक्ष हो । संविधानको प्रस्तावना नै समानुपातिक, समावेशी र सहभागिताको सिद्धान्तमा आधारित छ । समतामूलक समाजको निर्माणका लागि वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र हिंसा तथा सबै प्रकारका जातीय छुवाछुत एवम् विभेदको अन्त्य गरी आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्यायको सुनिश्चित गर्ने संकल्प गरिएको छ ।

महिला अधिकार लगायत विपन्न, लोपोन्मुख तथा सीमान्तकृत, जवाफदेहीताका साथै संविधानले परिकल्पना गरेको कोही पनि छुट्टु हुँदैन भन्ने मान्यताका साथ लैङ्गिक समता र बालिकालाई सशक्त बनाउने दिगो विकासको लक्ष्य रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६)।

नगरपालिकाको कुल जनसंख्या मध्ये ४१.४३ प्रतिशत महिला रहेको यस नगरपालिकामा महिलाहरु राजनीतिक रुपमा पनि सक्रिय छन् । यस पालिकामा महिलाको साक्षरताको प्रतिशत ५८.४३ %छ भने पुरुषको ७५.६६. % रहेको छ । त्यसैगरी खैरहनी नगरपालिकाका महिलाहरु आमा समूह, महिला समूह जस्ता समूहमा आवद्ध रहेर विभिन्न सामाजिक क्रियाकलापमा संलग्न रहदै आएका छन् । त्यसैगरी नगरपालिकामा संचालन हुने विभिन्न योजना, कार्यक्रम तथा परियोजनाको निर्माण, संचालन, व्यवस्थापन र मर्मत सम्भार सम्बन्धि कामका लागि गठन हुने उपभोक्ता समितिमा पनि रहेर महिलाको उपस्थिति राम्रो छ । पालिकाको विकास निर्माणका कार्यमा पनि महिलाको सक्रिय सहभागिता हरेको देखिन्छ ।

विकासको लक्ष्यमा बालबालिकाको गुणस्तरीय शिक्षा तथा स्वास्थ्य, सुरक्षित, हरित सार्वजनिक स्थलमा पहुँच, बालबालिका तथा किशोरकिशोरी विरूद्ध हुने सबै प्रकारका विभेद, शोषण, दुर्व्यवहार र हिंसा अन्त्य जस्ता विषयलाई सम्बोधन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ ।

५.३.२. समस्या तथा चुनौती

दलित, लोपोन्मुख तथा जनजाति महिलाहरुको सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक, शैक्षिक एवम् वैयक्तिक स्थिति कमजोर रहनु, महिला तथा वञ्चितीकरणमा परेका समूहको सहभागिता प्रायः औपचारिक प्रतिनिधित्वमा मात्र सीमित रहनु आदि प्रमुख समस्या छन् । यस पालिकामा समाजमा छोरा र छोराL बिचको विभेद अझै कायम रहेको, समाजमा बाल विवाह तथा बहु विवाह कायमै रहेको, सार्वजनिक पूर्वाधार बालमैत्री तथा अपाङ्गमैत्री नभएको, महिला तथा पुरुषमा समान कामका लागि समान ज्यालाको व्यवस्था लागु हुन नसकेको साथै लक्षित वर्गका लागि विनियोजन हुने बजेट सो समूहको उत्थानका लागि खर्च हुन नसकेको जस्ता समस्या रहेका छन् ।

यसैगरी महिलालाई आर्थिक तथा राजनीतिक सशक्तिकरण गर्नु, बाल अधिकार सम्बन्धि सचेत गराई बाल अधिकारको कार्यान्वयन गर्नु, अभिभावक विहिन बालबालिकाको व्यवस्थापन गर्नु, दुर्व्यसनको सिकार भएका बालबालिकाको व्यवस्थापन गर्नु तथा बुवाआमा विहिन बालबालिकाहरुको लागि पुनस्थापना केन्द्र संचालन यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन् ।

५.३.३. संभावना तथा अवसर

लैङ्गिक संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धि सुस्पष्ट संवैधानिक व्यवस्था हुनु, संघीय तहमा क्षेत्रगत रूपमा लैससास नीति तथा रणनीति तयार हुनु, वर्तमान राष्ट्रिय बजेटमा प्रत्यक्ष लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटको हिस्सा ३८.६५ प्रतिशत पुग्यु, कार्यस्थलमा हुने यौनजन्य दुर्व्यवहार (निवारण) एन, २०७१ कार्यान्वयनमा हुनु, लैङ्गिक हिंसा निवारण कोष र एकल महिला सुरक्षा कोषको स्थापना तथा सञ्चालन हुनु, लैङ्गिक हिंसा अन्त्यसम्बन्धी रणनीति (२०७५ – ७९) हुनु, दिगो विकासको पाँचौं लक्ष्यमा यो विषय समेटिनु, प्रदेशले लैङ्गिक तथा समावेशी विकासलाई प्राथमिकता दिनु, लैङ्गिक हिंसा अन्त्य तथा सशक्तीकरण र विकास साझेदार गै.स.स.हरूको यस प्रदेशमा उल्लेख्य उपस्थिति रहनु आदिली सामाजिक समावेशीकरण तथा मूलप्रवाहीकरण विस्तारका लागि महत्वपूर्ण अवसरहरू हुन् ।

यस पालिकामा महिला बालबालिका तथा किशोरीहरुको लागि safe house स्थापना, बालमैत्री नगरपालिका स्थापनाका लागि विभिन्न कार्यक्रम संचालन, बाल क्लबको माध्यम बाट बालबालिकाको क्षमता विकासको प्रयास भैरहेको साथै विद्यालय उमेरका अधिकांश बालबालिका विद्यालय जाने गरेको संभावनाको रूपमा रहेका छन् ।

५.३.४. लक्षित वर्ग, महिला तथा बालबालिका विकास योजना

५.३.४.१. सोच

हिंसामुक्त, समतामुलक, बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री तथा महिलामैत्री नगर निर्माण

५.३.४.२. लक्ष्य

महिला, बालबालिका र असहाय /अपाङ्गहरूलाई क्षमता विकास सहित न्यायपूर्ण र समतामुलक अवस्थाको सिर्जना गर्ने

५.३.४.३. उद्देश्य

- १ लक्षित वर्ग तथा महिलाहरूलाई आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक रूपमा सबल बनाउने ।
- २ सबै बालबालिका र अपाङ्गहरूको विकास, संरक्षण र सहभागिताको सुनिश्चित गर्ने ।
- ३ अपाङ्गता भएको व्यक्तीहरूको क्षमता उजागर गर्दै आत्मनिर्भर बनाउने ।
- ४ जेष्ठ नागरिकहरूलाई सम्मानजनक जीवन व्यतीत गर्न सहज वातावरण सिर्जना गर्ने ।

५.३.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: लक्षित वर्ग तथा महिलाहरूलाई आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक रूपमा सबल बनाउने ।	
१.१ लक्षित वर्गको आधारभूत आवश्यकता परिपूर्ति गर्न पहल गर्ने	१.१.१ गरिब तथा श्रमिकहरूको आवश्यक अधिकार प्रदानमा सहजिकरण गरिनेछ ।
१.२ .महिलाहरूलाई एकजुट तथा समुह निर्माण गरी समुदायमा स्वरोजगार, आर्थिक रूपमा आत्मनिर्भर बनाउने	१.२.१ महिला शसक्तिकरण, व्यवसायीकरण, नेतृत्व विकास, सम्पत्तिमा महिला स्वामित्व बढाउने नीति अवलम्बन गरिनेछ । १.२.२ महिला हिंसा मुक्त नगर निर्माण गरिने छ । १.२.३ जातिय, लैंगिक, लगायत सबै प्रकारका विभेदहरू अन्त्य गरिने छ । १.२.४ महिलाहरूको व्यवसाय संचालन, सुदृढीकरणको लागि नगरपालिकाले लगानी गर्नेछ ।
उद्देश्य २: सबै बालबालिका र अपाङ्गहरूको विकास, संरक्षण र सहभागिताको सुनिश्चित गर्ने ।	
२.१ बालबालिकाको संरक्षण गर्ने र सार्वजनिक निकायलाई बालमैत्री बनाउने ।	२.१.१ बालबालिका तथा किशोर किशोरीहरूमाथि हुने सबै प्रकारको दुर्व्यवहार, हिंसा, शोषण र भेदभाव अन्त्यको लागि समुदाय, विद्यालय, निजी क्षेत्र, सञ्चार जगत र बालअधिकारका क्षेत्रमा क्रियाशील संस्थाहरूसँग सहकार्य गरिनेछ । २.१.२ अनाथ, असहाय, बेवारिसे, अशक्त, अपाङ्गता भएका र विशेष संरक्षणको आवश्यकता भएका बालबालिका तथा किशोरकिशोरीहरूको संरक्षण र प्रबर्द्धन गर्न संरक्षण सेवाको व्यवस्थापन गरिनेछ । २.१.३ बाल क्लब, बाल समुह, किशोरकिशोरी समूह जस्ता संस्थाको गठन तथा सञ्चालनलाई विस्तार गरी बालबालिका तथा किशोरकिशोरीहरूको सहभागिता बढाईनेछ ।

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य ३: अपाङ्गता भएको व्यक्तिहरूको क्षमता उजागर गर्दै आत्मनिर्भर बनाउने ।	
३.१ आधारभूत शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आयआर्जन र राज्यले दिने अन्य सेवा सुविधाहरूमा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्ने	३.१.१ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको दैनिक जीवन यापन सहज बनाउन सहायक सामाग्रीको व्यवस्थापन गरिनेछ । ३.१.२ अपाङ्ग व्यक्तिहरूका लागि आधारभूत शिक्षा, सहज स्वास्थ्य सेवाको व्यवस्था गरिनेछ । ३.१.३ अपाङ्ग व्यक्तिहरूले दर्ता गरि सञ्चालन गर्ने उद्योग व्यवसायमा कर छुटको व्यवस्था गरिनेछ
३.२ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको संरक्षण र सशक्तीकरण गर्ने	३.२.१ अपाङ्ग भएका व्यक्तिलाई सरकारी र निजी क्षेत्रमा रोजगारीको अवसर वृद्धि गरिनेछ । ३.२.२ अपाङ्गलाई सानातिना सिप र रोजगारी मुलुक तालिम प्रदान गर्ने
उद्देश्य ४: जेष्ठ नागरिकहरूलाई सम्मानजनक जीवन व्यतीत गर्न सहज वातावरण सिर्जना गर्ने ।	
४.१ जेष्ठ नागरिकलाई सम्मानित जीवन व्यतीत गर्ने वातावरण सृजना गर्ने	४.१.१ सामाजिक सुरक्षा भता वितरण सहज गरिनेछ ४.१.२ जेष्ठ नागरिकको उपचारलाई प्राथमिकताका साथ सहूलियत प्रदान गरिनेछ । ४.१.३ जेष्ठ नागरिकको मनोरञ्जनको व्यवस्था मिलाईनेछ ।

5.3.4.5. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	गरिब घरपरिवार पहिचान तथा परिचयपत्र वितरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
२.	श्रम कानून बमोजिम श्रमिकहरूले न्यूनतम पारिश्रमिक, सेवा सुविधा र आवश्यक अधिकार प्राप्त गरे नगरेको सन्दर्भमा श्रमिकहरूसँग अन्तरक्रिया कार्यक्रम			√	√	√
३.	एकल महिलाहरूको सवलीकरण, सशक्तिकरण, स्वावलम्बनका लागि विभिन्न तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
४.	विपन्न दलित महिलाहरू पहिचान गरी आयमुलक, सिपमुलक तथा क्षमता विकास कार्यक्रम निरन्तर रूपमा संचालन			√		√
५.	महिलाहरूलाई लक्षित गरी लोकसेवा तयारी कक्षा सञ्चालन गर्ने			√		√
६.	महिलाहरूलाई लक्षित गरी पत्रकारिता सम्बन्धि आधारभूत तालिम सञ्चालन गर्ने			√		√
७.	महिला हिंसा सम्बन्धि गुनासो सुन्ने र त्यसलाई उपयुक्त कारवाही गर्न कानुनी परामर्श डेस्क संचालन गर्ने			√		√
८.	न.पा. ले जोखिममा परेका हिंसा पिडित महिला, किशोरी र बालिकाहरूको अल्पकालिकन संरक्षणको लागि स्थापित Safe House हिंसा पिडित महिला, किशोरी र बालिकाहरूको अल्पकालिकन पुनर्स्थापना केन्द्र सञ्चालन कार्यविधि, २०७८ अनुरूप व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्ने ।			√	√	√
९.	लैङ्गिक हिंसा रोकथाम तथा न्यूनिकरण गर्नका लागि नगरपालिकामा स्थापना भएको स्थानीय लैङ्गिक हिंसा निवारण कोषलाई सञ्चालनमा ल्याउने			√	√	√
१०.	विद्यालयहरू तथा समुदायमा जातिय, लैंगिक, लगायत सबै प्रकारका विभेदहरू हटाउन जनचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√		√
११.	महिलाहरूको व्यवसाय संचालन, सुदृढीकरणको लागि सहूलियत व्याजदरमा ऋण उपलब्ध गराउने			√		√
१२.	महिलाहरूले संचालन गरेको व्यवसाय लाई सुदृढीकरण तथा टेवा पुर्‍याउन प्रविधि हस्तान्तरण गर्ने		√	√	√	√
१३.	बालमैत्री न.पा. बनाउन कार्य योजना बनाई विद्यालय तथा वडा स्तरमा वाल क्लब गठन		√	√	√	√
१४.	स्थानीय बाल अधिकार समिति गठन तथा सञ्चालन सम्बन्धि कार्यविधि २०७८ तथा बाल संरक्षण कोष (स्थापना तथा सञ्चालन) कार्यविधि २०७८ अनुरूप बालबालिकाको हकहित संरक्षणका लागि बाल अधिकारका क्षेत्रमा क्रियाशील संस्थाहरूको समन्वयमा बालबालिकाहरूमा हुने शारीरिक तथा मानसिक हिंसा विरूद्ध अभिभावक र विद्यालय स्तरमा सचेतना कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने			√	√	√
१५.	अपाङ्ग व्यक्तिहरूका लागि समुदायमा आधारित पुनर्स्थापना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
१६.	किशोरी लक्षित महिनावारी स्वच्छता कार्यक्रम			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१७.	बालक्लबको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम साथै बालबालिकाको अवस्था सर्भेक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
१८.	अपाङ्गता पहिचान सिविर सञ्चालन तथा घुम्ती सेवा प्रदान गरी परिचयपत्र वितरण			√	√	√
१९.	अपाङ्गहरूको लागि स्वास्थ्य उपचार सहयोग			√	√	√
२०.	अपाङ्गहरूको लागि आधारभूत शिक्षा तथा वैकल्पिक शिक्षाको व्यवस्था			√	√	√
२१.	अपाङ्ग व्यक्तिहरूलाई आय आर्जन वृद्धि तथा जिविकोपार्जनको लागि आवश्यक जीवनपयोगी सीप प्रविधिको साथै बिउ पुँजीको व्यवस्था गर्ने		√	√	√	√
२२.	अपाङ्गता भएकालाई तथा परिवारलाई सिपमुलक तालिम			√	√	√
२३.	वडाबाट शिविर सञ्चालन गरी सामाजिक सुरक्षा भता वितरण			√	√	√
२४.	८० वर्ष माथिको ज्येष्ठ नागरिकलाई घरघरमा सामाजिक सुरक्षा भता वितरण			√	√	√
२५.	लक्षित समूहका व्यक्तिहरूको मूल अभिलेखलाई सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थापन सूचना प्रणाली मार्फत थप व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउने			√	√	√
२६.	ज्येष्ठ नागरिक लक्षित स्वास्थ्य शिविर			√	√	√
२७.	८० वर्ष माथिको ज्येष्ठ नागरिकलाई सम्पूर्ण स्वास्थ्य सेवा निशुल्क			√	√	√
२८.	वडा नं ५ मा निर्माण सम्पन्न ज्येष्ठ नागरिक भवनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालनमा ल्याउने			√	√	√
२९.	जोखिममा रहेका ज्येष्ठ नागरिक लक्षित संरक्षणनीति कार्यान्वयन गर्ने र ज्येष्ठ तथा अपाङ्ग सम्मान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√

५.३.५. अपेक्षित उपलब्धि

एकीकृत लक्षित कार्यक्रमका प्रभावकारी कार्यान्वयन, अनुगमनका कारण लक्षित समूहको आर्थिक, सामाजिक विकासको सूचाङ्कमा प्रगति हुने, दुर्गम एवम् विकट क्षेत्रमा सेवा सुविधाको पहुँच उपलब्ध हुने, लैङ्गिक हिंसापीडितहरूको उचित संरक्षण तथा सेवाको व्यवस्था हुनेछ । लैङ्गिक समता तथा महिला एवम् बालिकाहरूको सशक्तीकरण सम्बोधन हुने, जोखिम अवस्थाका बालबालिका, अपाङ्गता तथा ज्येष्ठ नागरिकहरूको उचित संरक्षण हुने, सामाजिक सुरक्षाका सेवाग्राहीहरूको एकीकृत अभिलेख व्यवस्थित भएको हुनेछ ।

5.4 युवा तथा खेलकुद

5.4.1 पृष्ठभूमि

युवाशक्ति विकासका संवाहक हुन् । युवाशक्तिको सङ्ख्यात्मक तथा गुणात्मक विकास र परिचालनबाट नै विकास सम्भव छ । संविधानले पनि युवाहरूको विकास गरी उनीहरूलाई राष्ट्रको सर्वाङ्गीण विकासमा परिचालन गर्ने नीति लिएको छ । खैरहनी नगरपालिकाको कुल जनसंख्याको ३८.४२ % हिस्सा (१५- ३९वर्ष) युवाको रहेको छ । नगरपालिकाले युवालाई पालिकाको अहम हिस्साको रूपमा स्विकार गर्दै युवा स्वरोजगार तथा युवा व्यवसायीलाई प्रोत्साहन गर्ने नीति लिएको छ ।

युवाशक्तिलाई शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक र संवेगात्मक रूपमा सबल र नैतिकवान् बनाई अनुशासित र मर्यादित समाज निर्माण गर्दै विकास तथा समृद्धिमा रूपान्तरित गर्न खेलकुदको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । नगरपालिकाले खेलकुद क्षेत्रको विकासलाई विशेष प्राथमिकतामा राखेको छ ।

5.4.2 समस्या तथा चुनौती

बढ्दो युवा जनसङ्ख्यालाई उद्यम र रोजगारीसँग आबद्ध गर्न नसकिनु, जनसाङ्ख्यिक लाभको उपयोग गर्न नसक्नु, युवा पलायन हुनु, स्रोतमा युवाको सहज पहुँच सुनिश्चित गर्न नसक्नु साथै खेलकुद पूर्वाधारको अपर्याप्तता, खेलकुद क्षेत्रमा न्यून लगानी, खेलकुदमा निरन्तरताको अभाव, व्यवसायिकताको कमी, अभिभावकमा खेलकुदप्रति आकर्षण नहुनु, खेलकुदबाट जीविकोपार्जन हुने अवस्था नरहनु, खेलाडीहरूलाई नियमित सेवा सुविधाको अभाव आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन् ।

युवाहरूको आर्थिक अवस्था कमजोर हुनु, युवा लक्षित जीवनोपयोगी प्राविधिक र व्यवसायिक शिक्षा सर्बसुलभ बनाउनु, रोजगारीका अवसरहरूको बृद्धि गर्नु, युवामैत्री लगानीका अवसर बढाउनु, उद्योग, उद्यम र वितीय श्रोतमा युवाको सहज पहुँच सुनिश्चित गर्नु, अध्यन र बैदेशिक रोजगारी लागि विदेश पालन हुने क्रमलाई रोक्नु, कुलतमा लाग्ने युवाहरूको संख्या बढ्दै जानु, युवालाई विकास र स्वयंसेवामा व्यापक रूपमा परिचालन गर्नु साथै खेलकुद पूर्वाधारहरूको विकास गर्नु, खेलकुदको विकासमा निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्नु, खेलकुदमा व्यवसायिकताको विकास गर्नु तथा खेलकुदको संस्थागत विकास र सुशासन कायम गर्नु पनि यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

5.4.3 संभावना तथा अवसर

जनसङ्ख्याको ठूलो हिस्सा युवाशक्ति रहेको, राष्ट्रिय युवा निति र युथ भिजन – २०२५ सहितको दश वर्षे रणनीतिक योजना कार्यान्वयनमा रहेको, प्रदेशमा विभिन्न युवा लक्षित उद्यम विकास तथा स्वरोजगारमूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा रहनु र दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने शैक्षिक संघ संस्था तथा तालिम केन्द्रहरूको बढ्दो उपस्थिति हुनु आदि युवा विकासका अवसरहरू हुन् ।

तीनै तहका सरकारहरूमा खेलकुद विकासको जिम्मेवारी रहनु, राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिताहरूमा नेपालको निरन्तर सहभागिता हुनु, खेलकुद प्रति समाजमा सकारात्मक दृष्टिकोण विकास हुँदै जानु, खेलकुदका पूर्वाधारहरूको क्रमश विकास हुँदै जानु, खेलकुद शारीरिक र मानसिक विकासको प्रमुख माध्यमको रूपमा अङ्गिकार गरिनु, साहसिक र पर्यटकीय खेलकुदको प्रचुर सम्भावना रहनु र यसमा अन्तर्राष्ट्रिय चाख बढ्दै जानु, प्रहरी, सेना र व्यवसायिक प्रतिष्ठानहरू आदिमा व्यवसायिक खेलकुद क्लब प्रणाली सुरु हुनु आदि खेलकुद विकासका अवसरहरू हुन् । यस पालिकामा पनि खेलकुद प्रति यूवाहरूको आर्कषण, विभिन्न स्थानमा खेल मैदानहरू निर्माण, नगरपालिका स्तरिय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना, विभिन्न कार्यक्रम तथा योजनाहरूमा यूवाहरूको सक्रिय सहभागिता, पालिकाले लिएको एक वडा एक खेलकुद मैदान निर्माणको नीति, स्थानीय खेलकुद विकासका अवसरहरू हुन् । साथै यहाँ युवामैत्रि कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने, खेलाडीहरूमा क्षमता विकास, तालिम सञ्चालन गर्न सकिने वातावरण रहेको छ ।

5.4. युवा तथा खेलकुद विकास योजना

5.4.1. सोच

खेलकुदमा सबैको सहभागिता र अभिरूचीमा वृद्धि, स्वदेशमै रोजगारी मार्फत युवा र नगरपालिकाको सम्वृद्धि

5.4.2. लक्ष्य

खेलकुद मार्फत सिप विकास, शारिरीक र मानसिक तन्दुरूस्ती सहित अनुशासनमा वृद्धि साथै युवाहरूको सर्वाङ्गिण पक्षको विकास गरी नगरपालिकाको सम्वृद्धिमा युवाको भुमिका सुनिश्चित गर्ने ।

5.4.3. उद्देश्य

- 1 युवा जनशक्तिलाई विदेश पलायन हुन बाट रोकी स्वदेशमै रोजगारीको वातावरण सिर्जना गर्ने
- 2 विकासका कार्यमा युवाहरूको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने
- 3 खेलकुदको समुचित विकास र विस्तार गर्ने

5.4.4. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
१.१ युवा लक्षित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	१.१.१ नगरपालिका क्षेत्रभित्रका युवाहरूको सिर्जितशिलता विकासको लागि युवा क्लवहरूलाई क्रियाशिल गराउन आवश्यक सहयोग गरिनेछ । १.१.२ युवाहरूलाई बजारको आवश्यकता अनुरूप जीवनोपयोगी तथा प्राविधिक शिक्षा र सिपमूलक तालिम प्रदान गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीतिहरू
	<p>१.१.३ निजी क्षेत्र, गैसस र विकास साझेदारहरूसँग समन्वय गरी युवा रोजगारीलाई प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</p> <p>१.१.४ सफल युवाहरूको राम्रा सिकाइ र अनुभव हस्तान्तरण हुने गरी युवा अगुवाहरूको अन्तरक्रिया, अवलोकन भ्रमण र ज्ञान तथा अनुभव आदानप्रदानको व्यवस्था गरिनेछ ।</p>
२.१ विकास निर्माणमा युवाहरूको समावेशी सहभागिता अभिवृद्धि गर्ने	<p>२.१.१ विकास प्रक्रियामा युवा परिचालन गर्दा समावेशिताको सिद्धान्त अवलम्बन गरी सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ ।</p> <p>२.१.२ विदेशबाट फर्केका युवाहरूलाई सामाजिक पुनःएकीकरण गरी आर्जित ज्ञान, सिप र दक्षता आफ्नो गाँउ ठाँउमा प्रयोग गर्न आर्थिक एवम् प्राविधिक सहयोग पुर्याइनेछ ।</p>
३.१ स्थानिय खेलकुदको प्रवर्द्धन गर्ने	<p>३.१.१ युवाहरूलाई खेलकुदमा आर्कषित गर्न खेलकुद तालिम सञ्चालन , विविध खेलकुद कार्यक्रमहरू आयोजना तथा नगर स्तरीय खेलकुद प्रतियोगितालाई निरन्तरता दिइने छ ।</p> <p>३.१.२ खेलकुदका सम्भाव्य क्षेत्रहरू पहिचान गरी आवश्यक पूर्वाधारहरू निर्माण र प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</p> <p>३.१.३ खेलकुदको प्रवर्द्धनका लागि संस्थागत विकास गरिनेछ ।</p>

५.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	युवामा स्वयंसेवी भावना तथा सामाजिक जिम्मेवारी बोध गराउन सामाजिक गतिविधि (सचेतना कार्यक्रम) मा युवा स्वयंसेवक परिचालन गर्ने			√	√	√
२.	सामाजिक क्रियाकलापमा युवाको संलग्नता बढाउन विभेद, असुरक्षा, भेदभाव, हिंसा र निरक्षरताका विरुद्ध वस्ती वस्तीमा नगर तथा वडास्तरमा गठन भएको युवाक्लवलाई परिचालन गर्ने			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
३.	युवा स्वरोजगार कार्यक्रमका लागि सिप विकास तालिम		√	√	√	√
४.	उमेर पुगेका किशोर किशोरीहरूलाई लक्षित गरी लागुऔषध प्रयोग तथा यौनजन्य हिंसालाई निरूत्साहित गर्न सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन			√	√	√
५.	जीवनोपयोगी तथा प्राविधिक शिक्षा प्रदान गर्ने			√	√	√
६.	युवा स्वरोजगार कोषको व्यवस्था			√	√	√
७.	सीप सिकाईलाई व्यवसायीकरण गर्न स्वरोजगारमूलक कार्यमा सहूलियत लगानी र व्याजमा अनुदान प्रदान			√	√	√
८.	युवा अगुवाहरूको अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन			√	√	√
९.	युवाहरूको अवलोकन भ्रमणको लागि सहयोग			√	√	√
१०.	स्थानीय विकासका कार्यमा विशेष गरी स्थानीय तथा लक्षित वर्गका युवाहरू परिचालन			√	√	√
११.	नगरपालिकास्तरिय खेल प्रतियोगिता आयोजना (फुटवल, भलिबल, कराँते, एथ्लेटिक्स)			√	√	√
१२.	खेलाडीहरूलाई आवश्यक प्रशिक्षण दिने			√	√	√
१३.	खेलाडीहरूको सामूहिक बीमा			√	√	√
१४.	विध्वार्थी एवम युवाहरूमा खेलप्रति अभिरूचि जगाई खेलप्रति प्रतिस्पर्धि बन्न अन्तर्राष्ट्रिय, राष्ट्रिय तथा प्रदेशस्तरीय खेलमा पदक बिजेता खेलाडीलाई पुरस्कार तथा सम्मान प्रदान गर्ने			√	√	√
१५.	विद्यालय तथा नगरस्तरमा राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड प्रतियोगिता तथा मेयरकप खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने		√	√	√	√
१६.	खेलकुदका सम्भाव्य क्षेत्रहरू पहिचान			√	√	√
१७.	नगरपालिका स्तरीय कवर्डहल निर्माण			√	√	√
१८.	एक वडा एक खेल मैदान निर्माण			√	√	√
१९.	खेलकुद सम्बन्धित विभिन्न विधाका समितिहरू गठन गरी न.पा.स्तरीय खेलकुद समिति गठन			√	√	√
२०.	वडा स्तरीय खेलकुद समिति गठन			√	√	√
२१.	युवा क्लवहरूलाई क्रियाशील गराउन आवश्यक सहयोग निरन्तर रूपमा प्रदान			√	√	√

५.५. अपेक्षित उपलब्धि

युवाहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने, अन्तरपालिका तथा प्रादेशिक खेलकुद प्रतियोगिताहरूमा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढेको हुने, व्यवसायिक खेलकुदहरू सुरू भएकामो हुने, पालिकास्तरीय खेलमैदान निर्माण भएकामो हुने, विद्यालय तहमा खेलकुदमैदान निर्माण भएको हुनेछ ।

परिच्छेद ६: पूर्वाधार क्षेत्र

६.१ आवास तथा वस्ती

६.१.१ पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय शहरी विकास रणनीति, २०७३ अनुसार काठमाण्डौ महानगरपालिकाको तुलनामा अन्य शहरहरूको आधारभूत पूर्वाधार (जस्तै सडक, खानेपानी, सरसफाइ, फोहोरमैला व्यवस्थापन, आवास र बिजुली) को पहुँचको स्तरमा निकै भिन्नता रहेको छ ।

यस नगरपालिकाका मुख्य वस्तिहरूमा मझुई, सुल्तना, कठार, सुन्दर वस्ती, जीवनपुर, सवनपुर, वाडगाउँ, पिपरा, बैरहनी कंकाली टोल, समठीटोल, साइचोक, बुद्धशान्ति टोल, बुदौली/सलौली आदी हुन् । त्यसैगरी नगरपालिकाको वडा नं. ६, ७, ८, ९, १०, ११ र १२ वडामा तिब्र रूपमा वस्ती विकास भईरहेका वडाहरू हुन् । यस नगरपालिकामा भूउपयोग योजना विना जथाभावी रूपमा अव्यवस्थित रूपमा घडेरी विकास गर्ने तथा वस्ती विस्तार गर्ने कार्य भईरहेको छ ।

६.१.२ समस्या तथा चुनौती

समस्या

- व्यवस्थित रूपमा वस्ती विकास नभएको
- अव्यवस्थित वस्ती तथा सुकुम्बासी वा भूमि हिन्ले जताततै अव्यवस्थित रूपमा वस्ती बसालेको
- जग्गाको वर्गिकरण नभएको वा भूउपयोग योजना नभनेकोले वस्ती क्षेत्र निश्चित नभएको
- बजार क्षेत्रमा ढल निकास तथा फोहोरमैलाको व्यवस्थापन राम्रो व्यवस्था नभएको
- घर बनाउदा नक्शा पास गर्ने प्रचलन न्युन रहेको
- सार्वजनिक शौचालय नभएको
- वस्तीहरू बाढी तथा डुबानको जोखिममा रहेका
- एकीकृत वस्ती विकास गर्नु
- प्राकृतिक प्रकोप (बाढी पहिरो, डुबान)

६.१.३ संभावना तथा अवसर

एकीकृत वस्ति विकास, भूउपयोग योजना अनुरूप वस्ती क्षेत्रमा मात्र जग्गा विकास गरी वस्ती बसौना सकिने, निजि क्षेत्रसंगको सहकार्यमा कम लागतका हाउजीड बनाई सुरक्षित आवास सुनिश्चित गर्न सकिने ।

6.1.4 आवास तथा वस्ती विकास योजना**6.1.4.1 सोच**

“ सुन्दर, सुरक्षित, सर्वसुलभ र व्यवस्थित वस्तीको विकासको व्यापकता, प्रविधिमैत्री आधारभूत पूर्वाधारयुक्त शहर निर्माणको सुनिश्चता ”

6.1.4.2 लक्ष्य

सुन्दर, सर्वसुलभ समृद्ध, दिगो विकास गर्नुका साथै नगरपालिकाको अर्थतन्त्र र सामाजिक विकासमा सघाउ पुग्ने गरी आवश्यक पूर्वाधार निर्माण एवं विकास गर्ने ।

6.1.4.3 उद्देश्य

- १ सुरक्षित, सुन्दर, सफा र व्यवस्थित वस्ती विकास गर्नु ।
- २ सावर्जनिक जग्गाको लगत तयार गरी समुचित उपयोग गर्नु ।

6.1.4.4 रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. सुरक्षित, सुन्दर, सफा र व्यवस्थित वस्ती विकास गर्नु ।	
१.१ नगरपालिकाको योजना, निर्माण, व्यवस्थापन, सुधार तथा विस्तारका लागि प्राविधिक क्षमता अभिवृद्धि र सुरक्षित ग्रामीण पूर्वाधारको विकास गर्नु ।	१.१.१ आधारभूत ग्रामीण भौतिक पूर्वाधारहरू क्रमिक रूपमा विकास गरिनेछ । १.१.२ भौतिक पूर्वाधार निर्माणमा दक्ष प्राविधिकको संलग्नता अनिवार्य गरिनेछ । १.१.३ नयाँ घर निर्माण गर्दा नक्सापास सहित भवन निर्माण संहिता मापदण्ड २०७२ लाई पूर्ण रूपमा पालना गर्न अभिप्रेरित गरिनेछ ।
१.२ पूर्वाधार निर्माणमा उपयुक्त आधुनिक प्रविधि र स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोग समेतलाई प्रोत्साहन गरी सुरक्षित, टिकाउ, सुलभ र किफायती भवनहरूको निर्माण गर्नु ।	१.२.१ भवन निर्माणमा उपयुक्त आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरिनेछ । १.२.२ पूर्वाधार तथा भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.२.३ पूर्वाधार निर्माणमा तालिम प्राप्त जनशक्तिको प्रयोग गरिनेछ ।
१.३ एकीकृत आवास तथा वस्ती विकास गरी अनधिकृत, अव्यवस्थित र छरिएर रहेका विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारलाई उपयुक्त, सुरक्षित, वातावरणमैत्री र सुलभ आवास निर्माण तथा स्तरोन्नति गर्नु ।	१.३.१ आवास तथा पूर्वाधार सेवाको विकास र विस्तारमा निजी क्षेत्र तथा स्थानीय जनासहभागितालाई प्रोत्साहित गरी एकीकृत रूपमा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । १.३.२ अति विपन्न, लोपोन्मुख र अति सीमान्तकृत जातजाति र समुदायको लागि सुरक्षित आवास उपलब्ध गराइनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.३.३ स्थानीय भूमिहीन परिवारलाई राष्ट्रिय भूमि आयोगको नियमानुसार भूमि उपलब्ध गराउन पहल गरिनेछ ।
१.४ विपदको उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूलाई निरुत्साहित गर्ने।	१.४.१ जोखिमयुक्त स्थानमा वस्तीहरूलाई निरुत्साहित गर्नुका साथै संभावित जोखिम निराकरणका उपाय अवलम्बन गरिनेछ । १.४.२ उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूलाई स्थानान्तरण गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ । १.४.३ घनत्व र जनसंख्याका आधारमा आधारभूत सेवा-सुविधा सहितको एकीकृत वस्ती विकास गरिनेछ ।
उद्देश्य २. सावर्जनिक जग्गाको संरक्षण तथा सदुपयोग गर्नु ।	
२.१ सावर्जनिक जग्गाको समुचित उपयोग गर्नु	२.१.१ नगरपालिका क्षेत्रमा रहेको सावर्जनिक जग्गाको अभिलेख तयार गरिनेछ २.१.२ सावर्जनिक जग्गालाई सामुदायिक प्रयोगमा ल्याइनेछ ।

6.14.5. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१	भौतिक विकास योजना तयार गर्ने			√		
२	दक्ष प्राविधिक लाई समयानुकुल तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√
३	स्थानीय भवन निर्माण संहिता तयार गर्ने			√		
४	स्फूर्त रूपमा नक्सा पास गराउन आउने प्रत्येक पुराना घरधुरीलाई निश्चित समयसम्म नक्सा पास दस्तुरमा सहूलियत प्रदान गर्ने			√		
५	नयाँ पूर्वाधार / भवन निर्माणमा नक्सापास सहित भवन निर्माण संहिता पालना भए नभएको कडाई का साथ अनुगमन गर्ने			√	√	√
६	भवन निर्माणसँग सम्बन्धित आधुनिक प्रविधिको तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√
७	पूर्वाधार तथा भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामाग्रीको उचित प्रयोग सम्बन्धि जनचेतना कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
८	स्थानीय युवालाई निर्माण सम्बन्धि तालिम (Mason) प्रदान गर्ने			√	√	√
९	वस्ती विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी मार्फत संलग्नता बढाउने			√	√	
१०	टोल सुधार संस्थाहरूको पुनर्गठन गरि वडाको सहयोगी एकाईको रूपमा परिचालन गर्ने			√		
११	भूमिहीन सुकुम्वासी तथा अव्यवस्थित बसोबासीको समस्या समाधानका लागि राष्ट्रिय भूमी आयोगसँग समन्वय गरि जग्गा नापजाँचका बाँकी कामहरू सम्पन्न गरि जग्गा धनीपूर्जा वितरण गर्ने			√		
१२	विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारलाई उपयुक्त, सुरक्षित आवास निर्माण गर्ने		√	√	√	√
१३	विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारको आवास स्तरोन्नति गर्ने			√	√	√
१४	उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूको नक्साङ्कन गर्ने			√	√	√
१५	स्थानान्तरण गर्नुपर्ने बस्तीको घरधुरी सर्वेक्षण गर्ने			√	√	√
१६	वस्ती स्थानान्तरणको कार्ययोजना बनाउने			√	√	√
१७	सार्वजनिक जग्गाको अभिलेख तयार गर्ने			√	√	√
१८	अतिक्रमित सार्वजनिक जग्गा खाली गराउने			√	√	√
१९	अतिक्रमित क्षेत्रहरूमा बनेका संरचनाहरूलाई जिल्ला प्रशासन र डिभिजन वनसँगको समन्वयमा व्यवस्थापन गरि संरक्षण गर्ने			√		
२०	सार्वजनिक जग्गामा सामुदायिक प्रयोगमा आउने खेल मैदान, पार्क, योगशाला आदीको निर्माण गर्ने		√	√	√	√

६.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

नगरपालिकामा वस्ती विकासका कार्यहरू भौतिक विकास योजना अनुरूप भएका हुनेछन्, पूर्वाधार निर्माण कार्य निर्माण संहिता अनुरूप भएको, पूर्वाधार निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामाग्रीको प्रयोग भएको, स्थानीय युवाहरूले प्रविधि मैत्री सिप सिकेको, विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारको सुरक्षित आवासको व्यवस्था भएको, अव्यवस्थित तथा भूमिहीन सम्बन्धि समस्या समाधान हुदै गएको हुने, उच्च जोखिमका वस्तीहरू स्थानान्तरण भएको र सार्वजनिक जग्गाको समुचित सदुपयोग भएको हुनेछ ।

६.२. सडक, पुल तथा यातायात

६.२.१. पृष्ठभूमि

पुर्व पश्चिम राजमार्ग खैरहनी नगरपालिकामा पर्ने मुख्य सडक हो । पालिकामा हालसम्म कालोपत्रे सडक ११७.६३ कि.मि., ग्रावेल सडक २६४.४८ कि.मि. माटे/ धुले सडक १०७.७७ कि.मि. गरि जम्मा ४९५.७१ कि.मि सडक रहेको छ । त्यसैगरी आर.सी.सी. नाला ढलान ३२.४ कि.मि, तटबन्धन ३९.७ कि.मि. कल्भर्ट ६१ वटा र पुल ५ वटा तयार भईसकेका छन् (नीति तथा कार्यक्रम आ.व. २०७९/०८०) ।

पालिकाका सबै वडा सडक संजालले जोडिएका छन् । यद्यपि यी सबै सडकहरु स्तरीय भने हुन सकेका छैनन् । सडक तथा यातायातको व्यवस्थित विकास तथा व्यवस्थापन गर्न नगरपालिका सडक गुरुयोजना, २०७३ तयार गरिसकेको छ । यस योजनाले पालिकामा रहेका सडकको वर्गीकरण गर्ने, पालिकाको विद्यमान तथा भविष्यमा हुन सक्ने विकासको आधारमा सडकको प्राथमिकीकरण गर्ने, यस्ता सडकहरुको अधिकारक्षेत्र तोक्ने वा सडक मापदण्ड तयार गर्ने, सडकमा हुने लगानीलाई प्राथमिकीकरण गर्ने जस्ता कार्यहरुलाई प्रष्ट मार्गनिर्देश गरेको छ ।

६.२.२. समस्या तथा चुनौती

सडक तथा यातायातका क्षेत्रमा पर्याप्त बजेटको कमि हुनु, स्पष्ट मापदण्डका आधारमा सडक निर्माण तथा विस्तार नहुनु, मापदण्डको पालना गर्न नसक्नु, गुणस्तरीय निर्माण सामग्रीको प्रयोगमा कमि हुनु, सडकलाई जोड्ने पक्कि पुल, कजवे, कल्भर्ट नहुनु, प्राविधिक कर्मचारीको कमि हुदा गुणस्तरीय कार्य हुन नसक्नु, सडक प्रति स्थानीयको अपनत्व विकास हुन नसकेको, बनेका सबै सडकको लागतकट्टा नभएको, सडक उपभोक्ता समितिलाई निर्माण पछिको मर्मत सम्भारको कार्यमा जिम्मेवार बनाउन नसकिएको, उपभोक्ता समितिमा प्राविधिक ज्ञानको कमि रहेको, सडक पूर्वाधारको (नाली, ग्याबिन वाल, Signage आदि) स्तरोन्नति नभएको, कायर खोलाले सडक कटान गरेको, मर्मत सम्भारको लागि बजेटको व्यवस्था गर्न नसक्नु, सबै क्षेत्रमा सार्वजनिक यातायात संचालन हुन नसकेको, अनुगमन मुल्यांकन प्रक्रियामा मात्र सिमित रहेको जस्ता समस्या रहेका छन् ।

६.२.३. संभावना तथा अवसर

सडक स्तरोन्नती (कालो पत्रे, ग्राभेल, सरसफाई) गरि यातायात संचालन गर्न सकिने, सडक गुरुयोजना अनुसार प्राथमिकीकरण गरि सडक पूर्वाधारमा लगानी गर्न सकिने, सडक तथा यातायातको विकासमा सार्वजनिक निजि लगानी आकर्षित गरि उपभोक्तालाई विकास कार्यमा सहभागी गराउने, संघ तथा प्रदेश बाट लगानी जुटाउन सकिने, कृषि सडकको विकास तथा विस्तार गर्ने, पर्यटकीय पदमार्ग निर्माण, साईकल लेनको व्यवस्था गर्ने सम्भावना, सडक सम्बन्धि आयोजनाहरुलाई पर्याप्त बजेट जुटाई समयमानै कार्य सम्पन्न गर्नु, मापदण्ड अनुसार सडक निर्माण गर्नु, उपभोक्ताहरुलाई मर्मत सम्भार प्रति जिम्मेवार बनाउनु, अनुगमन तथा मुल्यांकनलाई प्रभावकारी बनाउनु मुख्य चुनौती रहेका छन् ।

६.२.१ सडक तथा यातायात विकास योजना**६.२.१.१ सोच**

सडक तथा यातायातको विस्तार नगरपालिकाको सहज पहुँच तथा विकासको आधार ।

६.२.१.२ लक्ष्य

सहज तथा सरल यातायात सञ्जालको विकास गर्ने ।

६.२.१.३ उद्देश्य

- १ प्रमुख सेवा सुविधा सहित तहगत सडक सञ्जालको विकास गर्ने ।
- २ प्रमुख सडकहरुमा बसपार्क तथा बसबिसौनि सहितको यातायात सुबिधा पुर्याउने ।

६.२.१.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. प्रमुख सेवासुविधा समहित तहगत सडक सञ्जालको विकास गर्ने ।	
१.१ सडक बिस्तार तथा स्तरोन्नति गर्दा मापदण्ड अनुरूप गर्ने ।	१.१.१ सडकको विस्तार गर्ने । १.१.२ सडक पूर्वाधार सहित स्तरोन्नति गर्ने । १.१.३ कृषि सडकको निर्माण गरी कृषि क्षेत्रको विकास तथा बजारिकरणमा सहयोग गर्ने । १.१.४ सडक निर्माणमा संलग्न सबैको क्षमता विकास गर्ने ।
१.२ नगरपालिकाका प्रशासनिक निकायसम्म पहुँच विस्तार गर्न वडा कार्यालय र वस्ती जोड्ने सडक निर्माणलाई प्राथमिकता दिने ।	१.२.१ नगरपालिका केन्द्र र वडा कार्यालय जोड्ने सडक लाई प्राथमिकतामा राखि व्यवस्थित गर्दै लगिनेछ ।
१.३ सडक मर्मत तथा निर्माण कार्य गर्दा यातायात गुरुयोजना (MTMP) को निर्देशनलाई अवलम्बन गर्ने ।	१.३.१ सडकहरुको निर्माण तथा स्तरोन्नति गर्दा अनिवार्य रूपमा नाली निर्माण गर्नुपर्ने नीतिलाई कडाईका साथ कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ । १.३.२ नगर यातायात गुरुयोजनाको कार्यन्वयन गरि मापदण्ड अनुरूपका सडक मात्र बनाउने । १.३.३ सडकको नामकरण गर्ने ।
उद्देश्य २. प्रमुख सडकहरुमा बसपार्क तथा बसबिसौनि सहितको यातायात सुबिधा पुर्याउने	

रणनीति	कार्यनीति
२.१ स्थानीयको आवत जावत लाई सहज गर्न यातायातको विस्तार गर्ने	२.१.१ अत्यधिक मात्रामा आवत जावत हुने क्षेत्रमा यातायातको पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ । २.१.२ आवश्यक स्थानमा झोलुङ्गे पुल निर्माण कार्यलाई निरन्तरता दिईनेछ । २.१.३ यातायात सेवा संचालनका लागि पहल गर्ने ।

6.2.4.5. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र. सं.	कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	न.पा.	अन्य निकाय
१	सबै वडाबाट नगरपालिका केन्द्रसम्म जोडने सडकलाई बाह्रै महिना संचालन योग्य बनाउन सडक स्तरोन्नती गर्ने	√	√	√	
२	नगर यातायात गुरुयोजना (MTMP) अद्यावधिक तयार गर्ने			√	
३	तरकारी चोक - सुन्दर खानेपानी सम्म नया ट्रयाक खोल्ने तथा ग्राभेल गर्ने	√	√	√	
४	डम्बर बहादुर गुरुङको घर- वडा कार्यालय आउने पुलसम्मको बाटो कालोपत्रे	√	√	√	
५	लेखाली टोल - खानेपानी बाटो ढलान	√	√	√	
६	गौचरण जाने बाटो कालोपत्रे	√	√	√	
७	ओक्सफोर्ड टेक्निकल कलेज - पुर्व मंगनी गाउँ - नया पुलसम्मको सडक नाली सहित कालोपत्रे	√	√	√	
८	नगरपालिका -चैनपुर चोक पैदलमार्ग सहितको अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण	√	√	√	
९	मंगनी चोकबाट उत्तर र दक्षिण ५० / ५०० मि सम्म सडकको दुवै तर्फ नाला, पैदल मार्ग सहितको अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण	√	√	√	
१०	चैनपुर चोक - लादारी पुल सडकको दुवै तर्फ नाला, पैदल मार्ग सहितको अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण	√	√	√	
११	डिङ्गी पार्क नजिक पम्प पुल - बाबा ग्यास सम्म पम्प खोलाको दुवै तर्फा ड्याम निर्माण, सडक निर्माण तथा हरियाली बेल्ट निर्माण	√	√	√	
१२	ग्राभेल भएका मुख्य सडकहरू कालोपत्रे गर्ने	√	√	√	

क्र. सं	कार्यक्रम तथा परियोजनाहरु	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	न.पा.	अन्य निकाय
१३	सडक उच्चस्तरीय ग्राभेल गर्ने	√	√	√	
१४	आर.सी.सी. ढलान नाला बनाउने			√	
१५	आवश्यक स्थानमा सडक जोड्ने कल्भर्ट निर्माण गर्ने			√	
१६	महादेव स्थानमा पक्कि पुल निर्माण गर्ने	√	√	√	
१७	मंगनी खोलामा पक्कि पुल निर्माण गर्ने	√	√	√	
१८	काठे पुल विस्थापन गरि पक्कि पुल निर्माण गर्ने	√	√	√	
१९	आवश्यक स्थानमा ग्याबिन वाल, कजवे निर्माण गर्ने		√	√	
२१	भएका कृषि सडकको स्तरोन्नति गर्ने	√	√	√	
२२	अवश्यक स्थानमा कृषि सडक विस्तार गर्ने	√	√	√	
२३	सडक निर्माणमा संगलग्न स्थानीय उपभोक्ताको क्षमता विकास तालिम संचालन गर्ने			√	√
२४	सडकको मर्मत सम्भार तथा अपनको बहाना विकास गराउन सचेत गराउने			√	√
२५	सडक पूर्वाधार निर्माण कार्यमा संगलग्न कामदारलाई प्राविधिक ज्ञान सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√	√
२६	नगरपालिका कार्यालय र वडा केन्द्र जोड्ने मुख्य बाटो स्तरोन्नति गर्ने			√	
२७	नगरपालिकाका सबै सडकहरुको लगत संकलन गरी अभिलेख व्यवस्थापन			√	
२८	नगरपालिकामा रहेका सडकको नामकरण गरि Road Name Plate राख्ने			√	
२९	बस स्ट्यान्ड तथा बस बिसौनि तथा बस पार्कको लागि ठाँउ पहिचान गर्ने			√	
३०	बसपार्कको लागि Fesaibility study and DPR गर्ने			√	
३१	बसपार्क निर्माण गर्ने		√	√	
३२	बस बिसौनीमा प्रतिक्षालय निर्माण गर्ने		√	√	

क्र. सं	कार्यक्रम तथा परियोजनाहरु	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	न.पा.	अन्य निकाय
३३	पर्सा बजार, खुरखुरे बजार, खानेपानी चोक, रत्ननगर जस्ता बजार क्षेत्रमा सडक बत्ती राख्ने			√	√
३४	आवश्यक स्थानमा झोलुंगे पुल निर्माण	√	√	√	
३५	नगरपालिकामा सार्वजनिक यातायात संचालन गर्न निजि क्षेत्रलाई आकर्षित गर्ने			√	√
३६	नगरपालिकाले सार्वजनिक यातायात संचालन गर्ने			√	√

६.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

नगरपालिकामा MTMP अनुरूप प्राथमिकताका आधारमा सडक मा लगानी हुने, मापदण्ड अनुरूप सडक विस्तार तथा स्तरोन्नती, कृषि सडकको निर्माण, ना.पा तथा वडा केन्द्रहरू जोड्ने सडक निर्माण, सडकका सहायक पूर्वाधारहरू नाला, ग्याबिन वाल, कल्भर्टको निर्माण भएको हुने, उपयुक्त ठाँउमा बसपार्क तथा बसबिसौनिहरू निर्माण, झोलुङ्गे पुल तथा पक्कि पुल निर्माण, नगरपालिकामा सार्वजनिक यातायात सेवा विस्तार भएको हुनेछ ।

६.३. खानेपानी तथा सरसफाई

६.३.१. पृष्ठभूमि

खैरहनी नगरपालिकाका सबै वडामा खानेपानीको सुबिधा पुगेको छ । खैरहनी नगरपालिकामा विभिन्न स्रोतबाट खानेपानीको आपूर्ति भईरहेको छ । बागमती प्रदेश स्थानीय तहको वस्तुस्थिति विवरण २०७६ का अनुसार खानेपानीका लागि सबै भन्दा धेरै ५९.३ % घरधुरीले टयुबवेल/हातेपम्प, ३४.७४ प्रतिशत घरधुरीले पाईपबाट, ०.९७ % ले ढाकिएको ईनार, कुवाको पानी प्रयोग गरिरहेका छन् । (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६)

खैरहनी नगरपालिकामा विभिन्न खानेपानी आयोजन संचालनमा रहेका छन्, जसले स्थानीय स्तरमा खानेपानी वितरणमा सहयोग गरिरहेका छन् । चैनपुर सिद्धिपुर ख. पा. तथा सरसफाई र चारगाँउ खानेपानी वडा ३ मा, सुन्दर खानेपानी सरसफाई तथा सानी पटिहानी खानेपानी तथा सरसफाई वडा २ मा, पर्सा साना सहरी र वडा ७ मा, पर्सा साना सहरी खानेपानी तथा सरसफाई संस्था वडा ८ खानेपानी योजनाहरु पालिकामा रहेका मुख्य खानेपानी योजनाहरु हुन् । त्यसैगरी बैरहनी साना सहरी खानेपानी, कठार खानेपानी तथा सरसफाई योजना पर्सा खानेपानी तथा अन्य खानेपानी आयोजना पनि सञ्चालनमा छन् ।

६.३.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

- सबै खानेपानी मुहानको सरसफाई तथा संरक्षण नभएको
- खानेपानीका ट्यांकीमा शुद्धिकरणको व्यवस्था नभएको
- खानेपानी वितरण तथा व्यवस्थापनका लागि उपयुक्त संस्थागत संरचना नभएको
- आवश्यक स्थानमा ढलनिकासको व्यवस्था नभएको
- खुला नाली भएको

चुनौती

- खानेपानी पर्याप्त मात्रामा पुर्याउन नसक्नु
- बजेटको अभाव
- दक्ष जनशक्तिको अभाव
- बाढी, पहिरो, भूक्षयले सिँचाई कुलो अवरूद्ध आदी

६.३.३. संभावना तथा अवसर

संभावना

- साना सहरी विकास खानेपानी तथा सरसफाई योजना संचालन भएको
- खानेपानीको व्यवस्थापन गर्न उपभोक्ता समिति भएको
- खानेपानी वितरण टंकी (Overhead tank) निर्माण भईरहेका

अवसर

- हाल भएका खानेपानी योजनालाई निर्माण चरणमा लैजाने
- मुल पहिचान तथा दर्ता गर्ने
- पानीको सदुपयोग गर्न मिटर जडान गर्ने

6.3.4 खानेपानी तथा सरसफाई योजना

6.3.4.1 सोच

शुद्ध खानेपानीको पहुँच विस्तार तथा व्यवस्थित सरसफाई, खैरहनीको स्वस्थ जीवनशैलीको आधार

6.3.4.2 लक्ष्य

नगरपालिकामा आधारभूत स्तरको खानेपानी तथा सरसफाई सेवाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

6.3.4.3 उद्देश्य

- 1 नगरपालिकाका सबै घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानी आपूर्ति गर्ने ।
- 2 सरसफाई व्यवस्थापन गर्ने ।

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. नगरपालिकाका सबै घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानी आपूर्ति गर्ने	
१.१ स्वच्छ र सफा खानेपानीलाई सर्वसुलभ गर्ने	१.१.१ सबै बस्ती र समुदायमा एक घर एक धाराको नीति अनुरूप स्वच्छ र सफा पानी आपूर्ति प्रणाली व्यवस्थित गरिनेछ । १.१.२ खानेपानी आपूर्तिको लागि संस्थागत संरचनाको व्यवस्था गरिनेछ । १.१.३ पानीको स्वच्छता कायम गरिनेछ । १.१.४ बहुवर्षिय खानेपानी आयोजना सम्पन्न गर्न ग्रामीण विकास केन्द्र, गै.स.स तथा अन्य सहयोगीहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।
१.२ खानेपानीको मुहान संरक्षण गर्ने	१.२.१ पानीका मुहानहरूको अभिलेखिकरण गर्दै विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माणमा तिव्रता दिइनेछ । १.२.२ खानेपानीको मुहान संरक्षण तथा सुरक्षित खानेपानीको लागि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २. सरसफाई व्यवस्थापन गर्ने	
२.१ पुर्ण सरसफाई अभियान संचालन गर्ने	२.१.१ वडा तथा पालिका स्तरमा सरसफाईका विभिन्न कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । २.१.२ वातावरणिय तथा पर्यावरणिय सन्तुलन कायम गर्न आवश्यक नीति लिईनेछ । २.१.३ समुदायमा आधारित पुर्णसरसफाई कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।

६.३.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति**६.३.४.५ कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू**

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	नगरपालिकाको विभिन्न स्थानहरूमा खानेपानी सेवा विस्तार तथा पुनस्थापना कार्यक्रम सञ्चालन		√	√	√	√
२.	खानेपानी आयोजनाहरूको निर्माण, नियमित मर्मत संभार तथा नियमित संचालनको व्यवस्थापन गर्ने			√	√	√
३.	प्रत्येक खानेपानी उपभोक्ता समितिबाट वितरण गरिएको पानीको स्वच्छताको परीक्षण गरी घरपरिवारमा सफा र स्वच्छ पिउने पानीको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
४.	वितरण ट्याङ्कीमा शुद्धीकरण व्यवस्थापन गर्ने			√	√	√
५.	मुल पहिचान, अभिलेखिकरण तथा दर्ता गर्ने			√	√	√
६.	मुहानहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन क्रमिक रूपमा निर्माण गर्ने			√	√	√
७.	प्रत्येक वडामा मुहान संरक्षण तथा सुरक्षित खानेपानीको लागि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन			√	√	√
८.	खानेपानीका समितिहरूलाई वातावरण तथा सरसफाई प्रति उत्तरदायि बनाई सरसफाई सम्बन्धि जनचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
९.	प्रत्येक वडामा महिला समुह, आमा समुह, स्थानीय युवा समुह साथै विद्यार्थी माझ पुर्ण सरसफाई सम्बन्धि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने (नाटक प्रदर्शन)			√	√	√
१०.	सार्वजनिक शौचालय स्थापना			√	√	√

६.३.५. अपेक्षित उपलब्धि

आगामी ५ वर्ष भित्रमा नगरपालिकामा पानीको स्रोतको व्यवस्थापन, नियमित मर्मत संभार तथा संचालित योजनाहरू निर्माण सम्पन्न भई सबै क्षेत्रमा स्वच्छ तथा सफा खानेपानीको नियमित आपूर्ति भएको हुनेछ । साथै मुहान संरक्षण, खानेपानीका समितिहरू उत्तरदायि, सरसफाई सम्बन्धि जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।

त्यसैगरी सम्पूर्ण स्थानीयहरू सरसफाई सम्बन्धि सचेत भई व्यक्ति, परिवार तथा पुरै नगरपालिका सफा र स्वच्छ भएको हुनेछ ।

6.4 सिंचाई

6.4.1 पृष्ठभूमि

खैरहनी नगरपालिकाका अधिकांश व्यक्तिहरू कृषि पेशामा संलग्न छन् । कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन सिंचाईको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । वडा भेलाका क्रममा सहभागीसँग गरिएको छलफलका अनुसार सिंचाई योजना, पानीका मुल, खोल्सा खोल्सी बाट जमिनमा सिंचाई पुगेको छ । पम्फा खोला, राप्ती, जामिन मुनि, आकासे, बोरिंग आदि सिंचाईका मुख्य स्रोत हुन् । जिर्ण कुलो तथा पूर्वाधार, पानीको चुहावट, मौसमी सिंचाई, मम्मत सम्भारको कमि, सिंचाई सम्बन्धि व्यवस्थापनका लागि कुनै संस्थागत व्यवस्था नभएको जस्ता समस्याका कारणले प्रशस्त पानीका स्रोतहरू तथा थुपै सिंचाई योजनाहरू भएतापनि यसको उचित प्रयोग तथा व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । सिंचाईको उचित व्यवस्थापन गरी सबै कृषि योग्य जमिनमा सिंचाईको व्यवस्था गर्न सके कृषि उत्पादन बढाई नगरपालिकालाई खाद्यन्नमा आत्मनिर्भर बनाउन सकिने प्रशस्त सम्भावना छ ।

6.4.2 समस्या तथा चुनौती

सिंचाईको लागि डिपबोरिङ नगरी सम्भव छैन; परम्परागत कुलो बाट सिंचाई भएको; मुहान सरेको छ; पहिरोले सिंचाई समरचना बगाई रहने; सिंचाई प्रणाली विकासको लागि उचित योजनाको अभाव; कमजोर पूर्वाधार; सिंचाई पूर्वाधारको मर्मत सम्भारको अभाव; जनसहभागिताको कमि आदि जस्ता समस्या तथा चुनौतीहरू रहेका छन् ।

6.4.3 सम्भावना तथा अवसर

कृषि योग्य जमिन भएको; सिंचाईका लागि प्रशस्त जलस्रोतहरू; विभिन्न सिंचाई योजना संचालनमा रहेको; थोपा सिंचाई सञ्चालनको सम्भावना तथा अवसर रहेका छन् ।

6.4.4 सिंचाई योजना

6.4.4.1 सोच

कृषि योग्य जमिनमा सिंचाईको पर्यावरणीय दिगो विकास

6.4.4.2 लक्ष्य

कृषि योग्य भूमिमा सिंचाई पुर्याई उत्पादन वृद्धि गर्ने

6.4.4.3 उद्देश्य

1. कृषियोग्य जमिनमा दिगो सिंचाई सुविधा पुर्याउनु ।

६.४.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: कृषियोग्य जमिनमा दिगो सिँचाई सुविधा पुर्याउनु ।	
१.१ उपर्युक्त प्रविधिमा आधारित सिँचाई प्रविधिको प्रयोग गरी सिँचाई सुविधा विस्तार गर्ने	<p>१.१.१ नगरपालिका क्षेत्रभित्र रहेको सिँचाई कुलोहरूको मर्मत संभार गरी बाह्रै महिना सिँचाई सुविधा पुर्याउने कार्यलाई उच्च प्राथमिकता दिईनेछ ।</p> <p>१.१.२ खेतीयोग्य सबै जमिनमा सिँचाई सुविधा विस्तार तथा पानी भण्डारण क्षमता बृद्धि गरी पानीका श्रोत संरक्षण र नगरका साना खोलाहरूमा हार्भेष्टिड-ड्याम निर्माण गरी सिँचाईको प्रबन्ध मिलाइनेछ ।</p> <p>१.१.३ सिँचाईका लागि वर्षातको पानी सङ्कलन, पोखरी, ताल तलैया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण गरिनेछ ।</p> <p>१.१.४ सम्भावित नयाँ सिँचाई आयोजनाहरू निर्माण गरी थप जग्गामा सिँचाई सुविधा पुर्याई कृषि उत्पादनमा बृद्धि गर्दै जाने निति अबलम्बन गरिनेछ ।</p>

६.४.४.५ कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	मर्मत संभार गर्नुपर्ने कुलोहरूको लगत तयार गर्ने		√	√	√	√
२.	मर्मत संभार गर्नुपर्ने कुलोहरू क्रमिक रूपमा मर्मत गर्ने (बिउरीघोल सिँचाई वडा २, खैरहनी कुलो वडा ६)			√	√	√
३.	सिँचाईको श्रोतको अध्ययन गर्ने			√	√	√
४.	कूलोबाट सिँचाई हुन नसक्ने स्थानमा लिफ्ट सिँचाई संचालन गर्ने		√	√	√	√

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
५.	वर्षातको पानी सङ्कलन गर्ने			√	√	√
६.	निरन्तर रूपमा पोखरी, ताल तलैया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण गर्ने			√	√	
७.	सम्भावित नयाँ सिंचाई आयोजनाहरू निर्माण गर्ने			√	√	√

६.४.५. अपेक्षित उपलब्धि

नगरपालिकामा कुलोहरूको नियमित मर्मत भएको, सिंचाईको श्रोतहरूको अध्ययन भएको, पोखरी, ताल तलैया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण भएको, पोखरी, ताल तलैया, सिमसार जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण तथा उपयुक्त सिंचाई आयोजनाहरू दिगो रूपमा सञ्चालन भएको हुनेछ ।

६.५. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

६.५.१. पृष्ठभूमि

नेपालमा जलविद्युतको विकासको यात्रा वि. सं १९६८ देखि सुरू भएको हो । आ. व २०७४/०७५ सम्ममा नेपालमा कुल जलविद्युत जडान क्षमता १०२० मेगावाट पुगेको छ । विद्युत ग्रिडमा जनसंख्याको पहुँच ७० प्रतिशत छ । ६२३ स्थानीय तहमा विद्युत पूर्वाधार पुगेको छ भने प्रति व्यक्ती विद्युत उपयोग १९८ किलोवाट प्रतिघण्टा रहेको छ । (स्रोत :पञ्चौ योजना अधार पत्र)

खैरहनी नगरपालिकामा ९६.६२ % ले दैनिक बत्ति बाल्नका लागि विद्युतको प्रयोग गर्दछन । बत्ति बाल्नकाका लागि सौर्य उर्जाको र मट्टीतेलको प्रयोग गर्नेको संख्या क्रमशः ०.०६ % र २.२५ रहेको छ । त्यसैगरी खान पकुना विद्युत को प्रयोग गर्नेको संख्या ०.२८ % छ । खाना पकाउन एल पी ग्यास, गोबर ग्यास तथा मट्टीतेलको प्रयोग गर्नेको संख्या क्रमशः ३२.११ %, ११.८ % र ०.५३ % रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) ।

नगरपालिकाका सबै वडाहरूमा राष्ट्रिय प्रसारण माफर्त विद्युत सेवा पुगेको छ । वडाका विभिन्न स्थानहरूमा १५, २५ र ५० र १०० के.भि.ए क्षमताका ट्रान्सफर्मरहरूबाट विद्युत वितरण भईरहेको छ । विद्युत नपुगेका स्थानमा बैकल्पिक उर्जाको रूपमा सोलारको प्रयोग भईरहेको छ ।

६.५.२. समस्या तथा चुनौती

पालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा रहेका ट्रान्सफर्मर क्षमता कमजोर रहेको, जिर्ण काठका पोल रहेको, विद्युत नियमित नहुने, हावाहुरीका तथा पानी पर्दा पनि विद्युत अवरोध हुने, ट्रान्सफर्मर क्षमता कम भएका कारणले विद्युतीय मेसिनरी प्रयोग गर्न समस्या, ठाँउ ठाँउमा नाङ्गो तार, विधुतका पोलहरू तथा तारहरू अनियन्त्रित,

ठुला उद्योगमा माग अनुसार विद्युत आपूर्ति नियमित गर्न नसकिएको यस क्षेत्रका मुख्य समस्या हुन् । पालिकाका सबै क्षेत्रमा पर्याप्त क्षमताको विद्युत पहुँच विस्तार गर्नु, लोडसेडिङ बिना विद्युतापूर्ति नियमित गर्नु यस क्षेत्रका मुख्य चुनौतिका रूपमा रहेका छन् ।

6.5.3. सम्भावना तथा अवसर

राष्ट्रिय प्रसारण लाईनबाट विद्युत वितरण भईरहेको, विद्युतीय उर्जाको प्रयोग गरि उद्योग व्यवसाय संचालन गर्न सकिने सम्भावना, विद्युत सेवा नपुगेका क्षेत्रमा वैकल्पिक उर्जाका माध्यमबाट विद्युत विस्तार गर्न सकिने अवसर हुन् ।

6.5.4. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा योजना

6.5.4.1. सोंच

नगरपालिकामा सत प्रतिशत विद्युतको पहुँच पुर्याउने

6.5.4.2. लक्ष्य

दिगो, भरपर्दो र नियमित उर्जाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

6.5.4.3. उद्देश्य

१. विद्युत आपूर्ति सुदृढीकरण गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा खपत गर्नु ।
२. वातावरण मैत्री वैकल्पिक उर्जाको पहुँच बढाई जिवनस्तरमा सुधार ल्याउनु ।
३. दक्ष जनशक्तीको उत्पादन तथा व्यवस्थापन गर्ने ।

6.5.4.4. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: विद्युत आपूर्ति सुदृढीकरण गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा खपत गर्नु ।	
१.१. नगरपालिकामा विद्युत वितरणलाई प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाउने ।	१.१.१ विद्युत वितरण भरपर्दो तथा नियमित बनाउन पूर्वाधारको विकास गरिनेछ । १.१.२ विद्युत वितरण नियमित तथा व्यवस्थित गर्न अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ । १.१.३ पालिकाको सबै क्षेत्रमा विद्युत विस्तार गरिनेछ ।
१.२ उत्पादनशील क्षेत्रमा विद्युत उर्जाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्ने ।	१.२.१ घरेलु उद्यम, लिफ्ट सिंचाई, खानेपानी, लगायतको क्षेत्रमा खपत हुने विद्युतमा सहूलियतको व्यवस्था मिलाईनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य २: वातावरण मैत्री वैकल्पिक उर्जाको पहुँच बढाई जिवनस्तरमा सुधार ल्याउनु	
२.१. वैकल्पिक उर्जाको प्रवर्धन गर्ने ।	२.१.१ वैकल्पिक उर्जाको प्रयोग बढाउने ।
२.२ स्वच्छ तथा दिगो उर्जाको प्रयोगलाई बढावा दिने	२.२.१ सबै सार्वजनिक क्षेत्रमा सौर्य उर्जाको प्रयोगलाई विस्तार गरिनेछ । २.२.२ बायोग्यासको प्रयोगलाई प्रवर्धन गरिनेछ । २.२.३ सुधारिएको चुलो प्रवर्धन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: दक्ष जनशक्तीको उत्पादन तथा व्यवस्थापन गर्ने	
३.१. विभिन्न प्राविधिक तालिम संचालन गर्ने	३.१.१ विद्युत वितरण मर्मत सम्भार सम्बन्धि तालिम संचालन गरिनेछ ३.१.२ वैकल्पिक उर्जा सम्बन्धि विभिन्न तालिम संचालन गरिनेछ ।

6.5.4.5. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	आवश्यक क्षेत्रमा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था गर्ने	√	√	√		
२.	आवश्यक ट्रान्सफर्मरको क्षमता वृद्धि मा पहल गर्ने	√	√	√		
३.	जिर्ण विद्युत पोल (काठ, फलामका) हरु फेर्ने			√		√
४.	विद्युत वितरणका जिर्ण तार भएका स्थानमा गुणस्तरीय तर राख्ने			√		√
५.	श्री फेज लाईन वितरणका लागि विद्युत प्राधिकरण संग समन्वय गर्ने	√	√	√		
६.	विद्युतको नियमित आपूर्तिको तथा अनधिकृत प्रयोग रोक्न नियमित अनुगमन तथा नियमन गर्ने	√	√	√		
७.	स्थानीय स्तरमा संचालन भएका जलविद्युत आयोजनासंग समन्वय गरी विद्युत नपुगेका स्थानमा विद्युत विस्तार गर्ने			√		
८.	सबै माध्यमिक विद्यालयमा विद्युत सेवा पुरयाउने	√	√	√		

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
९.	सबै स्वास्थ्य चौकीमा आवश्यक क्षमताको विद्युतको व्यवस्था गर्ने	√	√	√		
१०.	पालिकाका मुख्य सडकमा सडक बत्तिको व्यवस्था गर्ने	√	√	√		
११.	लघु तथा साना जलविद्युत उत्पादन तथा संचालन सम्बन्धि स्थानीय ऐन तर्जुमा गर्ने			√		
१२.	लघु तथा साना जलविद्युत उत्पादन सम्बन्धि सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने			√		
१३.	सबै वडा कार्यालय प्राङ्गणमा सोलार बत्तिको व्यवस्था गर्ने	√	√	√		
१४.	सबै स्वास्थ्य संस्थामाको प्राङ्गणमा सोलार बत्तिको व्यवस्था गर्ने	√	√	√		
१५.	सबै आधारभुत विद्यालयमा उर्जाका लागि सोलार प्यानल जडान गर्ने	√	√	√		
१६.	आगामी ५ वर्ष भित्र नगरपालिकाका १० % घरधुरीमा बायोग्यास प्लान्ट जडान गर्ने	√	√	√		
१७.	भान्सामा स्वच्छ उर्जाको प्रवर्धन गर्न सुधारिएको चुलो कार्यक्रम संचालन गर्ने	√	√	√		
१८.	सहुलियतमा विद्युतिय चुलो वितरण गर्ने			√		√
१९.	स्वच्छ उर्जाको प्रयोग सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने					√
२०.	सामान्य विद्युत जडान तथा मर्मत सम्बन्धि Eletrician तालिम संचालन गर्ने					√
२१.	बायोग्यास जडान तथा मर्मत सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने					√
२२.	सोलार जडान तथा मर्मत सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने					√
२३.	सुधारिएको चुलो बनाउने सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने					√

६.५.५. अपेक्षित उपलब्धि

यस योजनाको अन्त्य सम्ममा नगरपालिकाको सबै धुरीमा विद्युत सेवा पुगेको हुनेछ । पर्याप्त विद्युतीय क्षमता पुगी उद्योग धन्दा संचालन भएका हुनेछन । आवश्यक स्थानमा सडक बत्ति को व्यवस्था हुनेछ । वैकल्पिक उर्जाको रुपमा सोलार वत्तिको प्रवर्धन भएको हुनेछ भने सबै सार्वजनिक कार्यालयमा सोलार व्वात्तिको व्यवस्था भएको हुनेछ । बायोग्यासको प्रयोग तथा सुधारिएको चुलोको प्रयोगबाट घरधुरीमा स्वच्छ उर्जाको प्रवर्धन भएको हुनेछ ।

६.६. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

६.६.१. पृष्ठभूमि

नगरपालिकाका सबै क्षेत्रमा मोवाइल सवाको पहुँच राम्रो छ । टेलिफोन तथा इन्टरनेट सेवामा घरधुरीको पहुँच बढाउन मोबाइल सवाको महत्वपूर्ण योगदान रहको छ । राष्ट्रिय जनगणना २०६८ अनुसार उपलब्ध सेवा सुविधाको आधारमा नगरपालिकाको ५६.०४ प्रतिशत घरपरिवारले रेडियो प्रयोग गर्छन्, ५३.४९ प्रतिशतले टि.भि. प्रयोग गर्छन्, ३९.०१ प्रतिशतको घरमा केबल लाईन जोडिएको छ, ५.०२ प्रतिशतले इन्टरनेट प्रयोग गर्छन्, ९.५० प्रतिशतले टेलिफोन प्रयोग गर्छन् र ८१.५३ प्रतिशतले मोवाइल प्रयोग गर्छन् । पालिकामा नेपाल टेलिकम र एनसेल मोवाइल सेवा सबै भन्दा बढी प्रयोगमा रहको छ । पालिकाका वडा ७ र ८ मा एफ. एम सुन्न सकिन्छ भने डिसहोम्स केवल नेटवर्क मार्फत टेलिभिजनको पहुच राम्रो छ ।

पालिकाका सरकारी कार्यालय जस्तै नगरपालिका कार्यालय, वडा कार्यालय, विद्यालय, स्वास्थ्य चौकीमा इन्टरनेटको सुविधा विस्तार भएको छ । नगरपालिकाले आफ्नो वेबसाइट मार्फत आफ्ना सुचनाहरू जस्तै वार्षिक कार्यक्रम, ऐन तथा कानूनहरू सार्वजनिक गर्ने गरको छ । त्यसैगरी राजस्व संकलन तथा घटना दर्ता जस्ता कायलाई कम्प्युटर/ इन्टरनेट मार्फत संकलन तथा प्रविष्ट गर्ने गरको छ ।

६.६.२. समस्या तथा चुनौती

सबै ठाउँमा सञ्चार सुविधा पुगेको तर नेटवर्क राम्रोसंग नलाग्ने ; NCELL र NTC को नेटवर्कले काम नगरेको; पत्रिकाको पहुँच कम भएको; केवलको सुविधा सबै स्थानमा नपुगेको; इन्टरनेटको सुविधा सबै स्थानमा नपुग्नु नगरपालिको मुख्य समस्या तथा चुनौतीहरू हुन् ।

६.६.३. संभावना तथा अवसर

NTC र NCELL ले नगरपालिकामा सञ्चार सुविधा बढाउन र नेटवर्क राम्रो पार्न टावरको निर्माण गर्नु; नगरपालिकाका मानिसहरू आधुनिक प्रविधिको बारेमा थाहा पाउनु; इन्टरनेट प्रदान गर्ने कम्पनीहरू ग्राहक बढाउन आफ्नो सेवा र सुविधा बढाउनु; आधुनिक सुचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार गरी सार्वजनिक सेवामा जोड्न सकिने जस्ता सम्भावना तथा अवसरहरू रहेका छन् ।

६.६.४. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि योजना

६.६.४.१. सोंच

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिले नगरपालिको सबै परिवारहरूलाई जोड्नु

६.६.४.२. लक्ष्य

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको सर्वसुलभ पहुँच विस्तार गर्नु

६.६.४.३. उद्देश्य

१. समग्र नगरपालिकामा सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको सतप्रतिशत पहुँच पुर्याउनु

६.६.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. समग्र नगरपालिकामा सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको सहज तथा सतप्रतिशत पहुँच पुर्याउनु	
१.१ नगरपालिकामा सूचना, सञ्चार प्रविधि सेवाहरूलाई सरल र सुलभ बनाउने	१.१.१ सबै स्थानमा दुरसञ्चार सेवा विस्तार गरिनेछ । १.१.२ नगरपालिका, व्यवसायिक तथा नीजि संस्था तथा समुदायबीच सहकार्यमा सञ्चार संरचनाहरूको विस्तार र सेवाहरूलाई संस्थागत गरिनेछ । १.१.३ दुर सञ्चार नपुगेका वडाहरूमा सो सेवा पुर्याउन सेवा प्रदायक संस्थाहरूलाई सहजीकरण गरिनेछ ।
१.२ नगरपालिकाको प्रभावकारी व्यवस्थापनकम लागि विद्युतीय शासन क्षमता विकास गर्ने	१.२.१ नगरपालिको विद्युतीय शासन क्षमता विकास गर्न व्यवसायिक योजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ। १.२.२ सूचना प्रविधि पूर्वाधारको निर्माण तथा विकास गरिनेछ ।

६.६.४.५ कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	गै.स.स र अन्य
१.	नगरपालिका तथा वडाहरूको संचार क्षमता विकास		√	√	√	
२.	सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकास		√	√		
४.	दुर सञ्चार नपुगेका वडाहरूमा सो सेवा पुर्याउन सेवा प्रदायक संस्थाहरूलाई सहजीकरण			√		

६.६.५ अपेक्षित उपलब्धि

नगरपालिकाको सबै क्षेत्रमा सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकासका साथै विद्युतीय शासन क्षमता विकास भएको हुनेछ ।

परिच्छेद १: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

१.१ वन तथा जैविक विविधता

१.१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको कुल क्षेत्रफलको ४४.७४ प्रतिशत जमिन वन क्षेत्रले ढाकेको छ । पर्यावरणीय सन्तुलनका दृष्टिकोणले कुल जमिनको ४० प्रतिशत जमिन वन क्षेत्रले ढाकिएको हुनुपर्दछ । खैरहनी नगरपालिकाको कुल क्षेत्रफल ८५.५७ वर्ग कि.मि. मध्ये ९.५५ % वन क्षेत्र, ६.६ % घाँसेमैदान र ०.९४ % क्षेत्रफल घाँसे क्षेत्रले ढाकेको छ ।

नगरपालिकामा सामुदायिक वन पनि रहेका छन् । पालिकामा रहेका सामुदायिक वनहरु स्थानीय वन उपभोक्ता समितिद्वारा संरक्षण तथा व्यवस्थापन हुँदै आइरहेका छन् । यी समितिले वनको संरक्षण लागि वृक्षारोपण गर्ने, आगलागी बाट बच्न अग्निरेखा निर्माण गर्ने, घाँस, दाउरा, काठ, स्याउला, पत्कर, जडिबुटी, चरिचरन आदिको प्रयोग गरिरहेका छन् ।

१.१.२ समस्या तथा चुनौती

वनको बैज्ञानिक व्यवस्थापन अभावले वनमा अनावश्यक झाडी तथा कुकाठहरु बढीरहेको, वनमा फोहोरमैला बढ्दै जानु, चोरी निकासी, वन जंगलको फडानी, अतिक्रमण, अकाष्ठ बोट विरुवाहरुले ढाकेको, वनको उचित व्यवस्थापनको अभावले सामाजिक, आर्थिक र वातावरणीय फाइदाहरु लिन सकिएको छैन, अनियन्त्रित र अध्ययन विना नै निर्माण गरिएका सडक, नदिजन्य खनिजको उत्खनन, चुरे क्षेत्रबाट गईरहने पहिरोका कारण सो क्षेत्रबाट बगेको बालुवा थुप्रिएर नदीको सतह बढेको जस्ता समस्या रहेका छन् । वन विनासले पानीका मूलहरु सुकिएरहेका, मध्यवर्ती क्षेत्रमा मानव वन्यजन्तु द्वन्द, वन्यजन्तुको आक्रमणले धनजनको क्षती, जलाधार तथा सिमसार क्षेत्रको संरक्षण गर्नु वारवन र विकास बीच सन्तुलन कायम गर्नु, वातावरण तथा जैविक विविधताको संरक्षणगर्नु मुख्य चुनौती रहेका छन् ।

१.१.३ संभावना तथा अवसर

वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गरि वन्यजन्य उद्योगको स्थापना गरी रोजगारी सृजना गर्न सकिने देखिन्छ । वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन बाट काष्ठ तथा गैरकाष्ठ फाइदा लिन सकिने, जडिबुटि खेतीगरि लाभ लिन सकिने, वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनले पुराना उमेर पुगेका रुखहरुको कटानी गरी काष्ठजन्य उत्पादन विक्री वितरण गरी आयआर्जन गर्न सकिन्छ भने नयाँ विरुवाको लागि सहज हुन्छ । वन तथा वातावरणको संरक्षण गरी पर्यटकीय क्रियाकलाप संचालन गर्न सकिने संभावना रहेको छ ।

७.१.४ वन तथा जैविक विविधता संरक्षण योजना

नगरपालिकाको वन तथा वातावरण क्षेत्रको विस्तृत अध्ययन, विश्लेषण, समस्या तथा सम्भावनाहरूको पहिचान गरे पश्चात् वन, वातावरण तथा जैविक विविधताको दिर्घकालिन, दिगो र सन्तुलित विकासका लागि निम्नानुसारका सोच, लक्ष्य, उद्देश्यहरूको तय गरिएको छ ।

७.१.४.१ सोच

“ पर्या-पर्यटनको दीगो र सन्तुलित आधार वन तथा जैविक विविधताको समुचित विकास”

७.१.४.२ लक्ष्य

“वातावरणमैत्री विकास, उत्पादनशील वन र पर्यावरणीय सन्तुलनको लागि प्रभावकारी वन व्यवस्थापनमा जोड दिइने”

७.१.४.३ उद्देश्य

१. वनको उचित व्यवस्थापन, संरक्षण र सदुपयोग गर्ने ।
२. प्रभावकारी वन व्यवस्थापनको माध्यमद्वारा वन उपभोक्ताको आयश्रोत बृद्धि गर्ने ।
३. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्ने ।
४. वन आधारित उद्योगको प्रवर्द्धन गर्नु,
५. किसान र वन्यजन्तु विचको द्वन्द्व निराकरण गरि कृषि उत्पादन वृद्धि गर्ने ।
६. पर्या पर्यटनको विकास र विस्तार गर्ने ।

१.१.१.१ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: वनको उचित व्यवस्थापन, संरक्षण र सदुपयोग गर्ने ।	
१.१ वनको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने ।	<p>१.१.१ वन व्यवस्थापनका लागि आवश्यक कानूनी व्यवस्थाहरू गरिनेछ ।</p> <p>१.१.२ वनको वैज्ञानिक संरक्षण गरि व्यवस्थापन गरिनेछ ।</p> <p>१.१.३ उपयोगी वोटविरुवकाको संरक्षण, उपयोग, र बृक्षारोपण गरिनेछ ।</p> <p>१.१.४ अन्तर खेतीको कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।</p> <p>१.१.५ काष्ठजन्य उद्योगको स्थापना र रोजगारीका अवसर सृजना गरिनेछ ।</p> <p>१.१.६ वन क्षेत्रलाई क्रमशः उत्पादन वन, संरक्षित वन, साझेदारी वन र सामुदायिक वनका रूपमा पहिचान गरी विकास गरी वन संरक्षणमा वन उपभोक्तालाई संलग्न गराइनेछ ।</p> <p>१.१.७ उपभोक्तालाई दैनिक काठ उपलब्ध गराउन सामुदायिक वनसँगको समन्वयमा वडामा काठ, काठ खरिद र बिक्री डिपो स्थापना गरिनेछ ।</p> <p>१.१.८ प्राकृतिक सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धनमा संलग्न भई सामाजिक रूपमा दिगो विकासमा सामुदायिक वन उपभोक्ताहरूलाई अग्रणी भूमिका निर्वाह गर्न सक्षम बनाइनेछ ।</p> <p>१.१.९ निजी वन तथा सामुदायिक वनमा जडिबुटी, बाँस र रुखको खेती गरी आम्दानी बढाउन प्रभावकारी क्रियाकलाप सञ्चालन गरिनेछ ।</p>
उद्देश्य २: प्रभावकारी वन व्यवस्थापनको माध्यमद्वारा वन उपभोक्ताको आयश्रोत बृद्धि गर्ने ।	
२.१ विपन्न तथा निम्न आय स्तरका जनताको सामुदायिक वनमा आवद्धता वृद्धि गर्ने ।	<p>२.१.१ विपन्नलाई खाली जमिनमा खेती गर्न दिइनेछ ।</p> <p>२.१.२ वनमा फलफूल, जडिबुटि खेतीको संभावना बारे खोज तथा स्थानीयलाई सचेत गराइनेछ ।</p> <p>२.१.३ वन व्यवस्थापनमा विपन्न र निम्न आयका मानिसहरूको सहभागिता बढाईने</p> <p>२.१.४ सामुदायिक वनबाट आयआर्जन गरी महिला, गरिब र पिछडिएका वर्गको उत्थानका लागि विशेष गरी आयमा आधारित कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</p>
२.२ वनको दिगो र पर्यावरणमैत्री विकास गरिनेछ ।	<p>२.२.१ भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्दा वातावरण अध्ययनलाई अनिवार्य र कडाइ गरिनेछ ।</p> <p>२.२.२ वनमा घरेलु जनावरहरूको प्रवेश निषेध गरिनेछ ।</p> <p>२.२.३ नदी कटानलाई नियन्त्रण गरिनेछ ।</p> <p>२.२.४ दिगो विकास र पर्यावरण बारे सचेतना फैलाउने कार्यक्रम तय गरिनेछ ।</p>

रणनीति	कार्यनीति
	२.२.५ मानिस र वन्यजन्तु विचको द्वन्द्व निरारकण गरिनेछ ।
२.३ फलफूल तथा जडिबुटी वन विकास कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।	२.३.१ निश्चित मापदण्ड बनाई फलफूल, जडिबुटी खेती गर्न सकिने भएकोले संभाव्यता अध्ययन गरी कार्य प्रारम्भ गरिनेछ । २.३.२ वनमा फलफूल खेती गर्नेलाई अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । २.३.३ वनमा खेती गर्न सकिने फलफूल बारे अध्ययन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्ने।	
३.१ जैविक विविधताको उपयोग र महत्व बारे आम समुदायलाई सुसुचित गरिनेछ ।	३.१.१ वनमा जडिबुटी खेतीको थालनी गरिनेछ । ३.१.२ जडिबुटी प्रशोधन उद्योगलाई प्राथमिकता दिईनेछ । ३.१.३ जैविक विविधता बारे सचेतना कार्यक्रम वडा वडामा सञ्चालन गरिनेछ । ३.१.४ जैविक विविधता सम्बन्धि काम गर्ने गै.स.स.हरूसँग समन्वय गरिनेछ । ३.१.५ जैविक विविधता क्षेत्रको पहिचान र संरक्षण योजना बनाइने छ । ३.१.६ बहुमूल्य र दुर्लभ वनस्पति तथा जीवजन्तुको संरक्षण गरी जैविक विविधताको सृजना गरिनेछ । ३.१.७ वन वातावरण र जैविक विविधताको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्न स्थानीय, राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूसँगको साझेदारीमा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ। ३.१.८ वन सम्पदाको रेखदेख गर्न थप अध्ययन र अनुसन्धान सुरु गरिनेछ।

१.१.५. कार्यक्रम तथा परियोजनहरू

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१	नगरपालिका क्षेत्रभित्रको वातावरण गुणस्तर सूचक (खानेपानी , वायु स्तर, ध्वनी स्तरको मापन गर्ने व्यवस्था मिलाउने			√		√
२	वन्यजन्तु तथा वनजन्य उत्पादनको चोरी शिकारी नियन्त्रण (कानुनी जनचेतना तथा वन सुरक्षा)		√	√	√	
३	सम्पूर्ण सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूको वन व्यवस्थापन कार्ययोजना तयारी तथा परिमार्जन र अद्यावधिक	√		√		
४	सम्पूर्ण सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूको निरन्तर अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण र तालिम			√		√
५	वस्तीहरू प्रकोपको जोखिमबाट सुरक्षित गर्न आवश्यक कार्ययोजना बनाई लागु गर्ने			√		
६	दिगो वन व्यवस्थापनका लागि लेखा तालिम			√		√
७	वन जङ्गल व्यवस्थापन (आवधिक रुख कटान तथा झाडी तथा पतझड सरसफाई)			√	√	√
८	डाले घाँस बिरुवा उत्पादन तथा वितरण			√	√	√
९	बाँदर तथा जङ्गली जन्तु नियन्त्रण कार्यक्रम			√	√	√
१०	खुल्ला क्षेत्रमा बहु प्रजातिका बोट विरुवाहरूको वृक्षारोपण			√		
११	उत्कृष्ट सामुदायिक वनलाई पुरस्कार (नमुना वन पुरस्कार)			√		√
१२	खाली रहेका बाझो जमिनमा निजी वनको विकास तथा वन सम्बन्धी तालिम (वृक्षारोपण अनुदान)			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१३	विपन्न तथा निम्न आय श्रोत भएका मानिसहरूको वन व्यवस्थापनमा आवद्धता र विशेष कार्यक्रम			√	√	
१४	वन जङ्गल आगोलागी प्रचार प्रसार तथा अभियान सञ्चालन			√		
१५	जङ्गलमा उचित तरिकाले वर्षातको पानी संकलन हुने पोखरीहरू निर्माण		√	√	√	
१६	वातावरणीय पर्यावरण असन्तुलन तथा वन क्षति रोक्न खोटे संकलन कार्यलाई निरूत्साहित गर्न सचेतना कार्यक्रम			√		√
१७	वन्यजन्तु र मानिसको सह अस्तित्व बारे सचेतना			√		√
१८	बहु उद्देश्यीय नर्सरी स्थापना (नगरपालिका स्तर)		√	√		
१९	एक वडा एक नर्सरी निर्माण			√		
२०	फलफूल वनको विकास अध्ययन र शुरुवात		√	√		√
२१	सार्वजनिक जग्गाहरूको पहिचान गरि सामुहिक फलफूल फार्मको विकास गर्ने					
२२	जडिबुटी तथा फलफूल बिरुवा उत्पादन तथा वितरण			√	√	√
२३	लोपोन्मुख प्रजातिका बोट विरुवा पहिचान तथा संरक्षण		√	√	√	

१.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा वन क्षेत्र, जलाधार संरक्षित तथा व्यवस्थित, जैविक विविधता क्षेत्रको संरक्षण, जडीबुटी खेती तथ प्रशोधन, फलफूल तथा जडिवुटी वन विकास तथा वनको दिगो र पर्यावरणमैत्री विकास भएको हुनेछ ।

7.2. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

7.2.1. पृष्ठभूमि

अनियन्त्रित विकास निर्माणका गतिविधिहरू, भूक्षय, वन फडानी, सचेतनाको अभावका कारण जलाधार क्षेत्रको संरक्षण र व्यवस्थापन चुनौतीपूर्ण बन्दै गएको छ । प्राकृतिक श्रोतको अत्याधिक दोहनका कारण पानीका श्रोतहरू सुक्दै गएका छन् भने अर्को तर्फ सचेतनाको अभावले मानिसहरूमा फोहर सिधै खोलामा फाल्ने प्रवृत्ति बढ्दो छ । जथाभावी दिशापिसाव तथा फोहोरमैला जस्ता प्रदुषणबाट खानेपानीको मुहानहरूलाई जोगाउन अत्यन्तै जरुरी छ । मुहान संरक्षणको लागि योजना तुरुन्तै बनाउन आवश्यक छ । नदीनाला तथा खोलाहरूबाट ढुंगा, बालुवा निकाल्ने प्रचलन अधिकतम छ । नदीबाट निकाल्न मिल्ने क्षमताभन्दा बढी मात्रामा ढुंगा तथा बालुवाहरू निकालिरहँदा प्राकृतिक जोखिम बढिरहेको छ । यसको असरले नदी नालाको बहाव परिवर्तन हुने, नदी कटानको समस्या हुने, पानीका मूल सुक्ने, सिंचाई तथा कुलोका मुहानहरू सर्ने लगायतका समस्याहरू देखा परिरहेका छन् । नदीनालाहरूको बहाव क्षेत्र यकिन नगरिँदा नदीनालाहरूको बहाव क्षेत्र अतिक्रमण भईरहेको छ । नगरका पहाडी वडाहरूका भिराला जमिन वर्षातको पानीमा अत्याधिक भूक्षय भई जाने समस्या छ । जलाधारको संरक्षण गरी नगरलाई जल आवश्यकता पूर्ति साथै जलको उपयोग गरी पर्यटन प्रवर्द्धनमा टेवा पुर्‍याउन सकिन्छ ।

7.2.2. समस्या तथा चुनौती

जलाधार क्षेत्रको संरक्षण, रेखदेख, व्यवस्थित उपयोगका गर्न नसक्नु, पानीका स्रोत व्यवस्थापन गरी खानेपानी, सिंचाईको व्यवस्था गर्न नसकिएको, भूसंरक्षण तथा जलाधार संरक्षणको निश्चित कार्यविधि नभएको, स्थानीयहरू यस प्रति सचेत नभएका, वर्षातमा आउने खहरेले भूक्षय हुनेजस्ता समस्या रहेका छन् ।

7.2.3. संभावना तथा अवसर

पानीको उपयोग गरी खेतीयोग्य जमिनमा सिंचाईको व्यवस्था गरि उत्पादन बढाउने, जलासय जस्ता मनोरंजन स्थलहरूको निर्माण गर्न सकिने संभावना छ । नदीमा बगेर आएका नदिजन्य सामग्रीको उपयोगबाट निर्माण सामग्री उत्पादन र सोसँग सम्बन्धित उद्योग प्रवर्द्धन समेत संभावना रहेको छ ।

7.2.4. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन योजना

7.2.4.1. सोच

दिगो र सन्तुलित जलाधार व्यवस्थापन आर्थिक समृद्धि आधार

7.2.4.2. लक्ष्य

जलाधार क्षेत्रहरूको पहिचान र व्यवस्थित संरक्षण गर्न जलाधार बचाउ अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।

७.२.४.३. उद्देश्य

१. जलाधार क्षेत्रको पहिचान र संरक्षण गर्नु ।
२. जलाधार व्यवस्थापनमा स्थानीयको सहभागिता वृद्धि गर्नु ।
३. जलस्रोतको उच्चतम सदुपयोग गर्नु ।
४. नदीजन्य सामाग्री उपयोग गरी निर्माण सामाग्री उत्पादन गर्न उद्योग स्थापनामा जोड दिनु ।

७.२.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रको पहिचान र संरक्षण गर्नु ।	
१.१ पानीका श्रोतहरूको अध्ययन गरि श्रोत पहिचान गर्ने ।	१.१.१ अध्ययन टोली परिचालन गरिनेछ । १.१.२ समुदायलाई जलाधारका बारेमा सचेतना दिइनेछ । १.१.३ पानीका श्रोत खानेपानी र सिंचाईमा प्रयोग गरिनेछ ।
उद्देश्य २: जलाधार व्यवस्थापनमा स्थानीयको सहभागिता वृद्धि गर्नु ।	
२.१ अनियन्त्रित विकासका गतिविधिहरूलाई नियन्त्रित र वातावरण मैत्री बनाइनेछ ।	२.१.१ साझेदारसँगको सहकार्यलाई जोड दिइने छ । २.१.२ वन उपभोक्ताहरूको सक्रियता बढाइनेछ । २.१.३ स्थानीयलाई वनवनबाट आम्दानी हुने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । २.१.४ जलस्रोतको संरक्षणका लागि जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रमलाई एकीकृत गर्न पहल गरिनेछ । २.१.५ जलवायुमैत्री सचेतना कार्यक्रम सञ्चालनका साथै गैरसरकारी संस्था र निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी तालिम सञ्चालन गरिनेछ । २.१.६ माटोको कटान र वन फँडानीका अति संवेदनशील क्षेत्र पहिचान गरी व्यवस्थित बसोबास कार्यक्रम लागू गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: जलस्रोतको उच्चतम सदुपयोग गर्नु ।	
३.१ सिंचाई र खानेपानी आयोजनाहरूको निर्माणमा जोड दिइनेछ ।	३.१.१ नगरका साना ठूला खोलाबाट सिंचाई खानेपानी र पर्यटन आकर्षणका पानी मनोरञ्जनका आयोजनाहरू बारेमा अध्ययन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	३.१.२ नदी कटान नियन्त्रण र तटबन्ध निर्माणका लागि सरकारी गै.स.स.सँग सहकार्य गरिनेछ । ३.१.३ नदीजन्य प्रकोप न्यूनीकरणका लागि साइरन जडित सूचना प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
उद्देश्य ४: नदीजन्य सामाग्री उत्पादन गर्नु ।	
४.१ नदीजन्य उद्योग स्थापनामा जोड दिइनेछ ।	४.१.१ नदीजन्य सामाग्रीमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।

7.2.4.5. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	वायो इन्जिनियरिङद्वारा खोला किनारा संरक्षण	√	√	√		
२.	ठूला तथा ऐनले तोकेका सबै आयोजनाहरू संचालन पूर्व BES, IEE, EIA गराउने र सो नगरिएका आयोजनालाई अनुमति नदिइने नीति र अनुगमन गर्ने			√	√	
३.	पानीका स्रोत पहिचान गर्ने ।			√		
४.	नदीहरुबाट सिंचाई कुलो, नहर निर्माण गर्ने ।		√	√		
५.	न.पा.का सबै नदी खोला, खोल्सीहरुको क्षेत्र तोक्ने र अतिक्रम हुन नदिने ।	√	√	√		
६.	पोखरी तथा पानीका मुहानको पुननिर्माण	√	√	√		
७.	ताल तलैया, पोखरी तथा जलाधार संरक्षण	√	√	√		
८.	सिमसार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण	√	√	√		
९.	वन व्यवस्थापनमा गै.स.स.को परिचालन गर्ने ।			√	√	√
१०.	कायर खोला तटबन्धन निर्माण (वडा नं १)	√	√	√	√	
११.	लादर खोला तटबन्धन निर्माण (वडा न २)	√	√	√	√	
१२.	पम्पा खोला तटबन्धन निर्माण (वडा न ९)	√	√	√	√	
१३.	पम्पा खोला तटबन्धन निर्माण (वडा न ७)	√	√	√	√	

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१४	राप्ती ड्याम मर्मत (वडा नं ११)	√	√	√	√	
१५	पम्प खोला तटबन्धन (वडा ६/७)	√	√	√	√	
१६	बुढी राप्ती तटबन्धन (गौचरण)	√	√	√	√	
१७	लदरा खोला तटबन्धन (वडा नं १)	√	√	√	√	
१८	जलप्रकोप बाट बचाउन बढी जोखिम क्षेत्रमा साइरन जडान गर्ने ।	√	√	√		
१९	नदीजन्य उद्योग स्थापनामा अनुदानको व्यवस्था गर्ने ।	√	√	√		

७.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

यस योजना अन्तर्गत पानी मुहान क्षेत्र, तालतलैया र सिमसार क्षेत्र संरक्षित, प्रकोप नियन्त्रणका कार्यहरू नियमित रूपमा सञ्चालन तथा सुरक्षित, एकीकृत र व्यवस्थित वस्तीको व्यवस्थापन तथा अयोग्य वस्ती स्थान्तरण भएको हुनेछ ।

७.३. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

७.३.१. पृष्ठभूमि

नगरपालिकाले नगरक्षेत्रको वातावरण मुख्यतय सरसफाईका लागि फोहोर मैला संकलन गर्ने वाहेक अरु काम गर्न सकेको छैन । नगरपालिकाले बजार क्षेत्रको फोहोर मैला संकलन गर्ने गरेको छ । यद्यपी बजार क्षेत्रमा फोहोरमैला व्यवस्थित हुन सकेको छैन । फोहोरलाई छुट्टयाउने र कुहिनेलाई कम्पोष्ट मल बनाउने गरिएको छैन । नगरपालिकाले वडा नं ६ स्थित गौचरणमा फोहोर फाल्ने गरिरहेको छ । त्यसैगरी न.पाले विद्यालय, टोल तथा अन्य विभिन्न संस्थालाई डस्विन वितरण गरिरहेको छ । बढ्दो जनघनत्व, अनियन्त्रित विकास, अव्यवस्थित बसोबास, वातावरणमैत्री विकासको अभावले दिनानुदिन वातावरणको अवस्था खस्किरहेको छ । प्लाष्टिकजन्य फोहोरले कृषि उत्पादनलाई समेत असर गरिरहेको छ । पर्यटकीय स्थलहरूमा पनि फोहोर व्यवस्थापनका लागि कुनै व्यवस्था गरिएको छैन ।

7.3.2. समस्या तथा चुनौती

वातावरणीय दृष्टिले संवेदनशिल क्षेत्रहरूको पहिचान र पहिचान गरिएका क्षेत्रहरूको संरक्षण गर्नु नसक्नु, कुहिने, नकुहिने फोहर छुट्याउने, पुनः प्रयोग गर्ने अभ्यास नभएको, फोहर निश्चित ठाँउमा फाल्ने तथा व्यवस्थापन गर्ने कुरामा नागरिक जागरुक नभएका, फोहोरहरू खोला तथा बाटो र खुल्ला क्षेत्रमा यत्रतत्र फाल्ने प्रवृत्ति बढिरहेको जस्ता समस्याहरू छन् ।

7.3.3. संभावना तथा अवसर

वनको क्षेत्र कम भएकोले पालिकामा हरियाली प्रवर्द्धन गर्न धेरै ठूलो धनराशी खर्च गरिरहनु पर्ने देखिन्छ । भएको वन क्षेत्रलाई यथावत राख्ने र खाली जमिनमा बोटविरुवाहरू रोप्ने, संरक्षण गर्ने, सचेतना र जनतामा जागरुकता सृजना गर्न सके वातावरण र फोहोरमैला व्यवस्थापनको क्षेत्रमा निकै काम हुने देखिन्छ शहरीकरण विस्तार भईरहेको यस न.पाम फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि उचित योजना बनाई कार्य गरेमा फोहोरमैला व्यवस्थित गर्न र फोहोर मैलाको व्यवस्थापनको लागि सार्वजनिक जमिनको समेत उपलब्धताले अरुमा भर पर्नु पर्ने अवस्था छैन ।

7.3.4. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना**7.3.4.1. सोच**

हरियालीको प्रवर्द्धन, सफा र स्वस्थ नगर

7.3.4.2. लक्ष्य

सहरी क्षेत्रका सडक पेटी हरियाली प्रवर्द्धन र व्यवस्थित फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि योजना वद्ध कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

7.3.4.3. उद्देश्य

१. वातावरण संरक्षणका लागि हरियाली प्रवर्द्धन गतिविधि सञ्चालन गर्ने ।
२. फोहोर मैलाको उचित व्यवस्थापन गरी स्वच्छ वातावरण प्रवर्द्धन गर्नु ।

7.3.4.4. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: वातावरण संरक्षणका लागि हरियाली प्रवर्द्धन गतिविधि सञ्चालन गर्ने ।	
१.१ हरियाली प्रवर्द्धनका लागि खाली जमिनमा बृक्षारोपण, भूक्षय, पहिरो र नदी कटान रोकथाम गर्ने ।	१.१.१ समुदायमा हस्तान्तरण भएका सामुदायिक, कबुलियत र धार्मिक वन उपभोक्ताहरूको सहभागितामा प्रवर्द्धन गर्ने कार्यक्रमहरू तय गरिनेछ । १.१.२ वातावरणलाई कायम राख्न वातावरणीय अध्ययनलाई प्रभावकारी बनाउँदै लगिनेछ । १.१.३ आम जनतालाई वातावरण प्रति सचेत र उत्तरदायि बनाउन तालिम प्रशिक्षणको व्यवस्था गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.४ हरियाली प्रवर्धन र पानीका श्रोत बीचको अन्तर सम्बन्ध बारे नागरिकलाई सचेत गराइनेछ । जनसहभागितामा आधारित कार्यक्रमहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.५ साझेदारसँगको सहकार्यलाई जोड दिइने छ ।
	१.१.६ वन उपभोक्ताहरूको सक्रियता बढाइनेछ । वन क्षेत्रमा पशुचौपाय प्रवेश निषेध र चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ ।
	१.१.७ स्थानीयलाई वनबाट आम्दानी हुने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: फोहोर मैलाको व्यवस्थित व्यवस्थापनको लागि उपायहरू पहिचान गर्ने ।	
२.१ श्रोतमै फोहोरको बर्गिकरण गर्न र जथाभावि फोहोर नफाल्न सबैलाई सचेत गर्ने ।	२.१.१ समुदायलाई समुह गठन गरी फोहोर मैला व्यवस्थापनका लागि परिचालन गरिनेछ । २.१.२ फोहोर वर्गीकरणमा कार्य गर्ने कामदारलाई तालिम दिइनेछ । २.१.३ पुनः प्रयोग गर्न सकिने फोहोरबाट घरेलु प्रयोजनका सामग्री उत्पादन सिप विकास गरिनेछ । २.१.४ फोहोर मैला व्यवस्थापनको लागि फोहोर उम्पिङ्ग क्षेत्रको पहिचान गरिनेछ । २.१.५ फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि फोहोरलाई श्रोतमा परिणत गर्ने, प्राङ्गारिक मल बनाउने, फोहोरको पुनः प्रयोग गरिनेछ ।

१.३.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	बृक्षारोपण कार्यक्रम		√	√	√	√
२.	सुधारिएको चल्हो निर्माण अनुदान	√	√	√		
३.	पर्या पर्यटनको प्रवर्धन कार्यक्रम	√	√	√	√	
४.	वायोग्यास प्रवर्धन	√	√	√	√	
५.	सार्वजनिक भवनहरूमा सौर्य उर्जा जडान	√	√	√		
६.	सडक तथा बाटोमा सौर्य बत्ती जडान	√	√	√		
७.	फोहोर मैला संकलनको शुरुवात गर्ने			√		
८.	विद्यालय तथा टोल, बस्ती, समुदाय तथा वडा सरसफाई कार्यक्रम			√	√	√
९.	फोहोर मैला प्रशोधन केन्द्र निर्माण	√	√		√	
१०.	फोहोरलाई श्रोतमै छुट्याउने कार्यक्रम			√	√	

क्र. स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
११.	फोहरको पुनः प्रयोग सम्बन्धि सचेतना तथा जागरण कार्यक्रम			√	√	
१२.	फोहरबाट मल र बायोग्याँस बनाउने प्रविधि अध्ययन र उपयोग	√	√	√	√	
१३.	फोहोर व्यवस्थापनका लागि संभाव्यता अध्ययन		√	√		
१४.	फोहोर व्यवस्थापनमा संगलग्न कामदारको विमा गराउने			√		

7.3.5. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा खालि जमिनमा बृक्षारोपण, भूक्षय, पहिरो नियन्त्रण, श्रोतमा नै फोहोर वर्गीकरण, नियमित सरसफाईको अभ्यास भएको हुनेछ ।

7.4 विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

7.4.1 पृष्ठभूमि

प्राकृतिक र मानवीय क्रियाकलापको परिणाम स्वरूप विकसित आकस्मिक वा अप्रत्यक्षित घटना नै विपद् हुन् । यस नगरपालिकामा यत्रतत्र मापदण्ड विपरित नयाँ सडकहरू बन्ने, मापदण्ड विपरितका संरचना निर्माण भईरहेका छन् जुन विपद्क दृष्टिले जोखिम युक्त छन् । त्यसैगरी पालिकामा आगलागी, बाढी, डुबान, शितलहरको जोखिम पनि उत्तिकै देखिन्छ । त्यसैगरी सडक दुर्घटना पनि विपद्कै रूपमा देखिएको छ ।

जलवायु परिवर्तनको बारेमा सचेतना, जलवायु परिवर्तनको बारेमा मापन गर्ने तरिका र स्थानीय समुदायले जलवायु परिवर्तन अनुकूलनको लागि अपनाएको ज्ञान र सीप बारेमा अध्ययन गर्ने, अनुकूलन योजना कार्यान्वयनको लागि सम्बन्धित निकायहरूसँग सहकार्य र समन्वय राख्ने । दीगो विकासका लक्ष्य आत्मसात् गर्ने हो भने जलवायु परिवर्तनका कारक तत्वहरूको न्यूनीकरण र विद्यमान असरहरूको न्यूनीकरण गर्नु अत्यावश्यक छ । जलवायु परिवर्तनले सबै क्षेत्रमा प्रभाव पारिरहेको छ । जलवायु परिवर्तनको आँकलन नगरि योजनाहरू बन्ने र कार्यान्वयन चरणमा समस्या आउने गरेका छन् । स्थानीयबासीमा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी चेतनाको कमि छ । पानीका मूल सुक्ने, सर्ने, बाली पात्रो परिवर्तन हुने, विभिन्न प्रकारका रोगहरूको प्रकोप बढ्ने, पानीका श्रोतहरू सुक्ने, स्थानीय विऊ, रुख विरुवा मासिदै जाने कृषि उत्पादनमा विभिन्न रोग प्रकोप देखिने जस्ता समस्या देखिएका छन् । जलवायु परिवर्तनको सबभन्दा ठूलो असर बाली पात्रो परिवर्तनमा

देखिन्छ । मानिस, जीवजन्तमा पनि नयाँ रोगहरु देखा पर्न थालेको छ । त्यसैले जलवायु परिवर्तन मापन, अनुकुलन योजना हुनु अत्यन्त आवश्यक छ ।

७.४.२. समस्या तथा चुनौती

तराई क्षेत्र भएकोले डुबान, कटान को समस्या, नदि किनारमा हुने बसोबास, पूर्वाधार विकास गर्दा वातावरणीय आध्यं नगरिनु, मापदण्ड विपरितका संरचना निर्माण जस्ता समस्या रहेका छन् । वन्यजन्तु आक्रमण, विपदको व्यवस्थापन तथा प्रतिकार्य योजना नहुनु, विपदको समयमा विभिन्न निकायबीच समन्वयमा कार्य गर्नु, सुरक्षित वस्ती विकास गर्नु, जलवायु परिवर्तनको प्रभाव कम गर्नु जस्ता चुनौती रहेका छन् ।

७.४.३. संभावना तथा अवसर

नगरपालिका विपद व्यवस्थापन तर्फ प्रतिबद्ध हुनु, विपदको सामना गर्न संस्थागत संरचना ओ व्यवस्था हुनु, तालिम प्राप्त जनशक्तिको विकास गरिनु, विपद पुर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार गर्नु, अन्य विभिन्न निकायसंग सहकार्य हुनु विपद व्यवस्थापनका लागि महत्वपूर्ण अवसरहरु हुन् ।

७.४.४. विपद जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन योजना

७.४.४.१. सोच

सुरक्षित बस्ति विकासका लागि वातावरणमैत्री गतिविधि

७.४.४.२. लक्ष्य

विपदबाट हुने मानवीय, भौतिक, आर्थिक सामाजिक र पर्यावरणीय क्षतिमा कमि ल्याउने ।

७.४.४.३. उद्देश्य

१. नगरपालिकाका सबै संवेदनशिल र असुरक्षित बस्तीहरुको पहिचान गरी तिनलाई स्थानान्तरण र व्यवस्थित गर्ने ।
२. विपद व्यवस्थापन योजना र त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिने ।
३. जलवायु परिवर्तन बारे सुचना प्रणाली विकास गर्ने ।

७.४.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: नगरपालिकाका सबै संवेदनशिल र असुरक्षित बस्तीहरुको पहिचान गरी तिनलाई स्थानान्तरण र व्यवस्थित गर्ने ।	
१.१ संवेदनशिल स्थानका बस्ती स्थानान्तरण योजना तर्जुमा गर्ने ।	१.१.१ जोखिम क्षेत्रको अध्ययन गरी जोखिम संवेदनशिल क्षेत्र पहिचान गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.२ अति संवेदनशिल क्षेत्रका बासिन्दालाई स्थानान्तरण योजनामा आवद्ध गरिनेछ ।
उद्देश्य २: विपद् व्यवस्थापन योजना र त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिने।	
२.१ योजनाबद्ध रूपमा विपद् व्यवस्थापन गर्ने ।	२.१.१ विपत् व्यवस्थापनमा समुदाय परिचालन गरिनेछ । २.१.२ विपद् व्यवस्थापन कार्ययोजना तयारगरि लागु गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: जलबायु परिवर्तन बारे सुचना प्रणाली विकास गर्ने ।	
३.१ जलबायु परिवर्तनको सूचना संकलनमा समुदाय परिचालन गरिनेछ ।	३.१.१ भेगिय हिसावले वडामा कम्तीमा एक वा आवश्यकता अनुसार स्थानीय जानकारहरुको समुह गठन गरी ३ महिनामा जलबायु परिवर्तन पात्रो अध्यावधिक गराइनेछ । ३.१.२ समुहमा रहने जानकारहरुलाई पात्रो अध्यावधिक सम्बन्धि तालिम दिइनेछ । ३.१.३ न.पा.मा सबै वडाबाट आएका अध्यावधिक पात्रोको विश्लेषण गरि कार्ययोजना बनाइनेछ । ३.१.४ जलबायु परिवर्तन अध्ययनका लागि जनशक्ति विकास गरिनेछ । ३.१.५ हरित सहर निर्माणका लागि प्रत्येक घरधुरी सडक छेउमा बिरूवा रोप्ने नीति लागू गरिनेछ । ३.१.६ वातावरण संरक्षणका कार्यक्रमहरूसँगै संरक्षणका गतिविधिहरू सञ्चालन गरिनेछ । ३.१.७ प्रभावकारी अनुगमन र मूल्याङ्कनका आधारमा उपयुक्त दण्ड र पुरस्कारको व्यवस्था गरिनेछ ।
३.२ जलबायु अनुकुलन कार्य गर्न उत्प्रेरणा दिने ।	३.२.१ जलबायु परिवर्तनको असरलाई न्युनीकरण गर्न बाली पात्रो परिवर्तन गर्ने, आधुनिक औजार विउ विजन परिवर्तन गर्ने तालिम दिइनेछ । ३.२.२ काठको खपत कम गर्न उन्नत चुलो, गोबर ग्यास, सौर्य ऊर्जा जस्ता वैकल्पिक ऊर्जाको विकास र विस्तारमा जोड दिइनेछ । ३.२.३ जलवायु परिवर्तन अनुकुलन ज्ञानको विकास गरी सबै वडामा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

७.४.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	विपद् व्यवस्थापन समिति निर्माण र परिचालन (न.पा स्तरीय तथा वडा स्तरीय)			√		√
२.	वडा स्तरमा विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना		√	√		
३.	राहत तथा सुरक्षण प्रदान गर्न प्रदेश सरकार, संघीय सरकार तथा दातृ निकायसँग साझेदारी	√	√	√	√	√
४.	पहिरोग्रस्त क्षेत्रको रोकथाम तथा वृक्षारोपण		√	√		
५.	समुदाय स्तरमा विपद् व्यवस्थापन समिति गठन (टोल विकास संस्था वा नयाँ समिति) र सामुदायिक क्षमता विकास			√		√
६.	सबै माध्यामिक विद्यालय, अस्पताल, स्वस्थ चौकी, न.पा. तथा वडा कार्यालयमा Fire Extinguisher अनिवार्य		√	√	√	√
७.	टोल विकास संस्थाको रोहवरमा रहने गरी Fire Extinguisher को व्यवस्थापन			√		
८.	शव वाहनको व्यवस्था	√	√	√		
९.	एम्बुलेन्सको सेवाको निरन्तरता तथा विस्तार	√	√	√		
१०.	हरेक वडा भवनमा विपद् सामाग्री भण्डारण कक्ष	√	√	√		√
११.	न.पा. बासीसँग विपद्का सूचना आदान प्रदान गर्न न.पा. स्तरमा आपतकालिन् सेवा सञ्चालन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन	√	√	√		
१२.	न.पा. स्तरीय विपद् उद्धार सम्बन्धि अभ्यास (साझेदारहरूको सहकार्यमा)		√	√	√	
१३.	वडा स्तरीय विपद् उद्धार सम्बन्धि अभ्यास (साझेदारहरूको सहकार्यमा)			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१४.	विद्यालयमा विपद् सम्बन्धि तालिम (विद्यार्थी तथा शिक्षक दुवैलाई)			√		√
१५.	न.पा. स्तरीय प्राथमिक उपचार सम्बन्धि तालिम		√	√		√
१६.	विद्यालय (मावि) स्तरमा प्राथमिक उपचार सम्बन्धि तालिम		√	√		√
१७.	यातायात मजदुरहरूलाई विपद् उद्धार तथा प्राथमिक उपचार तालिम			√	√	√
१८.	प्रमुख सडकहरूमा ट्राफिक चिन्ह व्यवस्था	√	√	√		
१९.	न.पा. स्तरीय विपद् पुनःस्थापना केन्द्रको स्थापना	√	√	√		
२०.	विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण अद्यावधि तथा कार्यक्रमहरू सञ्चालन		√	√		√
२१.	दक्ष निर्माण मजदुरको प्रमाणीकरण			√		
२२.	भवन निर्माण मापदण्ड तथा आचार संहिता बारे तालिम		√	√		
२३.	भवन निर्माणमा कडाई			√		
२४.	एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम	√	√	√		
२५.	प्रकोप नक्सांकन तथा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम	√	√	√		
२६.	जोखिमपूर्ण स्थानको पहिचान (नदी कटान, पहिरो, चट्यांग आदि)	√	√	√		
२७.	न.पा. भित्रका खुला क्षेत्र पहिचान तथा अभिलेखाङ्कन			√		
२८.	बाढी तथा पहिरो जोखिम क्षेत्रमा पूर्व सूचना प्रणाली तथा साइरन जडान	√	√	√		
२९.	विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धि सचेतना			√		√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
३०.	विपद् सचेतना कार्यक्रम (विद्यालय तथा समुदायमा)			√		√
३१.	जोखिमयुक्त तथा विपद्मा परेका व्यक्ति वा परिवारलाई पुनःस्थापना र बसोबासको कार्यक्रम	√	√	√		√
३२.	जोखिमयुक्त बस्ती पहिचान गरी एकीकृत बस्तीको योजना निर्माण	√	√	√		
३३.	पर्यावरणमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना निर्माण)	√	√	√		√
३४.	जलवायु परिवर्तन सामायोजन ज्ञानको अध्ययन तथा मापन संयन्त्रको विकास	√	√	√		√
३५.	समुदायमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम			√		√
३६.	विकास गतिविधिहरू जलवायु परिवर्तनका असरहरू न्यूनीकरण हुने तवरले लागू गर्ने नीति		√	√		√
३७.	सामुदायिक जनचेतनामूलक अभियान			√		√

७.४.५. अपेक्षित उपलब्धि

संवेदनशील तथा जोखिम क्षेत्र पहिचान, खुल्ला क्षेत्र पहिचान, नक्साङ्कन तथा व्यवस्थापन, विपद् व्यवस्थापनको लागि कोष खडा तथा सञ्चालन, विपद् व्यवस्थापनमा संघ संस्थाहरू क्रियाशील, विपद् पूर्वतयारीका कार्यहरू सम्पन्न, आपद्कालिन सेवा सञ्चालन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन साथै जलवायु परिवर्तन अनुकूलन न्यूनीकरण सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रमहरू संचालन भएको हुनेछ ।

परिच्छेद १: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

१.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन

१.१.१ पृष्ठभूमि

कुनै पनि संस्थाको संस्थागत विकास विना त्यस संस्थाले गरेका क्रियाकलापहरू र त्यसका उपलब्धीहरूको संस्थागत हुन सक्दैन । उपलब्धीहरू संस्थागत हुनको लागि सम्बन्धित संस्था बलियो सक्षम र पारदर्शी हुनु आवश्यक छ । नेपालको संविधानले नगरपालिकालाई स्थानीय सरकार बनाएको छ । सरकारले गर्ने र गर्न सक्ने अधिकारहरू समेत स्पष्ट गरेको सन्दर्भमा स्थानीय सरकार बलियो सक्षम र पारदर्शी हुनु जरुरी छ । संविधानले तोकेको संस्थागत संरचनाको आधारमा स्थानीय सरकारहरू चल्नु पर्दछ । संस्थागत संरचना अनुसारको अधिकार, कर्तव्य, जनशक्ति व्यवस्थापनको माग हुन्छ । संस्थागत विकासको लागि सक्षम र क्षमतावान जनशक्ति, समुह कार्य, क्षमताको उचित कदर, जनशक्तिको कार्यविभाजन र कार्य विवरण, संस्थागत मेमोरी, स्वच्छ प्रतिस्पर्धा र नविनतम कार्यको प्रशंसा आदि कुराहरूको विवेकपूर्ण ढंगले परिचालन गरिएको हुनु पर्दछ ।

१.१.२ समस्या तथा चुनौती

संविधानले स्थानीय सरकारलाई सम्पूर्ण अधिकारहरू दिएको भएपनि व्यवहारमा एकात्मक राज्य केन्द्रीय शासन प्रणालीको लामो अनुभव र त्यसबाट पोषित राज्य सञ्चालनहरूमा केही द्विविधा र अठारो महशुस गरी अधिकार हस्तान्तरणमा केही समस्याहरू देखिएका छन् । कतिपय कानूनहरू संघ, प्रदेश र स्थानीय तह कसले बनाउने भन्ने मै द्विविधा रहेको छ भने कतिपय कानूनी अधिकार संघले दिन हिच्किचाहट गरेको छ । यसले स्थानीय सरकारलाई समेत अठारो भएको देखिन्छ । कतिपय स्थानीय तहहरूमा आन्तरिक श्रोतको अभाव भएकोले संघमै भरपर्न परेकोले अधिकार अनुसार काम गर्न बाधा परिरहेको छ । जनशक्तिको आपूर्ति देखि श्रोतको बाँडफाँड र व्यवस्थापनमा समेत संघको मुख ताक्नु परेको छ । यसले स्थानीय तहहरूलाई सरकारकै रूपमा काम गर्न असजिलो भएको छ । साथै नगरपालिकामा अपारदर्शी कार्यशैली, करारका कर्मचारीले नगरपालिका तथा वडाका काम संचालन गर्ने, विगतमा भएको अभ्यासको आधारमा सार्वजनिक खरिद प्रणाली र आर्थिक प्रशासन नियमवालीको अनुसरणमा त्रुटी, NGO ,INGO संगको उचित सहकार्य नभएको, Private, public partnership को कमि, उपभोक्ता समितिको उचित परिचालन नहुनु जस्ता समस्या रहेका छन्

१.१.३ संभावना तथा अवसर

संविधानले स्थानीय सरकारलाई आफ्नो आवश्यकता अनुसारको कानून बनाई स्थानीय विकासका कार्यहरू गर्नको लागि अधिकार दिएकोले सरकारहरूले आफ्नो आवश्यकता पहिचान गरी काम गर्न स्वतन्त्र र सरकारको अधिकार उपयोग गर्न पाएका छन् । संघ तथा प्रदेशले स्थानीय सरकारलाई एक मुष्ट अनुदान

दिने र स्थानीय सरकारले स्थानीय आवश्यकता अनुसार श्रोतको बाँडफाँड गर्न पाउने, शिक्षा, स्वास्थ्य लगाएतका विषयहरूमा योजना बनाइ आवश्यकता अनुसार काम गर्न पाउने, स्थानीय श्रोतको परिचालन गर्न स्वतन्त्र भएकाले स्थानीय अवसर र संभावनाहरूको अधिकतम उपयोग हुने विस्वास गर्न सकिन्छ ।

नेपालको संविधानले स्थानीय तहका सबै सार्वजनिक, निजी क्षेत्रको रेखदेख, व्यवस्थापन, समन्वय, सहकार्यको जिम्मेवारी स्थानीय सरकारलाई दिएको छ र त्यो सरकार भनेको नगरपालिका हो । नगरपालिकाले आफ्नो क्षेत्रमा रहेका अन्य निकायहरूलाई समेत विकास निर्माण कार्यमा प्रभावकारी रूपमा सहभागि गराउनु पर्ने भएकोले नगरपालिकाका सबै शाखा, वडाका कर्मचारीहरू काममा अब्बल हुन जरुरी छ । यसका लागि नगरपालिकाको शिक्षा, स्वास्थ्य, लेखा, राजश्व, प्रशासन, संघ संस्था व्यवस्थापना तथा परिचालन (प्राविधिक तथा अप्राविधिक) सम्बन्धी आफ्ना कर्मचारीहरूको क्षमता विकासमा समेत ध्यान दिनु पर्दछ । योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि सक्षम कर्मचारी हुनु आवश्यक छ ।

कर्मचारीहरूलाई प्रोत्साहित गर्नको लागि क्षमता विकास तालिम, बृत्ति विकास, दण्ड, जरिवानाको व्यवस्था गर्नु पर्दछ । पालिकाका योजनाहरूलाई प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी गाउँबासीलाई सहज सेवाको प्रत्याभूत गर्नको लागि कर्मचारी भूमिका सबैभन्दा महत्वपूर्ण हुन्छ । कर्मचारीले ढिलासुस्ती, सेवाग्राहीलाई अनावश्यक झन्झट दिएमा गाउँबासीको नगरपालिका कार्यालय प्रतिको दृष्टिकोण नकरात्मक र असहयोगी हुन जान्छ । यसले सार्वजनिक विकास निर्माणमा जनसहभागिता घट्ने र सार्वजनिक सम्पतिको सुरक्षामा समेत वेवास्ता हुन जान्छ । नगरपालिकामा कुनै कर्मचारी प्रभावकारी काम गर्ने र कुनै नगर्ने दुबै खाले हुन्छन् । राम्रो काम गर्नेलाई पुरस्कृत गर्ने र नराम्रो काम गर्नेलाई नियमानुसार तुरन्त दण्ड सजाय दिनु पर्दछ । यसले अन्य कर्मचारीलाई पनि राम्रो काम गर्न प्रोत्साहन र नराम्रो काम गर्न निरुत्साहित गर्दछ ।

कर्मचारी दरबन्दी अनुसार पदपूर्ति नहुँदा सेवा प्रवाहमा ढिलासुस्ती भई रहेको छ । सम्बन्धित निकायहरूले कर्मचारी पूर्तिदर्फ ध्यान दिनु जरुरी छ । तोकिएको दरबन्दी पूर्ति पश्चात सेवामा कमी कमजोरी देखिएमा तत्कालै कार्यवाही गर्ने व्यवस्था गरिनु पर्दछ । कर्मचारीहरूलाई कार्य विवरण दिने र कार्य विवरणको आधारमा कार्य दक्षता, कामको प्रभावकारीता मापन गर्ने प्रणालीको विकास गरिनु पर्दछ । कार्य विवरण कर्मचारीको क्षमता मापनको औजार बनाइनु पर्दछ । संस्थागत विकासको मुख्य कडीनै कर्मचारीको व्यवस्थापन हो र कर्मचारीलाई दक्षता अनुसारको कार्य विवरण दिइ नपाको कार्य क्षमता वृद्धि गर्न ५ वर्षमा सम्म विभिन्न कार्यक्रमहरू तर्जुमा गरिनेछ ।

नगरपालिका, वडा कार्यालय, अन्य सार्वजनिक संस्थाहरूको संस्थागत समझना शक्ति ज्यादै न्यून रहेको छ । यसो हुनुमा पूर्वाधारको कमी, दक्षताको कमी, दायित्व बोधको कमी नै हो । कुनै एक कर्मचारी वा निर्वाचित पदाधिकारीको अनुपस्थितिमा उसले तयार गरेका सम्पूर्ण दस्तावेज, सामग्री वेपत्ता हुने, आवश्यक पर्दा फेला नपर्ने वा मानिससँगै संस्थाको समझना हराउने प्रवृत्तिले दिगो विकास हुन सक्दैन । संस्था अजर अमर हुन्छ र मानिस मरणशिल छ आजको समझना भोलिको लागि आवश्यक हुन्छ र त्यो प्राप्त गर्नको लागि संस्थागत मेमोरीको विकास गरिनु पर्दछ ।

१.१.४ संस्थागत विकास योजना**१.१.४.१ सोच**

पूर्वाधार सम्पन्न क्रियात्मक प्रशासनिक संरचना र उच्च स्तरको संस्थागत संझना

१.१.४.२ लक्ष्य

“दक्ष जनशक्ति र सुविधायुक्त प्रशासनिक संरचना निर्माण गरि सुचनामा सबैको पहुँच अभिवृद्धि गर्ने।”

१.१.४.३ उद्देश्य

- १ दक्ष जनशक्ति र सुविधायुक्त प्रशासनिक संरचनाको निर्माण गर्ने ।
- २ संस्थागत सूचना प्रणाली सुदृढ तथा व्यवस्थित गर्न पूर्वाधार र दक्ष जनशक्ति सहितको सूचना शाखा स्थापना गर्ने ।

१.१.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: दक्ष जनशक्ति र सुविधायुक्त प्रशासनिक संरचनाको निर्माण गर्ने ।	
१.१ संस्थागत संरचनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइनेछ ।	१.१.१ स्थानीय सरकार संचालन ऐनको मर्म अनुरूप नपाको काम कार्यवाहीलाई व्यवहारिक कार्यान्वयनको लागि पहल गरिनेछ ।
	१.१.२ सबै कर्मचारीहरुको कार्य विवरण तयार गरी कार्य विवरण अनुसारको काम भए नभएको अनुगमन र मुल्याङ्कन गरिनेछ । अर्थात कर्मचारीको मुल्याङ्कनको आधार कार्य विवरण हुनेछ ।
	१.१.३ नागरिक जीवनसँग प्रत्यक्ष सम्बन्ध रहेका हरेक क्षेत्रमा लैङ्गिक समतामूलक कार्यनीति अबलम्बन गरिनेछ ।
	१.१.४ न.पा र न.पा.का सबै कार्यालयहरुलाई सेवाग्राही मैत्री बनाईदै Help Desk स्थापना गरिनेछ ।
	१.१.५ विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी निकाय लगायत निजी क्षेत्र समेतको सक्रिय सहभागितामा स्थानीय सरकारको विकासको कार्य सञ्चालन गर्ने नीति अबलम्बन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य २: संस्थागत सूचना प्रणाली सुदृढ तथा व्यवस्थित गर्न पूर्वाधार र दक्ष जनशक्ति सहितको सूचना शाखा स्थापना गर्ने ।	
२.१ नगरपालिकाको सबै सूचना सबै नगरवासीको पहुँचमा पुर्याइनेछ ।	२.१.१ न.पा.मा कार्यरत विकासका साझेदारहरूलाई विकासको खम्बाको रूपमा स्थापित गरी उनीहरूको योगदानलाई लक्षित वर्ग र क्षेत्रसम्म पुर्याउन नपाको योजना प्रणाली मार्फत सञ्चालित गराइनेछ ।

४.१.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	नगर प्रमुखसँग प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत र प्रमुख प्रशासकिय अधिकृतसँग शाखा प्रमुख कर्मचारीहरूले कार्यसम्पादन सम्झौता गरी वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयनको समय तालिका र क्यालेन्डर तयार पार्ने र सोही अनुसार निर्धारित समयमै कार्यक्रम सम्पन्न गर्ने			√		
२	कर्मचारी तथा प्रशासन सम्बन्धि कार्यविधि निर्माण तथा कार्यान्वयन			√		
३	नियमित अनुगमन-मूल्याङ्कन गर्न निर्देशिका निर्माण			√	√	√
४	कर्मचारी मुल्यांकन कार्यविधि (दण्ड तथा पुरस्कारको नीति) निर्माण र कार्यक्षमतामा आधारित कर्मचारी मूल्याङ्कन प्रणाली विकास			√		
५	विकासमा समावेशी सहभागिता अभिवृद्धि		√	√		
६	गैसससँग वार्षिक अन्तरक्रिया कार्यक्रम			√		
७	सामुदायिक मेलमिलाप केन्द्रहरूलाई साधन स्रोत सम्पन्न बनाउने			√	√	√
८	वडा सचिव तथा प्राविधिक कर्मचारीको क्षमता विकास तालिम			√		
९	कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूका लागि विद्यमान ऐन (खरिद ऐन, मुलुकी ऐन), कानून, सफ्टवेयर, अंग्रेजी, प्राविधिक, प्रतिवेदन लेखन, ड्राइभिङ, सकारात्मक सोच जस्ता तालिमहरू सञ्चालन			√		

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१०	कर्मचारी हकहितका लागि अक्षय कोषको व्यवस्था			√		
११	सरोकारवालाहरूलाई ICT सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम			√		
१२	संस्थागत मेमोरी सुदृढीकरण		√	√		√
१३	कार्यालय व्यवस्थापन तथा लेखा प्रशासन सम्बन्धी तालिम		√	√		√
१४	क्षमता विकास योजना तर्जुमा		√	√		√
१५	नगरपालिकाका सबै वडामा गठित टोल विकास संस्थामा नयाँ नेतृत्वको लागि पदाधिकारी छनौट गर्ने व्यवस्था मिलाउने			√	√	√
१६	टोल विकास संस्थाहरूलाई थप सक्रिय, सशक्त र निरन्तर क्रियाशील तुल्याउन विकास निर्माणमा टोल सुधार संस्थासँग हातेमालो			√	√	
१७	टोल विकास संस्थाहरूबीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकास गर्ने गरी आवश्यक सामाजिक, आर्थिक, प्राविधिक, वातावरणीय कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने			√	√	√
१८	सहकारी तथा लघु वित्तीय संस्थाहरूलाई न.पा.को दायरामा ल्याउन सरोकारवालासँग समन्वय			√	√	√
१९	जनगुनासो सुनुवाई, गुनासो व्यवस्थापन र तिनको सम्बोधन गर्न नगरपालिकाको वेभसाइट र मोवाइल एपमा नागरिकको चासो र गुनासो Segment को व्यवस्था			√	√	

४.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

नगरपालिका आवश्यक कानूनको निर्माण भएको हुने, संगठनात्मक पुनर्संरचना (O and M) भई शाखा अनुसार तह गत संरचना क्रियाशील भएको हुनेछ, सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सूचना प्रविधिको प्रयोग भई छिटो छरितो रूपमा सेवा प्रवाह भएको हुने जनशक्ति विकास योजना तर्जुमा भई सो को कार्यन्वयन भएको हुनेछ ।

४.२. राजश्व तथा श्रोत परिचालन

४.२.१. पृष्ठभूमि

राजश्व संकलन र प्रभावकारी परिचालन विना सार्वजनिक सेवाहरुको प्रभावकारीता हुन सक्दैन । विना राजश्व र श्रोत कुनै पनि तहका सरकारहरुले जनतालाई दिनु पर्ने सेवा सुविधाको प्रत्याभूत गर्न सक्दैनन । सरकारले विभिन्न किसिमका राजश्व र श्रोतहरुको परिचालन गरेको हुन्छ । जनताका अनगिन्ती मागहरु वा सरकारसँग भएको सिमित श्रोत बीचमा तालमेल हुन सकेन भने जन असन्तुष्टि बढेर जान्छ । सरकारले सिमित श्रोतको प्रभावकारी परिचालन गरिरहेको जनविश्वास हुनु पर्दछ । जनताले तिर्ने करको सहि सदुपयोग भएको जनतालाई विश्वास भएनभने कर तिर्ने हिचकिचाउने, कर छल्ने जस्ता नकारात्मक असर देखिन थाल्दछन । कर प्रणाली पारदर्शि र जनभावना अनुकुल भएमा मात्र जनताले कर प्रति सकारात्मक अवधारणा विकास गर्दछन । राजश्व र श्रोतको परिचालन प्रभावकारी बनाउन प्रणाली विकास, जनशक्ति विकास, संयन्त्रहरुको विकास, करका दरहरुको समयसापेक्ष पुनरावलोकन गरिनु पर्दछ ।

४.२.२. समस्या तथा चुनौती

आन्तरिक श्रोतको अभावमा स्थानीय सरकारहरु संघिय र प्रदेश सरकारमा भर पर्नु नियति भएको छ । आन्तरिक श्रोत परिचालनको क्षमता, श्रोतको खोजी गर्न सक्ने जनशक्ति विकास, दिगो र भरपर्दो श्रोतको अभाव छ । वित्तिय अनुशासनको अभावले स्थानीय सरकारहरु बेरुजुको चाडमा रहेको महालेखा परिक्षकको प्रतिवेदनले देखाएको छ । नागरिक वडापत्र केवल देखाउने भाडो भएको छ । क्षतिपूर्ति विनाको नागरिक वडापत्र केवल कामको सूचिका रुपमा लिन सकिन्छ । जनतामा सरकारप्रतिको विश्वास गुम्दो छ । स्थानीय सरकारको साँखलाई जोगाइ राख्नको लागि सरकारले नागरिक केन्द्रीत शासन प्रशासनको व्यवस्था, छिटो र छरितो सेवा दिने कार्यहरु गरिनु पर्ने र जनतामा सरकारको प्रत्याभूति दिने चुनौती रहेको छ । असिमित जनआकांक्षाका बीच सिमित साधन र श्रोतको प्रभावकारी परिचालन गर्न सक्ने स्थानीय सरकारका लागि चुनौतीपूर्ण विषय बनिरहेको छ ।

४.२.३. संभावना तथा अवसर

नगरपालिकामा हालसम्म कुनै पनि योजनाहरु सार्वजनिक निजी साझेदारीको अवधारणामा कार्यान्वयन भएका छैनन् । नगरबासीका असीमित आकांक्षा र नगरपालिकाको सीमित स्रोतलाई व्यवस्थापन गर्नको लागि निजी क्षेत्रको लगानी र साझेदारीको आवश्यकता देखिन्छ । नगरपालिकामा साना साना आयोजनाहरु मात्र संचालन हुनुका विभिन्न कारणहरु मध्ये साझेदारीको योजना नहुनु पनि एक हो । लगानीमैत्री वातावरण बनाई ठूला, नाफामूलक तथा दीर्घकालीन महत्वका योजनाहरुमा लगानी गर्न निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गरिनु पर्दछ । शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, औद्योगिक विकासका लागि सार्वजनिक निजी साझेदारीलाई प्रवर्द्धन गरिनु उपयुक्त हुनेछ ।

पूर्वाधार विकासमा संघिय र प्रदेश सरकारमा भर पर्दा कतिपय विकास निर्माणका कार्यहरु समयमा सम्पन्न नहुनु, स्थानीबासीले विकास प्रति अपनत्व ग्रहण नगर्ने, सार्वजनिक पूर्वाधारको हेरचाह र संरक्षण नहुने भएले गाउँपालिकाले विकास निर्माणमा स्थानीय जनताको सहभागिता, लगानीलाई प्रोत्साहन गर्न समपुरक कोष खडा गरी क्रियाशिल जनताहरुलाई आफ्नो स्थानको विकासको लागि नगरपालिकाले कोष मार्फत लगानी गरी दिने र स्थानीय जनताको समेत लगानी हुने व्यवस्था मिलाउनु पर्दछ । यस्तो व्यवस्थाले जनतालाई विकास निर्माणमा सहभागि हुन र लगानी गर्न आकर्षण गर्दछ ।

नगरपालिकाभित्र रहेका सार्वजनिक जग्गाहरुको पहिचान गर्न नसक्दा कतिपय जग्गाहरुको अतिक्रमण र प्रयोग विहिन भएका छन् । नगरपालिकामा भएका यस्ता सार्वजनिक जमीनहरुको लगत तयार गरी सार्वजनिक प्रयोगमा ल्याउन सकिन्छ । नगरपालिकाले कति सार्वजनिक जमीन कहाँ कहाँ छन् र तिनको प्रयोग अवस्था बारे पूर्ण विवरण राखी दीर्घकालीन महत्व, उत्पादनमूलक, सार्वजनिक पूर्वाधार, साझेदारीका योजनाहरु संचालन गर्ने, लिजमा उपयोग गर्न दिई त्यसबाट आम्दानी र त्यस्ता जमीनको संरक्षण गर्नु पर्दछ ।

एकीकृत सम्पत्ति करले सबै गाउँबासीलाई सम्पत्तिको आधारमा कर तिर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ । नगरपालिकामा एकीकृत सम्पत्ति करलाई प्रभावकारी बनाउनु पर्दछ । यसले सबै गाउँबासीलाई आफ्नो सम्पत्तिको आधारमा कर आफैं मूल्यांकन गर्ने समेत जिम्मेवारी दिएको छ । यसले सबैलाई आफ्नो सम्पत्तिमा अधिकार अनुसार कर तिर्नु पर्ने दायित्वको समेत बोध गराउँदै नगरपालिकाको विकास निर्माणमा सहभागि गराउनु पर्दछ । करको दायरा फराकिलो पारी कर सबैलाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ ।

नगरपालिकाले सार्वजनिक हितका लागि निर्माण गरेका पूर्वाधारहरुको उपयोग गरेवापत शुल्क लगाउनु पर्दछ । यसले जसले उपयोग गर्दछ उसले शुल्क बुझाउने व्यवस्थाको वकालत गर्दछ । यसले सामाजिक न्यायको सिद्धान्तको समेत पक्षपोषण गर्दछ । जस्तै: सडक पिचबाट मुख्य फाईदा निजी सवारी हुने, सार्वजनिक यातायात प्रयोग गर्नेलाई हुन्छ भने त्यसको उपयोग गरेका वापत तिनै सावरीधनी, प्रयोगकर्ताले शुल्क तिर्नु पर्दछ । सिंचाई कुलो, खेल मैदान, सामुदायिक भवन जस्ता पूर्वाधारमा शुल्क लगाउने र त्यही शुल्कको रकमले मर्मत संभार गर्ने व्यवस्था गर्दा पूर्वाधारमा दिगोपना आउँछ ।

नगरपालिकाको आन्तरिक आम्दानी नै करबाट सङ्कलित रकम हुने भएकोले नगरपालिकाका योजनाहरु संचालन गर्न, आन्तरिक खर्च व्यवस्थापन गर्न करमा भर पर्नु पर्दछ । कर गाउँले प्रवाह गरिरहेका र गर्ने सेवा सुविधाहरुको लागि गाउँबासीले तिर्नु पर्ने दायित्व हो भन्ने बारेमा सबै गाउँबासीहरुलाई सचेत गरिनु पर्दछ । सचेत नागरिकले मात्र गाउँले लगाएको कर समयमा बुझाउँदछन् । गाउँले कर र त्यसको दायरा फराकिलो पाउँदा सबै करदातालाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ । एकतर्फ करको दायित्व बारेमा सचेत गर्नु पर्दछ भने अर्कोतर्फ कर तिर्नेलाई पुरस्कृत र नतिर्नेलाई दण्ड जरिवाना लगाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ । कर गाउँ सञ्चालनको मुख्य स्रोत हो भन्ने बारेमा सबैलाई बोध गराउने गरि योजनाहरु निर्माण गरिनेछ ।

८.२.४ राजश्व तथा स्रोत परिचालन योजना**८.२.४.१ सोच**

दिगो, सन्तुलित विकास र स्वावलम्बनका लागि आन्तरिक स्रोत परिचालन

८.२.४.२ लक्ष्य

“साधन स्रोतले सम्पन्न र नियमित आयस्रोतको सुनिश्चितता सहित पुँजीगत बजेट वृद्धि गर्ने”

८.२.४.३ उद्देश्य

१. करको दायरा फराकिलो बनाउँदै निजी क्षेत्रको सहभागिता तथा सार्वजनिक निजी साझेदारी बढाउने ।
२. संस्थागत समन्वय वृद्धि गर्दै स्रोत र साधनको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्ने ।

८.२.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: करको दायरा फराकिलो बनाउँदै निजी क्षेत्रको सहभागिता तथा सार्वजनिक निजी साझेदारी बढाउने ।	
१.१ न.पा.को राजश्व वृद्धिका लागि करको दायरा पुनरावलोकन गरिनेछ ।	१.१.१ सबै जनतालाई करबारे चेतनामूलक कार्यहरु सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२ कर चुहावट रोक्न करदाता शिक्षा, कर दायित्वबारेमा सचेतना कार्यक्रमहरुको आयोजना गरिनेछ ।
	१.१.३ न.पा.मा सञ्चालित सबै सेवा प्रदायक संघसंस्था, व्यवसायहरुको दर्ता, नवीकरण गरी नियमित कर सङ्कलनको आधार खडा गरिनेछ ।
	१.१.४ छिमेकी नगरपालिका, नगरपालिका, जिल्लासँग प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण र उपयोग लगायत अन्तर सम्बन्ध तथा आपसी सहयोगका विषयहरु (समस्या चुनौति तथा सम्भावनाहरु) मा समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।
	१.१.५ सार्वजनिक जग्गाहरुको लगत तयार गरी त्यस्ता जग्गाहरुको उपयोगको नीति अवलम्बन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य २: संस्थागत समन्वय वृद्धि गर्दै स्रोत र साधनको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्ने ।	
२.१ दीर्घकालीन महत्व राख्ने र ठूला पूर्वाधार विकासका आयोजनाहरुमा ऋण सहायता लिने नीति लागू गर्ने ।	
२.२ संघीय, प्रदेश सरकारबाट स्थानीय सरकारलाई राजश्व बाँडफाँट वापत प्राप्त हुने रकम फ्रीज नगरी सो रकम स्थानीय सरकारको कोषमा सुलभ रुपमा प्राप्त हुने नीति अबलम्बन गर्न तहगत सरकार समक्ष पहल गर्ने ।	
२.३ आर्थिक अनुशासन कायम गर्नका लागि योजना परियोजनाहरुको लागत सबै जनताले खैरहनी पाउने गरी प्रकाशन गर्ने ।	२.३.१ खर्चका स्पष्ट मापदण्ड तयार गरी आम्दानी र खर्चलाई पारदर्शी बनाउन नियमित रुपमा सार्वजनिकीकरण गरिनेछ । फजूल खर्च तथा बेरुजु रोक्न कार्यविधी तयार गरिनेछ ।
२.४ कृषि, पर्यटन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रका परियोजना सञ्चालनको लागि सार्वजनिक निजी साझेदारी अवधारणाको कार्यान्वयन गर्ने ।	

४.२.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	राजस्व दायरा फराकिलो बनाउन अध्ययन			√		
२	एक द्वार कर प्रणाली बारे अध्ययन तथा कार्यान्वयन			√		
३	एकिकृत सम्पत्ति कर बारे नीति निर्माण तथा लागू		√	√		
४	MIS प्रणालीमा नक्शा पास तथा घर निर्माण स्वीकृति दरको पुनरावलोकन		√	√		
५	राजस्व सचेतना कार्यक्रम संचालन			√		
६	घुम्ति कर संकलन			√		
७	आयात तथा निर्यात अनुगमन गर्न डेस्क संचालन			√		
८	बेरूजु न्यूनीकरण र नियन्त्रणका हेतु सार्वजनिक खरिद व्यवस्थापन, सार्वजनिक सम्पत्ती व्यवस्थापन, राजश्व व्यवस्थापन र कर प्रणाली सम्बन्धि कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, उपभोक्ता समिति, टोल विकास संस्था माझ आर्थिक वर्षको शुरूवातमै अभिमुखिकरण कार्यक्रम सञ्चालन		√	√		
९	प्रदेश तथा संघीय सरकारसँग पालिका एकिकृत विकास योजना सम्बन्धि परामर्श तथा समन्वय बैठक	√	√	√	√	
१०	नगरपालिकाको आम्दानी वृद्धि गर्न पार्क, व्यापारिक भवन, बसपार्क आदि निर्माण (नगर विकास कोषसँग ऋण सहायता माग)	√	√	√		
११	चालू परियोजनाहरू समयमै सम्पन्न गर्न संबन्धित निकाय तथा केन्द्र ÷ प्रदेश सरकारलाई ताकेता	√	√	√		
१२	संभावना बोकेका बहुउद्देश्यीय ठूला परियोजनाहरूमा लगानी गर्न समन्वय	√	√	√		

क्र.स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१३	चालू परियोजनाहरू समयमै सम्पन्न गर्न सम्बन्धित निकाय तथा केन्द्र ÷ प्रदेश सरकारलाई ताकेता	√	√	√		
१४	आयोजना सहवित्तीयकरण कार्यक्रम सञ्चालन	√	√	√		
१५	नगरपालिका उद्यमशीलता विकास कोष स्थापना र सञ्चालनमा सहकार्य	√	√	√		
१६	लगानीकर्ता प्रोत्साहन गर्न नगरको नीति निर्माण			√		
१७	तुलनात्मक लाभका केही सार्वजनिक निजी साझेदारीमा परियोजना संचालन	√	√	√		
१८	लगानीकर्ता आकर्षित गर्न वृहत् उद्यमी भेला	√	√	√		

१.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

यस योजना पछि न.पा.को अन्तरिक आय वृद्धि भई नगरपालिका विकासको गतिमा अगाडी बढेको हुनेछ ।

४.३. सुशासन तथा जनसहभागिता

४.३.१. पृष्ठभूमि

असल शासनका लागि असर र जनहितका कामहरू गरिनु पर्दछ । जनताका दैनिक समस्या समाधानलाई सम्बोधन गर्न सहज प्रशासन, क्षमतावान र इमान्दार कर्मचारी, चुस्तदुरुस्त संगठनात्मक स्वरूप हुन आवश्यक छ । जनउत्तरदायी योजना बनाएर मात्र पुग्दैन त्यसको कार्यान्वयन पक्ष फितलो भयो भने त्यसले जनताका समस्या सुझाउन सक्दैन ।

४.३.२. समस्या तथा चुनौती

स्थानीय सरकारहरूले सुशासन र जनसहभागिताको लागि खासै काम गरेको देखिन्दैन । स्थानीय सरकारले गरेका कामहरूको सामाजिक परिक्षण ज्यादै न्यून गरेका, विभिन्न प्रक्रियागत झण्डाको कारण सेवाग्राहीहरू हैरानी महशुस गर्दछन । सरकारका काम कारवाही जनतालाई खैरहनी नहुने कसले के गरिरहेको छ चासो नहुने भएपनि कसैले सूचना नदिने जस्ता समस्या रहेका छन् । कामकारवाहीमा राजनीतिक हस्तछेप हुनु, आर्थिक प्रलोभन र शक्ति केन्द्रमा केन्द्रीत हुने प्रचलन, सार्वजनिक, नीजि साझेदारीलाई व्यवहारिक बनाउन नसक्नु, वित्तीय अनुशासनमा कमी, भएका ऐन कानूनको कार्यान्वयन गर्न र गराउन स्थानीय सरकारहरूलाई चुनौती भएको देखिन्छ ।

४.३.३. संभावना तथा अवसर

नगरपालिका आफुले प्रवाह गर्ने सेवा, सुविधा प्रति सचेत रहनु पर्दछ । जनताले विना कारण सेवा लिनबाट बञ्चित हुन नपरोस् भनी सेवा प्रवाह सम्बन्ध जानकारीमूलक नागरिक वडापत्र नगरपालिका, वडा कार्यालय, अन्य सम्बन्धीत सार्वजनिक सेवा प्रदायहरूले आ-आफ्नो कार्यालयबाट प्रवाह गरिने सेवा, सेवाको मूल्य, सेवा प्राप्त गर्ने प्रक्रिया, सेवा प्राप्त गर्न लाग्ने समय सहितको विवरणपत्र आफ्नो कार्यालयमा सेवाग्राहीले सजिलै देख्न र पढ्न पाउने स्थानमा राखिनु पर्दछ । उक्त वडापत्र अनुसार प्रक्रियागत रूपमा सेवा माग गर्दा प्राप्त नभएमा त्यसको सुनुवाई र सेवा प्राप्त नभएका कारण सेवाग्राहीले भोग्नु परेको तनाव, समयको खर्च र अन्य खर्चहरूको समेत हिसाव गरी सेवा प्रवाहमा ढिलासुस्ती वा सेवा प्रदान नगर्ने सार्वजनिक पदमा रहेका कर्मचारी वा व्यक्तिबाट क्षतिपूर्ति भराउने व्यवस्था सहितको नागरिक वडापत्र लागू गरिनु पर्दछ ।

विकास निर्माण गर्दा पटकै पिच्छे उपभोक्ता समिति गठन गर्ने र निर्माण सम्पन्न भएपनि हराउने अवस्थाको अन्त्य गरी टोल टोलमा टोल विकास संस्था गठन गर्ने, ति संस्थाहरूलाई सार्वजनिक सम्पतिको संरक्षण, हेरचाह, विकास निर्माणको समेत उत्तरदायित्व दिनु पर्दछ । यसले उपलब्ध स्रोतको सहि सदुपयोग गर्न र जनपरिचालनमा दिगोपना आउँछ । टोल विकास संस्थामा सहभागि हुने सदस्यहरू रोटेशनको आधारमा बस्ने व्यवस्था मिलाई एकाधिकार र पहुँचवालामा नियन्त्रण गर्न सक्ने संभावना छ । भर्खरै व्यवहारमा आएको संघियता र यसले दिएको अधिकारको सदुपयोगबाट स्थानीय सरकारलाई जनमुखि बनाउन अवसर रहेको छ ।

८.३.४ सुशासन तथा जनसहभागिता योजना**८.३.४.१ सोच**

जनभावना अनुरूपको नमूना शासन प्रणाली स्थापित गर्ने ।

८.३.४.२ लक्ष्य

असल शासनको प्रत्याभूति गराउने

८.३.४.३ उद्देश्य

१. सेवाग्राहीमैत्री कार्य वातावरण तथा आर्थिक अनुशासन कायम गर्दै पारदर्शि एवं जनउत्तरदायी प्रशासनको विकास गर्ने ।
२. जनमुखि सरकारको अवधारणा अनुरूप कार्यहरु गर्ने गराउने ।

८.३.४.४ रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: सेवाग्राहीमैत्री कार्य वातावरण तथा आर्थिक अनुशासन कायम गर्दै पारदर्शि एवं जनउत्तरदायी प्रशासनको विकास गर्ने ।	
१.१ स्थानीय सरकारहरुलाई सक्षम र सवल बनाई स्थानीय श्रोत र साधनको बढी भन्दा बढी मात्रामा सदुपयोग गरिने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।	१.१.१ न.पा.का सवै सरोकारवालाहरुलाई ICT Friendly बनाउन क्षमता अभिवृद्धि र तालीम कार्यक्रम सञ्चालन गरिनुका साथै सम्पूर्ण कार्यालयहरुमा E-governance लाई कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ ।
१.२ योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, मूल्यांकन र अनुगमन प्रक्रियामा प्रभावकारिता ल्याउन एकीकृत सूचना प्रणालीको विकास गर्न विशेष पहल गरिनेछ ।	१.२.१ न.पा.का सवै सरोकारवालाहरुलाई ICT Friendly बनाउन क्षमता अभिवृद्धि र तालीम कार्यक्रम सञ्चालन गरीनुका साथै सम्पूर्ण कार्यालयहरुमा E-governance लाई कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ ।
	१.२.२ न.पा. स्तरीय अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिको निर्माण एवं भूमिका र कार्यक्षेत्र बढाइनेछ ।
	१.२.३ कार्यसम्पादन र मुल्याङ्कनलाई बस्तुनिष्ट बनाई कार्य सम्पादनको आधारमा दण्ड र पुरस्कार प्रणालीको अबलम्बन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
१.३ नगरपालिका स्तरीय कार्यालयहरूमा हुन सक्ने आर्थिक अनियमितता, भ्रष्टाचारलाई प्रभावकारी नियन्त्रण गर्न उपयुक्त नीति अवलम्बन गरिनेछ ।	
उद्देश्य २: जनमुखि सरकारको अवधारणा अनुरूप कार्यहरू गर्ने गराउने ।	
२.१ एकीकृत नगरपालिका विकास योजनाको परिधिभित्र रही वार्षिक कार्यक्रमहरूको तर्जुमा स्वीकृति र कार्यान्वयन गर्ने परिपाटीको विकास गरिनेछ ।	२.१.१ वडास्तरबाट गरिनु पर्ने भनी सिफारिस भई आएका योजनाहरूलाई एकीकृत विकास योजनाको परिधिभित्र रही प्राथमिकता दिइनेछ ।
	२.१.२ विगतका अधुरा योजनाहरूलाई फरफारक गरी न्यूनतम लागतमा बढी प्रतिफल हासिल हुने खालका योजनाहरू मात्र सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.३ आचार संहिताको निर्माण गरि गैसस विकास साझेदारहरूको लगानी नपाको आवश्यकता भन्दा बाहिरका क्षेत्रमा परिचालन हुन नपाउने प्रावधान लागू गरिनेछ ।
२.२ सहभागितामूलक योजना पद्धतिको अबलम्बन मार्फत योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनमा लागत प्रभावकारीता हासिल गर्ने नीति लिईनेछ ।	

८.३.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरू

क्र. स	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	सबै विषगत कार्यालय र विद्यालयहरूमा डिजिटल हाजिरीको व्यवस्था			√		√
२	आर्थिक प्रशासन सम्बन्धि सफ्टवेयर जडान तथा प्रयोग तालिम			√		
३	सूचना प्रविधिमैत्री प्रशासन लागु		√	√		√
४	सूचना अधिकारीको व्यवस्था			√		√
५	टोल विकास संस्थाको विकास निरिक्षणमा परिचालन			√		
६	सहज सेवा प्राप्त गर्न जनताको सहयोगका लागि सहयोगी परिचालन			√		
७	नगरपालिकाका सबै सूचना संरक्षण र आवश्यक परेको वेला प्राप्त गर्न पुस्तकालयको व्यवस्था			√		√
८	सबै योजना तथा कार्यक्रमको प्रकाशन र सबैको पहुँचमा रहने व्यवस्था			√		√
९	भ्रष्टाचार विरुद्धको शून्य सहनशिलता कार्यान्वयन (जनचेतना, आचार संहिता, गुनासो सुनुवाई, आदि)			√		
१०	नगरपालिका कार्यालय र सबै वडा कार्यालयहरूमा डिजिटल नागरिक वडापत्र, डिजिटल सूचना बोर्ड जडान			√		
११	ठूला साना आयोजनाको सार्वजनिक सुनुवाई			√		

परिच्छेद १: कार्यान्वयन व्यवस्था

१. योजना अनुगमन तथा मुल्याङ्कन

मानिसहरुको समग्र जिवनस्तर सुधार गर्न नियोजन गरिएका विकास निर्माणका कार्यहरु सहि ढङ्गले भए नभएको, निर्दिष्ट लक्ष्य तथा उद्देश्यहरु प्राप्त भए नभएको हेर्न र नतिजा थाह पाउन अनुगमन तथा मुल्याङ्कन कार्य अत्यावश्यक हुन्छ । भएका कार्यहरुको उचित अनुगमन नहुदा त्यसको गुणस्तरमा प्रश्न चिह्न आउछ भने मुल्याङ्कन बिना सो कार्यको प्रभाव थाह हुदैन र प्रभाव विना कुनै विकास कार्यको अर्थ रहदैन । योजनाको मुल्याङ्कन दुई चरणमा हुन्छ, पहिलो चरणमा योजना लागू गर्न भन्दा पहिले त्यसको सम्भावित आवश्यकता तथा प्रभावबारे र दोस्रो चरणमा योजना कार्यान्वयन पश्चात् सोको असर बारे । विकास निर्माणमा जाने रकमको दुरुपयोग राक्न र त्यसको सहि कार्यान्वयन गर्न उक्त कार्यहरुमा मुल्याङ्कन अत्यावश्यक हुन्छ नत्र निमुखा र सिमान्तकृत वर्गहरु छायामा पर्ने खतरा हुन्छ र श्रोतहरु केन्द्रिकृत भएर एकै स्थानमा जान सक्छन् । अनुगमन तथा मुल्याङ्कनला विधीको बारेमा बुझ्न भन्दा पहिले यिनको शाब्दिक परिभाषा बुझ्न जरुरी छ ।

कार्यान्वयनकर्ताले विश्वास गरि निश्चित योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीतिहरुको कार्यान्वयन तथा प्रगतिको अवस्था बारे निरन्तर वा आवधिक रुपमा गरिने तहगत संस्थागत वा व्यक्तिगत व्यवस्थापन नै मूलभूत रुपमा अनुगमन हो । कार्यहरु कसरी भैरहेको छ , तोकेको मापदण्ड पुरा भए नभएको, कार्य शैली अपेक्षित रहे नरहेको र योजनाका सम्पूर्ण गतिविधीहरु कार्यान्वयन भए-नभएको हेर्ने कार्य अनुगमन हो । अनुगमन निरन्तर चल्ने प्रक्रिया हो भने यसले निम्न कुराहरुको उत्तर दिन्छ ।

- उपलब्ध श्रोतहरुलाई विभिन्न इकाईहरुले निश्चित समय र छुट्याएको बजेट सीमा भित्र प्रयोग गरे गरेन्
- समयमै र किफायती तवरले अनुमानित नतिजा प्रतिफल प्राप्त भयो कि भएन
- कार्यान्वयन गर्ने क्षमताको स्तर के कस्तो छ
- के-कस्ता समस्या तथा व्यवधानहरुको समना गर्नु परिरहेको छ र के-कस्ता समाधानका उपायहरु अपनाउन सकिन्छ

सुन्दा अनुगमन र मुल्याङ्कन उस्तै उस्तै लागेतापनि मुल्याङ्कनले योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीतिहरुको कार्यान्वयन पश्चात्को प्रभावकारीता, प्रासङ्गिकता तथा दीगोपनाबारे अध्ययन गर्दछ । यो कार्य गर्न आन्तरिक वा बाह्य मुल्याङ्कनकर्ताको आवश्यकता पर्दछ र यसले योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीति जुन उद्देश्य प्राप्त गर्न कार्यान्वयन गरिएको हो, सो उद्देश्य प्राप्त भएको या नभएको भनेर जवाफ दिन्छ । अझ परियोजनाको स्तरमा हेर्दा परियोजना कार्यान्वयन पश्चात् सो परियोजना परिकल्पना गरेको भन्दा कत्तिको फरक ढङ्गले सम्पन्न भयो भन्ने कुरा पनि हेर्दछ । योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीति कार्यान्वयनको समयमा भएको कमजोरी र देखिएका राम्रा पक्षहरुको मिहिन अध्ययन गरि अर्को चरणमा अपनाउनु पर्ने

सावधानी बारे सूचना दिन्छ । मूल्याङ्कन कार्य निरन्तर चल्दैन र योजना कार्यान्वयनको सुरुवाती चरण, मध्य चरण, अन्तिम चरण तथा प्रभाव चरण गरि विभिन्न चरण हरुमा गरिन्छ ।

आवधिक योजनामा प्रस्तवित भए अनुरूपको लक्ष्य र उद्देश्य प्राप्त गर्न तय गरिएका रणनीति तथा कार्ययोजना कसरी कार्यान्वयन भइरहेका छन् ?, कार्यक्रमहरुमा लक्षित वर्गको पहुँच पुगेको छ वा छैन ?, कार्यक्रमहरुको प्रभावकारीता कस्तो रह्यो ? कुन कार्यक्रमको कार्यान्वयनबाट कस्तो असर र प्रभाव परिरहेको छ? कुनै आयोजनाहरुको थप वा पुनरावलोकन गर्न पर्ने छ वा कसरी अझ प्रभावकारी बनाउन सकिन्छ । लगायतका विषयवस्तुको जानकारी लिने माध्यम नै योजनाको समग्र अनुगमन हो । योजनामा निर्दिष्ट गरिएका लक्ष्य, उपलब्धि तथा सूचकहरुको मूल्याङ्कनका लागि योजना अनुगमन अनिवार्य मानिन्छ । विभिन्न चरण पार गर्दै तर्जुमा गरिएको योजना आफैँमा एक उत्कृष्ट भावि कार्य योजनाको दस्तावेज हो । योजना बनाउँदा जुन प्रकारले सोचिएको वा जुन प्रकारका सुचना र तथ्याङ्कले निर्दिष्ट गरेको हुन्छ त्यसमा बदलाव आउना साथ योजनाको असर र प्रभाव फरक पर्दछ । यसरी बनाइएको योजनाको वास्तविक परीक्षण जव योजनाको कार्यान्वयन हुन्छ तव मात्र खैरहनी हुन्छकी योजना यथार्थपरक भयो वा भएन । त्यसैले योजनाको अनुगमन गरिनु मुख्य प्रक्रियामा पर्दछ ।

नेपालको संविधान २०७२ ले निर्देश गरेका प्रावधान अनुसार बनेको स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ लागु हुनु अघि स्थानिय तहमा सञ्चालन हुने परियोजनाहरुको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन परिपाटी व्यवस्थित थिएनन् तर उक्त ऐन लागु भएपछि स्थानीय क्रियाकलापका लागि स्थानीय सरकारलाई नै अख्तियारी दिने परिपाटी बसेको छ ।

कानुनी प्रावधान अनुसार योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन एवं अनुगमन तथा मूल्यांकनको जिम्मेवारी स्वयं नगरपालिकाले प्राप्त गरेको छ । योजनाको कार्यान्वयन खाकाका आधारमा नगरपालिकाको निर्वाचित सरकार, राजनीतिक दलहरु, सार्वजनिक विषय क्षेत्रगत सरोकारवालाहरु, नगरपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम आदिका माध्यमद्वारा योजनाको कार्यावयन गरिन्छ ।

११.१ नतिजामा आधारित व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

यस योजनाले तोकेका कार्यक्रम तथा परियोजनाहरुको कार्यान्वयन व्यवस्थापन, त्यसको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्न नगरपालिकाले न.पा.को उपमेयरको संयोजकत्वमा समिति निर्माण गर्नेछ । समितिको गठन निम्न अनुसार रहनेछ ।

संयोजक:	नगरपालिका उपमेयर
सदस्यहरु:	सम्पूर्ण वडा अध्यक्षहरु विषयगत शाखा प्रमुखहरु आमन्त्रित २ जना (स्थानीय वुद्धिजिवी, समाजसेवी, पत्रकार)
सदस्य सचिव:	योजना शाखा प्रमुख/ इन्जिनियर

१.१.२ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

आवधिक योजनाको सोच, लक्ष्य एवं उद्देश्य बमोजिम योजना कार्यान्वयन सही दिशातर्फ उन्मुख भए नभएको, योजनाले निर्धारण गरेका आयोजनाको सामाजिक प्रभाव तथा वित्त परिचालन प्रणाली पारदर्शी भए नभएको, आयोजना परिचालनका कमी कमजोरीहरु आदिका बारेमा सत्य तथ्य जानकारी प्राप्त गर्ने माध्यमका रूपमा अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रणालीको प्रयोग गर्ने गरिन्छ ।

नगरपालिकामा विकास साझेदारको सहयोगमा सञ्चालित कार्यक्रमहरु बाहेक नगरपालिकाको आफ्नै वार्षिक योजना कार्यान्वयन तालिका अनुसार लागु गर्ने पद्धतिको विकास भई नसकेको अवस्थामा यो आवधिक योजना मार्फत वार्षिक योजना कार्यान्वयनको वातावरण सिर्जना भई योजना अनुगमन तथा मूल्यांकनका लागि सहज वातावरण सिर्जना हुने अपेक्षा गरिएको छ । क्षेत्र विषयगत सूचकको आधारमा योजित कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने पद्धतिको विकास हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

१.१.३ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यको उद्देश्य

आवधिक योजनाले तय गरेका नगरपालिकाका कार्ययोजनाहरुको प्रभावकारिता तथा उपलब्धिको मापन प्रणालीको विकास गर्नु

१.१.४ रणनीति

- १ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन बमोजिमको अनुगमन संयन्त्रको परिचालन गर्ने ।
- २ आवधिक योजनाको मध्यावधि मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था गर्ने ।
- ३ पारदर्शिता तथा संस्थागत सुशासन कायम गर्नका लागि अनुगमन र मूल्यांकन प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्ने ।

१.१.५ मुख्य कार्यक्रम

- योजना कार्यान्वयन निकायहरुको क्षमता विकास ।
- क्षेत्र विषयगत मूल्यांकन र विश्लेषण सूचकहरुको निर्माण ।
- त्रैमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक अनुगमन कार्यान्वयन कार्यक्रम ।
- समीक्षा तथा स्थानीय समस्या समाधान समितिको बैठक ।

१.१.६ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यको प्रक्रिया र जिम्मेवारी

आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि नगरपालिकाले सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति मार्फत निम्न तालिका बमोजिमको अख्तियारीमा अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको प्रक्रिया अवलम्बन गर्नेछ ।

तालिका ४: आवधिक योजना अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रक्रिया खाका

क्र.स.	के अनुगमन गर्ने	कहिले अनुगमन गर्ने	कसरी अनुगमन गर्ने	कसले अनुगमन गर्ने
१	चालु योजना अन्तर्गतका क्रियाकलाप कसरी कार्यान्वयन भइराखेका छन् भन्ने वारेको	अनुगमन परियोजना पटके, मासिक, चौमासिक र वार्षिक	चौमासिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने, स्थलगत अनुगमन गर्ने,	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति, वडा समिति, सरकारी र गै.स.स.
२	प्रतिफल अनुगमन	चौमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक र मध्यावधि	स्थलगत अनुगमन गर्ने, वार्षिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने, नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने	नगरकार्यपालिका, सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति
३	असर तह	वार्षिक, मध्यावधि र अन्तिम बर्ष	सहभागितामूलक छलफल गर्ने, नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने, नमूना सर्वेक्षण गर्ने	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेस्रो पक्ष
४	प्रभाव तह	मध्यावधि र अन्तिम बर्ष	नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने, सहभागितामूलक छलफल गर्ने, अध्ययन तथा सर्वेक्षण गर्ने	सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेस्रो पक्ष

परिच्छेद III: अनुमान तथा जोखिम

यस योजनाले तय गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति, कार्यक्रम तथा योजनाहरूको सफल र प्रभावकारी कार्यान्वय हुने विश्वास गरिएको छ । प्रत्येक आर्थिक वर्षमा बार्षिक योजना तथा कार्यक्रम बनाउँदा नगरपालिकाले आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति, कार्यक्रम तथा योजना अनुसार नै बनाउने विश्वास गरिएको छ । प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि वित्तिय लगानी वृद्धि गर्न समयानुकूल कार्ययोजना बनाई संघ प्रदेश लगाएतका साझेदारहरूसँग समन्वय, सहकार्य गरिनु आवश्यक छ । दिन दुई गुणा रात चौगुणाका रूपमा प्रविधिको विकास भई रहेको सन्दर्भमा राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रविधि, ज्ञान र शिपको आदान प्रदान गर्न सक्ने र गर्ने संस्थागत विकास पालिकाको लागि सफल योजना कार्यान्वयनमा कोशेदुंगा सावित हुने अनुमान गरिएकोछ । योजना तर्जुमाको क्रममा गरिएका प्रक्षेपणहरू सिधा रेखिए वा गणितिय हिसावले गरिएको र सोही अनुसार विकास क्रमहरू क्रमिक रूपमा अगाडि बढ्ने अनुमान छ । समाज र विकासको क्रम गणितिय हिसावले मात्र नहुन सक्ने र २१ औं शताब्दीमा विश्व जगतको कुनै एक कुनामा भएको क्रमभंगता वा समस्याले नेपाललाई समेत असर गर्ने भएकोले परिस्थितिसँग जुध्न सक्ने क्षमताको विकास पालिकाले गर्ने अनुमान गरिएको छ ।

राजनीतिक ईच्छा शक्ति र कर्मचारी प्रशासनको सक्रियतामा कमि भएमा योजना कार्यान्वयन जोखिममा पर्न सक्छ । बार्षिक कार्यक्रमहरूले आवधिक योजनालाई पछ्याउन सकेन भने वा आवधिक योजनाको मर्म अनुसार अगाडि बढ्न नसकेमा लक्ष्य अनुसार काम नहुने जोखिम रहन्छ । नगरपालिकाले प्रक्षेपित राजश्व संकलनको लागि आवश्यक प्रयत्न, संघ र प्रदेशबाट आउने अनुदान, संघिय वा केन्द्रीय निकायहरूसँगको कार्यात्मक समन्वय आदिमा कमि रहन गएमा योजना जोखिममा पर्न सक्छ । योजनाले तय गरेका सबै पक्षमा सन्तुलित र दिगो विकासका लागि प्रयत्न गरेमा जोखिमलाई न्यूनीकरण गर्न सकिने प्रवल संभावना रहन्छ । पालिकाले आवधिक योजनालाई कानूनी रूपमा स्वीकृत गरेपनि व्यवहारिक रूपमा प्रयोग गर्न तर्फ ध्यान नदिने र योजनाको दस्तावेजलाई दराजको कुनामा थन्काउन सक्ने जोखिम मुख्य रूपमा रहेको छ ।

संघियताको कार्यान्वयन पछि स्थानीय तहहरू अझै पनि संक्रमण काल मानी रहेको र तथ्यांक प्रणालीको व्यवस्थित भैनसकेको अवस्थामा तथ्यपरक सूचना प्राप्त गर्नु र अनुमानित तथ्यांकमा आधारित योजना तर्जुमा गर्नुनै यस योजनाको मुख्य जोखिम पक्ष हो ।

प्राकृतिक प्रकोप, एवं महामारी जस्तै भूकम्प, बाढी पहिरो, कोरोना महामारी आदिका कारण पनि प्रस्तावित कतिपय योजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनहरू नहुने स्थिति सिर्जना हुन सक्ने अनुमान गर्न सकिन्छ ।

परिच्छेद ॥ नतिजा खाका

॥॥॥ परिचय

आवधिक योजनाले परिकल्पना गरेका सोंच, लक्ष्य, उद्देश्य कसरि प्राप्त हुन्छ भन्ने तथ्यलाई तर्कसंगत ढंगबाट नतिजा खाकामा प्रस्तुत गरिएको छ । राष्ट्रिय योजना आयोगले ल्याएको नतिजा खाकाको ढाँचालाई नै आधार मानि यस आवधिक योजनाको नतिजा खाका तयार गरिएको छ । नगरपालिकालाई वार्षिक र क्षेत्रगत योजनाहरु तय गर्न तथा संचालित योजनाको अनुगमन तथा मुल्यांकन गर्न र आवधिक योजना कार्यन्वयनको समिक्षा गर्न साथै मध्यकालीन खर्च संरचना तयार गर्न यस नतिजा खाकाले मदत गर्दछ ।

॥१२. नगरपालिकाको समष्टिगत क्षेत्र

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचना को स्रोत	जिम्मेवार निकाय	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४						
प्रभाव	प्रतिव्यक्ति आय	अमेरिकी डलर							राष्ट्रिय लेखा	के.त.वि.		१.१.२	१.४	१
	मानव विकास सूचकांक	सूचकांक	०.५५४	०.५७५	०.६१०	०.६४५	०.७१०	०.७५५					१.३	८
	गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या	प्रतिशत												८
	आय सूचकांक	सूचकांक	०.७५७											
	औषत आयु	वर्ष	७०.४२	७३	७४	७५	७६	७७						
असर	साक्षरता दर	प्रतिशत	७४.२५	७८	८१	८४	८७	९०						
	रोजगारी दर	प्रतिशत												
प्रतिफल	११९ पालिकामा खैरहनीको स्थान	स्थान												

॥३. कृषि तथा पशुपालन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	व्यवसायिक उत्पादनमा संलग्न कृषक	संख्या													
	अगुवा वा व्यवसायिक कृषक	संख्या													
	सक्रिय व्यवसायिक कृषक समूह	संख्या													
	स्थानीय व्यवसायिक कृषि फार्म	संख्या													
	तरकारी उत्पादन	मे.टन													
	फलफुल उत्पादन	मे.टन													
	व्यवसायिक कृषि नर्सरी	संख्या	२									४.२.१	१.३	२	
	कृषि उपज संकलन तथा बजार प्रवर्द्धन केन्द्र	संख्या										४.२.१	१.१	२	
	कृषि सहकारी संस्था	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	कोल्ड स्टोर संख्या	संख्या													
	उन्नत विउ, जैविक मल र विषादी प्रयोग गर्ने, आधुनिक कृषि प्रविधि प्रयोग गर्ने	परिवार													
	कृषि वीमा सेवावाट लाभान्वित कृषक														
	संचालनमा रहेको कृषिवजार, हाटवजार तथा कृषि थोकवजार														
	कृषि सूचना तथा वजार मूल्य जानकारीका लागि वनाइएको मोवाइल एप्स	संख्या	१												
	संचालनमा रहेको कृषि ब्लक, पकेट, जोन तथा सुपरजोन														

III.4 पर्यटन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	नगरपालिकाको राजश्व संकलनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत													
असर	पर्यटन क्षेत्रको आयको वृद्धिदर	प्रतिशत													
प्रतिफल	पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी सिर्जना	संख्या हजारमा													
	पर्यटकको सङ्ख्या														
	पर्यटकीय गन्तव्य	संख्या													
	पर्यटन सूचना केन्द्र	संख्या													
	पदमार्ग	संख्या													
	हेलिप्याड	संख्या													
	बेड	संख्या													
	पर्यटकीय सम्पदाको संरक्षण, नवनिर्माण र तरोन्नति	संख्या													
	पर्यटकीय पदमार्ग	कि.मि.													
	होमस्टे (सामुदायिक/निजि)	संख्या													
	कोशेली घर	संख्या	नभएको												

III.5. उद्योग

नतिजा स्तर		एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	नगरपालिकाको राजस्व संकलनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत							न.पा.	न.पा.			४.३.१	१.३	९
असर	औद्योगिक क्षेत्रमा औपचारिक तथा अनौपचारिक रोजगारी सिर्जना	संख्या							४.३.१	१.३		२.२.१	४.३.१	१.३	९
प्रतिफल	उद्योग दर्ता	संख्या										३.२.१	४.३.१	१.३	९
	मझौला उद्योग (रु. १५ करोड सम्मको)	संख्या										३.१.२	४.३.१	१.३	९
	घरेलु तथा साना उद्योग (रु. १ करोड सम्मको)	संख्या										१.१.३	४.३.१	१.३	९

नतिजा स्तर	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
			२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	साना उद्योग	संख्या									१.१.३	४.३.१	१.३	९
	स्थानीय सिप शैलीमा आधारित उद्योग	संख्या									१.१.२	४.३.१	१.३	९
	बाँसमा आधारित उद्योग	संख्या									१.१.३	४.३.१	१.३	९
	उद्योगबाट रोजगारी सिर्जना	संख्या									२.२.१	४.३.१	१.३	९
	औद्योगिक ग्राम स्थापना र संचालन	संख्या									३.२.१	४.३.१	१.३	९
	बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट ऋण लिएका सड तथा घरेलु उद्योग उद्योग	प्रतिशत									३.३.२	४.३.१	१.३	९

III.6. व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति

नतिजा स्तर		एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	नगरपालिकाको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा (थोक तथा खुद्रा व्यापार क्षेत्रको योगदान)	प्रतिशत									१.१	४.४.१.	१.४		
असर	व्यापार व्यवसायको विस्तार	रुपैया (करोडमा)									१.१	४.४.१.	१.४		
	कुल दर्ता भएका पसल संख्या										१.१	४.४.१.	१.४		
	सुचारु व्यापार व्यवसाय	संख्या									१.१	४.४.१.	१.४		
प्रतिफल	व्यापार व्यवसायको क्षेत्रमा संगलघ्न व्यक्ति)	संख्या									२.१	४.४.१.	१.४		
	बजार अनुगमन	पटक									२.३	४.४.१.	१.४		

III.7. श्रम तथा रोजगारी

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	रोजगारीको सिर्जनामा वृद्धि भएको हुने	प्रतिशत										१.१			८
असर	रोजगारीको लागि सूचना केन्द्र	संख्या										१.१			८
	बेरोजगारहरुको अध्यावधिक लागत तयार हुने											१.१			८
प्रतिफल	सिपमुलक तालिम सहित रोजगारीमा जानेको	संख्या										१.१			८
	तालिम प्रदान गर्ने संस्था	संख्या										२.१			८
	वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केर व्यवसाय गर्नेको संख्या	संख्या							न.पा. प्रतिवेदन	न.पा		१.२			८
	बाल श्रम मुक्त नगरपालिका हुने								न.पा. प्रतिवेदन, गै.स.स प्रतिवेदन	न.पा		३.१			

III.8. स्वास्थ्य तथा पोषण

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष	७०.०५									५.२.२	२.३	३	
असर	मातृमृत्यु दर (प्रत्येक १ लाख जीवित जन्ममा)	संख्या							स्वास्थ्य मन्त्रालय			५.२.२	२.३	३	
	५ वर्ष मुनीको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या										५.२.२	२.३	३	
	आधा घण्टाको दूरीमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच भएका घरधुरी	संख्या										५.२.२	२.३	३	
	सबै प्रकारका खोप लिएका बालबालिका	संख्या													
	विरामी पर्दा सर्वप्रथम स्वास्थ्य चौकी/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल जाने जनसंख्या	संख्या	६८५८२												
	२५०० ग्रामभन्दा कम जन्मतौल भएका शिशु	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	कुपोषणका कारण ५ वर्ष मुनीका वालवालिकाहरुको पुङ्कोपन र उचाई अनुसारको कम तौल भएकाहरु	संख्या	८	७	५	३	२	०					५.२.२	२.३	३
	नजिकको प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वा अस्पताल पुग्न लाग्ने औषत समय	मिनेट	३०	३०	२५	२०	१५	१५					५.२.२	२.३	३
प्रतिफल	स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूति गराउने गर्भवती महिला (न.पा भित्र)	प्रतिशत	२०	३०	५०	७०	९०	१००					५.२.२	२.३	३
	प्रसूति पूर्व प्रसूति सेवा ४ पटक प्राप्त गर्ने महिला	संख्या	२५	५०	६०	७०	८०	९०					५.२.२	२.३	३
	प्रसूति सेवा उपलब्ध भएका स्वास्थ्य संस्थाहरु	संख्या	१	१	२	३	४	४							
	झाडा पखालाको संक्रमण दर (प्रति हजारमा)	संख्या	१७	१५	१३	१२	११	१०							
	स्वाशप्रश्वासको संक्रमण दर प्रति हजारमा	संख्या	१९	१५	१३	१२	११	१०							
	स्वास्थ्य संस्थामा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी (स्वास्थ्यकर्मीको अनुपात)	संख्या	८०	१००	११०	१२०	१३०	१४०					५.२.२	२.३	३

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	भिटामिन ए प्राप्त गर्ने बालबालिका	प्रतिशत	१००					१००							
	परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दर	प्रतिशत	४५	७०	७५	८०	८५	९०				५.२.२	२.३	३	
	स्वास्थ्य वीमा गर्ने परिवार	प्रतिशत	६५	७५	८०	८५	९०	१००				५.२.२	२.३	३	
	स्वास्थ्य सूचना, शिक्षा र संचार सचेतना कार्यक्रममा सहभागि	संख्या													
	घुम्ती लगायत स्वास्थ्य शिविर पटक	संख्या	५	६	७	९	१०	१२							
	क्यान्सर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुटुरोग, क्षयरोग, एडस, कुष्ठरोग जस्ता रोगबाट मृत्यु भएकाहरु	संख्या													
	नागरिक आरोग्य कार्यक्रम संचालन भएको	संख्या	१	२	२	३	३	४							
	आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरु उपलब्ध भएका वडाहरु	संख्या	१३					१३							
	निजी तथा समुदायमा आधारित स्वास्थ्यकर्मी	संख्या	७५	९०	१०५	१२०	१३५	१५०							
	आधारभूत सुविधा (खानेपानी, शौचालय, वर्धिङ्ग वार्ड र परामर्श केन्द्र	संख्या	२	५	७	९	११	१३							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	आदी उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था														
	क्रियाशिल महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका	संख्या	३६					३६	न.पा.						
	योग, ध्यान तथा वैकल्पिक प्राकृतिक चिकित्सा (आयुर्वेदिक, होमियोप्याथिक, युनानी, अक्कुपञ्जर, आम्ची) उपचार पद्धति संचालन गर्ने संस्था	संख्या	१	२	३	४	४	५							
	कम्तीमा १५ शैयाको सुविधा सम्पन्न अस्पताल संचालन	संख्या	१					१							
	गाउँघर क्लिनिकको संख्या	संख्या	१३					१३							

॥११. शिक्षा

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	विद्यालय वाहिर रहेका ५-१५ वर्ष उमेर समूहका बालबालिका	प्रतिशत						०							
	माध्यमिक तह (९-१२) को खूद भर्नादर	प्रतिशत	४८.२६	५३	५८	६३	६८	७५					५.१.२	१.२	४
	कक्षा १२ को निरन्तरता दर	प्रतिशत													
	कक्षा ८ सिकाई उपलब्धी दर	प्रतिशत													
	बालमैत्री सिकाइ विधि अवलम्बल गर्ने विद्यालय	प्रतिशत													
	बालमैत्री आधारभूत पूर्वाधार र सुविधा (भवन, चर्पी, खानेपानी, खेलकुद मैदान, घेरावार, फर्निचर) उपलब्ध भएका विद्यालय	संख्या	५०					१००							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
			२०७८/७९	२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	वालमैत्री, छात्रामैत्री, अपाङ्गतामैत्री र भूकम्प प्रतिरोधात्मक संचरना भएको विद्यालय	संख्या													
	आइसिटि सेवा उपलब्ध भएको विद्यालय	संख्या													
	छात्रवृत्ती पाउने विद्यार्थी संख्या	संख्या													
	वालक्लव गठन भएका विद्यालय	संख्या													
	शिक्षक विद्यार्थी अनुपात (आधारभूत)	संख्या	३९	४५	५०	६०	७०	८०							
	महिला शिक्षकको अनुपात (शिक्षकसंग)	संख्या													
	व्यवस्थित विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत	
			२०७८/७९	२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४								
	उच्च शिक्षा अध्यापन गर्ने (क्याम्पस) शिक्षण संस्था	संख्या	०						१							
	विषयगत तालिम प्राप्त शिक्षकहरु	संख्या														
	सिटिडिभिटाट सम्वद्र्धनमा संचालित प्राविधिक विद्यालय	संख्या														
	सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक धारको अध्यापन गराउने विद्यालय	संख्या														
	आधारभूत तहमा स्थानीय मातृभाषामा पठनपाठन गर्ने विद्यालय	संख्या														
	नियमित अध्ययन गर्न नसक्ने विद्यार्थीका लागि माध्यमिक तह सम्मको अनौपचारिक	संख्या							१							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	वा खुल्ला शिक्षा दिने विद्यालय														
	राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कोषबाट लाभान्वित विद्यालय	संख्या													
	जनसंख्या वनोट र भौगोलिक अवस्थाको आधारमा नक्साङ्कन गरी समायोजना तथा एकीकरण भएका विद्यालय	संख्या													
	दिवा खाजा प्रदान गर्ने विद्यालयहरु	संख्या													
	स्यानीटरी प्याड र नर्स सेवा उपलब्ध भएको विद्यालय	संख्या													

॥११०. महिला बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	वृद्ध अवस्थाको सूचकाङ्क (Index of Ageing)	सूचाङ्क							सर्वेक्षण				५.३.४	२.२	
असर	सुरक्षित तथा सम्मानजनक जीवनयापन गर्ने ज्येष्ठ नागरिक	प्रतिशत							Happiness Index				५.३.४	२.२	
प्रतिफल	सुविधा सम्पन्न ज्येष्ठ नागरिक सामुदायिक भवन स्थापना तथा सञ्चालन	वटा							सा.वि.म.	सा.वि.म. अन्तर्गतका निकाय			५.३.४	२.२	
	दिवा सेवा केन्द्रको स्थापना	वटा							म तथा बालबालिका विभाग				५.३.४	२.२	
	ज्येष्ठ नागरिक कोषको स्थापना	वटा											५.३.४	२.२	

॥॥॥ लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तिकरण

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	लैङ्गिक विकास सूचकाङ्क	सूचकाङ्क										५.३.२	२.२	५	
	लैङ्गिक हिंसा न्यूनिकरण	प्रतिशत										५.३.२	२.२	५	
	लैङ्गिक असमानता न्यूनिकरण	सूचकाङ्क										५.३.२	२.२	५	
	रोजगार महिला र पुरुषको मासिक आम्दानीको अनुपात (मुख्य कामबाट)	अनुपात										५.३.२	२.२	५	
	सम्पत्ति (घरजग्गामा) एकल स्वामित्व भएका महिला (१५ देखि ४९ वर्ष)	प्रतिशत										५.३.२	२.२	५	
	जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यैन हिंसा पीडित महिला	प्रतिशत													
	विगत १२ महिनामा शारीरिक वा														

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	मानसिक वा घैन हिंसा पीडित महिला														
	महिला श्रम सहभागिता दर	प्रतिशत										५.३.२	२.२		
प्रतिफल	सम्पत्ति माथिको महिलाको स्वामित्व (घर जग्गा)	प्रतिशत	३१.८९	४५	५०	५५	६०	६५				५.३.२	२.२	१	
	महिलाको औषत आयु	प्रतिशत	७१	७१.५	७१.७	७२	७२.५	७३							
	विभिन्न संघ, संस्था, समुह तथा निर्णायक तहमा महिला	प्रतिशत										५.३.२	२.२	५	
	व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्राप्त महिला	प्रतिशत										५.३.२	२.२	५	
	महिला उद्यमशीलता, क्षमता तथा सीप विकास कार्यक्रमका लागि वजेट व्यवस्था	रू.													
	घरव्यवहार तथा कारोबार सम्बन्धी निर्णयमा महिला	प्रतिशत										५.३.२	२.२	५	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	सहभागी हुने परिवार														
	महिला संजाल तथा आमा समूहहरु	संख्या													
	अन्तरपाटी महिला संजाल	संख्या													
	महिला सहकारी संस्था र आवद्ध सदस्य	संख्या, संख्या										५.३.२	२.२		
	वहु विवाह गर्नेहरु	प्रतिशत													
	एकल महिला सुरक्षा कोषमा जम्मा भएको रकम	रु.										५.३.२	२.२		
	कृषि, पशुपंक्षी, स्वास्थ्य लगायत क्षेत्रमा महिला प्राविधिक	संख्या										५.३.२	२.२		
	हिंसापीडित महिलाको उद्धार, राहत, मनोसामाजिक परामर्श र कानूनी उपचारका लागि पुनस्थापना केन्द्र	संख्या										५.३.२	२.२		

बालबालिका															
नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	श्रममा संलग्न बालबालिका तथा किशोरकिशोरी	प्रतिशत								के.त.वि.			५.३.३	२.२	५
असर	पाँच वर्षमुनिका बालबालिकाको जन्म दर्ता												५.३.३	२.२	५
प्रतिफल	अल्पकालिन बाल संरक्षण केन्द्रको संचालन												५.३.३	२.२	५
	बाल विवाह (कूल जनसंख्याको)	प्रतिशत													
	बालबालिका क्लब गठन	संख्या													
	वडास्तरीय बालसंजाल	संख्या													
	वालश्रम तथा शोषणमा रहेका वालवालिका	संख्या													

अपाङ्गता भएका व्यक्ति															
नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	अपाङ्गता न्युनीकरण	प्रतिशत							जनगणना				५.३.५	२.२	
असर	अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी र सम्मानजनक जीवनयापन								Happiness Index				५.३.५	२.२	
प्रतिफल	अपाङ्गता क्लव	संख्या													
	अपाङ्गताको सीप, क्षमता, रोजगारी वृद्धिका लागि संचालन तालिका कार्यक्रमहरु	रु.											५.३.५	२.२	
	लैंगिक हिंसा र छुवाछुत सम्बन्धी कूल वार्षिक घटनाको	प्रतिशत													

III.2 सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	सामाजिक सुरक्षाको अनुभूति सूचकाङ्क	सूचकाङ्क							मा.वि.स.	रायोआ				२.२	
	आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आबद्ध जनसंख्या	प्रतिशत							नेपाल श्रमशक्ति सर्वेक्षण	के.त.वि					
असर	सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्राप्त जनसंख्या	प्रतिशत							SDG	रायोआ				२.२	
	स्थानीय बजेटमा सामाजिक सुरक्षामा भएको खर्च	प्रतिशत												२.२	१
	बैंक खाता भएको परिवार	प्रतिशत							NDHS	केतवि					१

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	औपचारिक वित्तीय सेवाहरूबाट समेटिएका परिवार	प्रतिशत													
	स्वास्थ्य बिमामा आबद्ध जनसंख्या	प्रतिशत							वार्षिक प्रतिवेदन	स्वास्थ्य बिमा बोर्ड					
प्रतिफल	सामाजिक सुरक्षावाट लाभान्वित जनसंख्या	प्रतिशत													
	परिवर्तित स्थानीय सांस्तरचना तथा कानून अनुसार समावेशी समिति, संयन्त्र तथा संजालमा महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र अन्य	प्रतिशत													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	पिछडिएको वर्गको प्रतिनिधित्व														
	जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका बालबालिकाको आपत्कालीन उद्धार तथा संरक्षण व्यवस्थापन	जना												२.२	
	वृद्धाश्रम दिवा सेवा केन्द्र	संख्या								सामाजिक सुरक्षा शाखा				२.२	
	सीपमूलक तालिम प्राप्त अपाङ्गता भएका व्यक्ति	जना								सामाजिक सुरक्षा शाखा				२.२	

॥१३. युवा तथा खेलकुद

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	युवा वेरोजगारीता	संख्या								के.त.वि			५.४.१	१.४	
असर	उद्योग, व्यापार व्यवसायमा युवाहरुको आवद्धता	प्रतिशत													
प्रतिफल	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत युवा रोजगार सेवा केन्द्रवाट लाभान्वित युवाहरु	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.१	१.४	
	स्थानीय तहको संरचनामा युवाहरुको संलग्नता	प्रतिशत							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.१	१.४	
	युवा क्लव, संजाल तथा संस्था	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.१	१.४	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	युवा खेलकुद अभ्यास प्रशिक्षण केन्द्र	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	
	कवर्डहल तथा खेलकुद मैदान	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	
	पालिकाद्वारा संचालित पालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	
	राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलाडी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	

॥॥॥ वस्ती तथा आवास

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	तथा सुरक्षित प्रवर्द्धन गरिएका आवास क्षेत्र	संख्या	५	१०	१५	२०	२५	३०		के.त.वि			६.१.३	१.१	१.१
असर	जोखिमयुक्त वस्तीहरु	संख्या	१३	११	९	७	५	३							
प्रतिफल	भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति	संख्या	९९	१३०	१६०	१९०	२२०	२५०	वार्षिक प्रतिवेदन						
	भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका सार्वजनिक भवन	संख्या	१५०	१९०	२३०	२७०	३१०	३५०	वार्षिक प्रतिवेदन						

निकाश	निकाश	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका निजी आवास तथा संरचनाहरु	संख्या	१९२१	२३००	२७००	३१००	३५००	३९००	वार्षिक प्रतिवेदन						
	आधारभूत पूर्वाधार सहित व्यवस्थित बजार	संख्या	१	२	३	४	५	६	वार्षिक प्रतिवेदन						
	सुविधा सम्पन्न उद्यान सहितको खुल्ला पार्क क्षेत्र	संख्या	०	२	५	८	१०	१३	वार्षिक प्रतिवेदन				६.१.३	१.१	११
	व्यवस्थित वसपार्क तथा वस स्टेशन	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	सुविधा सम्पन्न सामुदायिक, महिला, ज्येष्ठ नागरिक तथा सभा भवन	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						

॥॥॥. सडक पुल तथा यातायात

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	कालोपत्रे सडकको लम्वाई	कि.मि	६०	७०	८०	९५	११५	१३५					६.२.१	१.१	
असर	ग्राभल सडकको लम्वाई	कि.मि	२०					२५					६.२.१	१.१	
प्रतिफल	धुले सडक लम्वाई	कि.मि	१५					१५	वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	कृषि सडकको लम्वाई	कि.मि							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	पक्की पुल (वेलीब्रिज समेत)	संख्या	८	९	१०	११	१२	१४	वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	सहायक नदीमा झोलुङ्गे पुल	संख्या	१८					८	वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	आंशिक रुपमा सार्वजनिक	कि.मि	८२					२००	वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	यातायात सुचारु सडक लम्वाई														
	स्थानीय स्तरमा संचालित ४ पाङ्ग सार्वजनिक यातायात	संख्या	१८					७५	वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	पालिका केन्द्रवाट वडा कार्यालय सम्म जोडिएको सडक	संख्या	५					८	वार्षिक प्रतिवेदन						
	सडक संजालवाट नजोडिएका वस्तीहरु	संख्या	१५					२०							
	१५ मिनेट सम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको घरपरिवार	संख्या	१०					१००							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	नजिकको पिच भएको पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने समय	घण्टा	५					३०							
	जिल्ला, प्रदेश तथा राष्ट्रिय स्तरका सडक संजाल	संख्या	१					१							
	अन्तरपालिका सडक संजाल संख्या र लम्वाई	संख्या/कि.मि	५६/२८०					७५/३००							
	सडक नाली भएको सडक संख्या र लम्वाई	संख्या/कि.मि	३०/२५					५०/६०							
	नियमित मर्मत संभार भएको सडकको लम्वाई	कि.मि	६७					७५							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	वायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधि र सडक साइड वृक्षारोपण	कि.मि													
	डिपिआर तयार, वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन, प्रारम्भिक वातावरण परीक्षण आदि गरी निर्माण भएका सडक लम्वाई	कि.मि													
	वार्षिक सडक दुर्घटनाको संख्या	संख्या	५	५	४	४	३	३							

III.6. खानेपानी तथा सरसफाई

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचना को स्रोत	जिम्मेवा र निकाय	अनुमा न तथा जोखि म	स्थानीय लक्ष्य/रणनी ति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनी ति संकेत	दीर्घकाली न राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	निजी धारा उपलब्ध घरपरिवार	प्रतिशत													
असर	उपचार गरिएको वा सुरक्षित खानेपानी सुविधा प्राप्त घरधुरी	संख्या													
प्रतिफल	कुवा, मुल, नदी खोलाको पानी प्रयोग गर्ने घरधुरी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेद न						
	वर्षभरी खानेपानी सेवा उपलब्ध नभएका घरधुरी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेद न						
	स्वच्छ (प्यान भएको) शौचालय भएका घरधुरी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेद न						
	सार्वजनिक शौचालयहरु	संख्या							वार्षिक प्रतिवेद न						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचना को स्रोत	जिम्मेवा र निकाय	अनुमा न तथा जोखि म	स्थानीय लक्ष्य/रणनी ति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनी ति संकेत	दीर्घकाली न राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	जोखिमयुक्त अवस्थामा साबुनपानीले हातधुने जनसंख्या	प्रतिशत						१००	वार्षिक प्रतिवेद न						
	फोहोर वर्गीकरण गरी विसर्जन गर्ने परिवार	संख्या						२५००	वार्षिक प्रतिवेद न						
	सक्रिय खानेपानी र सरसफाई उपभोक्ता समिति	संख्या						१५	वार्षिक प्रतिवेद न						
	शौचालय नभएका घरघुरी	संख्या						०							
	खाल्डे शौचालय भएको घरघुरी	संख्या						०							
	घर आँगन तथा शौचालयवाट निष्कृत फोहोरलाई व्यवस्थित गर्ने घरपरिवार	संख्या						२५००							

॥११७. सिंचाई

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	बाह्रै महिना सिंचाई हुने कृषियोग्य भूमि	हेक्टर	६०	७५	८०	८५	९०	९५					६.५.१	१.१	२
असर	आकाशे पानीको भरमा सिंचाई हुने भुमि	हेक्टर	२०	१५	१०	५	३	१					६.५.१	१.१	२
	सिंचाईका आधुनिक पूर्वाधार निर्माणबाट सिंचाई क्षेत्र विस्तार	हेक्टर	५	२०	३०	४०	५०	६०					६.५.१	१.१	२

III.18. विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य तथा रणनीति	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	नगरपालिकामा विद्युत सेवा पुगेका परिवार	प्रतिशत													७
	उर्जा उपभोगमा सौर्य उर्जाको उपभोग प्रतिशत														७
असर	प्रति व्यक्ति विद्युत खपत	किलो वाट							उर्जा जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय				६.३.१	४.१	७
	विद्युतमा पहुँच प्राप्त जनसंख्या	प्रतिशत						१००	न.पा. पार्श्वचित्र					१.१	७
	सुधारिएको चुलोको प्रयोग	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७
	सडक बत्तिको संख्या								वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७
प्रतिफल	बायोग्यास जडान घरधुरी संख्या								वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७
	सोलार प्यानल जडान	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७

॥१११. सूचना संचार तथा प्रविधि

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घकालीन विकास लक्ष्य संकेत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५							
प्रभाव	केवल नेटवर्कवाट लाभान्वित घरधुरी	प्रतिशत													
असर	स्थानीय केवल नेटवर्क सेवा प्रदायक संस्था	प्रतिशत	७०	७२	७५	८०	८५	९०							
प्रतिफल	ल्याण्डलाइन टेलिफोन सुविधा	प्रतिशत	२०												
	मोबाइल प्रयोगकर्ता	संख्या	४००००	४५०००	४८०००	५२०००	५७०००	६००००							
	सि.सि.क्यामेरा जडान भएका सार्वजनिक स्थल	संख्या	२१	४०	६०	८०	९०	१००							
	सूचना प्रविधि प्रयोग गर्ने उद्योग,	संख्या	३४०					शत प्रतिशत							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५							
	व्यापार, व्यवसायहरु														
	विद्यालय लगायत सार्वजनिक भवन तथा कार्यालयहरुमा इन्टरनेट सेवा सुचारु	संख्या	५६					शत प्रतिशत							
	स्थानीय स्तरमा संचालित एफएम रेडियो	संख्या	२		३			३							
	क्रियाशील पत्रकार	संख्या	४	६	८	१०	१२	१४							
	स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्ने संस्था	संख्या	३	३	४	४	५	५							

III.20. वन तथा जैविक विविधता

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
प्रभाव	जैविक विविधता संरक्षण क्षेत्रफल	वर्ग कि.मि	२,३४,६०९	२,३४,६०९							
असर	संरक्षित तथा व्यवस्थित वन क्षेत्र	प्रतिशत	१००	१००							
प्रतिफल	समुदयाबता व्यवस्थापन भएको वनको क्षेत्रफल	हेक्टर	१७८२०९	१० % ले बढाउने							
	भूक्षय र बाढी सम्बेदनशील क्षेत्र	प्रतिशत	१२ रोपनी	५ % अझ व्यवस्थित गर्ने							
	जलाधार संरक्षण	संख्या	८	१०							
	वनमा आधारित उद्योग ष्ठसयाबता रोजगारी	संख्या									
	जलवायु परिवर्तन	संख्या									

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
	सम्बन्धि तालिम										
	सामुदायिक वन बनले ओगटेको क्षेत्र र सामुदायिक सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहमा आवद्ध सदस्य संख्या	हेक्टर/संख्या		५ % ले बढाउने							
	वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र	हेक्टर	१५००	२०००							
	मनोरंजन पार्क तथा हरित पार्क	संख्या	५	२५							

॥११॥ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्ष लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
प्रभाव											
असर	संरक्षित पानी मुहान क्षेत्र	संख्या									
प्रतिफल	संरक्षित खेतबारीको क्षेत्रफल	प्रतिशत	८०	९०							
	नदी नियन्त्रण लम्बाई	किमि	४०	४५							
	स्पर तथा बाँध, चेकड्याम	किमि	२५	५ % ले बढाउने							
	संरक्षित गल्छी र पहिरो	संख्या									
	संरक्षित भू-क्षय र बाढी संवेदनशील क्षेत्र	संख्या									
	संरक्षित र व्यवस्थित तालतलैया र सिमसार क्षेत्र	संख्या									
	जल उत्पन्न प्रकोपवाट प्रभावित घरपरिवार	संख्या									
	वायोइन्जिनियरिङ प्रविधि प्रयोग संरचनाको लम्बाई	किमि									
	सुरक्षित, एकीकृत र व्यवस्थित वस्ती-आवास क्षेत्र	संख्या									
	अयोग्य वस्ती वा स्थानमा बसोबास गरेका परिवार	संख्या									

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
	प्रयोगमा आएको फोहोरमैला व्यवस्थापन प्रणाली	संख्या	३	२६							
	कम्प्युटर-विन र गार्वेज-पिट प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत									
	निष्काशित फोहोरमैलाको औषत परिमाण	मे.टन	५	१							
	नियमित सरसफाइको अभ्यास गर्ने घरधुरी	प्रतिशत	९०	१००							
	प्रशोधन गरिएको फोहोरमैला अनुपात	प्रतिशत	४०	१००							
	व्यवस्थित ढल निकास भएको वजार क्षेत्र	संख्या	५	२५							
	शौचालय, घर आँगनको कुहिने फोहोरलाई व्यवस्थित गर्नेको	संख्या	९५	१००							
	परम्परागत उर्जा (दाउरा) प्रयोग गर्ने घरधुरी	संख्या	५	०							
	घरभित्रको धुवाँमुक्त घरधुरी	प्रतिशत	५	०							
	घर, कार्यालय एंव अस्पतालको नकुहिने, नगल्ने, नसड्ने प्लाष्टिकजन्य पफोहोरलाई सुरक्षित विसर्जन गर्नेको	संख्या									

III.22. विपद व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
प्रभाव	विपदबाट भएको बार्षिक क्षती (जग्गा, संरचना, बाली नाली, पशुपंक्षी र अन्य सम्पत्ती)	रु. हजार	५००००००	१५०००००							
असर	खुल्ला क्षेत्र तथा स्थानहरु	संख्या	५	२५							
प्रतिफल	आपतकालीन उद्धारका लागि तालिम प्राप्त स्वयंसेवक	जना	१३०	१०००							
	विपद् व्यवस्थापन स्थानीय कोषमा भएको रकम	रु.	८०००००००	१२०००००००							
	विपद् व्यवस्थापनमा क्रियाशील संघ-संस्थाहरु	संख्या	१०	५०							
	विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य समिति गठन भएका वडाहरु	संख्या	०								
	विपद प्रतिकार्यका लागि भएको आपतकालीन नमूना अभ्यास	संख्या	५	१२५							
	विपद व्यवस्थापन सूचना प्रणाली तथा पूर्वचेतावनी प्रणाली जडान भएका क्षेत्रहरु	संख्या	३	१३							
	आपतकालीन उद्धारका लागि अत्यवश्यक एम्बुलेन्स तथा वरुणयन्त्रको व्यवस्था	संख्या	२	२०							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीर्घ विकास लक्ष्य संकेत
	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन न्यूनीकरण सम्बन्धी सचेतना लगायतका कार्यक्रम संचालन	संख्या	४	१००							
	तटबन्ध निर्माण	कि.मी.									
	नदी उकास व्यवस्थापन	कि.मी.									

अनुसूची

बहुक्षेत्रगत लगानी योजना

माइन्सुट

फोटोग्राफ

नक्शा

प्रश्नावली

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट													जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
आर्थिक-		कृषि																
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	पकेट तथा ब्लक प्रणाली अन्तर्गत बृहत एवं व्यवसायिक हिसाबले खाद्यन्न, तरकारी, फलफूल, नगदे बाली आदि खेतिगर्नाका लागि सम्भाव्य सबै स्थान/ क्षेत्रहरूमा कुन उपजकोलागि जमिन उपयुक्त हुन्छ र त्यसबाट के कति परिमाणमा उत्पादन हुन्छ सो निर्धारण गर्ने।	नभएको		१०००	२०००				३०००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	कृषि प्रतिवेदन	कृषि शाखा	न.पा.		
			१.१.१.२	नगरपालिका कृषि शाखाको मातहतमा रहने गरि नगरपालिका भित्रका कृषकहरूको खेतबारीको माटो जाँचका लागि माटो त्यावको स्थापना गर्ने	संख्या	२	२०००	१०००	३०००	५००	५००	७०००	प्रदेश, न.पा., निजी क्षेत्र	कृषि प्रतिवेदन	कृषि शाखा	न.पा.		
			१.१.१.३	प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना अन्तर्गत जोन र पकेट क्षेत्र (धान, केरा, मोरीपालन, तोरी र तरकारी) सञ्चालनका लागि तोकिएको मापदण्ड र कार्यविधि बमोजिम कार्यान्वयन गर्ने।	मापदण्ड	नभएको	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	कृषि प्रतिवेदन	कृषि शाखा	न.पा.		
			१.१.१.४	कृषि उत्पादन र वजार मूल्यवारे तथ्याङ्क प्रणाली विकास गर्न आवश्यक पहल गर्ने	प्रणाली	नभएको	२०००	१००	१००	१००	१००	२४००	न.पा.	कृषि प्रतिवेदन	कृषि शाखा	न.पा.		
		१.१.२	१.१.२.१	प्रत्येक वडामा बालि विरूवा जाँच कार्य सञ्चालन गर्ने	संख्या	अपर्याप्त	१६	८००	८००	३००	३००	२५००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	शिविर सञ्चालन	कृषि शाखा	न.पा.		
			१.१.३	१.१.३.१	कृषक तथ्याङ्कलाई अध्यावधिक गर्ने र कृषि व्यवसायलाई सुरक्षित गर्न अनिवार्य बाली विमा गर्न कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गर्न विमा गर्दा कृषकले बेहोर्ने प्रिमियम रकम नगरपालिकाले बेहोर्ने व्यवस्था मिलाउने	संख्या	अपर्याप्त	सबै उत्पानको विमा	१५००	१५००	१५००	१५००	७५००	न.पा., निजी क्षेत्र,	प्रतिवेदन	कृषि शाखा	न.पा.	
			१.१.४	१.१.४.१	प्रत्येक वडामा कृषि उपज संकलन केन्द्र व्यवस्थापन गर्ने	व्यवस्थापन	नभएको	व्यवस्थित बजार	२०००	३५००	२०००	१०००	९५००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	संकलन केन्द्र	कृषि शाखा	न.पा.	
			१.१.५	१.१.५.१	नगरपालिकाको भू-उपयोग नीति र कानुन तर्जुमा गर्ने		नभएको		२०००	३००	३००	३००	३२००	न.पा.	नीति तर्जुमा	न.पा.	न.पा.	
			१.१.६	१.१.६.१	घुम्टी कृषि प्रसार मार्फत कृषकहरूलाई बाली संरक्षण र उत्पादनोपरान्त क्षति न्यूनीकरणका लागि कृषकहरूलाई विभिन्न प्रविधि र सौप विकास तालिम सञ्चालन गर्ने	संख्या	नभएको	वर्षमा २ पटक	७५०	७५०	७५०	७५०	३७५०	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	धुम्टी कृषि प्रसार कार्यक्रम	न.पा.	न.पा.	
			१.१.७	१.१.७.१	गोठ तथा नस्ल सुधार कार्यक्रम	संख्या	नभएको	वर्षमा २ पटक	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	गोठ तथा नस्ल सुधार	न.पा.	न.पा.	
			१.१.८	१.१.८.१	खेती योग्य जमीन बाझो राख्नेलाई जर्िवाना लगाउने	संख्या	नभएको		३००	३००	३००	३००	१५००	न.पा.		न.पा.	न.पा.	
			१.१.९	१.१.९.१	उत्कृष्ट किसान छनोट गरि किसान सम्मान कार्यक्रमको थालनी गर्ने	संख्या	नभएको	वर्षमा १ पटक	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	किसान सम्मान कार्यक्रम	न.पा.	न.पा.	
			१.१.१०	१.१.१०.१	प्रत्येक वडामा कृषक, समूह, सहकारीलाई तरकारी खेती, फलफूल खेती, सम्बन्धि तालिम प्रदान गर्ने	संख्या	नभएको	वर्षमा २ पटक	१०००	५००	५००	२०००	२०००	६०००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	तालिम सञ्चालन	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.
	१.२	१.२.१	१.२.१.१	स-साना जमिनमा बृहत रूपले व्यवसायिक खेति गर्न जग्गा एकिकरण गर्न सकिन्छ सो को अध्ययन गर्ने।	संख्या	नभएको	१	२००००	३००००	१००००	२००००	१००००	९००००	न.पा., निजी क्षेत्र	अध्ययन प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.	
			१.२.१.२	नेपाल ग्रामिण पुर्ननिर्माण संस्था खेरहनी ३, रामपुर क्याम्पस खेरहनी र खेरहनी नगरपालिकाको सहकार्यमा एकिकृत कृषि पद्धती सम्बन्धि अध्ययन अनुसन्धान र प्रचार प्रसारको विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने		अपर्याप्त	१	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	सामुहिक खेती	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		
		१.३	१.३.१	१.३.१.१	कृषिको आधुनिकीकरणको लागि किसानलाई उत्प्रेरित गर्न उपकरण खरिदमा नगरपालिकाले सब्सिडी (आंशिक आर्थिक सहयोग) प्रदान गर्ने।	प्रतिशत	अपर्याप्त		१००००	१००००	१००००	१००००	१००००	५००००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	आधुनिक उपकरण खरीदमा वृद्धि	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.
		१.४	१.४.१	१.४.१.१	बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूबाट सामूहिक जमाना बिना धितो सरल एवं कम ब्याज दरमा ऋण दिने व्यवस्थाको लागि नगरपालिकाले पहल गर्ने।		अपर्याप्त		५०	५०	५०	५०	२५०	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	सरल कर्जा उपलब्धि	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.	
		१.५	१.५.१	१.५.१.१	उपयुक्त ठाँउमा कृषि पकेट क्षेत्र संचालन गर्ने	संख्या	अपुग		१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा., निजी क्षेत्र,	पकेट क्षेत्र सञ्चालन	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.	
			१.५.१.२	एक वडा एक कृषि कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने		नभएको		१००	१००	१००	१००	५००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	वडागत कृषि कार्यक्रम	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		
			१.५.१.३	कृषि तथा पशुपक्षि सम्बन्धि तथ्याङ्क अध्यावधिक गर्ने	संख्या			१००	१००	१००	१००	५००	न.पा., निजी क्षेत्र,	तथ्याङ्क अध्यावधिक	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		
			१.६.१.१	कृषि उत्पादनको बजार प्रबर्द्धनको लागि शित गृह, कृषि उपज भण्डारण तथा हाटबजार, दाना उद्योग, बिज भण्डार, मह प्रशोधन प्लान्ट सञ्चालन गर्ने				१००००	१००००	१००००	१००००	५००००	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	कृषि बजार प्रबर्द्धन	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		
			१.६.२.१	रसायनिक मल, विषादि तथा विउ विक्रि गर्ने सहकारी संस्था लगायत अन्य विक्रि केन्द्र (एग्रोभेट) हरूमा नियमित अनुगमन गरी मल विउ र विषादीको सुरक्षित र उपयुक्त प्रयोग सम्बन्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने				१००	१००	१००	१००	५००	न.पा., निजी क्षेत्र,	तथ्याङ्क अध्यावधिक	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		
			१.६.२.२	कृषि सेवाका लागि भित्रिने मेशीनरी औजार, उपकरण आदीलाई राजश्वको दायरामा ल्याई सञ्चालनको व्यवस्था मिलाउने, तिनको वडा र नगरस्तरबाट आवश्यक अनुगमन र नियमन गर्ने				५०	५०	५०	५०	२५०	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	कृषि सेवा राजश्वको दायरा	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	बिचौलियाको अन्त्य गर्न सहकारी वा अन्य कुनै उपयुक्त तरिकाबाट कृषि उत्पादनको बजारीकरण गर्न नगरपालिकाले सहजीकरण गर्ने।				५०	५०	५०	५०	२५०	न.पा., निजी क्षेत्र, सहकारी	कृषि उत्पादनको बजारीकरणमा सहज	कृषि शाखा, न.पा.	न.पा.		

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय
व्यापार व्यवसाय																
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	न.पा.मा स्थापना हुने व्यवसायिक फर्म, पसलहरुको दर्ता तथा नवीकरण गर्न वार्षिक रुपमा चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने	संख्या	5	30	40	40	50	50	210	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. वडा कार्यालय	गा. पा.
			१.१.१.२	नगरपालिकामा रहेको सम्पूर्ण पसल तथा व्यवसायको दर्ता गर्ने कार्य लाई अभियानको रुपमा अघि सार्ने	पटक	5		20	20	20	20	80	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
			१.१.१.३	प्रत्येक वर्ष सबै भन्दा बढी कर बुझाउने एक जना व्यवसायीलाई पुरस्कृत गर्ने	संख्या	5	50	50	50	55	55	260	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. गै.स.स.	गा. पा.
		१.१.२	१.१.२.१	व्यवसाय दर्ता, नवीकरण तथा खारेजी कम्प्युटर तथा सफ्टवेयरको माध्यमबाट गर्ने	संख्या	1	200	200	200	200	200	1000	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
			१.१.२.२	वडा कार्यालय बाटने व्यवसाय दर्ता हुने व्यवस्था मिलाउने	संख्या	5	300	100	100	100	100	700	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. वडा कार्यालय	गा. पा.
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	दैनिक उपभोग्य सामग्री आपूर्ति गर्ने मिजि क्षेत्रलाई सहूलियत तथा कर छुटको व्यवस्था गर्ने		5		50	50	50	50	200	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
			२.१.२	२.१.२.१	उन्नत जातका विउ तथा मलको आपूर्ति गर्न सहकारीलाई सहूलियत दिने			1000	1000	1000	1000	5000	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन , सहकारीको वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
			२.१.२.२	कृषि उपकरणको आपूर्ति तथा वितरण सहकारी मार्फत गर्ने				1000	1000	1000	1000	5000	न.पा. सहकारी	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन , सहकारीको वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
	२.२	२.२.१	२.२.१.१	साप्ताहिक हाटको लागि व्यवस्थित स्थल निर्माण गर्ने	संख्या	1			700			700	न.पा. मिजि क्षेत्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन तथा पार्श्वचित्र	न.पा. मिजि क्षेत्र	गा. पा.
			२.२.१.२	बजार व्यवस्थित गर्ने	संख्या	1		500				500	न.पा. मिजि क्षेत्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. बजार समिति	गा. पा.
		२.२.२	२.२.२.१	उपयुक्त ठाँउमा सुपथ मूल्य पसल संचालन गर्ने	संख्या	2		1000		1100		2100	न.पा. सहकारी	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन तथा पार्श्वचित्र	न.पा.	गा. पा.
	2.3	२.३.१	२.३.१.१	जनप्रतिनिधि/ व्यापारी सहितको अनुगमन समिति गठन गर्ने	संख्या	1	10	10	10	10	10	50	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
			२.३.१.२	प्रत्येक ६ महिनामा बजार अनुगमन गर्ने र प्रतिवेदन तयार गरि पेश गर्ने	पटक	10		60	60	70	80	270	न.पा., मिजि क्षेत्र , सहकारी	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन, अनुगमन प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
		२.३.२	२.३.२.१	गुणस्तरीय तथा नियमित सामग्री आपूर्ति गर्न व्यापारीहरुलाई अभिमुखीकरण गर्ने	संख्या	5		20	20	20	20	80	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. गै.स.स.	गा. पा.
			२.३.२.२	विद्यालयमा तथा समुदायमा उपभोक्ता हक सम्बन्धि चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने	संख्या	5		20	20	20	20	80	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	युवा समुह, वडा कार्यालय	गा. पा.
			२.३.२.३	आमा समुह, महिला समुह बीच वस्तु तथा सामानको गुणस्तर सम्बन्धि चेतनामुलक छलफल संचालन गर्ने	संख्या	10		20	20	20	20	80	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स., आमा समुह , महिला समुह	गा. पा. गै.स.स
			२.३.२.४	रेडियो कार्यक्रम मार्फत चेतनामुलक सन्देश प्रसारण गर्ने	संख्या	1		50	30	30	30	140	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. गै.स.स.	गा. पा. गै.स.स
			२.३.२.५	वस्तु तथा सामानको गुणस्तरप्रति नागरिकलाई सचेत गराउन फ्लोट छाप्ने र वितरण गर्ने	संख्या	1			50	50	50	150	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. गै.स.स.	गा. पा. गै.स.स
3	3.1	३.१.१	३.१.१.१	प्रत्येक वर्ष सबै भन्दा बढी कृषि जन्य सामग्री निर्यात गर्ने १ जना किसानलाई पुरस्कृत गर्ने	संख्या	1		50	60	60	70	240	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
	3.2	३.२.१	३.२.१.१	स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरण लागि विज्ञापन गर्ने	संख्या	1		30	30	30	30	120	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	गा. पा.
			३.२.१.२	स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरणका लागि बजार क्षेत्रमा पसल संचालन गर्ने	संख्या	1				2500		2500	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन तथा पार्श्वचित्र	सहकारी, मिजि क्षेत्र	न. पा.
		३.२.२	३.२.२.१	उपयुक्त स्थान+E105मा कोशेली घरको स्थापना गर्ने	संख्या	2		1000		1000		2000	गा. पा. सहकारी	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन तथा पार्श्वचित्र	सहकारी, महिला समुह	न. पा. सहकारी
			३.२.२.२	सामान लोड अनलोड गर्ने स्थान तोकौं व्यवस्थित गर्ने	संख्या	1				1500		1500	न.पा. मिजि क्षेत्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन तथा पार्श्वचित्र	मिजि क्षेत्र	न.पा.

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय							
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय					
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	पाँच बिगाह वा सो भन्दा बढी क्षेत्रफलको जग्गामा ५ वा सो भन्दा बढी उद्योग एकिकृत रूपमा स्थापना गरी मिनी औद्योगिक ग्रामको रूपमा विकास गर्ने	संख्या	नभएको	१	१२०००				१२०००	न.पा.	नगरपालिकाको वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.					
			१.१.१.२	वडा ३ मा औद्योगिक क्षेत्रको स्थापनाको लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने	संख्या	नभएको	१	५००				५००	न.पा.	नगरपालिकाको वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.					
			१.१.१.३	औद्योगिक ग्राम स्थापनाका लागि जग्गाको व्यवस्थापन गर्ने	संख्या	नभएको	१	३०				३०	न.पा.	नगरपालिकाको वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.					
			१.१.१.४	औद्योगिक ग्रामको स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन तथा डी.पि.आर तयार गर्ने	संख्या	नभएको	१		१५००			१५००	न.पा.	नगरपालिकाको वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.					
			१.१.१.५	औद्योगिक ग्राम स्थलमा आवश्यक आधारभूत पूर्वाधार (पहुँच बाटो, पानी, निकास, विद्युत सेवा आदि) विकास गर्ने		नभएको	१		२००००	२००००	२००००	२००००	८००००	संघीय सरकार, प्रदेश सरकार, विद्युत प्राधिकरण, न.पा. निजि क्षेत्र	संघीय सरकार, प्रदेश सरकार, विद्युत प्राधिकरण, न.पा. निजि क्षेत्र	संघीय सरकार, प्रदेश सरकार, विद्युत प्राधिकरण, न.पा. निजि क्षेत्र	संघीय सरकार, प्रदेश सरकार, न.पा.				
	१.२	१.२.२	१.२.२.१	वातावरण मैत्री ठूला उद्योग स्थापनामा कर छुटको व्यवस्था गर्ने	संख्या	नभएको						०	न.पा.		निजि क्षेत्र						
			१.२.२.२	ठूला उद्योग स्थापना गर्न अगाडि EIA अनिवार्य गराउने								०	न.पा.								
			१.२.२.३	वडा ५ र ७ मा विद्युत आपूर्ति निरन्तर रूपमा पुर्याउने	संख्या	नभएको	३	५००			१२००	१७००	न.पा., विद्युत प्राधिकरण	न.पा.पार्श्वचित्र	निजि क्षेत्र	न.पा., उ.बा.सं.					
			१.२.२.४	वडा १ मा आलुको परिकार (चिप्स, दालमोठ) बनाउने सम्बन्धि उद्योगलाई विस्तार गर्ने	संख्या	१	५	३००				३००	निजि क्षेत्र	न.पा.पार्श्वचित्र	निजि क्षेत्र	न.पा., उ.बा.सं.					
			१.२.२.५	वडा २ मा निर्माण सम्बन्धि उद्योग बिस्तार गर्ने (जस्ता, ब्लक, रंग)	संख्या	१	३	२०००			२०००	४०००	निजि क्षेत्र, न.पा.	न.पा.पार्श्वचित्र	निजि क्षेत्र	न.पा., उ.बा.सं.					
	१.२	१.२.१	१.२.१.१	नगरपालिकामा दर्ता नभई सञ्चालनमा रहेको व्यवसायलाई व्यवसाय दर्ता नविकरण तथा व्यवसाय कर संकलनको लागि घरदैलो कार्यक्रम तौन्न रूपमा अधि बढाउने ।	संख्या	नभएको	वर्षमा २ पटक	१०००	५००	५००	३००	२००	२५००	न.पा.	न.पा.पार्श्वचित्र	निजि क्षेत्र					
			१.२.१.२	नगरमा सञ्चालनमा रहेका उद्योग व्यवसायको तथ्याङ्क व्यवस्थित गरी उद्योग सम्बन्धि प्रोफाइल तयार गर्ने ।	संख्या	नभएको	१	५००	३००				८००	न.पा.	न.पा.पार्श्वचित्र						
			१.२.१.३	मध्यवर्ति क्षेत्र र राष्ट्रिय निकुञ्ज आसपासका क्षेत्रमा सञ्चालन हुने उद्योग तथा व्यवसायको सहजरूपमा दर्ताका लागि चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जसँग समन्वय गरी सहजीकरण गर्न ।				३००	२००	२००	२००	१००	१०००	न.पा.	न.पा.पार्श्वचित्र						
			१.२.२	१.२.२.१	व्यवसाय दर्ता व्यवस्थापन प्रणालीमा सुधार गर्न सफ्टवेयरको प्रयोग गर्ने	संख्या	नभएको	१	४००	१००	१००	१००	१००	८००	न.पा., गै.स.स	न.पा.पार्श्वचित्र	निजि क्षेत्र				
			१.२.३	१.२.३.१	व्यवसाय दर्ताको अभिलेख व्यवस्थापन वडा कार्यालयमा बाट पनि अधि बढाउने	संख्या	नभएको	१३००	१३००	६५०	६५०	६५०	४५५०	न.पा., गै.स.स	न.पा.पार्श्वचित्र	निजि क्षेत्र					
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	चिप्स, भुजिया बनाउने तालिम दिने	संख्या	नभएको	२		७००		७५०	१४५०	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	निजि क्षेत्र	न.पा.					
			२.१.१.२	आधुनिक फर्निचर बनाउने सम्बन्धि तालिम दिने	पटक	अर्पयाप्त	५	४००	४००	४००	४००	४००	२०००	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मंइपा कार्यक्रम), गै.स.स	न.पा.				
			२.१.१.३	Basic accounting and management सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	१०	१००	१२०	१३०	१५०	१६०	६६०	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मंइपा कार्यक्रम), गै.स.स	न.पा.				
			२.१.१.४	उद्यमीका लागि बजारीकरण सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने	पटक		५	१००	१२०	१३०	१५०	१६०	६६०	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मंइपा कार्यक्रम), गै.स.स	न.पा.				
	२.१.२	२.१.२.१	हाल परम्परागत रूपमा उद्यम संचालन गरिरहेका व्यक्तिहरूको पहिचान (कागज, तोरी मिल, मह उत्पादन निर्माण आदि)	पटक	नभएको	१	३००					३००	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मंइपा कार्यक्रम), गै.स.स	न.पा.					
	२.१.३	२.१.३.१	परम्परागत रूपमा उद्यम संचालन गरिरहेका व्यक्तिहरूका लागि क्षमता विकास सम्बन्धि तालिम (Advance level) संचालन गर्ने	संख्या	नभएको	३	१५०		२००		२२५	५७५	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मंइपा कार्यक्रम), गै.स.स	न.पा.					
	२.१.३	२.१.३.२	उद्यमी तथा उद्योग संचालन गर्ने चाहने व्यक्तिका लागि आधारभूत कम्प्युटर सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने	पटक	अर्पयाप्त	५	२००	३००	३२०	३५०	४००	१५७०	न.पा., गै.स.स	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मंइपा कार्यक्रम), गै.स.स	न.पा.					
	२.१.४	२.१.४.१	कृषि विद्यालयमा कृषि उत्पादनलाई ग्रेडीड गर्ने तथा प्रसोधन गर्ने सम्बन्धि कक्षा संचालन गर्ने	संख्या	नभएको	१	५०	५०	५०	५०	५०	२५०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	कृषि विद्यालय, वडा कार्यालय	कृषि ज्ञान केन्द्र, न.पा.					

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	नगरपालिकामा उद्योग स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरि उद्योग विकास योजना तयार गर्ने	संख्या	नभएको	१		१०००				१०००	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.
		३.१.२	३.१.२.१	उद्योग स्थापना,संचालन तथा व्यवस्थापन ऐन तर्जुमा गरि लागु गर्ने	संख्या	नभएको	१	५०				५०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.	
			३.१.२.२	सबै प्रकारका उद्यम स्थापना तथा संचालन गर्न आवश्यक पर्ने मापदण्ड तयार गरि लागु गर्ने	संख्या	नभएको	१	४०				४०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.	
			३.१.२.३	उद्योग स्थापनामा छुट, सहूलियत दिने सम्बन्धि कार्यविधि तयार गरि लागु गर्ने	संख्या	नभएको	१	३०				३०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.	
	३.२	३.२.१	३.२.१.१	लगानी आकर्षित गर्न विभिन्न सरोकारवाला (निजि क्षेत्र, सहकारी, सरकारी) बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	५	३०	४०	४५	५०	६०	२२५	न.पा. सहकारी	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.निजि क्षेत्र, बैंक, लघुवित्त, सहकारी	न.पा.
		३.३.२	३.३.२.१	सहकारीमा भएको वित्तीय स्रोतलाई उद्योग स्थापना तथा संचालनमा परिचालन गर्न प्रोत्साहन गर्ने		नभएको		१००	१००	१००	१००	१००	५००	न.पा. सहकारी	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. सहकारी, गै.स.स.	नगरपालिका
			३.३.२.२	सहकारीको लगानीमा स्थापना भएका उद्योगलाई विशेष छुटको व्यवस्था गर्ने		नभएको		५०	५०	५०	५०	५०	२५०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.सहकारी	न.पा.सहकारी
			३.३.२.३	आधुनिक प्रविधि सहकारी मार्फत भित्र्याउने सो का लागि सहकारीलाई सहूलियत दिने	संख्या	नभएको			१०००	१०००	१०००	१०००	४०००	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., सहकारी, निजि क्षेत्र	न.पा. सहकारी
		३.३.३	३.३.३.१	साना तथा घरेलु उद्यम स्थापनामा आमा समूह, महिला समूह, युवा समूह (क्लब) लाई प्रोत्साहन गर्न कार्यक्रम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	१०	१२०	१२५	१३०	१३५	१४०	६५०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. सहकारी, गै.स.सं.	न.पा. सहकारी, गै.स.सं.
	३.४	३.४.१	३.४.१.१	उद्योग तथा व्यवसायको सुरक्षाको प्रत्यभूतिका लागि सुरक्षा निकाय संग पहल गर्ने		नभएको				५०	४०	३०	१२०	संघिय सरकार, नगरपालिका	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. संघीय सरकार	न.पा. संघीय सरकार

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय						
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय				
		३.४.२	३.४.२.१	उद्योग व्यवसायको लगानी सुरक्षित गर्न विमा सम्बन्धि छलफल गर्ने	संख्या	नभएको	५	२५	२५	२५	२५	१२५	न.पा. विमा कम्पनीहरु	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	विमा कम्पनीहरु	न.पा.				
			३.४.२.२	उद्योगलाई विमा गराउन प्रोत्साहन गर्ने		नभएको		५००	५००	५००	५००	१५००	न.पा. विमा कम्पनीहरु	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	विमा कम्पनीहरु	न.पा.				
४	४.१	४.१.१	४.१.१.१	एक वस्ती एक उत्पादन सम्बन्धि अध्ययन गर्ने	संख्या	नभएको	१	५००				५००	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.				
			४.१.२	उत्पादित सामग्रीको गुणस्तर परिक्षणका लागि विभिन्न निकाय संग समन्वय गर्ने		नभएको	१			३००	२००	५००	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.				
			४.१.२.२	उत्पादित सामग्रीको ब्रान्ड निर्माण गर्न पहल गर्ने	संख्या	नभएको	१			५००		५००	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.				
			४.१.३.१	बजार अनुगमन, गुणस्तरियता परीक्षणको कार्यलाई सरोकारवालाहरु सबैको सहभागितामा प्रभावकारी तथा नियमित रूपले अगाडी बढाउने। (वार्षिक रुपमा)	संख्या	नभएको	५		२०	५०	५०	१७०	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.(मेडपा कार्यक्रम), गै.स. स	उ.बा.सं, नुवाकोट, न.पा. प्रदेश सरकार				

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट													जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
आर्थिक – श्रम तथा रोजगारी																		
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	नगरपालिकाका रोजगार तथा बेरोजगार व्यक्तिहरूको सम्बन्धन गरि अभिलेख तयार गर्ने	पटक	नभएको	1	1000				1000	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. गै.स.स.	न.पा.		
			१.१.१.२	नगरपालिकाका रोजगार तथा बेरोजगार व्यक्तिहरूको सम्बन्धन गरि अभिलेख नियमित अद्यावधिक गर्न सफ्टवेयरको प्रयोग गर्ने	संख्या	नभएको	1	1000				1000	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			१.१.१.३	स्थानीय रोजगार तथा बेरोजगारको दर्ता गर्ने सम्बन्धमा वडा मार्फत स्थानीयलाई जानकारी गराउने	संख्या	नभएको		50	50	50	50	200	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			१.१.१.४	स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरूले बेरोजगार युवाहरूलाई प्राथमिकताकासाथ रोजगारी दिने कार्यमा नगरपालिकाबाट आवश्यक सहजीकरण गर्ने		नभएको		50	50	50	50	200	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
		१.१.२	१.१.२.१	मानव स्रोत विकास योजना तयार गर्ने	संख्या	नभएको	1	1500				1500	न.पा.	योजना प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			१.१.२.२	रोजगार सेवा केन्द्र संचालन गर्ने	संख्या	1	1	265	265	270	275	285	1363	न.पा. युवा रोजगारीका लागि रुपान्तरण पहल परियोजना	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.	
			१.१.२.३	रोजगार सेवा केन्द्र सुदृढीकरण गर्ने (कम्प्युटर, फर्निचर, क्यामरा तथा अन्य विद्युतीय उपकरण खरिद)				300	20	20	20	380	न.पा. युवा रोजगारीका लागि रुपान्तरण पहल परियोजना	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
	१.२	१.२.१	१.२.१.१	स्थानीय स्तरमा रोजगारी सिर्जना गर्ने २ जना उद्यमीलाई सम्मान गर्ने (वार्षिक रुपमा)	संख्या	नभएको	8	100	100	100	100	500	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			१.२.१.२	स्वरोजगारका लागि स्थानीय युवालाई प्रस्तावको आधारमा सहयोग गर्न मेयरसंग रोजगार कार्यक्रम संचालन गर्ने	संख्या	अपुग	1		2000			2000	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			१.२.१.३	विपन्न वर्ग तथा युवा स्वरोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत आ.व. ०७९/०८० मा १०० जनालाई १०० दिन बराबरको रोजगारी उपलब्ध गराउने	संख्या			1000	1000	1000	1000	5000	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
		१.२.२	१.२.२.१	युवा स्वरोजगार कोषको रकमलाई सहकारी संस्थाहरू मार्फत गरिबी मुनिकरण कार्यक्रम संचालनमा प्रयोग गर्ने		नभएको		100	100	100	100	500	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
		१.२.३	१.२.३.१	बैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका व्यक्तिलाई आयमुलक क्षेत्रमा लगानी गर्न वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	4	75	75	75	75	300	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स.	न.पा.		
		१.३.२	१.३.२.१	उपभोक्ता समिति मार्फत सम्पन्न हुने प्रकृतिका योजनाहरू कार्यान्वयन गर्दा बेरोजगार सूचीमा सूचीकृत व्यक्तिहरूलाई प्राथमिकता दिने		नभएको		15	15	15	१५	300	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स.	न.पा.		
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	मागका आधारमा तालिम (वार्षिक २ प्रकारका तालिम) संचालन गर्ने	पटक	नभएको	5	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा.(मेड्या कार्याक्रम)	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			२.१.१.२	वार्षिक रुपमा २ जनालाई आधुनिक सिप मुलक तालिम लिन नगरपालिका बाहिर पठाउन सहयोग गर्ने	संख्या	नभएको	8		500	500	500	2000	न.पा. सौधय सरकार, प्रदेश सरकार	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
		२.२	२.२.१	सिप प्रमाणीकरण गर्न वार्षिक रुपमा कार्यक्रम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	4		150	150	150	600	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स. CTEVT	न.पा.		
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिकको नियमित भुक्तानी तथा समान ज्यालाका विषयमा समय समयमा अन्तरक्रिया तथा छलफल गर्ने	पटक	नभएको	4		100	100	100	400	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स.	न.पा.		
			३.१.१.४	बाल अधिकार सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने	पटक		5	80	80	80	80	400	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स.	न.पा.		
			३.१.१.२	बाल श्रम विरुद्ध ठाउँ ठाउँमा जानकारीमुलक होर्डिङ बोर्ड राख्ने	संख्या	नभएको	10		100	100	100	400	न.पा. गै.स.स.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	गै.स.स.	न.पा.		
		३.१.५	३.१.५.१	माजदुर पेसन सम्बन्धि कार्यविधि तयार गरी लागु गर्ने	संख्या	नभएको	1	50				50	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय
		पर्यटन														
१.१.१.	१.१.१	१.१.१.१	गन्तव्यहरूको पहिचान, अध्ययन र अनुसन्धान गरी तस्वीर र भिडियो सहित अभिलेख तयार गर्ने।	संख्या	नभएको	१	१०००					१०००	न.पा.	प्रतिवेदन	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.१.१.२	फन पार्क, खेलकुद मैदान मर्मत गर्ने	संख्या	नभएको	१	१००	१००	१००	१००	१००	५००	नगरपालिका		नगरपालिका	नगरपालिका
		१.१.२	नगरपालिका भित्र सम्भव भएका विभिन्न पर्यटनका प्रकार (प्या पयटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहासिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, कृषि पर्यटन)हरूको तथा पर्यटनका गतिविधि (राफ्टिङ, कृषि कार्यशाला, हाईकीड, जङ्गल सफारी, फन पार्क)सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने ।	संख्या	नभएको	१	२०००					२०००	नगरपालिका	प्रतिवेदन	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.१.२.२	नगरपालिका भित्र उत्पादन हुने हस्तकलाको अध्ययन गरी त्यसलाई पर्यटकका लागि कोशेलीको रूपमा बजारोकरण गर्ने ।	संख्या	नभएको	१	५००					५००	नगरपालिका	प्रतिवेदन	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.१.२.३	विभिन्न साहसिक खेल खेल उपयुक्त स्थानको पहिचान गरी नीजि क्षेत्रलाई आकर्षण गर्ने	संख्या	नभएको	१		५०				५०	नगरपालिका		नगरपालिका	नगरपालिका
		१.१.३	पर्यटन गुरूयोजना तयार गर्ने ।	संख्या	नभएको	१		१०००				१०००	नगरपालिका	गुरू योजना	नगरपालिका	नगरपालिका, वडा कार्यालय
	१.२	१.२.१	खैरनी नगरपालिकाको वडा नं. १३ अवस्थित हर्नरीमा "हर्नरी पर्यटक सञ्चालन केन्द्र" को स्थापना गर्ने ।	संख्या	नभएको	१			५००			५००	नगरपालिका	डि.पि.आर. प्रतिवेदन		नगरपालिका
		१.२.२	फन पार्कको निर्माण गर्ने ।	संख्या	नभएको	१				१००००		१००००	नगरपालिका	पार्क निर्माण	न.पा., निजी क्षेत्र	नगरपालिका
		१.२.२.३	नगरपालिका भित्र बसोबास गर्ने विभिन्न जातजाति का मौलिकता, कला संस्कृति, पहिचान झल्कने श्रुत सामग्रीको प्रदर्शनी (Exhibition) गर्नुका साथै स्थापना भएका सङ्ग्रालयहरूको सरोजति गर्ने ।	कि.मि	नभएको	१	१००	१००	१००	१००	१००	५००	नगरपालिका	लालिपुरस पदमार्ग निर्माण	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.२.२.४	पर्यटक सूचना केन्द्रको निर्माण	संख्या	नभएको	१	१०००	१०००	१०००			३०००	नगरपालिका	केन्द्रको निर्माण भएको	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.२.२.५	नगरस्तरीय सेमिनार हल निर्माण गर्ने ।	संख्या	नभएको	१				१००००		१००००	नगरपालिका, प्रदेश सरकार	सेमिनार हल निर्माण भएको	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.२.२.६	कोशेली घर निर्माण।	संख्या	नभएको	१		२०००				२०००	नगरपालिका, निजि क्षेत्र	कोशेली घरको निर्माण	न.पा., निजी क्षेत्र	नगरपालिका
	१.३	१.३.१	स्थानीय स्रोत र साधन प्रयोग गरी पर्यटन कोशेली तयार पार्न आवश्यक तालिम कार्यक्रम	संख्या	नभएको	१	१००	१००	१००	१००	१००	५००	नगरपालिका, निजि क्षेत्र	जनशक्तिको विकास हुनेछ	नगरपालिका	नगरपालिका
		१.३.१.२	कोशेली बनाउने कारखाना संचालन गर्ने	संख्या	नभएको	१		५०००				५०००	नगरपालिका, निजि क्षेत्र	कोशेली घरको निर्माण	निजि क्षेत्र, नगरपा	नगरपालिका
२	२.१	२.१.१	नगरपालिकामा भएको मानव संसाधनको अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने ।	संख्या	नभएको	२	१५०					१५०	नगरपालिका	प्रतिवेदन	नगरपालिका	नगरपालिका
		२.१.२	मानव संसाधन योजना तयार गर्ने ।	संख्या	नभएको	२	१००					१००	नगरपालिका	योजना प्रतिवेदन	नगरपालिका	नगरपालिका
		२.१.२.३	कुक तथा वेटर तालिम दिने ।	संख्या	नभएको	२	१००		१००			३००	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	जनशक्तिको विकास	नगरपालिका	नगरपालिका
		२.१.२.४	पथप्रदर्शक तालिम दिने ।	संख्या	नभएको	२	१००		१००			३००	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	जनशक्तिको विकास	नगरपालिका	नगरपालिका
		२.१.२.५	घरवास तालिम कार्यक्रम संचालन गर्ने ।	संख्या	नभएको	२	१००	१००				२००	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	घरवासको विकास भएको हुनेछ	निजि क्षेत्र, नगरपा	नगरपालिका
	३	३.१	३.१.१	खैरनीको बारेमा यथार्थ पुस्तक, अडियो, भिजवल तयार गर्ने ।	संख्या	नभएको	३		५००			५००	नगरपालिका	यथार्थ पुस्तक, अडियो, भिजवल तयार	नगरपालिका	नगरपालिका
		३.१.२	३.१.२.१	धार्मिक पर्यटकहरूलाई ध्यानमा राखि धार्मिक पर्यटनका उपजहरूको विकास गरी प्रचार प्रसार गर्ने।	संख्या	नभएको	३	५०	५०			१००	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	यात्रा कार्यक्रम	निजि क्षेत्र	नगरपालिका
		३.१.३	३.१.३.१	नगरक्षेत्रभित्र रहने पर्यटकीय क्षेत्रहरू कंकाली पिकनिक स्थल, कुमरोज सामुदायिक वन र कुचकुचे सामुदायिक वन र अन्य सम्भाव्यस्थलहरूको विकासका लागि थप योजना सहित पर्यटन प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रमहरू अगाडि बढाउने ।	संख्या	नभएको	३		५००			५००	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	नगरपालिकाको वार्षिक प्रतिवेदन	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	नगरपालिका,
		३.१.३.२	नगरक्षेत्रभित्रका पर्यटकीय सम्भावना बोकेका स्थलहरूको सूचना र जानकारी सार्वजनिककरण गर्ने पालिकाको Web site, Mobile App. र Social Site मार्फत संचित्र प्रचारप्रसार गर्ने कार्यको थालनी गर्ने ।	संख्या	नभएको	३	५००					५००	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	नगरपालिकाको वार्षिक प्रतिवेदन	निजि क्षेत्र, नगरपालिका	नगरपालिका,
४	४.१	४.१.१	४.१.१.१	नगरपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी अभिलेख तयार गर्ने ।	संख्या	नभएको	४	२००				२००	नगरपालिका	प्रतिवेदन	नगरपालिका	नगरपालिका
		४.१.२	४.१.२.१	नगरपालिकाका विभिन्न गन्तव्यहरूमा फोहोर संकलनका लिग डस्टबिन राख्ने।	संख्या	नभएको	४	३००		१००		५००	नगरपालिका	डस्टबिन राख्नेको हुनेछ	नगरपालिका	नगरपालिका
		४.१.२.२	फोहोरलाई न्यूनीकरण र व्यवस्थापन गर्न सचेतना कार्यक्रमको व्यवस्था गर्ने	संख्या	नभएको	४	२००	१००	१००	१००	१००	६००	नगरपालिका	फोहोर व्यवस्थापन भएको हुनेछ	नगरपालिका	नगरपालिका
		४.१.३	४.१.३.१	ऐतिहासिक धार्मिक तथा परातात्विक मठ, मन्दिर र, गुम्बा, मस्जिदको संरक्षण तथा उपयोगलाई सम्बन्धित क्षेत्रको आयआर्जनसंग अन्तर सम्बन्धित गर्ने नीति अबलम्बन गरिनेछ ।	संख्या	नभएको	४					०	नगरपालिका	भविष्यमा निर्माण हुने भवनहरूनगरले तोकेको वास्तु विधि	नगरपालिका	नगरपालिका

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट												जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
स्वास्थ्य तथा पोषण			स्वास्थ्य तथा पोषण														
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक मेसिनरी औजार, त्याब सामग्री लगायत प्रतिविधेय सामग्रीहरूको व्यवस्था गर्ने	संख्या	अपुग	५	10000	10000	10000	10000	10000	50000	प्रदेश, न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	भवन	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
			१.१.१.२	१५ शैयाको अस्पतालमा स्तरोन्नती भएको खैरहनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रलाई व्यवस्थित ढंगबाट सञ्चालन गर्न अस्पताल सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि तयार गर्ने	संख्या		१	500				500	प्रदेश, न.पा.,	कार्य विधि तयार	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका	
			१.१.१.३	चैनपुर स्वास्थ्य चौकीलाई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रमा स्तरोन्नती गर्न आवश्यक भौतिक पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने	संख्या	अपुग	५	10000	10000	10000	10000	50000	न.पा., निजी क्षेत्र गै.स.स	भौतिक पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका	
		१.१.२	१.१.२.१	एम्बुलेन्स सेवालाई चुस्त बनाईने	सेवा	अव्यवस्थित	चुस्त	200	200	200	200	200	1000	न.पा., निजी क्षेत्र गै.स.स	चुस्त एम्बुलेन्स सेवा	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय
		१.१.३	१.१.३.१	आकस्मिक सेवा व्यवस्थापन (धुमती एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन)	सेवा	अव्यवस्थित	चुस्त	2000	1500	1500	1500	1500	8000	पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	आकस्मिक सेवा उपलब्धता	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय
			१.१.३.२	कठार स्वास्थ्य चौकीमा निर्मित प्रयोगशाला सञ्चालनमा ल्याउने		सञ्चालन नभएको		1000	1000	500	500	500	3500	पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	आकस्मिक सेवा उपलब्धता	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
			१.१.३.३	प्रत्येक वडामा वर्षको एक पटक विशेषज्ञ डाक्टर सहितको निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	संख्या	नभएको	१२	2500	2500	2500	2500	2500	12500	पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	विशेषज्ञ निशुल्क शिविर	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय
			१.१.३.४	मृगौला रोगको डायलाईसिस गर्न जाने बिरामीलाई उपलब्ध गराउँदै, आएको यातायात सुविधालाई निरन्तरता दिने	सुविधा	नभएको		65	65	65	65	65	325	न.पा.	मृगौला रोगीलाई यातायात सुविधा	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
			१.१.३.५	HIV संक्रमितहरूका परिवारका लागि पोषण सहयोगस्वरूप मासिक रूपमा निश्चित रकम उपलब्ध गराउने कार्यक्रमलाई निरन्तरता	सहयोग	नभएको	निरन्तर	200	200	200	200	200	1000	न.पा.	संक्रमितहरूका परिवारका लागि पोषण सहयोग	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
			१.१.३.६	क्षयरोग, कुष्ठरोग खोजपडताल शिविर सञ्चालन गर्नुको साथै कुष्ठरोगीलाई यातायात खर्च बापत निश्चित रकम उपलब्ध गराउने	सहयोग	नभएको	निरन्तर	200	200	200	200	200	1000	न.पा.	खोजपडताल शिविर साथै कुष्ठरोगीलाई यातायात खर्च	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
१	१.२	१.२.१	१.२.१.१	विपन्न नागरिक, मृगौला रोगी तथा कलेजोको सिरोसिस विरामीलाई स्वास्थ्य बिमामा लाग्ने न्यूनतम रकममा ५० प्रतिशत अनुदान उपलब्ध गराउने	प्रतिशत	नभएको	सत प्रतिशत	2000	2000	2000	2000	2000	10000	न.पा.	विपन्न नागरिक, मृगौला रोगी तथा कलेजोको सिरोसिस विरामीलाई स्वास्थ्य बिमा	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
१	१.३	१.३.१	१.३.१.१	मातृशिशु मृत्युदर तथा बाल मृत्युदर घटाउन २४ घण्टे प्रसूती सेवालाई निरन्तरता दिदै घरमा हुने सुकेरीलाई शुन्यमा झार्ने ।	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	400	400	400	400	400	2000	पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	आमा स्वास्थ्य सुधार	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय
			१.३.१.२	माहिलाहरूको पाठेघरको मुखको क्यान्सर, स्तन क्यान्सर तथा पाठेघर खसेको समस्याको खोजपडताल तथा उपचारको लागि विश्व चिकित्सकको सहभागितामा शिविर सञ्चालन गर्ने	प्रतिशत	नभएको	सत प्रतिशत	200	200	200	200	200	1000	पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	माहिला स्वास्थ्य सुधार	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
१	१.३	१.३.३	१.३.३.१	धुमती शिविर मार्फत दीर्घ रोगी, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई आवश्यक पर्ने नियमित स्वास्थ्य सेवा	प्रतिशत	नभएको	सत प्रतिशत	200	200	200	200	200	1000	न.पा., निजी क्षेत्र गै.स.स	दाय रग्मा, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई नियमित स्वास्थ्य सेवा उपलब्धता	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
			१.३.३.२	७० वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकलाई स्वास्थ्यकर्मीले महिनाकै एक निश्चित दिनमा घर घरमा गई स्वास्थ्य परीक्षण गर्नको लागि बा आमा स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	सेवा	नभएको		100	100	100	100	100	500	न.पा., निजी क्षेत्र गै.स.स	७० वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकलाई नियमित स्वास्थ्य सेवा उपलब्धता	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका
१	१.४	१.४.१	१.४.१.१	महामारी नियन्त्रण तथा रोकथाम र उपचारका लागि औषधी तथा सुरक्षात्मक सामग्री अभाव नहुने गरी व्यवस्था गर्ने	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	4000	4000	4000	4000	4000	20000	प्रदेश, पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	औषधी तथा सुरक्षात्मक सामग्री प्राप्ती	पालिका, स्वास्थ्य शाखा, गै.स.स	पालिका
			१.४.१.२	स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट निःशुल्क वितरण हुने औषधीहरूको अभाव नहुने गरी व्यवस्था गर्ने	सेवा	नभएको		100	100	100	100	100	500	प्रदेश, पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	निशुल्क औषधी प्राप्ती	पालिका, स्वास्थ्य शाखा, गै.स.स	पालिका
			१.४.१.३	दीर्घ रोगी, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई आवश्यक पर्ने र सरकारले दिने निशुल्क औषधी सम्भवतया घरदैलोमा पुर्याउने	प्रतिशत	नभएको	सत प्रतिशत	300	300	300	300	300	1500	प्रदेश, पालिका, गै.स.स	दाय रग्मा, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई घरदैलोमा निशुल्क औषधी	न.पा., स्वास्थ्य शाखा	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	कर्मचारी क्षमता विकास तालिम	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	500	500	500	500	500	2500	पालिका, प्रदेश, गै.स.स	कर्मचारीको क्षमता विकास	पालिका, स्वास्थ्य शाखा, गै.स.स	पालिका
			२.१.१.२	खैरहनी नगर अस्पतालको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षण गरी आवश्यक स्वास्थ्यकर्मीहरूको दरबन्दी स्वीकृतिको पहल गर्ने ।	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	10000	10000	10000	10000	10000	50000	पालिका, प्रदेश, गै.स.स	खैरहनी नगर अस्पतालमा कर्मचारी व्यवस्थापन	पालिका, स्वास्थ्य शाखा, गै.स.स	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय
२	२.१	२.१.२	२.१.२.१	वर्धिङ सेन्टरमा कार्यरत नर्सिग स्टाफहरूलाई समयसापेक्ष तालिमको व्यवस्था गर्ने	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	300	300	300	300	300	1500	पालिका, प्रदेश, गै.स.स	तालिम प्राप्त नर्सिङ स्टाफ	पालिका, स्वास्थ्य शाखा, गै.स.स	पालिका

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय							
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७९/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय					
२	२.२	२.२.१	२.२.१.१	स्वास्थ्यकर्मीहरू तथा महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूको क्षमता अभिवृद्धि स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रमको लागि अनुदानको व्यवस्था गर्ने	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	300	300	300	300	1500	प्रदेश,पालिका, निजी क्षेत्र गै.स.स	स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूको मनोबलमा वृद्धि	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	पालिका					
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा संचालित वर्थिङ सेन्टरहरूलाई अत्याधुनिक र सुविधा सम्पन्न बनाउने	संख्या	अव्यवस्थित	चुस्त	2000	2000	1000		5000	प्रदेश, पालिका, , गै.स.स	अत्याधुनिक र सुविधा सम्पन्न वर्थिङ सेन्टरहरू	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	स्वास्थ्य शाखा					
३	३.२	३.२.२	३.२.२.१	कठार स्वास्थ्य चौकीमा निर्मित प्रयोगशाला सञ्चालनमा ल्याउने	संख्या	अपुग	सत प्रतिशत	2000	2000	1000	500	6000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	कठार स्वास्थ्य चौकीमा प्रयोगशाला सञ्चालन	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	स्वास्थ्य शाखा					
४	४.१	४.१.१	४.१.१.१	चैनपुर स्वास्थ्य केन्द्रमा आवश्यक यन्त्र उपकरण तथा सामग्रीको व्यवस्था गर्ने	संख्या	अपुग	नियमित	500	500	500		1500	प्रदेश, पालिका, , गै.स.स	चैनपुर स्वास्थ्य केन्द्रमा आवश्यक यन्त्र उपकरण तथा सामग्री	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	स्वास्थ्य शाखा					
४	४.१	४.१.२	४.१.२.१	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा इन्टरनेटको व्यवस्था गरी टेलि मेडिसिन र सूचना प्रणाली व्यवस्थित गर्ने	संख्या	अपुग	सत प्रतिशत	400	400	400	360	360	1920	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धित सूचना नियमित रूपमा सम्प्रेषण	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	न.पा.				
५	५.१	५.१.१	५.१.१.१	स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरू मार्फत बालबालिका हेरचाह र पौष्टिक आहार सम्बन्धि आधारभूत तालिम	संख्या	नभएको	१०	800	800	800	200	200	2800	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	टोल भाइसान र सूचना प्रणाली व्यवस्थित	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	न.पा.				
			५.१.१.२	मातृ तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अर्न्तगत पोषण तथा खोप सेवा विद्यालय पोषण कार्यक्रमलाई थप व्यवस्थित गर्ने	संख्या	नभएको	१०	400	400	400	800	800	2800	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	बालबालिका हेरचाह र पौष्टिक आहार सम्बन्धि आधारभूत तालिम	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	न.पा.				
			५.१.१.३	मातृ, नवशिशु संरक्षण तथा पोषण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	संख्या	अपर्याप्त	वर्षको २ पटक	400	400	400	400	400	2000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	मातृ, नवशिशु संरक्षण तथा पोषण कार्यक्रम	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	न.पा.				
			५.१.१.४	दीर्घरोग तथा नसर्ने रोगहरू जस्तै मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास प्रश्वास रोग तथा थाईराईड नियन्त्रण गर्न विभिन्न किसिमका जनचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	संख्या	नभएको	५	120	120	120	120	120	600	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	दीर्घ रोग सम्बन्धि जनचेतनामुलक कार्यक्रम	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	न.पा.				
६	६.१	६.१.१	६.१.१.१	उपलब्ध औषधीजन्य जडीबुटी, खनिजको पहिचान, संरक्षण तथा प्रबर्द्धन	संख्या	नभएको	अत्यधिक संख्या	180	180	180	180	180	900	पालिका, गै.स.स	आषघाजन्य जडीबुटी, खनिजको पहिचान, संरक्षण तथा प्रबर्द्धन	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय, गैरसरकारी संस्था				
			६.१.१.२	वैकल्पिक चिकित्सा र आयुर्वेद सेवा समेतलाई स्तरोन्नति गरी सेवा विस्तार गर्ने	संख्या	नभएको		400	400	400	400	400	2000	पालिका, गै.स.स	चिकित्सा र आयुर्वेद सेवा विस्तार	पालिका, स्वास्थ्य शाखा	न.पा.				

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय								
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय						
सामाजिक - शिक्षा																						
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	पोच वर्ष न.पा. शिक्षा योजना निर्माण गरेर कार्यान्वयन गर्ने	संख्या	नभएको	१	१०००				१०००	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, संघ, प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	प्रतिवेदन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.						
१	१.१	१.१.१	१.१.१.२	विद्यार्थी संख्या कम भएका विद्यालयहरूलाई एकिकरण गर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने	मापदण्ड	नभएको	१	३००				३००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	मापदण्ड प्रतिवेदन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.						
१	१.१	१.१.१	१.१.१.३	शिक्षा ऐन निर्माण गरेर कार्यान्वयनमा ल्याउने	शिक्षा ऐन	नभएको	१	५००				५००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	शिक्षा ऐन दस्तावेज	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.						
१	१.१	१.१.२	१.१.२.१	हरेक विद्यालयमा रहेका बालविकास केन्द्रहरूलाई नमूनाको रूपमा सञ्चालन गर्न गुणस्तरको मापदण्ड अनुरूपका सिकाई सामग्रीहरूको व्यवस्थापन गर्ने	संख्या	अपर्याप्त	आवश्यकता अनुरूप	५००	५००	५००	५००	५००	२५००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	गुणस्तरीय सिकाई सामग्रीहरूको उपलब्धता	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.					
१	१.१	१.१.२	१.१.२.२	मन्देश्वरी शिक्षा विधि सहित बालविकास केन्द्र व्यवस्थापन	संख्या	सुधार गर्नुपर्ने	आवश्यकता अनुरूप	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	बालविकास केन्द्रमा मन्देश्वरी शिक्षा विधि प्रयोग	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.					
१	१.२	१.२.२	१.२.२.१	कक्षा ६ सम्मका विद्यार्थीका साथै बाल विकास केन्द्रका विद्यार्थीहरूलाई पोषण युक्त दिवा खाजा नियमित रूपमा उपलब्ध गराउने	प्रतिशत	सबै ठाँउमा नभएको	शत प्रतिशत	४०००	४०००	४०००	४०००	४०००	२००००	संघ, प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	विद्यार्थीहरू लाई पोषण युक्त दिवा खाजा नियमित उपलब्धता	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.					
१	१.२		१.२.२.२	विद्यार्थीहरूमा सामाजिक र परोपकारी भावना अभिवृद्धि गर्ने विद्यालयमा बालकवाच गठन, जुमियर रेडक्रस तथा स्वयंसेवक कार्यक्रम सञ्चालनमा प्रोत्साहित गर्ने	संख्या	अपर्याप्त	आवश्यकता अनुरूप	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	बालकवाच गठन तथा परिचालन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.					
१	१.२		१.२.२.३	भिन्न कठिनाइका कारण विद्यालयको पहुँचमा नभएका विद्यार्थी विद्यालय छाडेका बालबालिकाहरूको पहिचान गर्ने	प्रतिशत	नभएको	शत प्रतिशत	६००	६००	६००	६००	६००	३०००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	विद्यार्थी विद्यालय छाडेका बालबालिकाहरूको पहिचान	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
			१.२.२.४	सामुदायिक विद्यालयमा छात्राहरूको पठनपाठनलाई असहज हुन नदिन निशुल्क तथा गुणस्तरीय सेनिटरी प्याड वितरणलाई निरन्तरता दिदै भेण्डिङ मेसिन जडान र प्रयोग भईसकेका सेनिटरी प्याडहरूलाई सुरक्षित विसर्जित गर्ने	संख्या	सबै ठाँउमा नभएको	सबै ठाँउमा पुर्याउने	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	निशुल्क सेनिटरी प्याड वितरण तथा भेण्डिङ मेसिन जडान	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
			१.२.३.१	विद्यालय बाहिर शून्य बालबालिका कार्यक्रम अन्तर्गत गरिब, अति विपन्न, असहाय तथा जेहेन्दार विद्यार्थीलाई शिक्षाको पहुँचमा सहजै पुर्याउन सहायता रकम प्रदान गर्ने	संख्या	सबै ठाँउमा नभएको	सबै ठाँउमा पुर्याउने	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	गारु, आत विपन्न, असहाय तथा जेहेन्दार विद्यार्थीलाई	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
			१.२.३.२	गरिब तथा विपन्न बालबालिकाहरूलाई विद्यालयमा नै बसी पठनपाठन, गृहकार्य तथा पोषण कार्यक्रममा सहयोग पुरै गरि ६ देखि ६ अघिमान सञ्चालन गर्ने	संख्या	नभएको	सबै ठाँउमा पुर्याउने	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	निशुल्क पाठ्यपुस्तक प्रभावकारी रूपमा वितरण	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
			१.२.३.३	सामुदायिक विद्यालय, सार्वजनिक कलेज वा क्याम्पसमा अध्ययनरत थारू, दलित, अपाङ्ग, अल्पसंख्यक तथा विपन्न परिवारका छात्राहरूको शिक्षामा पहुँच कायम गर्न उक्त समूहका छात्राहरूलाई स्रोतक तहसम्मको अध्ययन गर्न सहयोग पुरै गरी न.पा. मा एक छात्रवृत्ति कोषको स्थापना गरी कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने	प्रतिशत	अपर्याप्त	शत प्रतिशत	४०००	४०००	४०००	४०००	४०००	२००००	प्रदेश र स्थानीय तह	दलित विद्यार्थीहरूले उच्च शिक्षाको लागि छात्रवृत्ति प्राप्त	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
		१.२.५	१.२.५.१	निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरणलाई प्रभावकारी रूपमा अधि बढाउने	संख्या	अपर्याप्त	आवश्यकता अनुरूप	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	निशुल्क पाठ्यपुस्तक प्रभावकारी रूपमा वितरण	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
			१.३.१.१	नगरपालिका क्षेत्रभित्र सञ्चालित सामुदायिक विद्यालयहरू मध्ये नमूनाको रूपमा एक आवासीय विद्यालय र एक प्राविधिक विद्यालयको विकास गर्ने	संख्या	नभएको								८०००	८०००	१६०००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	छात्रावास निर्माण तथा संचालन	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.		
१	१.३	१.३.४	१.३.४.१	वैज्ञानिक परीक्षा प्रणाली लागू गर्ने	प्रतिशत	नभएको	शत प्रतिशत	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	वैज्ञानिक परीक्षा प्रणाली लागू	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
			१.३.५	१.३.५.१	उत्कृष्ट नतिजा प्राप्त गर्ने विषयगत शिक्षक तथा विद्यार्थीहरूलाई अभिप्रेरित गर्न सम्मान तथा पुरस्कर्ता गर्ने कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने	संख्या	नभएको	वर्षको १ पटक	५००	५००	५००	५००	५००	५००	स्थानीय तह	उत्कृष्ट नतिजा प्राप्त गर्ने विषयगत शिक्षक तथा विद्यार्थीहरूलाई सम्मान तथा पुरस्कार	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.				
१	१.४	१.४.१	१.४.१.१	आधारभूत र माध्यमिक विद्यालय व्यवस्थापन तथा सञ्चालनको लागि अनुदानको व्यवस्था	प्रतिशत	अपर्याप्त	शत प्रतिशत	४०००	४०००	४०००	४०००	४०००	२००००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	अनुदानको व्यवस्था	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.					
१	१.५	१.५.१	१.५.१.१	शैक्षिक भ्रमण	पटक	अपुग	वर्षको २ पटक	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	शैक्षिक भ्रमण	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
१	१.५	१.५.१	१.५.१.२	कला, साहित्य, संगीत, नृत्य, खेलकुद तथा सृजनात्मककला जस्ता विद्यार्थीहरूमा रहेका प्रतिभा पहिचान र प्रस्फुटनका लागि कार्यक्रम संचालन	प्रतिशत	नभएको	शत प्रतिशत	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	अनुदानको व्यवस्था	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.					
१	१.५	१.५.१	१.५.१.३	न.पा. स्तरीय र विद्यालयस्तरीय अतिरिक्त क्रियाकलाप संचालन गर्न नगद तथा वस्तुगत सहयोग उपलब्ध गराउने ।	प्रतिशत	नभएको	शत प्रतिशत	१००००	१००००	१००००	१००००	१००००	५००००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	नगद तथा वस्तुगत सहयोग उपलब्ध	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
१	१.५	१.५.१	१.५.१.४	विद्यालयस्तरीय खेलकुद प्रतियोगिताहरू संचालनका लागि नगद तथा वस्तुगत सहयोग प्रदान साथै घुमती प्रशिक्षकको व्यवस्था गर्ने	पटक	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	खेलकुद प्रतियोगिताहरू संचालन	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					
१	१.५	१.५.२	१.५.२.१	माध्यमिक विद्यालयमा स्काउटको प्रभावकारी व्यवस्थापन		नभएको	आवश्यकता अनुरूप	५००	५००	५००	५००	५००	२५००	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	स्काउटका प्रभावकारी व्यवस्थापन	न.पा., शिक्षा शाखा, नीजि क्षेत्र	न.पा.					

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना/कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
१	१.५	१.५.३	१.५.३.१	स्थानीय परिवेश, सामाजिक सांस्कृतिक भाषिक पक्षलाई समेटेर कक्षा ८ सम्म स्थानीय पाठ्यसन्दर्भ सामग्री निर्माण गरि लागू गर्ने	प्रतिशत	सिमित	शत प्रतिशत	100	100	100	100	100	500	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	स्थानीय पाठ्यक्रमको अनिवार्य उपयोग विद्यार्थीहरूलाई सकारात्मक सोच तिर उत्प्रेरित गर्न	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
१	१.६	१.६.१	१.६.१.१	विद्यार्थीहरूलाई सकारात्मक सोच तिर उत्प्रेरित गर्न समय अन्तरालमा Psycho-Socio Counselling गर्ने	पटक	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	300	300	300	300	300	1500	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	विद्यार्थीहरूलाई सकारात्मक सोच तिर उत्प्रेरित गर्न	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
			१.६.१.२	विद्यालय जान नपाएका बालबालिका तथा प्रौढ व्यक्तिहरूका लागि अनौपचारिक कक्षा सञ्चालन	पटक	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	200	200	200	200	200	1000	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	अनौपचारिक कक्षा सञ्चालन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
१	१.६	१.६.२	१.६.२.१	साक्षरता र निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम संचालन	पटक	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	500	500	500	500	500	2500	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	साक्षरतामा वृद्धि	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
		१.६.३	१.६.३.१	सामुदायिक सिकाई केन्द्र व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्ने			आवश्यकता अनुरूप	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	सामुदायिक सिकाई केन्द्र व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
१	१.७	१.७.१	१.७.१.१	प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने एक विद्यालय एक नर्स कार्यक्रमलाई विद्यालयहरूमा क्रमशः विस्तार गर्ने	प्रतिशत	सिमित	शत प्रतिशत	1000	1000	1000	1000	1000	5000	प्रदेश, स्थानीय तह र गै.स.स	सबै विद्यालयमा प्राथमिक उपचारको व्यवस्था	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	खैरहनी माध्यमिक विद्यालयमा कक्षा ११ र १२ मा विज्ञान विषयको पठनपाठन गर्ने व्यवस्था मिलाईनुका साथै अन्य विद्यालयहरूमा पनि प्राविधिक शिक्षा क्रमशः लागू गर्ने	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	10000	10000	10000	10000	10000	50000	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षालय स्थापना	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
२	२.१	२.१.१	२.१.१.२	प्राविधिक शिक्षक दरबन्दी सिर्जना	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	8000	8000	8000	8000	8000	40000	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	प्राविधिक शिक्षक व्यवस्थापन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
२	२.१	२.१.३	२.१.३.१	एक विद्यालय एक उद्यम कार्यक्रम सञ्चालन गरि विद्यार्थीहरूमा अर्थोपार्जन सौप विकास गर्ने	प्रतिशत	नभएको	शत प्रतिशत	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	विद्यार्थीहरूमा अर्थोपार्जन सौप विकास	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	विद्यालयमा आवश्यकता अनुरूप विद्यालय भवन र कक्षाकोठा निर्माण एवम मर्मत, कम्पाउण्डवाल, पुस्तकालय निर्माण गर्ने (भूकम्प प्रतिरोधी)	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	10000	10000	10000	10000	10000	50000	प्रदेश, स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	आवश्यकता अनुरूप प्रतिशालय, आराम कक्ष, मिडिय हल निर्माण	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
३	३.१	३.१.२	३.१.२.१	एक विद्यालय एक विज्ञान प्रयोगशाला	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	6000	6000	6000	6000	6000	30000	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला व्यवस्थापन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
३	३.१	३.१.३	३.१.३.१	विद्यालयमा शुध्द खानेपानीको व्यवस्था गर्ने	प्रतिशत	सबै ठाँउमा नभएको	शत प्रतिशत	5000	5000	5000	5000	5000	25000	प्रदेश, स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	विद्यालयमा अपांग मैत्री, छात्रामैत्री र सिकाई मैत्री भौतिक संरचना	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
			३.१.३.२	छात्रा मैत्री तथा अपांग मैत्री शौचालयको व्यवस्था गर्ने	प्रतिशत	नभएको	शत प्रतिशत	5000	5000	5000	5000	5000	25000	प्रदेश, स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	विद्यालयमा अपांग मैत्री, छात्रामैत्री र सिकाई मैत्री भौतिक संरचना	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
३	३.२	३.२.१	३.२.१.१	ICT कार्यक्रमलाई विस्तार गरी सबै विद्यालयमा Internet को सुविधा प्रदान गर्ने	प्रतिशत	सबै ठाँउमा नभएको	शत प्रतिशत	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	प्राविधिक शिक्षक विद्यालय	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
३	३.२	३.२.२	३.२.२.१	सूचना तथा संचार प्रविधि जडान	प्रतिशत	सबै ठाँउमा नभएको	शत प्रतिशत	1000	1000	1000	1000	1000	3000	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	प्राविधिक शिक्षक विद्यालय	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.१	४.१.१	४.१.१.१	प्रत्येक माध्यमिक विद्यालयमा हप्ताको एक कक्षामा नगरपालिकाबाट कर्मचारी खटाई व्यवहारिक शिक्षाको कक्षा लिने व्यवस्था मिलाई शाखागत शिक्षा प्रदान गर्ने				200	200	200	200	200	1000	प्रदेश, स्थानीय तह र गै.स.स	विद्यार्थीहरूको व्यवस्थापन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.१	४.१.२	४.१.२.१	विद्यार्थी संख्याका आधारमा शिक्षक तथा कर्मचारीहरूको दरबन्दी मिलान तथा समायोजन गर्ने	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	500	500	500	500	500	2500	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	विद्यार्थी शिक्षक अनुपात मिलान तथा समायोजन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.१	४.१.३	४.१.३.१	स्वयंम सेवक शिक्षक दरबन्दी	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	300	300	300	300	300	1500	स्थानीय तह	स्वयंम सेवक शिक्षक दरबन्दी तथा पोशाक व्यवस्थापन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.१	४.१.४	४.१.४.१	स्थानीय विद्यार्थीलाई शिक्षण पेशामा प्राथमिकता दिने	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	50	50	50	50	50	250	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	स्थानीय विद्यार्थीलाई शिक्षण पेशामा संलग्न	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.२	४.२.१	४.२.१.१	विद्यालय व्यवस्थापन समिति, प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं अभिभावक संघका पदाधिकारीहरूको लागि क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	600	600	600	600	600	3000	प्रदेश, स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	विद्यालय व्यवस्थापन समिति, प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं अभिभावक संघका पदाधिकारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.२	४.२.१	४.२.१.२	नविन्तम शिक्षण विधि तथा सिप विकास तालिम सञ्चालन	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	300	300	300	300	300	1500	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	नविन्तम शिक्षण विधि प्रयोग	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.२	४.२.२	४.२.२.१	शिक्षकमा अनुभव साटासाट तथा क्षमता अभिवृद्धिको लागि Teacher Exchange Program सञ्चालन	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	300	300	300	300	300	1500	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धि	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.२	४.२.२	४.२.२.२	प्रधानाध्यापकहरूको नेतृत्व क्षमता विकास तथा संस्थागत क्षमता विकासको लागि जिल्ला तथा अन्तर जिल्ला स्तरमा अवलोकन भ्रमणको व्यवस्था गर्ने	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	3000	3000	3000	3000	3000	15000	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	प्रधानाध्यापकहरूको अन्तर जिल्ला अवलोकन भ्रमण	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
४	४.२	४.२.३	४.२.३.१	शिक्षण सिकाई क्रियाकलापलाई प्रविधिमैत्री बनाउन विद्यालयहरूलाई प्रविधिका सामग्रीहरू उपलब्ध गराउने	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	2000	2000	2000	2000	2000	10000	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	विद्यालयहरूमा प्रविधिका सामग्रीहरू उपलब्ध	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.२	४.२.३	४.२.३.२	शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धिको लागि विषयगत समिति गठन गरि तालिम प्रदान	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धि उपलब्धी मुलक सिकाई	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
४	४.२	४.२.४	४.२.४.१	सिकाई उपलब्धी प्रोत्साहन कार्यक्रम	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	1000	1000	1000	1000	1000	5000	प्रदेश, स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	कार्य सम्पादन सूचक निर्माण	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
५	५.१	५.१.१	५.१.१.१	विद्यालयको व्यवस्थापकीय अवस्था सुधार गर्न कार्य सम्पादन सूचक निर्माण गरि प्रधानाध्यापकसंग कार्य सम्पादन करार गर्ने			आवश्यकता अनुरूप	800	100	100	100	100	1200	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	कार्य सम्पादन सूचक निर्माण	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
५	५.१	५.१.१	५.१.१.२	कार्य सम्पादन सूचकका आधारमा मुल्यांकन गरि विद्यालय एवं शिक्षकलाई थप प्रोत्साहन उपलब्ध गराउने	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	300	300	300	300	300	1500	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	कार्य सम्पादन सूचकका आधारमा मुल्यांकन	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
५	५.१	५.१.१	५.१.१.३	सामुदायिक विद्यालयमा e-attendance र CCTV जडान गर्ने	पटक	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	800	800	800	800	800	4000	स्थानीय तह र नीजि क्षेत्र	शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धि सामुदायिक विद्यालयमा e-attendance र CCTV जडान	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.
५	५.१	५.१.२	५.१.२.१	विद्यार्थी सँग मेयर कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	300	300	300	300	300	1500	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, गै.स.स	विद्यालयमा e-attendance र CCTV जडान	न.पा., शिक्षा शाखा	न.पा.

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय							
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय					
हिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग																					
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	संख्या	नभएको		१०००	१०००				२०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
			१.१.१.२				२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
१	१.२	१.२.१	१.२.१.१	संख्या	अपुग	१०	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
			१.२.१.२	संख्या	अपुग	५	५००	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा. गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
			१.२.१.३	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	५०००	१०००	१०००	१०००	१०००	९०००	न.पा. गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
			१.२.१.४	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	५०००	१०००	१०००	१०००	१०००	९०००	न.पा. गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
	१.१	१.१.२	१.१.२.१	संख्या	नभएको	५	२०००	१०००	१०००	१०००	१०००	६०००	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
			१.१.२.२	संख्या	नभएको	१०	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
			१.१.२.३	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
	१.१	१.१.३	१.१.३.१	संख्या	अपुग	५	५००	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक शाखा, गै.स.स	न.पा.					
	१.१	१.१.४	१.१.४.१	संख्या	अपुग	१० प्रति वडा	५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	न.पा. गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
१	१.१	१.१.५	१.१.५.२	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	१००००	१००००	१००००	२५००	२५००	३५०००	प्रदेश, न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	प्रदेश, न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
			२.१.१.२	संख्या	अपुग	५	५००	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
२	२.१	२.१.२	२.१.२.१	संख्या	अपुग	सत प्रतिशत	५००	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
२	२.१	२.१.२	२.१.२.२	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					
२	२.१	२.१.३	२.१.३.१	संख्या	अपुग	वर्षको २ पटक	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	प्रदेश, न.पा., गै.स.स	न.पा., गै.स.स	न.पा.					

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय							
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय					
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	अपाङ्गता पहिचान सिविर सञ्चालन तथा घुम्टी सेवा प्रदान गरी परिचयपत्र वितरण	संख्या	नभएको	१	500	500	500	500	500	2500	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
३	३.१	३.१.२	३.१.२.१	अपाङ्गहरूको लागि स्वास्थ्य उपचार सहयोग	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	500	500	500	500	500	2500	न.पा.,निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
			३.१.२.२	अपाङ्गहरूको लागि आधारभूत शिक्षा तथा वैकल्पिक शिक्षाको व्यवस्था	प्रतिशत	नभएको	सत प्रतिशत	800	800	800	800	800	4000	प्रदेश, न.पा.,निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
३	३.१	३.१.२	३.१.२.१	अपाङ्ग व्यक्तिहरूलाई आय आर्जन वृद्धि तथा जिविकोपार्जनको लागि आवश्यक जीवनपयोगी सौध प्रविधिको साथै बिउ पुँजीको व्यवस्था गर्ने	प्रतिशत	नभएको	५० प्रतिशत	100	100	100	100	100	500	प्रदेश, न.पा.,निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा	न.पा.				
३	३.२	३.२.२	३.२.२.१	अपाङ्गता भएकालाई तथा परिवारलाई सिपमुलक तालिम	पटक	अपुग	वर्षको २ पटक	500	500	500	500	500	2500	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
४	४.१	४.१.१	४.१.१.१	वडाबाट शिविर सञ्चालन गरी सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	500	500	500	500	500	2500	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
			४.१.१.२	८० वर्ष माथिको ज्येष्ठ नागरिकलाई घरघरमा सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	200	200	200	200	200	1000	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
			४.१.१.३	लक्षित समूहका व्यक्तिहरूको मूल अभिलेखलाई सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थापन सूचना प्रणाली मार्फत थप व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउने	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	100	100	100	100	100	500	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
४	४.१	४.१.२	४.१.२.१	ज्येष्ठ नागरिक लक्षित स्वास्थ्य शिविर	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
			४.१.२.२	८० वर्ष माथिको ज्येष्ठ नागरिकलाई सम्पूर्ण स्वास्थ्य सेवा निशुल्क	प्रतिशत	अपुग	सत प्रतिशत	200	200	200	200	200	1000	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
४	४.१	४.१.३	४.१.३.१	वडा नं ५ मा निर्माण सम्पन्न ज्येष्ठ नागरिक भवनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालनमा ल्याउने	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	200	200	200	200	200	1000	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				
			४.१.३.२	जोखिममा रहेका ज्येष्ठ नागरिक लक्षित संरक्षणनीति कार्यान्वयन गर्ने र ज्येष्ठ तथा अपाङ्ग सम्मान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	संख्या	नभएको	वर्षको २ पटक	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.				

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट												जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
युवा तथा खेलकुद																न.पा.		
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	युवामा स्वयंसेवी भावना तथा सामाजिक जिम्मेवारी बोध गराउन सामाजिक गतिविधि (सचेतना कार्यक्रम) मा युवा स्वयंसेवक परिचालन गर्ने	संख्या	नभएको	२ प्रति वर्ष	६५०	६५०	६५०	६५०	६५०	३२५०	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
			१.१.१.२	सामाजिक क्रियाकलापमा युवाको संलग्नता बढाउन विभेद, असुरक्षा, भेदभाव, हिंसा र निरक्षरताका विरुद्ध वस्ती वस्तीमा नगर तथा वडास्तरमा गठन भएको युवाक्लवलाई परिचालन गर्ने	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
१	१.१	१.१.२	१.१.२.१	युवा स्वरोजगार कार्यक्रमका लागि सिप विकास तालिम	संख्या	अपुग	२ प्रति वर्ष	२६००	२६००	२६००	२६००	२६००	१३०००	प्रदेश, न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
			१.१.२.२	उमेर पुगेका किशोर किशोरीहरूलाई लक्षित गरी लागुऔषध प्रयोग तथा यौनजन्य हिंसालाई निरूत्साहित गर्न सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	पटक	नभएको	वर्षको २ पटक	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
१	१.१		१.१.२.३	जीवनोपयोगी तथा प्राविधिक शिक्षा प्रदान गर्ने	संख्या	अपुग	५० प्रति वर्ष	१३००	१३००	१३००	१३००	१३००	६५००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
१	१.१	१.१.३	१.१.३.१	युवा स्वरोजगार कोषको व्यवस्था	संख्या	अपुग		१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	प्रदेश, न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
१	१.१		१.१.३.२	सीप सिकाईलाई व्यवसायीकरण गर्न स्वरोजगारमूलक कार्यमा सहूलियत लगानी र व्याजमा अनुदान प्रदान	संख्या	अपुग		१५००	१५००	१५००	१५००	१५००	७५००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
१	१.१	१.१.४	१.१.४.१	युवा अगुवाहरूको अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन	संख्या	नभएको	२ प्रति वर्ष	५२०	५२०	५२०	५२०	५२०	२६००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
१	१.१		१.१.४.२	युवाहरूको अवलोकन भ्रमणको लागि सहयोग	संख्या	नभएको	२ प्रति वर्ष	२६००	२६००	२६००	२६००	२६००	१३०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	स्थानीय विकासका कार्यमा विशेष गरी स्थानीय तथा लक्षित वर्गका युवाहरू परिचालन	संख्या	नभएको		१३०	१३०	१३०	१३०	१३०	६५०	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	नगरपालिकास्तरिय खेल प्रतियोगिता आयोजना (फुटबल, भलिबल, कराँते, एथेटिक्स)	संख्या		२ प्रति वर्ष	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	१००००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
३	३.१		३.१.१.२	खेलाडीहरूलाई आवश्यक प्रशिक्षण दिने	संख्या	आवश्यकता अनुरूप		१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
३	३.१		३.१.१.३	खेलाडीहरूको सामूहिक बीमा	संख्या	सबै खेलाडी		१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
३	३.१		३.१.१.५	विधार्थी एवम् युवाहरूमा खेलप्रति अभिरूचि जगाई खेलप्रति प्रतिस्पर्धि बन्न अन्तर्राष्ट्रिय, राष्ट्रिय तथा प्रदेशस्तरीय खेलमा पदक बिजेता खेलाडीलाई पुरस्कार तथा सम्मान प्रदान गर्ने	संख्या			१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
			३.१.१.६	विद्यालय तथा नगरस्तरमा राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड प्रतियोगिता तथा मेयरकप खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने	संख्या			१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.	
३	३.१	३.१.२	३.१.२.१	खेलकुदका सम्भाव्य क्षेत्रहरू पहिचान	संख्या			१५००				१५००	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.		
३	३.१		३.१.२.२	न.पा. का स्तरीय कवर्डहेल निर्माण	संख्या				१००००	१००००		२००००	प्रदेश, न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.		
३	३.१		३.१.२.३	एक वडा एक खेल मैदान निर्माण	संख्या			५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	प्रदेश, न.पा.निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.		
३	३.१	३.१.३	३.१.३.१	खेलकुद सम्बन्धित विभिन्न विधाका समितिहरू गठन गरी न.पा.स्तरीय खेलकुद समिति गठन				५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.		
३	३.१	३.१.३	३.१.३.२	वडा स्तरीय खेलकुद समिति गठन				१३०	१३०	१३०	१३०	६५०	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.		
३	३.१	३.१.३	३.१.३.३	युवा क्लबहरूलाई क्रियाशील गराउन आवश्यक सहयोग निरन्तर रूपमा प्रदान		अपुग		१३०	१३०	१३०	१३०	६५०	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा., गै.स.स	सामाजिक विकास शाखा, गै.स.स	न.पा.		

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय				
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
भौतिक																		
	विद्युत																	
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	आवश्यक क्षेत्रमा ट्रान्सफर्मर राख्ने	संख्या			४००				४००	ने.वि.प्रा., न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	ने.वि.प्रा., न.पा.	न.पा.		
			१.१.१.२	आवश्यक क्षेत्रमा ट्रान्सफर्मरको क्षमता वृद्धिमा पहल गर्ने				३०	३०	३०	३०	१२०	ने.वि.प्रा., न.पा.					
			१.१.१.३	काठका पोललाई कंक्रीटले विस्थापित गर्ने				३०००	३०००	३०००		९०००						
			१.१.१.४	विद्युत वितरणका जिर्ण तार भएका स्थानमा युगस्तरौय तार राख्ने			५००	१०००	४००	३००	२००	२४००	न.पा. स्थानीय	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	ने.वि.प्रा., न.पा.	न.पा.		
			१.१.१.५	उद्योग संचालनका लागि ग्री फेज लाईन वितरणका लागि संग समन्वय गर्ने	संख्या	१५		५०	५०	५०	५०	२००	न.पा. उद्यमी, ने.वि.प्रा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	उद्यमी, ने.वि.प्रा.	न.पा.		
			१.१.२	१.१.२.१ लोडसेडिङ हटाई विद्युत नियमित गर्न पहल गर्ने	पटक	५		५०	५०	५०	५०	२००	न.पा. ने.वि.प्रा.		न.पा. ने.वि.प्रा.	न.पा.		
			१.१.२.२	विद्युतको नियमित आपूर्तिको तथा अनधिकृत प्रयोग रोक्न नियमित अनुगमन तथा नियमन गर्ने	पटक	१०		२०	२०	२०	२०	८०	न.पा. ने.वि.प्रा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. ने.वि.प्रा.	न.पा.		
			१.१.२.३	सबै माध्यमिक विद्यालयमा विद्युत सेवा पुर्याउने	संख्या		१००	५००	५००	२००	२००	१५००	न.पा. प्रदेश सरकार	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. विद्यालय	न.पा.		
			१.१.२.४	सबै स्वास्थ्य चौकीमा आवश्यक क्षमताको विद्युतको व्यवस्था गर्ने	संख्या			५००	२००	२००	२००	११००	न.पा. प्रदेश सरकार	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्वास्थ्य संस्था	न.पा.		
		१.१.३	१.१.३	प्रगति टोल, हरियाली टोल तथा अन्य विद्युत नपुगेका स्थानमा विद्युत विस्तार गर्न पहल गर्ने			२००	२००	२००	२००	२००	१०००	न.पा., विद्युत प्राधिकरण	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय	न.पा.		
२	२.२	२.२.१	२.२.१.१	सबै वडा कार्यालय प्राङगणमा सोलार बत्तिको व्यवस्था गर्ने	संख्या		१२		४०	४०	४०	१६०	न.पा. वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
			२.२.१.२	सबै स्वास्थ्य संस्थाको प्राङगणमा सोलार बत्तिको व्यवस्था गर्ने	संख्या		१२	४०	८०	८०	८०	३२०	न.पा. वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्वास्थ्य संस्था	न.पा.		
			२.२.१.३	सबै आधारभुत विद्यालयमा उर्जाका लागि सोलार प्यानल जडान गर्ने	संख्या		२०		१००	१००	१००	४००	न.पा. वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. विद्यालय	न.पा.		
			२.२.१.४	विद्युत पुर्जाउन सम्भव नभएका एक २ घर मात्र रहेका स्थानमा सोलार प्यानल वितरण गर्ने			२००	२००	२००	२००	२००	४००	न.पा. वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय	न.पा.		
		२.२.१	२.२.१.१	आगामी ५ वर्ष भित्र न.पा. का १० % घरधुरीमा बायोग्यास प्लान्ट जडान गर्ने	प्रतिशत	0.6		२००	१०००	१२००	१२०००	१६४००	न.पा. वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय	न.पा.		
		२.२.३	२.२.३.१	भान्सामा स्वच्छ उर्जाको प्रवर्द्धन गर्ने सुधारिएको चुलो कार्यक्रम संचालन गर्ने	संख्या		१०००	२००				०	न.पा. वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.		
		२.२.३.२	२.२.३.२	स्वच्छ उर्जाको प्रयोग सम्बन्धि सचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने	संख्या		५	७५	१००	१००	१२५	४५०	न.पा., गै.स.स.	गै.स.स. प्रगति प्रतिवेदन	गै.स.स.	न.पा.		
३	३.१	३.१.१	३.१.१.१	सामान्य विद्युत जडान तथा मर्मत सम्बन्धि Electrician तालिम संचालन गर्ने	पटक			८०	८०	१००	१००	३६०	न.पा., गै.स.स.	गै.स.स. प्रगति प्रतिवेदन	न.पा., गै.स.स.	न.पा.		
		३.१.२	३.१.२.१	बायोग्यास जडान तथा मर्मत सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	४	८०	१००	१००	१००	४००	न.पा., गै.स.स.	गै.स.स. प्रगति प्रतिवेदन	न.पा., गै.स.स.	न.पा.		
			३.१.२.२	सोलार जडान तथा मर्मत सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	४	८०	१००	१००	१००	४००	न.पा., गै.स.स.	गै.स.स. प्रगति प्रतिवेदन	न.पा., गै.स.स.	न.पा.		

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय
वस्ती विकास																
1	1.1	१.१.१	भौतिक विकास योजना तयार गर्ने	संख्या	नभएको	१	2000					2000	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा. प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.
		१.१.२	भूउपयोग योजना तयार गरि कार्यान्वयन गर्ने	संख्या	नभएको	1	2000					2000	न.पा.	योजना प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.
		१.१.२	१.१.२.१ दक्ष प्राविधिक लाई समयानुकूल तालिम प्रदान गर्ने	पटक	नभएको	२ प्रति वर्ष	300	300	300	300	300	1500	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा. प्रतिवेदन	न.पा., गै.स.स	न.पा.
		१.१.३	१.१.३.१ स्फूर्त रूपमा नक्सा पास गराउने आउने प्रत्येक पुराना घरधनीलाई निश्चित समयसम्म नक्सा पास दस्तुरमा सहूलियत प्रदान गर्ने	प्रतिशत	नभएको	२० देखि प्रतिशत	100	100				200	न.पा.	न.पा. प्रतिवेदन	न.पा., गै.स.स	न.पा.
		१.१.३.२	सम्बन्धित योजना क्षेत्रमा एक योजना दश विरूवा रोप्ने कार्यक्रम सञ्चालन				50	50	50	50	50	200	न.पा.	न.पा. प्रतिवेदन	न.पा., गै.स.स	न.पा.
		१.१.३.३	नयाँ पूर्वधार / भवन निर्माणमा नक्सापास सहित भवन निर्माण सहिता पालना भए नभएको कडाई का साथ अनुगमन गर्ने	पटक	नभएको	२ प्रति वर्ष	100	100	100	100	100	500	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	निर्माणमा निर्माण सहिता पालना भएका हुने	न.पा., गै.स.स	न.पा.
	1.2	१.२.१	१.२.१.१ भवन निर्माणसँग सम्बन्धित आधुनिक प्राविधिको तालिम प्रदान गर्ने	पटक	नभएको	२ प्रति वर्ष	100	100	100	100	100	500	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	भवन निर्माणमा आधुनिक प्राविधिको प्रयोग	न.पा., गै.स.स	न.पा.
		१.२.२	१.२.२.१ पूर्वधार तथा भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको उचित प्रयोग सम्बन्धि जनचेतना कार्यक्रम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	२ प्रति वर्ष	100	100	100	100	100	500	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको उचित प्रयोग	न.पा., गै.स.स	न.पा.
		१.२.३	१.२.३.१ स्थानीय युवालाई निर्माण सम्बन्धि (Mason) तालिम प्रदान गर्ने	पटक	नभएको	२ प्रति वर्ष	100	100	100	100	100	500	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	सिकर्मी तथा डकर्मी तालिम प्रदान	न.पा., गै.स.स	न.पा.
	१.३	१.३.१	१.३.१.१ वस्ती विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी मार्फत संलग्नता बढाउने	प्रतिशत	नभएको	80	50	50	50	50	50	250	न.पा., निजी क्षेत्र	वस्ती विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		१.३.१.२	टोल सुधार संस्थाहरूको पुनर्गठन गरि वडाको सहयोगी एकाईको रूपमा परिचालन गर्ने	प्रतिशत	नभएको	100	100	100	50	50	50	350	न.पा., निजी क्षेत्र	सुधार संस्थाहरू सक्रिय रूपमा परिचालित	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		१.३.२	१.३.२.१ भूमिहिन सुकुम्वासी तथा अत्यवस्थित बसोबासीको समस्या समाधानका लागि राष्ट्रिय भूमी आयोगसँग समन्वय गरि जग्गा नापजाँचका बाँकी कामहरू सम्पन्न गरि जग्गा धनीपुर्जा वितरण गर्ने	प्रतिशत	नभएको	100	100	100	100	100	100	500	न.पा., निजी क्षेत्र	भूमिहिन सुकुम्वासीलाई धनीपुर्जा वितरण	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		१.३.२.२	विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारलाई उपयुक्त, सुरक्षित आवास निर्माण गर्ने	प्रतिशत	नभएको	100	500	500	200	200	100	1500	प्रदेश, न.पा., निजी क्षेत्र	विपन्न र सीमान्तकृत परिवारको सुरक्षित आवास	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		१.३.२.३	विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारको आवास स्तरोन्नति गर्ने	प्रतिशत	नभएको	१००	200	200	200	100	100	800	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारको आवास स्तरोन्नति भएको हुनेछ	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
	१.४	१.४.१	१.४.१.१ उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूको नक्साङ्कन गर्ने	पटक	नभएको	१	4000					4000	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूको नक्साङ्कन	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		१.४.१.२	स्थानान्तरण गर्नुपर्ने बस्तीको घरधुरी सर्वेक्षण गर्ने	पटक	नभएको	१	1000					1000	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	न.पा. प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		१.४.१.३	वस्ती स्थानान्तरणको कार्य योजना बनाउने	पटक	नभएको	१	1500					1500	न.पा.	वस्ती स्थानान्तरण कार्य योजना प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
2	२.१	२.१.१	२.१.१.१ सार्वजनिक जग्गाको अभिलेख तयार गर्ने	पटक	नभएको	1	500					500	न.पा., गै.स.स	सार्वजनिक जग्गाको अभिलेख तयार	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		२.१.१.२	अतिक्रमित सार्वजनिक जग्गा खाली गराउने	प्रतिशत	नभएको	सत प्रतिशत	500	500				1000	न.पा.	अतिक्रमित सार्वजनिक जग्गा खाली भएको हुनेछ	न.पा.	न.पा.
		२.१.२	२.१.२.१ सावजनिक जग्गामा सामुदायिक प्रयोगमा आउने खेल मैदान, पार्क, योगशाला आदीको निर्माण गर्ने	संख्या	नभएको	माम र पायक अनुरूप	2000	2000	1500	1500	1000	8000	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूको नक्साङ्कन	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट												जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
भौतिक- सडक तथा यातायात																	
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	सबै वडाबाट नगरपालिका केन्द्रसम्म जोडने सडकलाई बाहेर महिना संचालन योग्य बनाउन सडक स्तरोन्नती गर्ने	संख्या	अपुग	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	प्रदेश, पालिका,	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.	
			१.१.१.२	नगर यातायात गुरुयोजना (MTMP) अद्यावधिक गर्ने	संख्या	१				१५००		१५००	न.पा.	न.पा. यातायात गुरुयोजना	न.पा.	न.पा.	
			१.१.१.३	तरकारी चोक - सुन्दर खानेपानी सम्म नया ट्रयाक खोल्ने तथा ग्रामेल गर्ने	कि.मि		२०५०	३०००	४०००	५०००	६०००	२००५०	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	
			१.१.१.४	डम्बर बहादुर गुरुङको घर- वडा कार्यालय आउने पुलसम्मको बाटो कालोपत्रे	कि.मि		२०००	३०००	४०००	५०००	६०००	२००००		न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	
			१.१.१.५	लेखाली टोल - खानेपानी बाटो ढलान	कि.मि.		२०००					२०००		न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	
			१.१.१.६	गौचरण जाने बाटो कालोपत्रे	कि.मि		२०००	३०००	४०००	५०००	६०००	२००००		न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	
			१.१.१.७	ओक्सफोर्ड टेक्निकल कलेज - पूर्व मंगनी गाउँ - नया पुलसम्मको सडक नाली सहित कालोपत्रे	कि.मि.		२०००	३०००	४०००	५०००	६०००	२००००					
			१.१.१.८	नगरपालिका - चैनपुर चोक पैदलमार्ग सहितको अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण	कि.मि.		१५०००	१५०००	२००००	२५०००	४०००	७९०००	प्रदेश, पालिका,	कृषि सडक निर्माण	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.	
			१.१.१.९	मंगनी चोकबाट उत्तर २ दक्षिण ५० / ५०० मि सम्म सडकको दुवै तर्फ नाला, पैदल मार्ग सहितको अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण	कि.मि.		१००००	११०००	१३०००	१८०००	२००००	७२०००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	
			१.१.१.१०	चैनपुर चोक - लादारी पुल सडकको दुवै तर्फ नाला, पैदल मार्ग सहितको अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण	कि.मि.		१००००	११०००	१३०००	१८०००	२००००	७२०००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	
			१.१.१.११	डिङ्गी पार्क नजिक पम्प पुल - बाबा ग्यास सम्म पम्प खोलाको दुवै तर्फा ड्याम निर्माण, सडक निर्माण तथा हरियाली बेल्ट निर्माण	कि.मि.		१५०००	१७५००	२००००	२५०००	३००००	१०७५००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.	

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										खिम्बेवार निकाय				
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना/कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
		१.१.२	१.१.२.१	ग्राभेल भएका मुख्य सडकहरु कालोपत्रे गर्ने	कि.मि.	११७.६३	५०	५०००	१००००	१२००००	१५००००	१७००००	५९००००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.२	सडक उच्चस्तरीय ग्राभेल गर्ने	कि.मि.	२६४.४८	५	२०००	२५००	२५००	३०००	३०००	१३००००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.३	आर.सी.सी. ढलान नाला बनाउने	कि.मि.	३२.४	५	५००	५००	५००	५००	५००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.४	आवश्यक स्थानमा सडक जोड्ने कस्मर्ट निर्माण गर्ने	संख्या	६१	१०	६००	६००	६५०	६५०	६५०	३१५००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.५	महादेव स्थानमा पक्कि पुल निर्माण गर्ने	संख्या	नभएको	१	५००	५००	५००	५००	५००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.६	मंगनी खोलामा पक्कि पुल निर्माण गर्ने	संख्या		१	५००	५००	५००	५००	५००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.७	काठे पुल विस्थापन गरि पक्कि पुल निर्माण गर्ने	संख्या	५	३	७५०	७५०	७५०	७५०	७५०	३७५००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.८	आवश्यक स्थानमा म्याबिन बाल, कजबे निर्माण गर्ने				५००	५००	५००	५००	५००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
		१.१.३	१.१.३.१	भएका कृषि सडकको स्तरोन्नति गर्ने	कि. मि.			१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५००००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.१.२.९	अवश्यक स्थानमा कृषि सडक विस्तार गर्ने	कि.मि.			१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	५००००	संघ, प्रदेश, न.पा	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
		१.१.४	१.१.४.१	सडक निर्माणमा संलग्न स्थानीय उपभोक्ताको क्षमता विकास तालिम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	५	३००	३२५	३५०	४००	४५०	१८२५	न.पा., दातृ निकाय	तालिम प्रतिवेदन	न.पा., दातृ निकाय	न.पा.
			१.१.४.२	सडक पूर्वाधार निर्माण कार्यमा संलग्न कामदारलाई प्राविधिक ज्ञान सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने	पटक	नभएको	५	३००	३२५	३५०	४००	४५०	१८२५	न.पा., दातृ निकाय	तालिम प्रतिवेदन	न.पा., दातृ निकाय	न.पा.
			१.१.४.३	सडकको मर्मत सम्भार तथा अपनको बहाना विकास गराउन सचेत गराउने	पटक	नभएको	५	१३०	१३०	१३०	१३०	१३०	६५०	ना.पा.	तालिम प्रतिवेदन	ना.पा.	ना.पा.
	१.२	१.२.१	१.२.१.१	नगरपालिका कार्यालय र वडा केन्द्र जोड्ने मुख्य बाटो स्तरोन्नति गर्ने	कि.मि.			५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा., निजी क्षेत्र, वडा	न.पा.
			१.३.३	१.३.३.१	नगरपालिकाका सबै सडकहरुको लगत संकलन गरी अभिलेख व्यवस्थापन	संख्या	नभएको	१	१०००				१०००	न.पा.	सडकहरुको अभिलेख	पालिका, निजी क्षेत्र	न.पा.
			१.३.३.२	नगरपालिकामा रहेका सडकको नामकरण गरि Road Name Plate राख्ने	संख्या	नभएको	१	१०००	१०००	५००			२५००	ना.पा.	सडकको नाम	न.पा.	न.पा.
	२	२.१	२.१.१	२.१.१.१	बस स्ट्यान्ड तथा बस बिसीनि तथा बस पार्कको लागि ठाँउ पहिचान गर्ने	संख्या	नभएको	१०००	१०००				२०००	न.पा., निजी क्षेत्र	बस स्ट्यान्ड तथा बसबिसीनिहरुको न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र	न.पा.
			२.१.१.२	बसपार्कको लागि Fesaibility study and DPR गर्ने	संख्या	नभएको	१	१०००	२०००				३०००	न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र	न.पा.
			२.१.१.३	बसपार्क निर्माण गर्ने	संख्या	नभएको	१			२०००	२०००	१०००	५०००	न.पा., प्रदेश	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र	न.पा.
			२.१.१.४	बस बिसीनीमा प्रतिक्षालय निर्माण गर्ने	संख्या		१०		२०००	२०००	२०००	२०००	८०००		न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र	न.पा.
			२.१.१.४	पर्सा बजार, खुर्खुरे बजार, खानेपानी चोक, रत्ननगर जस्ता बजार क्षेत्रमा सडक बत्ती राख्ने		अपुग		५००	५००	५००	५००	५००	२५००	न.पा., निजी क्षेत्र,	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र, विद्युत	न.पा.
			२.१.१.५	सडकमा Gren belt निर्माण गर्ने				५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	न.पा., निजी क्षेत्र,	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र	न.पा.
		२.१.२	२.१.२.२	आवश्यक स्थानमा झोलुगे पुल निर्माण	संख्या	नभएको	१	३०००	३०००	३०००	३०००	३०००	१५०००	प्रदेश, न.पा.	पुल निर्माण	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.
		२.१.३	२.१.३.१	नगरपालिकामा सार्वजनिक यातायात संचालन गर्न निजि क्षेत्रलाई आकर्षित गर्ने				२०	२०	२०	२०	२०	१००	न.पा. यातायात व्यवसायी	सार्वजनिक यातायात संचालन	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा., निजि क्षेत्र
			२.१.३.२	नगरपालिकाले सार्वजनिक यातायात संचालन गर्ने					२०००	२०००	२०००	२०००	८०००		सार्वजनिक यातायात संचालन	न.पा., निजी क्षेत्र	न.पा.

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट													जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
खानेपानी तथा सरसफाई																		
1	1.1	१.१.१	१.१.१.१	पानी अभाव भएको क्षेत्रमा पानीको स्रोतको व्यवस्थापन गर्ने (सॉफ्टवेर, निमारचोक, धाराथिरी, सेमजोर, गैरा, हजारे, नयाँवस्ती)+E304	संख्या	अपुग	आवश्यकता अनुरूप	50000	50000	30000	20000	20000	170000	प्रदेश,पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	पानीको स्रोतको व्यवस्थापन	पालिका, निजी क्षेत्र		
			१.१.१.२	नियमित मर्मत सभारको व्यवस्थापन गर्ने	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	5000	5000	5000	5000	5000	25000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	नियमित मर्मत सभार	पालिका, निजी क्षेत्र		
			१.१.१.३	खानेपानी योजनाहरूलाई नियमित रूपमा संचालनमा ल्याउन आवश्यक व्यवस्थापन गर्ने														
			१.१.१.३	मिटर जडित एक घर एक धारा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	संख्या	नभएको	आवश्यकता अनुरूप	2000						पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	सबै घरधुरीमा धारा			
		१.१.२	१.१.२.१	खानेपानी वितरण प्रणाली व्यवस्थित गर्ने	संख्या	अपर्याप्त	सबै वितरण प्रणाली	20000	20000	20000	10000	10000	80000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	व्यवस्थित खानेपानी वितरण प्रणाली	पालिका, निजी क्षेत्र		
		१.१.३	१.१.३.१	वितरण ट्याङ्कीमा शुद्धीकरण व्यवस्थापन गर्ने	संख्या			20000	20000	20000	20000	20000	100000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	शुद्ध पानी वितरण	पालिका, निजी क्षेत्र		
			१.२.१	१.२.१.१	मुल पहिचान, अभिलेखिकरण तथा संरक्षण गर्ने	संख्या	नभएको	सबै	20000	5000			25000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	मुल अभिलेखिकरण	पालिका, निजी क्षेत्र		
			१.२.१.३	मुहानहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन क्रमिक रूपमा निर्माण गर्ने	संख्या	नभएको	सबै	3000	2000	1500	5000	5000	16500	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	प्रतिवेदन	पालिका, निजी क्षेत्र		
		१.२.२	१.२.२.१	प्रत्येक वडामा मुहान संरक्षण तथा सुरक्षित खानेपानीको लागि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन	संख्या	अपर्याप्त	प्रत्येक वर्ष २ पटक	1000	1000	1000	1000	1000	5000	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन	पालिका, निजी क्षेत्र		
2	2.1	२.१.१	२.१.१.१	खानेपानीका समितिहरूलाई वातावरण तथा सरसफाई प्रति उत्तरदायि बनाउने				500	500	500	500	500	2500	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	उत्तरदायि खानेपानी समिति	पालिका, निजी क्षेत्र		
			२.१.३	२.१.३.१	प्रत्येक वडामा महिला समुह,अमा समुह, स्थानीय युवा समुह साथै विद्यार्थी माझ पुर्ण सरसफाई सम्बन्धि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने (नाटक प्रदर्शन)	संख्या	नभएको	प्रत्येक वर्ष २ पटक	500	500	500	500	500	2500	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन भएको हुने	पालिका, निजी क्षेत्र	
			२.१.३.२	सार्वजनिक शौचालय स्थापना	संख्या		८	600	1800	1200	600	600	4800	पालिका, निजी क्षेत्र, गै.स.स	सार्वजनिक शौचालय स्थापना भएको हुने	न.पा., निजी क्षेत्र		

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय						
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना/कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय				
भौतिक- सिंचाई																				
	1.1	१.१.१	१.१.१.१	मर्मत संभार गर्नुपर्ने कुलोहरूको लगत तयार गर्ने	संख्या	नभएको	१	1000	1000			2000	न.पा.	कुलोहरूको लगत तयार भएको हुने	न.पा.					
			१.१.१.१	मर्मत संभार गर्नुपर्ने कुलोहरू क्रमिक रूपमा मर्मत गर्ने	संख्या	अपर्याप्त		2000	2000	1000	1000	7000	न.पा., गै.स.स	कुलोहरू मर्मत भएको हुने	न.पा.					
		१.१.२	१.१.२.१	सिंचाईको श्रोतहरूको अध्ययन गर्ने	संख्या	नभएको	१	1000	1000			2000	न.पा., गै.स.स	सिंचाईको श्रोतहरूको पहिचान भएको हुने	न.पा.					
			१.१.२.२	कूलोबाट सिंचाई हुन नसक्ने स्थानमा लिफ्ट सिंचाई संचालन गर्ने	संख्या	अपुग		3000	3000	3000	3000	15000	न.पा., गै.स.स	सिंचाईको श्रोतहरूको पहिचान भएको हुने	न.पा.					
			१.१.२.३	पलाशिक पोखरी कार्यक्रम प्राथमिकताका साथ संचालन गर्ने	संख्या			1500	1500	1500	1500	7500	न.पा., गै.स.स	पलाशिक पोखरीहरू सञ्चालन भएको हुने	न.पा.					
		१.१.३	१.१.३.१	वर्षातको पानी सङ्कलन गर्ने				1000	1000	1000	500	4000	न.पा., गै.स.स	वर्षातको पानी सङ्कलन भएको हुने	न.पा.					
			१.१.३.२	निरन्तर रूपमा पोखरी, ताल तलेया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण गर्ने	संख्या			2000	2000	2000	2000	10000	न.पा.	पोखरी, ताल तलेया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण भएको हुने	न.पा.					
		१.१.४	१.१.४.१	सम्भावित नयाँ सिंचाई आयोजनाहरू निर्माण गर्ने (निमारचोक, अरचले धारापानी, मार्पाक पोखरा, हेंगु खोला, भरयाङभुर्खुङ, विकासे, धोपल खोला, सेल्फ फाँट, पचासे खोला, चरङ्गे फेदी)	संख्या			30000	30000	30000	30000	150000	न.पा., निजी क्षेत्र, गै.स.स	विभिन्न लिफ्ट सिंचाइहरू सञ्चालन भएको हुने	न.पा.					
2	2.2	२.२.१	२.२.१.१	विभिन्न सिंचाइ योजना दीगो रूपमा सञ्चालन गर्ने	संख्या			2000	2000	2000	2000	10000	न.पा., गै.स.स	सिंचाइ योजनाहरू दीगो रूपमा सञ्चालन भएको हुने	न.पा.					
भौतिक- सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि																				
	१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	नगरपालिका तथा वडाहरूको संचार क्षमता विकास	क्षमता		10000	10000	10000	10000	50000	प्रदेश, न.पा.	न.पा.को विधुतीय क्षमता विकास	न.पा.					
			१.१.२.१	सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकास	संख्या			20000	20000	20000	20000	100000	प्रदेश, न.पा.	सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकास भएको हुने	न.पा.					
			१.१.३.१	दुर सञ्चार नपुगेका वडाहरूमा सो सेवा पुर्याउन सेवा प्रदायक संस्थाहरूलाई सहजीकरण	संख्या			1000	1000	1000	1000	5000	न.पा.	सबै ठाँउमा दुरसञ्चार सेवा विस्तार	न.पा.					

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय
तावरण – वन तथा जैविक विविधता																
1	1.1	१.१.१	१.१.१.१				२००	२००	५००	५००	५००	१९००	न.पा.	प्रतिवेदन	न.पा.	न.पा.
			१.१.१.२				२००	२००				४००	न.पा.	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			१.१.१.३		केहि	30	1500	1000	1000	500	500	4500	न.पा. नीजि क्षेत्र	लेखा, शाखा प्रतिवेदन, दस्तावेज	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			१.१.१.४		न्यून		70	70	70	70	70	350	न.पा.	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			१.१.१.५		केहि	(वार्षिक)	1000	500	500	500	500	3000	न.पा.	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			१.१.१.६		छैन	1	500	500	500	500	500	2500	न.पा., अन्य निकाय	प्रतिवेदन, सहभागि सुचि	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		१.१.२	१.१.२.१		सरकारी वनमा नहुने	१०० हे.	200	200	200	200	200	1000	संघ, प्रदेश, न.पा.	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		१.१.३	१.१.३.१		अपर्याप्त	५,०००+वर्ष	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		१.१.३	१.१.३.२		नभएको	क्षतिपूर्ति तथा भगाउने कार्य	2000	2000	2000	2000	2000	10000	प्रदेश, न.पा., निजि क्षेत्र	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		१.१.४	१.१.४.१		नभएको	२० हे.	400	400	400	400	400	2000	प्रदेश, न.पा.,	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		१.१.७	१.१.७.१		नभएको	5	200	200	200	200	200	1000	न.पा., अन्य निकाय	प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.१.१	२.१.१.१		केहि भएको	५० हे.	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.१.२	२.१.२.१		छैन	वर्षमा १ पटक सबै वनमा गर्ने	1500	1500	1500	1500	1000	7000	प्रदेश, न.पा., निजि क्षेत्र	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.२.४	२.२.४.१		--	५०० हे.	400	400	400	400	400	2000	न.पा., गै.स.स	प्रचार प्रसार	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.२.४.२	२.२.४.२		नभएको	५ (वार्षिक)	1500	1500	1500			4500	प्रदेश, न.पा., निजि क्षेत्र	पोखरीहरु निर्माण	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.२.४.३	२.२.४.३		नभएको	५	200	200	200	200	200	1000	न.पा., गै.स.स	सचेतना कार्यक्रम	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.२.५	२.२.५.१		नभएको	५	200	200	200	200	200	1000	न.पा., गै.स.स	सचेतना कार्यक्रम	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.३.१	२.३.१.१		नभएको	५	2000	2000	2000	2000	2000	10000	संघ प्रदेश, न.पा.	नर्सरी, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.३.१.२	२.३.१.२		नभएको	८	2400	2400	2400	2400	2400	12000	न.पा., नीजि क्षेत्र	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.३.३	२.३.३.१		नभएको		3000	1500	1500	1000	500	7500	संघ, प्रदेश, न.पा.	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.३.३.२	२.३.३.२				2500	1500	1500	1000	1000	7500	न.पा., नीजि क्षेत्र		न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		३.१.१	३.१.१.१		अपर्याप्त	6	900	400	400	400	400	2500	संघ, प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		३.१.५	३.१.५.१		नभएको		2000	1000	1000	500	500	5000	संघ, प्रदेश, न.पा., नीजि क्षेत्र	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट										खिम्मेवार निकाय				
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
तावरण -भूस्तरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन																		
1	1.1	१.१.१	१.१.१.१		वायो इन्जिनियरिङद्वारा खोला किनारा संरक्षण	केहि भएको	५ कि.मि	5000	5000	5000	5000	5000	25000	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
			१.१.१.२		ठूला तथा एनले तोकिका सबै आयोजनाहरू संचालन पूर्व BES, IEE, EIA गराउने र सो नगरिएका आयोजनालाई अनुमति नदिइने नीति र अनुगमन गर्ने	नीति कार्यान्वयन नभएको	नीति कार्यान्वयन गर्ने	1100	1000	1000	1000	1000	5100	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
			१.१.१.३		पानीका स्रोत पहिचान गर्ने ।			1500	1000	1000		3500	संघ, प्रदेश, न.पा., निजि क्षेत्र	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.		
		१.१.३.	१.१.३.१		नदीहरूबाट सिंचाई कुलो, नहर निर्माण गर्ने ।			1500	1500	1500	1000	1000	6500	प्रदेश, न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
		१.१.६.	१.१.६.१		न.पा.का सबै नदी खोला, खोल्सीहरूको क्षेत्र तोक्ने र अतिक्रम हुन नदिने ।	नभएको		२५००	२०००	१०००	१०००	१०००	७५००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा. वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
			१.१.६.२		पोखरी तथा पानीका मुहानको पुर्ननिर्माण	नभएको		२५००	२०००	१०००	१०००	१०००	७५००	संघ, प्रदेश, न.पा.	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
			१.१.६.३		ताल तलैया, पोखरी तथा जलाधार संरक्षण	केहि भएको	२०	२००	२००	२००	२००	२००	१०००	प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
			१.१.६.४		सिमासार क्षेत्रहरूको पहिचान र संरक्षण	छैन	२	२५००	१०००	५००	५००	५००	५०००	प्रदेश, न.पा., निजि क्षेत्र, अन्य निकाय	सिमासार क्षेत्रहरूको पहिचान र संरक्षण भएको हुने	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
2	2.1	२.१.३	२.१.३.१		वन व्यवस्थापनमा मै.स.स.को परिचालन गर्ने ।			२००	२००	२००	२००	२००	१०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	वन व्यवस्थापन भएको हुने	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
3	3.1	३.१.२	३.१.२.१		कायर खोला तटबन्धन निर्माण (वडा नं १)			५०००	१००	१००	१००	१००	५४००	न.पा., निजि क्षेत्र, अन्य निकाय	न.पा. को प्रदेश र संघसँग सहकार्य	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
			३.१.२.२		लादर खोला तटबन्धन निर्माण (वडा नं २)			५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
			३.१.२.३		पम्पा खोला तटबन्धन निर्माण (वडा नं ९)			५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
			३.१.२.४		पम्पा खोला तटबन्धन निर्माण (वडा नं ७)			५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
			३.१.२.५		राप्ती ड्याम मर्मत (वडा नं ११)			५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
			३.१.२.६		पम्पा खोला तटबन्धन (वडा ६/७)			५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	२५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
			३.१.२.७		बुढी राप्ती तटबन्धन (गौचरण)			४०००	४०००	४०००	४०००	४०००	२००००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
			३.१.२.८		लदरा खोला तटबन्धन (वडा नं १)			२५००	२५००	२५००	२५००	२५००	१२५००	संघ, प्रदेश, न.पा.	न.पा वार्षिक प्रतिवेदन	न.पा. स्थानीय, निजि क्षेत्र	न.पा.	
		३.१.३	३.१.३.१		जलप्रकोप बाट बचाउन बढी जोखिम क्षेत्रमा साइडरन जडान गर्ने ।			५००	५००	५००	५००	५००	२५००	संघ, प्रदेश, न.पा.	नदीहरूमा साइडरन जडान भएको हुने	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	
		३.१.४	३.१.४.१		नदीजन्य उद्योग स्थापनामा अनुदानको व्यवस्था गर्ने ।			२०००	१०००	१०००	५००	५००	५०००	संघ, प्रदेश, न.पा.	नदीजन्य उद्योगको स्थापना	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	न.पा.	

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
घरण – वातावरण तथा फोहोर मैला व्यवस्थापन																	
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१			बुझारोपण कार्यक्रम संचालन		100	100	100	100	500					
			१.१.१.२			वातावरण संरक्षण दिवस कार्यक्रम संचालन											
		१.१.४	१.१.४.१			पर्या पर्यटनको प्रवर्द्धन कार्यक्रम		300	300	300	300	1500	संघ, प्रदेश, स्थानिय तह				
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१			फोहोर मैला संकलनको शुरुवात गर्ने	नभएको	500	400	400	400	2000	संघ, प्रदेश, न.पा.				
			२.१.१.२			विद्यालय तथा टोल, बस्ती, समुदाय तथा वडा सरसफाई कार्यक्रम	अपर्याप्त	100	100	100	100	500	न.पा.	लेखा, शाखा प्रतिवेदन, दस्तावेज	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति	
			२.१.१.४			फोहोर मैला प्रशोधन केन्द्र निर्माण	नभएको	1000	1500			2500	न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय				
		२.१.२	२.१.२.१			फोहोरलाई श्रोतमै छुट्याउने कार्यक्रम	छैन्	2000	2000	1000	1000	7000	संघ, प्रदेश, नीजि क्षेत्र	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति	
		२.१.३	२.१.३.१			फोहोरको पुनः प्रयोग सम्बन्धि सचेतना तथा जागरण कार्यक्रम	नभएको	5	400	250	200	1250	न.पा., निजि क्षेत्र				
			२.१.३.२			फोहोरबाट मल र बायो ग्यास बनाउने प्रविधि अध्ययन गर्ने	नभएको	1	20000	10000	10000	5000	5000	न.पा., नीजि क्षेत्र	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
		२.१.४	२.१.४.१			फोहोर व्यवस्थापन स्थल (Land Fill site)लागि संभाव्यता अध्ययन	नभएको	1	2000	2000		4000	n.paa	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति	
वातावरण – विपद तथा जलवायु परिवर्तन																	
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१			विपद जोखिम क्षेत्रको पहिचानका लागि अध्ययन गर्ने	संख्या	१	१००			१००	न.पा.	न.पा.	न.पा.	न.पा.	
			१.१.१.२			जोखिम सवेदनशील भूउपयोग योजना तर्जुमा गर्ने	संख्या	१	२००			२००	न.पा.	न.पा.	न.पा.	न.पा.	
		१.१.२	१.१.२.१			जोखिम सवेदनशील क्षेत्रको वस्ती स्थानान्तरण लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने	संख्या	१	१०००	१०००	१०००	१०००	५०००	न.पा.	न.पा.	न.पा.	
२	२.१	२.१.१	२.१.१.१			विपद व्यवस्थापन समिति निर्माण र परिचालन (न.पा. स्तरीय तथा वडा स्तरीय)	१ न.पा. स्तरीय	६	100	100	100	100	500	न.पा., अन्य निकाय	लेखा, शाखा प्रतिवेदन, दस्तावेज	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.१.२			वडा स्तरमा विपद व्यवस्थापन कोष स्थापना तथा परिचालन		कोष स्थापना	2000	1000	1000	1000	6000	प्रदेश, न.पा.	विपद व्यवस्थापन कोष	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.१.३			राहत तथा सुरक्षण प्रदान गर्ने प्रदेश सरकार, संघीय सरकार तथा दातृ निकायसँग साझेदारी	अपर्याप्त	नियमित समन्वय				0	संघ, प्रदेश, न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय		नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति	
		२.१.१.४	२.१.१.४			पहिरोग्रस्त क्षेत्रको रोकथाम तथा वृक्षारोपण		५ हे.	600	300	200	200	1500	प्रदेश, न.पा.	वृक्षारोपण		
		२.१.२	२.१.२.१			समुदाय स्तरमा विपद व्यवस्थापन समिति गठन (टोल विकास संस्था वा नयाँ समिति) र सामुदायिक क्षमता विकास	नभएको	५० समिति	300	300	200	100	1000	न.पा., अन्य निकाय	विपद व्यवस्थापन समिति गठन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना			कार्यान्वयन समयावधि/ बजेट										जिम्मेवार निकाय			
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय
		२.१.४	२.१.४.१	सबै माध्यमिक विद्यालय, अस्पताल, स्वास्थ्य चौकी, न.पा. तथा वडा कार्यालयमा Fire Extinguisher अनिवार्य	1	50	900	900	900	900	900	4500	प्रदेश, न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय	सार्वजनिक स्थलमा Fire Extinguisher		नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.२	टोल विकास संस्थाको रोहवरमा रहने गरी Fire Extinguisher को व्यवस्थापन	नभएको	150	270	270	270	270	270	1350	न.पा.	Fire Extinguisher व्यवस्थापन भएको हुने	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.३	शव वाहनको व्यवस्था	नभएको	1	2000	2000				4000	संघ, प्रदेश, न.पा.	शव वाहनको व्यवस्था भएको हुने	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.४	एम्बुलेन्सको सेवाको निरन्तरता तथा विस्तार	1	4	7000	7000	2000	2000	2000	20000	संघ, प्रदेश, न.पा.	एम्बुलेन्सको सेवाको विस्तार भएको हुने	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.५	हरेक वडा भवनमा विपद् सामग्री भण्डारण कक्ष	नभएको	6	3000	9000	9000	6000	3000	30000	संघ, प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय	विपद् सामग्री भण्डारण कक्षको व्यवस्था	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.६	न.पा. बासीसँग विपद्का सूचना आदान प्रदान गर्न न.पा. स्तरमा आपतकालिन सेवा सञ्चालन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन	नभएको	१ केन्द्र स्थापना	6000	1000	1000	1000	1000	10000	संघ, प्रदेश, न.पा.	आपतकालिन सञ्चालन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.७	न.पा. स्तरीय विपद् उद्धार सम्बन्धि अभ्यास (साझेदारहरूको सहकार्यमा)	1	२ (वार्षिक)	2000	2000	1000			5000	प्रदेश, न.पा., नीजि क्षेत्र	विपद् उद्धार सम्बन्धि अभ्यास	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.८	वडा स्तरीय विपद् उद्धार सम्बन्धि अभ्यास (साझेदारहरूको सहकार्यमा)	नभएको	30	500	500	500			1500	न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय	विपद् उद्धार सम्बन्धि अभ्यास	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.९	विद्यालयमा विपद् सम्बन्धि तालिम (विद्यार्थी तथा शिक्षक दुवैलाई)	नभएको	25	250	250	250	250	250	1250	न.पा., अन्य निकाय	तालिम	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१०	न.पा.स्तरीय प्राथमिक उपचार सम्बन्धी तालिम	नभएको	5	50	50	50	50	50	250	प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय	तालिम	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.११	विद्यालय (मा.वि) स्तरमा प्राथमिक उपचार सम्बन्धि तालिम	नभएको	6	90	90	90	90	90	450	प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय	तालिम	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१२	यातायात मजदुरहरूलाई विपद् उद्धार तथा प्राथमिक उपचार तालिम	--	५	15	15	15	15	15	75	न.पा., नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय	तालिम	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१३	प्रमुख सडकहरूमा ट्राफिक चिन्ह व्यवस्था	छैन्	१०	70	70	20	20	20	200	संघ, प्रदेश, न.पा.	प्रमुख सडकहरूमा ट्राफिक चिन्ह	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१४	न.पा. स्तरीय विपद् पुनःस्थापना केन्द्रको स्थापना	छैन्	1	30000	20000				50000	संघ, प्रदेश, न.पा.	विपद् पुनःस्थापना केन्द्र	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१५	विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण अद्यावधि तथा कार्यक्रमहरू सञ्चालन	नभएको	1	600	100	100	100	100	1000	प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय	विपद् पूर्वतयारी कार्यक्रम	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१६	दक्ष निर्माण मजदुरको प्रमाणीकरण	छैन्	३०० जना	60	60	60	60	60	300	न.पा.		नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१७	भवन निर्माण मापदण्ड तथा आचार संहिता बारे तालिम	नभएको	शुल्क लागू	150	150	150	150	100	700	प्रदेश, न.पा.	तालिम	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१८	भवन निर्माणमा कडाई	नभएको	नक्सा पास अनिवार्य						0	न.पा.		नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.१९	एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम	नभएको	लागु गर्ने	2000	2500	1000	1000	1000	7500	संघ, प्रदेश, न.पा.		नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
			२.१.४.२०	प्रकोप नक्सांकन तथा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम	नभएको	न.पा.को सबै स्थान	400	500	200	200	200	1500	संघ, प्रदेश, न.पा.			
			२.१.४.२१	जोखिमपूर्ण स्थानको पहिचान (नदी कटान, पहिरो, चट्यांग आदि)	नभएको	१ पटक	400	500	200			1100	संघ, प्रदेश, न.पा.			
			२.१.४.२२	न.पा.भित्रका खुला क्षेत्र पहिचान तथा अभिलेखाङ्कन	नभएको	१ पटक	300	300	200			800	न.पा.			
			२.१.४.२३	बाढी तथा पहिरो जोखिम क्षेत्रमा पूर्व सूचना प्रणाली तथा साइरन जडान	नभएको	3	500	500	500			1500	संघ, प्रदेश, न.पा.			
		२.१.५	२.१.५.१	विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धि सचेतना	नभएको	5	100	100	100	100	100	500	न.पा., अन्य निकाय			
			२.१.५.२	विपद् सचेतना कार्यक्रम (विद्यालय तथा समुदायमा)	केहि भएको	३०	600	600	600	600	600	3000	न.पा., अन्य निकाय	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति

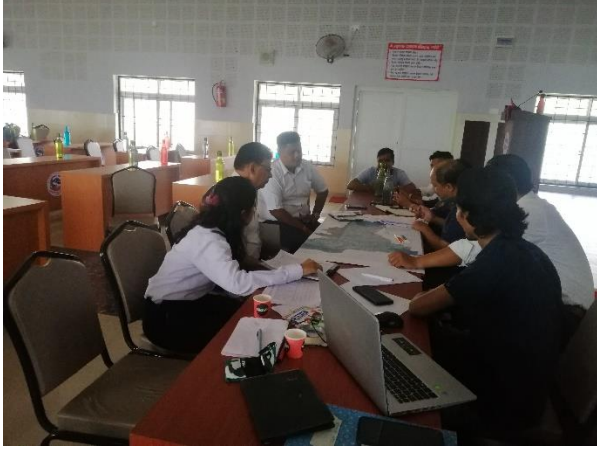
बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयावधी/ बजेट											जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना / कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय	
		२.१.६.	२.१.६.१	जोखिमयुक्त तथा विपद्दा परेका व्यक्ति वा परिवारलाई पुनःस्थापना र बसोबासको कार्यक्रम	केहि भएको	५ बस्ती	500	500	500	500	500	2500	संघ, प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय				
			२.१.६.२	जोखिमयुक्त बस्ती पहिचान गरी एकीकृत बस्तीको योजना निर्माण	केहि भएको	५ बस्ती विकास योजना	4000	3500				7500	संघ, प्रदेश, न.पा., दस्तावेज, प्रतिवेदन				
३	३.१	३.१.३.	३.१.३.१	पर्यावरणमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना निर्माण)	--	कार्ययोजना निर्माण	100	100	100	100	100	500	संघ, प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय				
		३.१.४	३.१.४.१	जलवायु परिवर्तन समायोजन ज्ञानको अध्ययन तथा मापन संयन्त्रको विकास	--	१ अध्ययन	2500					2500	संघ, प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय				
		३.१.५	३.१.५.१	समुदायमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम	केहि भएको	50	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा., अन्य निकाय				
		३.१.६	३.१.६.१	विकास गतिविधिहरु जलवायु परिवर्तनका असरहरु न्यूनीकरण हुने तवरले लागू गर्ने नीति	--	नीति कार्यान्वयन	500					500	प्रदेश, न.पा., अन्य निकाय				
	३.२	३.२.४	३.२.४.१	सामुदायिक जनचेतनामूलक अभियान	--	५ (वार्षिक)	1500	1500	1500	1500	1500	7500	न.पा., अन्य निकाय				

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना																जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना / कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय		
संस्थागत-संस्थागत विकास																		
१	१.१	१.१.१	१.१.१.१	नगर प्रमुखसँग प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतसँग शाखा प्रमुख कर्मचारीहरूले कार्यसम्पादन सम्झौता गरी वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयनको समय तालिका र क्यालेन्डर तयार पार्ने र सोही अनुसार निर्धारित समयमै कार्यक्रम सम्पन्न गर्ने	नभएको		120	120	120	120	120	600	स्थानीय तह	लेखा, शाखा प्रतिवेदन, दस्तावेज	नगरपालिका सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति		
१	१.१	१.१.१	१.१.१.२	कर्मचारी तथा प्रशासन सम्बन्धि कार्यविधि निर्माण तथा कार्यान्वयन	नभएको		100	100	100	100	100	500	स्थानीय तह	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति		
१	१.१	१.१.१	१.१.१.३	नियमित अनुगमन मूल्याङ्कन गर्न निर्देशिका निर्माण	भएको	व्यवस्थित	1500					1500	स्थानीय तह नीजि क्षेत्र अन्य निकाय					
१	१.१	१.१.२	१.१.२.१	कर्मचारी मूल्यांकन कार्यविधि (दण्ड तथा पुरस्कारको नीति) निर्माण र कार्यक्षमतामा आधारित कर्मचारी मूल्याङ्कन प्रणाली विकास	कार्यविधि निर्माण		100					100	स्थानीय तह	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति		
१	१.१	१.१.३	१.१.३.२	विकासमा समावेशी सहभागिता अभिवृद्धि	नभएको	3	200	200	200	200	200	1000	प्रदेश, स्थानीय तह र अन्य निकाय					
१	१.१	१.१.५	१.१.५.१	गैसससँग वार्षिक अन्तरक्रिया कार्यक्रम	नभएको	5	25	25	25	25	25	125	स्थानीय तह					
१	१.१	१.१.५	१.१.५.२	सामुदायिक मेलमिलाप केन्द्रहरूलाई साधन स्रोत सम्पन्न बनाउने	नभएको	5	200	200	200	200	200	1000	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय					
२	२.१		२.१.०.१	वडा सचिव तथा प्राविधिक कर्मचारीको क्षमता विकास तालिम	नभएको		1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह					
२	२.१		२.१.०.२	कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूका लागि विद्यमान ऐन (खरिद ऐन, मुलुकी ऐन), कानून, सफ्टवेयर, अंग्रेजी, प्राविधिक, प्रतिवेदन लेखन, झाइभिड, सकारात्मक सोच जस्ता तालिमहरू सञ्चालन	कर्मचारी पुरस्कृत		500	500	500	500	500	2500	स्थानीय तह					
२	२.१		२.१.०.३	कर्मचारी हकहितका लागि अक्षय कोषको व्यवस्था	नभएको		3000	500	500	500	500	5000	स्थानीय तह					
२	२.१		२.१.०.४	सरोकारवालाहरूलाई ICT सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम	तालिम		250	250	250	250	250	1250	स्थानीय तह					
२	२.१		२.१.०.५	संस्थागत मेमोरी सुदृढीकरण		5	600	100	100	100	100	1000	प्रदेश, स्थानीय निकाय, अन्य निकाय					
१	१.१		१.१.०.१	कार्यालय व्यवस्थापन तथा लेखा प्रशासन सम्बन्धी तालिम	--		100	100	100	100	100	500	प्रदेश, स्थानीय तह, अन्य निकाय					
१	१.१		१.१.०.२	क्षमता विकास योजना तर्जुमा	नभएको	योजना तर्जुमा	300					300	संघ, प्रदेश, स्थानीय निकाय, अन्य निकाय					
१	१.१		१.१.०.३	नगरपालिकाका सबै वडामा गठित टोल विकास संस्थामा नयाँ नेतृत्वको लागि पदाधिकारी छनोट गर्ने व्यवस्था मिलाउने	समन्वय बैठक		1800	800	800	800	800	5000	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय					
१	१.१		१.१.०.४	टोल विकास संस्थाहरूलाई थप सक्रिय, सशक्त र निरन्तर क्रियाशिल तुल्याउन विकास निर्माणमा टोल सुधार संस्थासँग हातेमालो			0					0	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र,					
१	१.१		१.१.०.५	टोल विकास संस्थाहरूबीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकास गर्ने गरी आवश्यक सामाजिक, आर्थिक, प्राविधिक, वातावरणीय कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने	शाखा स्थापना		700	700	700	700	700	3500	स्थानीय तह, अन्य निकाय					
१	१.१		१.१.०.५	सहकारी तथा लघु वित्तीय संस्थाहरूलाई न.पा.को दायरामा ल्याउन सरोकारवालासँग समन्वय	नभएको	५ तालिम	50	50	50	50	50	250	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र, अन्य निकाय					
१	१.१		१.१.०.६	जनगुनासो सुनुवाई, गुनासो व्यवस्थापन र तिनको सम्बोधन गर्न नगरपालिकाको वेबसाइट र मोबाईल एपमा नागरिकको चासो र गुनासो Segment को व्यवस्था	छैन्	सबै वडाहरूमा	25	25	25	25	25	125	स्थानीय तह, नीजि क्षेत्र,					

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय						
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय				
राजस्व तथा श्रोत परिचालन																				
१	१.१		१.१.०.१ राजस्व दायरा फराकिलो बनाउन अध्ययन		नभएको	1	200	100	100	50	50	500	न.पा.							
१	१.१		१.१.०.२ एक द्वार कर प्रणाली बारे अध्ययन तथा कार्यान्वयन		नभएको	अध्ययन गर्ने	100	50	50	50	50	300	न.पा.							
१	१.१		१.१.०.३ एकिकृत सम्पत्ति कर बारे नीति निर्माण तथा लागू		नभएको	1	100	50	50	50	50	300	न.पा., प्रदेश							
१	१.१		१.१.०.४ MIS प्रणालीमा नक्शा पास तथा घर निर्माण स्वीकृति दरको पुनरावलोकन		नभएको	1	1500	1000				2500	न.पा., प्रदेश							
१	१.१		१.१.०.५ राजस्व सचेतना कार्यक्रम संचालन		केहि भएको	10	30	30	30	30	30	150	न.पा.							
१	१.१		१.१.०.६ घुम्ति कर संकलन		--	15	30	30	30	30	30	150	न.पा.							
१	१.१		१.१.०.७ आयात तथा निर्यात अनुगमन गर्न डेस्क संचालन		--	1	200	200	200	200	200	1000	न.पा.							
१	१.१		१.१.०.८ बेरूजु न्यूनीकरण र नियन्त्रणका हेतु सार्वजनिक खरिद व्यवस्थापन, सार्वजनिक सम्पत्ती व्यवस्थापन, राजस्व व्यवस्थापन र कर प्रणाली सम्बन्धि कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, उपभोक्ता समिति, टोल विकास संस्था माझ आर्थिक वर्षको शुरूवातमै अभिमुखिकरण कार्यक्रम सञ्चालन		अपर्याप्त	नियमन समिति गठन	50	50	50	50	50	250	न.पा., प्रदेश							
		१.१.४	१.१.४.१ प्रदेश तथा संघीय सरकारसँग नगरपालिका एकिकृत विकास योजना सम्बन्धि परामर्श तथा समन्वय बैठक		--	1	150	150	100	50	50	500	न.पा., प्रदेश, संघ							
२	२.१		२.१.०.१ नगरपालिकाको आम्दानी वृद्धि गर्न पार्क, व्यापारिक भवन, बसपार्क आदि निर्माण		1	3	100	100	100	100	100	500	न.पा., प्रदेश, संघ							
२	२.२		२.२.०.१ चाडू परियोजनाहरु समयमै सम्पन्न गर्न संबन्धित निकाय तथा केन्द्र + प्रदेश सरकारलाई ताकेता		कार्याशाला गोष्ठी							0	न.पा., प्रदेश, संघ							
२	२.४		२.४.०.१ संभावना बोकिका बहुउद्देश्यीय ढुला परियोजनाहरुमा लगानी गर्न समन्वय		नभएको	समन्वय गर्ने	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा., प्रदेश, संघ							
२	२.४		२.४.०.२ आयोजना सहवित्तियकरण कार्यक्रम सञ्चालन		नभएको	10	10000	10000	10000	10000	10000	50000	न.पा., प्रदेश, संघ							
	२.४		२.४.०.३ नगरपालिका उद्यमशीलता विकास कोष स्थापना र सञ्चालनमा सहकार्य		--	वार्षिक रुपमा १ करोड विनियोजन	10000	10000	10000	10000	10000	50000	न.पा., प्रदेश, संघ							
	२.४		२.४.०.४ लागानीकर्ता प्रोत्साहन गर्न न.पा. को नीति निर्माण		--	5	500					500	न.पा.							
	२.४		२.४.०.५ तुलनात्मक लाभका केही सार्वजनिक निजी साझेदारीमा परियोजना संचालन		क्षेत्रमा सुरुवात गर्ने		4000	4000	4000	4000	4000	20000	न.पा., प्रदेश, संघ							
	२.४		२.४.०.६ लगानीकर्ता आकर्षित गर्न वृहत् उद्यमी भेला		नभएको	५ करोडको कोष स्थापना	1000	1000	1000	1000	1000	5000	न.पा., प्रदेश, संघ							

बहु क्षेत्रीय लगानी योजना				कार्यान्वयन समयवधी/ बजेट										जिम्मेवार निकाय		
उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	योजना /कार्यक्रम	एकाई	आधार वर्ष तथ्यांक २०७८/०७९	लक्ष्य	२०७९/०८०	२०८०/०८१	२०८१/०८२	२०८२/०८३	२०८३/०८४	कुल बजेट (रु. हजारमा)	बजेटको स्रोत	प्रमाणित गर्ने आधार	कार्यान्वयन गर्ने निकाय	अनुगमन गर्ने निकाय
			सुशासन													
१	१.२	१.२.१	१.२.१.१	सबै विषगत कार्यालय र विद्यालयहरूमा डिजिटल हाजिरीको व्यवस्था	नभएको	50	1000	2000	2000			5000	स्थानीय तह			
१	१.२	१.२.१	१.२.१.२	आर्थिक प्रशासन सम्बन्धि सफ्टवेयर जडान तथा प्रयोग तालिम	प्रचार प्रसार		200	300				500	स्थानीय तह			
१	१.२	१.२.१	१.२.१.३	सूचना प्रविधिमेत्री प्रशासन लागु	नभएको	1	1500	1000				2500	प्रदेश, स्थानीय तह, अन्य निकाय			
१	१.२	१.२.१	१.२.१.४	सूचना अधिकारीको व्यवस्था	दरबन्दी नभएको	1	50	50	50	50	50	250	स्थानीय निकाय, अन्य निकाय			
१	१.२	१.२.२	१.२.२.१	टोल विकास संस्थाको विकास निरिक्षणमा परिचालन	--	नियमित	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह			
१	१.२	१.२.२	१.२.२.२	सहज सेवा प्राप्त गर्न जनताको सहयोगका लागि सहयोगी परिचालन			100	100	100	100	100	500	स्थानीय तह			
१	१.२	१.२.२	१.२.२.३	नगरपालिकाका सबै सुचना संरक्षण र आवश्यक परेको वेला प्राप्त गर्न पुस्तकालयको व्यवस्था	छैन	1	6000	1000	1000	1000	1000	10000	स्थानीय तह, नौजि क्षेत्र, अन्य निकाय			
१	१.२	१.२.३	१.२.३.१	सबै योजना तथा कार्यक्रमको प्रकाशन र सबैको पहुँचमा रहने व्यवस्था	केही	सबै	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय निकाय, अन्य निकाय			
१	१.३		१.३.०.१	भ्रष्टाचार विरुद्धको शून्य सहनशिलता कार्यान्वयन (जनचेतना, आचार संहिता, गुनासो सुनुवाई, आदि)	--	5	500	500	500	500	500	2500	स्थानीय तह			
१	१.३		१.३.०.२	नगरपालिका कार्यालय र सबै वडा कार्यालयहरूमा डिजिटल नागरिक वडापत्र, डिजिटल सूचना बोर्ड जडान	नभएको	10	120	100	100	100	100	520	स्थानीय तह	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति
२	२.२		२.२.०.१	ठूला साना आयोजनाको सार्वजनिक सुनुवाई	नभएको	नीति कार्यान्वयन	1000	1000	1000	1000	1000	5000	स्थानीय तह	दस्तावेज, प्रतिवेदन	न.पा. र सम्बन्धित शाखा	नगरपालिका अनुगमन समिति

विषयगत समिति भेलाका केहि झलकहरु



श.प.स.स.सी. ज.प.र. पालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जुमा दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा २ दिने कार्यशाला गोष्ठी

मिति: २०७९ साल असार १६ र १७ गते
 स्थान: ...
सहभागी उपस्थिति




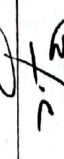

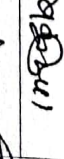

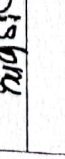
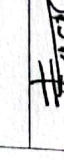
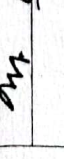

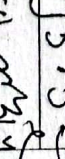
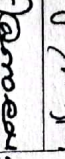

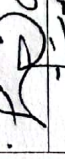
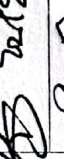
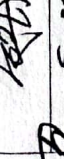

क्र.सं.	सहभागीको नाम	सहभागी भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१.	श्री श्री कुमा उपनिषा	न.प.प.स.स.स.सी.	sahab Kumar5401@hotmail	9851165401	<i>[Signature]</i>
२.	श्री श्री कृष्ण कुमारी	" " " " " "		9851165401	<i>[Signature]</i>
३.	श्री श्री पुष्पकोतार शर्मा	श.प.स.स.स.सी.	sharma1966@gmail	9851165401	<i>[Signature]</i>
४.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.	sharma1966@gmail	9851165401	<i>[Signature]</i>
५.	श्री श्री विनायक चन्द	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
६.	श्री श्री कृष्ण कुमारी	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
७.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
८.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
९.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
१०.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
११.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
१२.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
१३.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>
१४.	श्री श्री शिव शर्मा	श.प.स.स.स.सी.		9851165401	<i>[Signature]</i>

तर्जुमाली... सार... पालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जुमा दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा २ दिने कार्यशाला गोष्ठी

मिति: २०७९ साल असार १६... र... १६... गते
 स्थान: तर्जुमाली नगरपालिका सभागृह

सहभागी उपस्थिति

क्र.सं.	सहभागीको नाम	सहभागी भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१	श्री शशी कुमारी खत्री	नगर प्रमुख	Sashikumar5401@gmail.com	९८५११६५५०१	
२	" खतिना उपेक्षा -	उप प्रमुख		९८५२०९२२१९८	
३	राजु खत्री	होम मिष्टान -	Rajubanjyoti@gmail.com	९८५५०५४७१२	
४	पुसपुष्प शर्मा	प्रमुख पञ्चासकिय शिवालय			
५	नारायण पुरान	उप सदस्य		९८५३०६६२३५	
६	रोहिणी खत्री उपेक्षा	"	rohini.purani@gmail.com	९८५५०९२२३९	
७	श्री क. गुरुङ	"		९८५२०६२२००	
८	के. व. खत्री	"		९८५२०६६९८२	
९	हजाराय सुवेदी	"	chamra.subedi@gmail.com	९८५२०९२०८	
१०	अमल पुराण खत्री	"	amala@gmail.com	९८५२०९२३१६	
११	शर्मा मर्मा	"			
१२	श्री क. उपेक्षा	"	kandishankar2@gmail.com	९८५१३३६२३	
१३	कल्याण मर्मा	"		९८५५०५१३५५	
१४	राजु खत्री खत्री	"		९८५२०९२२३९	

क्र.सं.	सहभागीको नाम	सहभागी भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१५	निर्देशक कुमार कार्की	८५० अस्पाइल ११		९८५५१५२५५८	
१६	बैरालाथ पट्टन	" " १२			
१७	बालकृष्ण सुपाना	" " १३			
१८	बैरालाथ पट्टन	बाथालिकु सहरवा		९८६३५३२१२६	
१९	जोषा भद्रमणि	" "		९८५५१३२९९३	
२०	बिस्मिन्धु शर्मा	" "		९८४५५५०२६३	
२१	सुभा विठ्ठल	" "		९८४५०८३२४	
२२	प्रधानले कार्की	" "			
२३	विष्णु मन्ना शर्मा	" १		९८४४३३३३३	
२४	हरिप्रसाद कार्की	" "		९८४१२१११११	
२५	सुभा परिचार	" "			
२६	डॉ. हरिप्रसाद कार्की	सि.ग. - मोरिहवाडा		९८५५०९९९९	
२७	बैरालाथ पट्टन	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	
२८	बिष्णु मन्ना शर्मा	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	
२९	विष्णु मन्ना शर्मा	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	
३०	बिष्णु मन्ना शर्मा	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	
३१	बिष्णु मन्ना शर्मा	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	
३२	बिष्णु मन्ना शर्मा	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	
३३	बिष्णु मन्ना शर्मा	बाथालिकु सहरवा		९८४५०९९९९	

क्र.सं.	सहभागीको नाम	सहभागी भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
२६	रामहरि कर्मण नेत्रकुमार चौधरी	२१०५-११० नेत्रपा (समान)	neerbr64@gmail.com	९८२५०६३८१३	
२७	विष्णु मजुवा	रहेरनी नदी, खैरि वि.म.	dipenarval6@gmail.com	९८४२८९४४१	
२८	आशाव पाठन	दीनारवा शारवा अग्रवाल	naydelakashushy13@gmail.com	९८४२८९४४१	
२९	दामोदर अलिपाटी	पुजागडिप अलिपाटी	lchaitanihi@gmail.com	९८४२८९४४१	
३०	शांति कु. दाहाल	इशान दाहाल	9844853398	9844853398	
३१	जिन्दगी आनी	उद्योगिक शिवालय	9844853398	9844853398	
३२	सुरेन्द्र चौधरी	ई.पू. २११८५	sureshchoudhary@gmail.com	9844853398	

आवधिक विकास योजना तर्जुमा

दीर्घकालिन सौच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा दुई दिने कार्यशाला गोष्ठी

खैरहनी नगरपालिका / गाउँपालिका

समूह कार्य ३ : विषयगत योजना तर्जुमा

विषय क्षेत्रगत समूह : वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति

विषय क्षेत्रगत उप - समूह :

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
१	चैत बहादुर (प्राध्यापक)	ख.ग. पा. ४
२	दुलीराम खरे	खैरहनी - १२
३	मान बहादुर व. खरे	" ३
४	बुधराजिना महेली	" १
५	द्विपेन्द्र कुमार खरे	खैरहनी ११
६	शम शर्मा कँडेल	नेकपा माओवादी केन्द्र खैरहनी
७	आश्विन पौडेल	वातावरण शारदा प्रभुवर

कार्यक्षेत्र:

१. विषयगत योजना, परियोजना तथा कार्यक्रम
२. सूचकका लक्ष्य निर्धारण

५ वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

सूचक	इकाई	आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
जैविक विविधता संरक्षण क्षेत्रफल	वर्ग किमि	२३४.६०९	२३४.६०९
संरक्षित तथा व्यवस्थित वन क्षेत्र	प्रतिशत	१००%	१००%
समुदायवाट व्यवस्थापन भएको वनको क्षेत्रफल	हेक्टर	१६८२.०९	१६८२.०९
भू-क्षय र बाढी सवेदनशील क्षेत्र	संख्या	१२ वडा	०
जलाधार संरक्षण	संख्या	८	१०
उच्च मूल्यका जडीवुटी र गैरकाष्ठ वन पैदावर उत्पादन वन/जडीवुटीमा आधारित उद्योग, व्यवसायवाट रोजगारीता	(मे. टन) संख्या	६८	६८
विपदबाट क्षति भएको सम्पत्ति	रु.	२० crore	४ crore
जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी तालिम प्राप्त जनशक्ति	संख्या	२००	२०००

५.१ वन र जैविक विविधता

सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
जैविक संरक्षणका लागि मिचाहा प्रजाति नियन्त्रण, वृक्षारोपण, रिचार्ज पोखरी, अग्नीरेखा, भाडी सफाई जस्ता कार्यहरुको	संख्या		
सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र र सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमा आवद्ध सदस्य संख्या	हेक्टर/संख्या	१६८२.०९/६०००	१६८२.०९/३०००
कबुलियती वनले ओगटेको क्षेत्र र कबुलियती वनमा आवद्ध सदस्य संख्या	हेक्टर/संख्या	४/६८ (क्षेत्र)	१/६८ (क्षेत्र)
सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्र (धार्मिक वन समेत)	प्रतिशत	—	—
चोरी शिकारी, आगलागी, डढेलो लगायतवाट लोपोन्मुख एवं वन्यजन्तुहरुको क्षति	संख्या	—	—
वन्यजन्तुहरुवाट अन्नवालीमा पुगेको वार्षिक औषत क्षति	रु.	—	—
वन प्रजाती प्रति हेक्टर	संख्या	—	—
वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र	हेक्टर	१५००	२००
आयमूलक कार्य संचालित वन क्षेत्र	प्रतिशत	२०%	४०%
गैरकाष्ठ वन पैदावारहरुको व्यवसायिक खेती गरिएको क्षेत्र	हेक्टर	—	—
संरक्षित तथा चरन क्षेत्र	हेक्टर	—	—
वन तथा जडीवुटीमा आधारित उद्योग, व्यवसाय	संख्या	—	—

५.२ वातावरण तथा स्वच्छता

सूचक

सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०७६-७७, संख्या	५ वर्ष लक्ष्य
मनोरञ्जनस्थल, पार्क र हरित क्षेत्र	संख्या	५	२५
प्रयोगमा आएको फोहोरमैला व्यवस्थापन प्रणाली	संख्या	३ ५ लक्ष	सर्वे
कम्पोस्ट-बिन र गाबेज-पिट प्रयोग गर्ने परिवार	संख्या	-	-
निष्काशित फोहोरमैलाको औषत परिमाण	मेट्रन	५ लक्ष टन	-
नियमित सरसफाइको अभ्यास गर्ने घरधुरी	प्रतिशत	३०%	१००%
प्रशोधन गरिएको फोहोरमैला अनुपात →	प्रतिशत	४०%	१००%
व्यवस्थित ढल निकास भएको बजार क्षेत्र	संख्या	१५	२५
शौचालय, घर आँगनको कुहिने फोहोरलाई व्यवस्थित गर्नेको	संख्या	९५%	१००%
परम्परागत उर्जा (दाउरा) प्रयोग गर्ने घरधुरी	संख्या	१०५%	०% ०%
घरभित्रको धुवाँमुक्त घरधुरी	प्रतिशत	५%	०%
घर, कार्यालय एवं अस्पतालको नकुहिने, नगल्ने, नसड्ने प्लाष्टिकजन्य फोहोरलाई सुरक्षित विसर्जन गर्नेको	संख्या	९५%	९५%

५.३ भू तथा जलाधार संरक्षण

सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०७८-७९ सम्मको	५ वर्ष लक्ष्य
सुरक्षित घाभी मुहान क्षेत्र	सख्या	—	—
सुरक्षित खेतबारीको क्षेत्रफल	प्रतिशत	६०%	६०%
नदी नियन्त्रण लम्बाई	किमि	१५	५००
स्पर तथा बाध, चेकड्याम	किमि	१५	१००
सुरक्षित मलुधी र पहिरो	सख्या	—	—
सुरक्षित भू-क्षय र बाढी संवेदनशील क्षेत्र	सख्या	१३ १८१०१५१	०
सुरक्षित र व्यवस्थित तालतलैया र सिमसार क्षेत्र	सख्या	४	२०
जलउत्पन्न प्रकोपबाट प्रभावित घरपरिवार	सख्या	५००	०
बायोइन्जिनियरिड प्रविधि प्रयोग संरचनाको लम्बाई	किमि	—	—

५.४ विपद् व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन

सूचक	इकाई	आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्ष लक्ष्य
सुरक्षित, एकीकृत र व्यवस्थित बस्ती आवास क्षेत्र	सख्या	—	—
अयोग्य बस्ती वा स्थानमा बसोबास गरेका परिवार	सख्या	—	—
विपद्बाट भएको <u>बार्षिक क्षती</u> (जग्गा, संरचना, बाली नाली, पशुपक्षी र अन्य सम्पत्ती)	रु. हजार	५० लाख	१५ लाख
खुला क्षेत्र तथा स्थानहरू	सख्या	५	२५
आपतकालीन उद्धारका लागि तालिम प्राप्त स्वयंसेवक	जना	१२०	१०००
विपद् व्यवस्थापन स्थानीय कोषमा भएको रकम	रु.	८० लाख	१०० लाख
विपद् व्यवस्थापनमा क्रियाशील सघ संस्थाहरू	सख्या	१०	५०
विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य समिति गठन भएका वडाहरू	सख्या	—	—
विपद् प्रतिकार्यका लागि भएको आपतकालीन नमूना अभ्यास	सख्या	५	१२५
विपद् व्यवस्थापन सूचना प्रणाली तथा पूर्वचेतावनी प्रणाली जडान भएका क्षेत्रहरू	सख्या	१५ १०२११	१३ वटा
आपतकालीन उद्धारका लागि अत्यवश्यक एम्बुलेन्स तथा वरुणयन्त्रको व्यवस्था	सख्या	२	२०
जलवायु परिवर्तन अनुकूलन न्यूनीकरण सम्बन्धी सचेतना लगायतका कार्यक्रम संचालन	सख्या	४	१००

वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन: वन (नीजि, सामुदायिक तथा सरकारी), नदी तथा खोला नाला, प्रदूषण, फोहोर मैला व्यवस्थापन, उर्जा, भूक्षय तथा नदी नियन्त्रण, वन्यजन्तु, जैविक विविधता, सिमसार क्षेत्र, जलवायु परिवर्तनको अनुभव, बुझाई, परिवर्तनको प्रभाव न्यून गर्ने स्थानीय प्रविधि र ज्ञानको विकास, बाढी, पहिरो, आगोलागी, भूक्षय, अतिबृष्टी, अनाबृष्टी, भूकम्प, महामारी, सकटग्रस्त क्षेत्र पहिचान, विपद् व्यवस्थापन योजना, पूर्व तथा पश्चिम व्यवस्थापना आदि सम्बन्धी योजनाहरू तथा बजेट विवरण।

→ कयर, नदी, छेउमा, उपजा, रानी, ठूली रानी (५km)

क्र.सं.	योजनाहरूको विवरण	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
१.	सर्व वडाहरूको नदी रसमा / नालाहरूमा नदबलान	२ अर्ब	✓	✓	✓	✓	✓
२.	वन संरक्षण [अग्नी नियन्त्रण, अल कलान तथा झरान, बाटा रवाना (रूपाक निर्माण)]	४ करोड	✓	✓	✓	✓	✓
३.	भूक्षय [भूक्षय नियन्त्रण घन रसाईण, नगर क्षेत्र भित्र भूक्षय भाषन (दानी, वायु र पानी) प्रदूषण कोटोर सेला व्यवस्थापन [शान्त] रानी सुरण रानी, अधिभूमी करण नालिस, आर्कन कोटोर व्यवस्थापन रानी, केसिड अजार क्षेत्र सरसफाई, दुवामी धाइन आर्कन रसाईण रानी, इन लम्बाइ रसाईण रानी, Jucineraphs रसाईण रानी]	१ करोड	✓	✓	✓	✓	✓
४.	कोटोरको बिगुस इन्चान रानी Machine रसाईण रानी	१ करोड	✓	✓	✓	✓	✓
५.	कम्युनल तथा डिमसार रानी	२० लाख	✓	✓	✓	✓	✓
६.	सर्कल						
७.	संसाधन, परिकर्मा अन्वेषण विशालयन्त्र						

वन, बालावरण तथा विपद् व्यवस्थापन: वन (जीव, सामुदायिक तथा सरकारी), नदी तथा खोला नाला, प्रदुपण, फोहोर मैला व्यवस्थापन, उर्जा, भूक्षय तथा नदी नियन्त्रण, वन्यजन्तु, जैविक विविधता, शिमसार क्षेत्र, जलवायु परिवर्तनको अनुभव, बुझाई, परिवर्तनको प्रभाव न्यून गर्ने स्थानीय प्रविधि र ज्ञानको विकास, बाढी, पहिरो, आगोलागी, भूक्षय, अतिबृष्टी, अनाबृष्टी, भूकम्प, महाभारी, सैकटयस्त क्षेत्र पहिचान, विपद् व्यवस्थापन योजना, पूर्व तयारी र पुनर्स्थापना आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं.	योजनाहरुको विवरण	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
	तथा वडा स्तरमा स्थानीय कार्यक्षेत्र	१० लाख	✓				
	C. बालावरण, वन तथा विपद् व्यवस्थापन तथा सरसफाई सम्बन्धी उपसाध ज्ञानको विकास गर्न आशुभ्रमनी कुरा कार्यक्रम	३० लाख	✓				
	९. बाढी पहिरोमा स्थानीयता गर्न एउटा वडाभा उपसाधकर्म विपद् व्यवस्थापन योजना						
	सम्बन्धी आँकडा तथा पूर्व तयारी अभ्यास सम्बन्धी लागू	३० लाख	✓				
	१०. विपद् उपबन्धनको सम्बन्धी पूर्वस्थापना	२० करोड	✓	✓	✓		
	एउटा पहिचान, क्षति						
	११. सामुदायिक कुरा उपबन्धन कार्यक्रम (एउटा वडा)	१ करोड	✓	✓			
	१२. नगर क्षेत्र अन्तर्गत बाढी - पहिरो अभ्यास	१ करोड	✓				
	अध्ययन (Flood Vulnerability Assessment)		✓				
	(एउटा वडा)						

वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन: वन (नीडि, सामुदायिक तथा सरकारी), नदी तथा खोला नाला, प्रदूषण, फोहोर मैला व्यवस्थापन, उर्जा, भूक्षय तथा नदी नियन्त्रण, वन्यजन्तु, जैविक विविधता, सिमसार क्षेत्र, जलवायु परिवर्तनको अनुभव, बुझाई, परिवर्तनको प्रभाव न्यून गर्ने स्थानीय प्रविधि र ज्ञानको विकास, बाढी, पहिरो, आगोलागी, भूक्षय, अतिबूढी, अनाबूढी, भूकम्प, महाभारी, सकटग्रस्त क्षेत्र पहिचान, विपद् व्यवस्थापन योजना, पूर्व तयारी र पुर्नस्थापना आदि सम्बन्धी योजनाहरू तथा बजेट विवरण ।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं.	योजनाहरूको विवरण	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
१३.	रक्षक गण शिक्षक "सु घर सु सिला" श्रवण (बोलात) (स्थानीय)	१२००००	✓	✓			
१०.	रक्षक गण गुरुय शताब्दी [१५ km] सावध	१०००००					
१४.	Integrated Solid Waste Management [ISWM] सिर्जि	१०००००	✓	✓			
१५.	रक्षक गण को गण सं. १०१, १११, १११	१०००००	✓	✓			
१६.	गण Home Stay सिर्जि	१०००००	✓	✓			
१७.	गण गण २०-२० बजेट	१०००००	✓	✓			

आवधिक विकास योजना तर्जुमा

दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा दुई दिने कार्यशाला गोष्ठी

.....खैरहनी.....नगरपालिका / गाउँपालिका

समूह कार्य ३ : विषयगत योजना तर्जुमा

विषय क्षेत्रगत समूह : सुल्हागत विकास तथा शिक्षा

विषय क्षेत्रगत उप - समूह : १

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
१.	उमराज शर्मा	काभ्रेकोशी प्रमुख
२.	नवराज शर्मा	का. ०.९ बि.ए.के.
३.	के.ए.ए.ए.ए.	" १२ "
४.	गु.रा.मि.मि.मि.	" १ का.वि.मि.
५.	मैया वि.मि.	" १० " " "

कार्यक्षेत्र:

1. विषयगत योजना, परियोजना तथा कार्यक्रम
2. सूचकका लक्ष्य निर्धारण

६. संस्थागत विकास तथा सुशासन

सूचक	इकाई	आव २०७८-७९, सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
सरोकारवाला एवं सहभागितात्मक ढंगबाट कार्यान्वयन भएका ऐनहरू	संख्या		
प्रति व्यक्ति वार्षिक बजेट लगानी रकम (खर्च)	रु.	१६,६००/-	
लक्षित वर्ग, सशक्तीकरण र क्षमता विकास कार्यक्रमबाट लाभान्वित विपन्न र पिछडिएको वर्ग	प्रतिशत	३१५	
लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट विनियोजन	रु.	१,९२,००००/-	
उपभोक्ता समितिहरूबाट कार्यान्वयन आयोजना संख्या	प्रतिशत	५०५	
न्यायिक समितिमा प्राप्त मुद्दा मध्ये फछ्यौट संख्या	प्रतिशत	४४	

६.१ सुशासन, ऐन, नियम तथा जवाफदेहिता

सूचक	इकाई	आव २०७८-७९, सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
पालिकाले स्वीकृत गरेको ऐन, नियम, निर्देशिका, कार्यविधि तथा मापदण्ड	संख्या	७३	
क्रियाशिल नीतिगत समिति तथा सयन्त्र (विधायन, सुशासन, लेखा, राजस्व, योजना तथा बजेट तर्जुमा अनुगमन आदि)	संख्या	६	
नागरिक बडापत्र अनुसार सेवा प्रवाहमा क्षतिपूर्ति गरिएको	संख्या	५	
अभ्यास गरिएका सामाजिक जवाफदेहिताका औजारका प्रकार (क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक बडापत्र, सार्वजनिक सुनुवाई, सार्वजनिक परीक्षण, सामाजिक परीक्षण, सुझाव पेटिका, GESI परीक्षण, वार्षिक अनुगमन पत्र, समुदाय स्कोर कार्य आदि)	संख्या	विचारमात्रमा कायम भएको	
वर्षभरी भएको सार्वजनिक सुनुवाई	संख्या	३	
हेल्पडेस्कबाट लाभान्वित सेवाग्राही	संख्या	Record मात्रमा	
आनलाइन सेवाबाट लाभान्वित सेवाग्राही	संख्या	४६०	
मोबाइल एप्स प्रयोगकर्ताहरू	संख्या	४६०	
स्थानीय कानून, नीति तथा योजना तर्जुमा प्रक्रिया नागरिक पृष्ठपोषण तथा सुझाव दिने माध्यमहरू (संचार माध्यम, सूचना पाटी, अन्तर्क्रिया, लिखित प्रतिक्रिया, सुझाव पेटिका, सामाजिक सञ्जाल आदि)	संख्या	विचारमात्रमा कायम भएको	
पालिकामा पेश भएका सेवा प्रवाह सम्बन्धी गुनासो सुनुवाईको फछ्यौट (मौखिक समेत)	संख्या	६२	

६.२ संस्थागत संरचना तथा मानव संसाधन

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
पालिकामा कार्यरत मानव संसाधन	संख्या	१६५९	
पालिकामा कार्यरत प्राविधिक मानव संसाधन	संख्या	९९	
संगठन र विकास अध्ययन अनुसार वा आवश्यकता अनुसार परिपूर्ण गनुपर्ने कर्मचारी	संख्या	२०	
एक सेवान्नीलाई सेवा प्रवाह दिन लाग्ने औषत समय	दिन	०१/०१/२०१९	
क्षमता विकास कार्यक्रमबाट लाभान्वित पालिका पदाधिकारी, कर्मचारी, गैसस, गरोकारवाला संघ संस्थाहरु	संख्या	२९०	
कार्यसम्पादन करार गरिएको तथा कार्यविवरण दिई सोही अनुसार कार्यसम्पादन गर्ने कर्मचारी संख्या	संख्या	९५	
पालिका केन्द्र तथा वडा कार्यालय भवन	संख्या	१+९९	
सेवा सुचारु भएका सेवा तथा श्रोत केन्द्र (स्वास्थ्य, कृषि, पशुसेवा, शिक्षा, सूचना)	संख्या	२९	

६.३ श्रोत परिचालन

सूचक	इकाई	आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
पालिकाको वार्षिक आन्तरिक आय रकम	रु. लाख	१४,६५,०५,०००/-	
संघीय सरकारबाट राजस्व बाँडफाँड प्राप्त रकम	रु. लाख	५७,५०,०००/-	
प्रदेश सरकारबाट राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त	रु. लाख	५,९८,०००/-	
पालिकाको कूल वार्षिक बजेट	रु. लाख	१,०९,६२,९८,०००/-	
आन्तरिक आय र वाह्य आयको अनुपात	अनुपात	०.६६/१	
पालिकाको वार्षिक वास्तविक खर्च कूल बजेटको	प्रतिशत	४८,५५,४०,०००/-	
पूँजी निर्माण क्षेत्रमा भएको लगानी कूल बजेटको	प्रतिशत	५६,४०,६५,०००/-	
कर राजस्व र गैरकर राजस्वबाट सर्कलित रकमको अनुपात	अनुपात		
नियमित कर भुक्तान गर्ने करदाता संख्या	संख्या		
कर शिक्षा तथा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालन	संख्या	९	
औषत वार्षिक वेरुजु फछौट रकम	प्रतिशत	६.५	
गैसस अन्तर्राष्ट्रिय विकास संस्थाबाट संचालित आयोजना कार्यक्रममा सहयोग रकम	प्रतिशत	६.५	
आयोजना पर्यान्वयनमा समुदायका लगानी योगदान रकम	प्रतिशत	४,९५,०००/-	
सहकारमा निजी क्षेत्रबाट भएको लगानी रकम	प्रतिशत	६.५	

६.४ योजना व्यवस्थापन

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
श्रोत नक्शा सहित खण्डीकृत वस्तुगत विवरण तयारी तथा अद्यावधिक भएको विषयक्षेत्रगत (पालिकाको समग्र, कृषिक्षेत्र, जैविक विविधता.... आदि)	संख्या	श्रोत नक्शा तयारी	
स्थानीय गौरवका आयोजनाहरुको सूची	संख्या	११	
तर्जुमा भएका विषय क्षेत्रगत गुरुयोजना (यातायात गुरुयोजना पर्यटन विकास.....)	संख्या	१ पालिका	
वार्षिक नीति कार्यक्रममा आर्थिक विकास तथा आयमुलक क्षेत्रमा लगानी रकम	प्रतिशत	१६.१६	
कूल आयोजना मध्ये उपभोक्ता समितिबाट कार्यान्वयन भएका आयोजना	प्रतिशत	८४.८१	
निर्धारित समयमा सम्पन्न आयोजना / कार्यक्रम	प्रतिशत	५१	
आयोजना/कार्यक्रम अनुगमन प्रतिवेदन संख्या (पटक, मासिक, चौमासिक, वार्षिक)	पटक	५८	
पालिकाबाट प्रकाशित दस्तावेज र प्रतिवेदन	संख्या	१	
सहभागितामुलक योजना तर्जुमा तथा अनुगमन प्रक्रियामा लक्षित वर्ग समुदायको प्रतिनिधित्व (महिला, दलित, जनजाति र बालबालिका)	संख्या	संख्या ५	
पालिकामा संचालित संघीय र प्रदेश आयोजना तथा कार्यक्रम	संख्या	६६	

संस्थागत धनता, वित्तीय व्यवस्थापन र शुसाशन: पातिकाको धमता विकास, वित्तीय सध संस्थाहरुको कारोवार र लगानीका क्षेत्र, राजस्व सञ्चालन, परिचालन, साभेवरी कार्यक्रम, अन्य वित्तीय व्यवस्थापन, स्थानीय सध संस्थाहरु, सहकारी संस्था, कलव, महिला तथा आमा समूह, कृषि समूह, जातिय तथा वरीय समूहहरु, संस्थागत समन्वय तथा सञ्चाल, जनसहभागिता, संस्थागत विकास आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण ।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं.	योजनाहरुको विवरण	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
१	पाठिकामाको धनता विकासको लागि मार्केटिङ र कार्यक्रमको मापन र आवधिकीकरणको लागि मापन र कार्यक्रमको विवरणमा विवरण	-	✓				
२	वित्तीय वित्तिय सञ्चालनको लागि मार्केटिङ र कार्यक्रमको मापन र आवधिकीकरणको लागि मापन र कार्यक्रमको विवरणमा विवरण	-	✓				
३	आवधिकीकरणको लागि मार्केटिङ र कार्यक्रमको मापन र आवधिकीकरणको लागि मापन र कार्यक्रमको विवरणमा विवरण	-	✓				
४	P.P.P.T को P.P. को मापन र कार्यक्रमको विवरणमा विवरण	-	✓				

संस्थागत क्षमता, वित्तीय व्यवस्थापन र श्रमसाधन: पालिकाको क्षमता विकास, वित्तीय संघ संस्थाहरूको कारोबार र लगानीका क्षेत्र, राजस्व संग्रहण, परिचालन, सामुदायी कार्यक्रम, अन्य वित्तीय व्यवस्थापन, स्थानीय संघ संस्थाहरू, सहकारी संस्था, क्लब, महिला तथा आमा समूह, कृषि समुह, जातिय तथा वर्गीय समुहहरू, संस्थागत समन्वय तथा सञ्चाल, जनसहभागिता, संस्थागत विकास आदि सम्बन्धी योजनाहरू तथा बजेट विवरण ।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं.	योजनाहरूको विवरण	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
५	अद्वैती सभाहरूलाई सुदृढीकरण गर्न समाज सुधारका लागि, स्वास्थ्य, शिक्षा, भवन, पुस्तकालय, आदि समाज सुधारका लागि, स्वास्थ्य, शिक्षा, भवन, पुस्तकालय, आदि आजु २१५५५						
६.	समाज सुधारका लागि समाज सुधारका लागि आजु २१५५५						
C.	ERP System लागू गर्न (समाज सुधारका लागि सुदृढीकरण गर्न) समाज सुधारका लागि सुदृढीकरण गर्न E-governance को सुयोग्यता समाज सुधारका लागि सुदृढीकरण गर्न समाज सुधारका लागि सुदृढीकरण गर्न	१५५५५					

समूह कार्य १ : SWOT निर्धारण

विषय क्षेत्रगत समूह : सामाजिक विकास शाखा

विषय क्षेत्रगत उप - समूह :

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
०१.	श्री रोहिणी प्रसाद उप्रेती	संयोजक - सामाजिक विकास समिति खैरहरी न.पा.
०२.	श्री गौमा भुजेल	कार्यपालिका सदस्य - खैरहरी न.पा.
०३.	श्री राजु वातिया	नगर शिक्षा अधिकारी - खैरहरी न.पा.
०४.	श्री कृष्णा कुमारी गुम्फु	अधिवृत्त महिला वा. शाखा
०५.	श्री ललित अधिकारी	जनस्वास्थ्य निर्देशक, स्वास्थ्य शाखा
०६.	श्री पितम्बर पन्त	सिनिपर अ. हे. व., खैरहरी नगर अस्पताल
०७.		
०८.		
०९.		

कार्यक्षेत्र:

1. सबल पक्ष (Strength)
2. दुर्बल पक्ष (Weakness)
3. अवसर (Opportunity)
4. चुनौती (Threat)

1) शिक्षा, विज्ञान तथा पुर्वेदि :

- सर्वल पक्ष :
- * नगर क्षेत्र रामपुर कृषि व ग्राम्य सञ्चालनमा रहेको
 - * स्नातकोत्तर स्तर ~~सञ्चालन~~ अध्यापन गरिएको व ग्राम्य स्तरमा रहेको
 - * चौपाडा व्वालाबागलको लाई कक्षा १० सम्मको निशुल्क शिक्षा अध्यापन गरिएको विद्यालय सञ्चालनमा रहेको ।
 - * सर्व विद्यालयमा इन्टरनेटको सुविधा रहेको
 - * विद्यार्थीहरूको आधारमा भवन कक्षा कोठा शांतालय खानेपानीको उपस्था रहेको ।

- 2) ग्रामील पक्ष :
- * सामुदायिक विद्यालयमा ~~विद्यार्थीको~~ लागे सुकारी बाधक उपस्था नहुनु
 - * प्राविधिक धार सञ्चालन भएको विद्यालय नरहेको
 - * कुनैपनि विद्यालयमा नया विद्यालयको कार्यालय सञ्चालनमा नरहेको
 - * कुनै पनि विद्यालयमा विज्ञान संकाय सञ्चालनमा नरहेको
 - * विद्यालयमा अडिटरियम हल नभएको
 - * कक्षागत र तहगत शिक्खेबु क्लबको गणना भएको
 - * सर्व शिक्खेबुमा नवनिर्माण प्राविधिको ज्ञान नभएको
 - * अध्यापन अध्यापनको अलावा खेलकुद व आतीरिक्त क्रियेकलाको कार्यालय सञ्चालनमा विद्यालय एक संकेत रहन नसकेको
 - * कक्षावासी नभएको

- 3) अक्षर :
- * जनश्रीवन श्री वि मा प्राविधिक विषयमा कृषि कार्यालय सञ्चालन
 - * खैरहनी श्री वि मा कक्षा ११-१२ मा विज्ञान विषय सञ्चालन
 - * नया विद्यालयको कार्यालय सञ्चालन
 - * कक्षा ९-११ प्राविधिक धार र ११-१२ मा प्राविधिक विषय सञ्चालन
 - * कक्षावासीको निर्माण व सञ्चालन

- 4) चुनौती :
- * सर्व शिक्खेबुलाई नवनिर्माण प्राविधिको ज्ञान र सीप प्रदान गर्नु
 - * सुरक्षित व कठिन गर्नु कार्यालय सञ्चालनको प्रयास ।
 - * सामुदायिक विद्यालयको अभिभावक विद्यार्थीको जनश्रीवन नसक्दा सञ्चालन विद्यालयमा विद्यार्थी भनी हुन सक्नु ।
 - * कक्षा हल व कक्षावासीको कक्षा वासी ल्याउन

+ शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि

अवधारः चुनौति

* सामूहिक विद्यालय संस्थागत
विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षण विधेय।
मिन्नामिन् पाठ्यक्रम साक्षात्

*

अवधारः!

- ① सर्वे विद्यालयमा नैतिक शिक्षा पाठ्यक्रम लागू गर्न सकिने।
- ② सर्वे विद्यालयमा योग, ध्यान, प्रणाम अभ्यास गर्न सकिने।
- ③ सबै प्रकारको पाठ्यक्रम लागू गरिनु पर्ने गर्नु सकिने।

युवा तथा खेलकुद :

- 1) खेल पक्ष :
- * वडा नं ५ गाँवछात्राब खेल मैदान प्रयोग गर्नु
 - * राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा उत्कृष्टता हासिल गर्ने खेलाडी हुनु रहेको
 - * नगरस्तरमा युवाबलव गठन भएको।

- 2) पूर्वल पक्ष :
- * नगर मिग कम्डेहल नभएको
 - * खेलकुद समिति गठन र ध्वजाचलन स्वच्छीकार्यविधि नभएको
 - * खेल नगरस्तरमा खेल समिति नभएको
 - * सर्व वडामा खेल मैदान नभएको

- 3) युवाति :
- * खेलाडी हुनु विचको सह-सुखधमा कमी
 - * फिलिज गेम भन्दा इन्टरनेट गेममा युवाहरूको चारो वही रहेको
 - * अध्यापन र वडास्थित रोजगारीको लागि विदेश पलायन हुने युवा हुने संख्या बढ्दो रूपमा रहेको
 - * कुलतमा लागि युवा हुने संख्या बढ्दै जानु

- 4) श्रवसर :
- * नगर खेलकुद विकास समिति गठन
 - * सर्व वडामा खेल मैदानको अभ्यास-ध्यान
 - * युवाहरूलाई स्वदेशी शिक्षा र रोजगारीको श्रवसर (उच्च शिक्षाया स्वको क्षमता पहुँच र उद्योग कलकारखाना युवाहरूको सहभागिता रहने कार्यक्रम मार्फत)

* नीति

तथा पोषण
स्वास्थ्य शिक्षा

सबल पक्ष:

- * १३ वर्ये वडामा आद्या सुगत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रको स्थापना ।
- * स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम संचालन ।
- * अर्थावश्यक औषधीहरूको नियमित उपलब्धता तथा थप अर्थावश्यक औषधीहरूको व्यवस्थापन ।
- * स्वास्थ्यकर्मीहरूको नियमित क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन ।

१५) पुर्बत पक्ष:

- * अर्थावश्यक औषधीहरूको पूर्वाधार (कमलेमा १ वटा स्वास्थ्य संस्थाको निर्माण वा आवश्यक स्तरोन्ती हुन पाकी)
- * स्वस्थ जनशक्तिको अभाव र दरबन्दी पदपूर्ति हुन नसक्नु ।
- * धरमा हुने ~~कुनै~~ सुलक्षणी काम हुनु ।
- * वायुको सहेयको अपेक्षागत संचालन हुन नसक्नु ।
- * प्राथमिक तथा कलेज चिकित्सा सेवाको विस्तार हुन नसक्नु ।

१६) धर सक्षम:

- * विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रमको विस्तार हुन नसक्नु ।
- * सुगततम सेवा मापदण्डका आधारगत सेवा संचालन हुन नसक्नु ।

१७) अरसर:

- * प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रलाई श्वैरहनी नगर अस्पतालमा स्तरोन्नती ।
- * मा गवे तहमा विद्यालय नर्स कार्यक्रमको सुरुवात ।
- * सामुदायिक वि वनछु खेगको सहकार्यमा प्राथमिक चिकित्सालय संचालन गर्न सकिने ।
- * प्रदेश तथा सेविय सरकारको सहकार्यमा नियमित कार्यक्रमहरू संचालन ।

१८) चुर्नीती:

- * जनसहभागिताको उच्चतम प्रयोग गरी स्वास्थ्य सेवा, जनचेतना अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गर्नु ।
- * श्लोपेयी (आद्युनिठ विक्रिस) खेवामा वढयो कसि ।
- * धौग तथा सक्रिय जिवनस्थापन नहुनु ।
- * वढयो अंक फुलको प्रयोग र नसने रोगहरूको प्रत्याचिक पुद्धि ।
- * स्वास्थ्य जन्ध कोहोरे व्यवस्थापन ।

महिला बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक शाखा

(क) सबल पक्ष

- * ~~सर्वरही~~ बालबालिका, कुटीरमिता लोडिंग हिस्सा पर
- * महिला बालबालिका तथा किशोरी धका लागि Safe House स्थापना ।

(ख) दुर्बल पक्ष

- * अपाङ्ग, मेडी नम एकी

(ग) अवसर

- * बालमेडी नगर निर्माण ;
- * ज्येष्ठ नागरिक आरुग स्थल भवन
- * वावुविहिण (काकुका पद्वियान नपुलेडा) बालबालिका धका आमा धका लागि ग्रिप विडास तालिम संचालन ।

(घ) चुनौती

- * महिला धका लागि आर्थिक श्रावणिकाडा कार्यक्रम ।
- * बालबालिका धका लागि अभिभावक धका लागि गुणवत्ता कार्यक्रम र श्रद्धाकारण धका लागि योजना सहयोग नम एकी ।
- * बालबालिका धका लागि दुर्घटनाडा श्रिता म एकी ।
- * बालविवाह
- * वावुआमा विहिण बालबालिका धका लागि बालबालिका पुनस्थापना उड संचालन -
- * श्रद्धा अभिमानता ।
- * महिला धका लागि पडन्य र श्रिताकारण उनी ।

संस्कृति तथा सम्यय

१) सवल पक्ष :-

- क) पूर्वी लिखनमा सुप्रसिद्ध कंकाली मन्दिर भस्को ।
- ख) मकरसा, चर्च, मदिजह, आध्यात्मिक केन्द्र हटा भस्को नगर ।

२) कुर्वल पक्ष :-

विभिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति, गढ-पर्व, शेषमुष्ण इलकिने संग्रलय नभस्को ।

३) अवशर :-

कंकाली डाडामा तथा तल वेदीमा वेदीमा धार्मिक पर्यटन विकास गर्न सकिने ।

४) चुनौति :-

- क) सामाजिक समावेशकरण
- ख) सहकार्य, एकतामा काम
- ग) विकृत संस्कृतिको विकास
- घ) धर्म प्रति बितृष्णा ।

आवधिक विकास योजना तर्जुमा

दीर्घकालिन सौच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा दुई दिने कार्यशाला गोष्ठी
खैरहनी
नगरपालिका / गाउँपालिका

समूह कार्य ३ : विषयगत योजना तर्जुमा

विषय क्षेत्रगत समूह : भौतिक पूर्वाधार

विषय क्षेत्रगत उप - समूह :

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
१	श्री शंकर कौटेल	वडा अध्यक्ष, खैरहनी - ८
२	श्री चन्द्र विक्रम चौधरी	वडा अध्यक्ष, खैरहनी - १०
३	श्री मेनुका परिवार	कार्यपालिका सदस्य, खैरहनी
४	श्री मणि कावत झाट्ट	इन्जिनियर, धार - नक्सशा शाखा
५	श्री चोरोडा चापागाई	इन्जिनियर, धार - नक्सशा शाखा

कार्यक्षेत्र:

1. विषयगत योजना, परियोजना तथा कार्यक्रम
2. सूचकका लक्ष्य निर्धारण

४. पूर्वाधार विकास

४.१ सडक यातायात, पुल प्लेसा

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७६/७७ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य	
कालोपत्रे सडकको लम्बाई	किमि	६० कि.मि	६२ १३० कि.मि	थप
ग्राभेल सडकको लम्बाई	किमि	२० कि.मि	२२ कि.मि	थप
धुले सडक लम्बाई	किमि	१२ कि.मि	१२ कि.मि	थप
कृषि सडकको लम्बाई	किमि			
पक्की पुल (बेलीब्रिज समेत)	संख्या	८	२	थप
सहायक नदीमा भोलुङ्गे पुल	संख्या	—	—	
आशिक रुपमा सार्वजनिक यातायात सुचारु सडक लम्बाई	किमि	—	—	
स्थानीय स्तरमा संचालित ४ पाङ्गे सार्वजनिक यातायात	संख्या	—	—	
पालिका केन्द्रवाट वडा कार्यालय सम्म जोडिएको सडक	संख्या	११	१३	थप
सडक संजालवाट नजोडिएका बस्तीहरु	संख्या	—	—	
१५ मिनेट सम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको घरपरिवार	संख्या	—	—	
नजिकको पिच भएको पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने समय	घण्टा	२.५	०	
जिल्ला, प्रदेश तथा राष्ट्रिय स्तरका सडक संजाल	संख्या	१	१	
अन्तरपालिका सडक संजाल संख्या र लम्बाई	संख्या/किमि	२६/ २८० कि.मि	६२/ ३०० कि.मि	थप
सडक नालीको भएको सडक संख्या र लम्बाई	संख्या/किमि	३०/ २२ कि.मि	२०/ ६० कि.मि	"
नियमित मर्मत सभार भएको सडकको लम्बाई	किमि	६६ कि.मि	६२ कि.मि	"
वायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधि र सडक साइड वृक्षारोपण	किमि	—	—	"
डिपआर तयार, वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन, प्रारम्भिक वातावरण परीक्षण आदि गरी निर्माण भएका सडक लम्बाई	किमि	—	—	"
वार्षिक सडक दुर्घटनाको संख्या	संख्या	२	३	"

४.२ आवास तथा वस्ती विकास र सार्वजनिक निर्माण

सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
सुरक्षित तथा प्रवर्द्धन गरिएका आवास क्षेत्र	संख्या	२	२२ थप
जोखिमयुक्त वस्तीहरु	संख्या	१३ ठाँउ	
भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति	संख्या	९९	१२० थप
भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका सार्वजनिक भवन तथा संरचना	संख्या	१२०	२०० थप
भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका निजी आवास तथा संरचनाहरु	संख्या	१९२१	२००० थप
आधारभूत पूर्वाधार सहित व्यवस्थित बजार	संख्या	१	४-२ थप
सुविधा सम्पन्न उद्यान सहितको खुल्ला पार्क क्षेत्र	संख्या	१	३ थप
व्यवस्थित वसपार्क तथा वस स्टेशन	संख्या	—	०१ थप
सुविधा सम्पन्न सामुदायिक, महिला, ज्येष्ठ नागरिक तथा सभा भवन	संख्या	४	२ थप

४.३ सिंचाइ सेवा

सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
कृषियोग्य भूमिको १२ है महिना सिंचाइ भएको भूमि	हेक्टर	६००.००	
वर्षाको आकाशे पानीवाट मात्रै सिंचाइ हुने भूमि	हेक्टर	२०१.	
खोलाहरुवाट आंशिक रुपमा सिंचाइ हुने भूमि	हेक्टर	२५.	
प्रयोगमा आएका सिंचाइ प्रविधि (सतह, पोखरी, ड्रिप, लिफ्ट, आकासे पानी संकलन, प्लाष्टिक पोखरी)	संख्या	२५.	
सिंचाइका आधुनिक पूर्वाधार निर्माणवाट सिंचाइ क्षेत्र विस्तार	हेक्टर	२	

४.४ विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
स्थानीय विद्युत उत्पादन	कि. वा	—	—
सोलार प्रणाली सहित विद्युत सेवा पुगेका घरपरिवार	संख्या		
सुधारिएको उर्जा (वायोग्यास, एलपी) प्रयोग गर्ने घरपरिवार	संख्या		
सुधारिएको वा धुँवारहित चुल्हो जडान भएका परिवार	संख्या		
घर घरमा केन्द्रिय विद्युत लाइन पुर्याउने	संख्या	१९९३१	
सडकको किनारा र सार्वजनिक स्थानमा सडक बत्ती राख्ने	संख्या		
स्थानीय स्तरमा जलविद्युत र लघु जलविद्युतको उत्पादन गर्ने	संख्या	—	—

४.५ सूचना तथा संचार

सूचक	इकाई	आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
केवल नेटवर्कबाट लाभान्वित घरधुरी	प्रतिशत		
स्थानीय केवल नेटवर्क सेवा प्रदायक संस्था	संख्या	७०%	९०%
ल्याण्डलाइन टेलिफोन सुविधा	संख्या	९९०%	
मोबाइल प्रयोगकर्ता	संख्या	१२३०-६० हजार	२०-६० हजार
सि.सि.क्यामेरा जडान भएका सार्वजनिक स्थान	संख्या	२१	१००
सूचना प्रविधि प्रयोग गर्ने उद्योग, व्यापार, व्यवसायहरु	संख्या	३४०	
विद्यालय लगायत सार्वजनिक भवन तथा कार्यालयहरुमा इन्टरनेट सेवा सुचारु	संख्या	२६	—
स्थानीय स्तरमा संचालित एफएम रेडियो	संख्या	२	२३ थप
क्रियाशील पत्रकार	संख्या	४	१० थप
स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्ने संस्था	संख्या	३	२ थप

[Handwritten signature]

भौतिक पूर्वाधार विकास: सडक तथा यातायात, पुल पुलसा, खानेपानी, आवास क्षेत्र तथा वस्ती विकास, ढल विकास, सिंचाई, जलविद्युत, अन्य सम्पूर्ण भौतिक संरचना आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा सोको बजेट विवरण।		प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)					
क्र.सं.	योजनाहरुको विवरण	अनुमानित बजेट (रु.को)	१	२	३	४	५
१)	सडक तथा यातायात	२० करोड	१००	१००	१००	१००	१००
२)	पुल पुलसा	२५ करोड	१५	२३	२३	२	२
३)	खानेपानी	१० करोड	२०	२०	२०	२०	२०
४)	आवास क्षेत्र तथा वस्ती विकास	२० करोड	१००	१००	१००	१००	१००
५)	ढल विकास	१५ करोड	३०	३०	३०	३०	३०
६)	सिंचाई	१० करोड	२०	२०	२०	२०	२०
७)	असुर (तलबट्टा संस्था संस्था)	१० करोड	२०	२०	२०	२०	२०
८)	असुर (भौतिक संरचना)	१५ करोड	३०	३०	३०	३०	३०
९)	सिंहलाडाड काइला बिना (centralized fiber hub)	१० करोड	२०	२०	२०	२०	२०
१०)	स्वास्थ्य क्षेत्र फाँडा विकास कार्यक्रम	१० करोड	२०	२०	२०	२०	२०
११)	सडक जडान (नागरिक सार)	२५ करोड	२५	२५	२५	२५	२५

खैरहनी

नगरपालिका / गाउँपालिका

समूह कार्य २ : दीर्घकालिन सोंच निर्धारण

विषय क्षेत्रगत समूह : सामाजिक विकास शाखा

विषय क्षेत्रगत उप - समूह :

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
१	श्री रोहिणी पुष्पा डप्रेती	सामाजिक विकास समिति खैरहनी
२	श्री गोमा भुजेल	कार्यपालिका सदस्य
३	श्री राजु वानिया	नगर शिक्षा अधिकारी
४	श्री कृष्णा कुमारी गुरडु	महिला, पारिवारिक तथा जेष्ठ नागरिक शाखा
५	श्री पितम्बर पन्त	मिनिप्ट अ. डे. क
६	श्री नविन अधिकारी	जनस्वास्थ्य निरीक्षक
७		

कार्यक्षेत्र:

१. दीर्घकालिन सोंच
२. लक्ष्य
३. उद्देश्य
४. रणनीति

विज्ञान प्रविधि युवा तथा खेलकुद

वर्कानिन सोचः इस युवा जनशक्ति, खेलकुदको चार्तकी विकास, वैज्ञानिक र प्रयोगात्मक शिक्षा नगरको विकास।

लक्ष्य :- गुणवत्तीय र सर्वसुलभ शिक्षाको विकास गर्दै पढ्ने-बुझ्ने शिक्षाको विकास र युवाप्रोग खेलकुद माफ्ट जैतिकवान, प्रतिस्पर्धी र चरित्रवान जनशक्तीको उत्पादन गर्ने।

उद्देश्य :-

1. सर्व बालबालिकालाई ~~शिक्षा~~ ^{माध्यमिक} शिक्षाको पहुच बढोक्ने वनाउन निश्चल, गुणवत्तीय शिक्षा प्रदान गर्ने प्रविध्यात्मक निर्माण गर्नु।
2. युवा खेलकुदको विकास गर्ने युवाहरूलाई अनुशासित खेलकुद जालिकिधर्मा कावट्ना गर्ने।
3. सर्वसुलभ शिक्षाको साथमा गुणवत्तीयता कायम गर्दै नवप्रवृत्तात्मक वैज्ञानिक शिक्षाको विकास गर्ने।
4. सर्व नगरवासीलाई प्रभावकारी र प्रयोगात्मक शिक्षाको सिला गर्ने।
5. हेल्थगत, सामुदायिक विद्यालयहरूमा र नगरविद्यालय कार्यलयमा सुशासन अभिमान गर्ने।
6. स्वास्थ्य, कन्सुवेट, इजीशिल, सुखेष्ट र समाजको विकास गर्ने।

सुशान्ति

शाची इलेक्ट्रिक लक्ष्य उद्देश्यहरू पूर्ती कावट्नाको सुशान्ति उल्लेख गर्नुपर्ने।

स्वास्थ्य तथा पोषण सेवा शाखा

1) दिर्घकालीन सोच: सक्रिय जिवनशैली, इन्क्युतम चिकित्सा सेवा, सफल नगरपालिका निर्माणका लागि स्वास्थ्य सेवा,

2) लक्ष्य: इन्क्युतम सेवा प्राप्तकर्ताको पूर्वाधार तयारी, वैकल्पिक चिकित्सा सेवा विस्तार र सफल आमा सुरक्षा कार्यक्रम

3) उद्देश्य: * इन्क्युतम सेवा प्राप्तकर्ताको कम्तिमा 75% पुन्चाउने।

* योग तथा वैकल्पिक चिकित्सा केन्द्रको स्थापना र विकास।

* सैर्यागत सुल्कीलाई ब्यात उतिष्ठत पुन्चाउने।

* सबै सामुदायिक तथा सैर्यागत ~~सम्पूर्ण~~ माविहरूमा विद्यालय नर्स तथा विद्यालय पोषण कार्यक्रम विस्तार गर्ने।

* नगर भित्र विभिन्न कुपोषण दरलाई खुल्नुमा आउने।

* स्वास्थ्य सम्यक कोषो (मैला व्यवस्थापनका लागि बरेलु तथा आर्थाङ्कित कोषो)सँग नमिसिने गरी व्यवस्थापन गर्ने।

4) एजन्डि:- 1.1 -> वार्षिक कम्तिमा 2 वटा स्वास्थ्य सेवा भवन निर्माणका लागि बजेट व्यवस्थापन गर्ने।

1.2 -> स्वास्थ्य पूर्वाधार विकासलाई नगर गौरव आयोजनामा समावेश गर्ने।

1.3 -> स्वास्थ्य क्षेत्र विकास कार्यक्रम र आद्यालुत स्वास्थ्य सेवा व्यापकतालाई बजेटमा प्राथमिक प्राथमिकिबल (P1) संचालन गर्ने।

1.4 -> कम्तिमा 1-चार गा.वि.समा शड्याडो फरने आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्रको स्थापना गर्ने गरी बजेट व्यवस्थापन गर्ने।

1.5 -> सामुदायिक वनसँग सहकार्यमा कम्तिमा 2 वटा प्राकृतिक चिकित्सालय केन्द्रको स्थापनाका लागि बजेट व्यवस्थापन गर्ने।

1.6 -> सैर्यागत सुल्कीलाई उत्साह गरी खुल्नेसु थाताघात रक्च र थप उत्साहन लक्षित कार्यक्रम संचालन गर्ने।

1.7 -> संचालित वरिष्ठ, सेडिडको पूर्वाधार विकास, थप तसिङ्ग, स्वास्थ्यकर्मीलाई

1.8 -> वरिष्ठ प्रशिक्षण सम्बन्धी तालिममा सहभागी हुने व्यवस्था मिलाउने। थप वरिष्ठ सक्लन कार्यक्रम संचालन गरी स्वोप प्रोफाइल तथा पोषण प्रोफाइल तयार गर्ने।

1.9 -> 010 सेडिडको स्थापना गरी वरिष्ठ पोषण थोपना कार्यक्रम संचालन गर्ने।

श्री
श्री

- 1 → विद्यालय गर्स कार्यक्रम संज्ञानन पुन ठाडी पुई सामुदायिक प्राविमा परकधी माग गार पढाउने।
- 2 → विद्यालय पोषण कार्य आनाई आचारमुक्त लक्ष्या विस्तार गर्ने।
- 3 → स्वास्थ्य जस्य संज्ञानन कोडी (नाडी) अन्तर्गत संकलन गारि निर्मलीकरण गर्न निर्मलीकरण कोडीको स्थापना गर्ने।
- 4 → स्वास्थ्य तथा निर्मलीकरण में लकेवा स्वास्थ्य लेखा जस्य कोडी (नाडी) अन्तर्गत संकलन, हुवानी तथा विरिणन गर्ने साधानको तयारी गर्ने।

संस्कृति तथा सम्प्रदाय

दीर्घकालीन शोध:- "सम्प्रदाय संरक्षण, जगज्जर्द संस्कृति
धार्मिके सखिपुता, नगरवासीके दम्पतीके"

लक्ष्य:- सर्व धर्म र धार्मिक सम्प्रदायके सम्मानजनक
विकास गर्दै धार्मिक तथा आध्यात्मिक को (निर्माण गर्ने)

उद्देश्य:-

- १) नगरवासीके बीच आपसी भाइचारा र सद्भाव कायम गर्ने,
- २) विभिन्न धर्म तथा सम्प्रदायसँग सम्बन्धित गुरु, मन्दिर, देवालय,
-घर, मस्जिद, गुम्बतलाई धार्मिक सांस्कृतिक केन्द्रको
रूपमा प्रवर्धन गर्ने

३)

महिला कालवालिडा तथा ज्याष्ठ नागाडि शास्त्रा

१) विधेकालिन सौच :

"महिला कालवालिडा र लक्षित सभुल्ले राय कालाप्रय
सम्पन सभुलाप"

२) लक्ष्य :

महिलाद्वयलाई आर्थिक, सामाजिक र राजनितिक स्थितिकाम
सुधार ल्याई आयआर्जन कार्यक्रममा सहित गरार्इ
सु सबल व्यवसायी बनाउने ।

३) उद्देश्य :

- * लैङ्गिक समता श्रृङ्खला गर्ने
- * प्रजनन स्वास्थ्यता
- * जीवनउपयोगी शिक्षाको चेतना जगाउने ।
- * पुगी हरी सम्पन्नता
- * स्वास्थ्यगत सहभागीता जगाउने
- * मूलप्रवाहीउपयोग ल्याउने
- * समावेशीकरणको आन्वय गर्ने
- * कालक्रमी नगा निर्माण गर्ने ।
- * Safe House सुचाउने /

8) रक्षाभित्ति

* महिला र पुरुषलाई समान रूपमा, समान व्यवहार, कुरा र धोती मा बराबरी गर्नका लागि चेतना शूलक (महिला पुरुष) सम विकास कार्यक्रम संचालनका लागि कुराको व्यवस्था गर्ने,

* महिलाहरूको छुट्टै स्वास्थ्यलाई स्वतन्त्र बनाउनका लागि प्रजनन स्वास्थ्य सुन्चनी कार्यक्रम संचालनका लागि कुराको व्यवस्था गर्ने,

* 90-95 वर्षका बिरालीहरूका लागि जीवनमा कसै-नहुने 90 वरिष्ठको लागि ज्ञान हिलोडरी धममा श्रम विकास कार्यक्रम संचालन जीवन निर्वाहका लागि कुराको व्यवस्था गर्ने,

* महिलाहरूको शान्ति व्यवस्था सुधार्ण कार्यक्रमको व्यवस्थापनी महिलाहरू कम्तीमा प्रति वर्ष 90 जना महिला व्यवस्थापनी बनाउनका लागि कुराको इरादा गर्ने,

* सबै महिलाहरूलाई स्वस्थ बनाई सहेका गरी बनाउन स्वतन्त्र बनाउनका लागि कुराको इरादा गर्ने,

* सबै वर्ग जलजालीलाई पूरक प्रवाहीत (0) मा ल्याउनका लागि वाषिष्ठ कार्यक्रमलाई कुराको इरादा गर्ने,

आवधिक विकास योजना तर्जुमा

दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा दुई दिने कार्यशाला गोष्ठी

रौतहरी नगरपालिका / गाउँपालिका

समूह कार्य ३ : विषयगत योजना तर्जुमा

विषय क्षेत्रगत समूह : भाषिन्डिया

विषय क्षेत्रगत उप - समूह :

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
१.	हेत्रनाथ सुवेदी	५ नं. वडा अध्यक्ष
२.	विक्रमीया चौधरी	कार्यपालिका सदस्य
३.	मेमुका परिवार	" "
४.	नेत्रकुमार चौधरी	बेकपा समालो
५.	रामहरी कडेल	रा.प.पा.
६.	प्रकाश रुपास्केरी	बेकपा (सय)
७.	नविन राज रुवाली	उद्योग व्यवसाय सहकारी शाखा ल.प.
८.	टेकबहादुर नली	पशु शाखा ल.प.
९.	दिपेन्द्र अग्रवाल	कृषि शाखा

१०. शाहिने काला

प्रशिक्षण शाखा

कार्यक्षेत्र:

1. विषयगत योजना, परियोजना तथा कार्यक्रम
2. सूचकका लक्ष्य निर्धारण

आर्थिक विकास: प्रमुख पेशाहरु, कृषि तथा पशुपन्छी पालन, लघु तथा घरेलु उद्योग, पर्यटन, पर्यटकीय स्थलहरुको पहिचान औद्योगिक विकास, खाद्य सुरक्षा, व्यापार व्यवसाय, वन पैदावार, खानी, भण्डारण, रेमिट्यान्स, गरिबी र गरिबी निवारण, उपयोग, अन्य आर्थिक गतिविधिहरु आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण ।

क्र.सं.	योजना विवरणहरु	अनुमानित बजेट	प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)			
			१	२	३	४
१.	ड्याङ्गोमा आधारीत प्रोत्साहन प्रयुक्त	२०,००,०००/-	✓	✓	✓	✓
२.	ड्याङ्गोमा लागूगरीमा सहयोग	१००,००,०००/-	✓	✓	✓	✓
३.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२००,००,०००	✓	✓	✓	✓
४.	बेग बिटा व्यवस्थापन कार्यक्रम	१५,००,०००	✓	✓	✓	✓
५.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन उद्योग स्थापना	१००,००,०००	✓	✓	✓	✓
६.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग पहिचान तथा	१२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
७.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन (सुदूरपश्चिम)		✓	✓	✓	✓
८.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
९.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
१०.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	१००,००,०००	✓	✓	✓	✓
११.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
१२.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
१३.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
१४.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
१५.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓
१६.	सृष्टि उपज प्रोत्साहन सहयोग	२०,००,०००	✓	✓	✓	✓

आर्थिक विकास: प्रमुख पेशाहरु, कृषि तथा पशुपन्छी पालन, लघु तथा घरेलु उद्योग, पर्यटन, पर्यटकीय स्लथहरुको पहिचान औद्योगिक विकास, खाद्य सुरक्षा, व्यापार व्यवसाय, वन पैदावार, खानी, भण्डारण, रेमिट्यान्स, गरिबी र गरिबी निवारण, उपयोग, अन्य आर्थिक गतिविधिहरु आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण ।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं.	योजना विवरणहरु	अनुमानित बजेट			
		१	२	३	४
१	गाईपालन पशु क्षेत्र कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
२	बछुरापालन	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
३	वाडापालन	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
४	होस्रपालन	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
५	वेगुरापालन	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
६	माडापालन कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
७	नाश्ल प्रचार कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
८	पारिषद प्रथम कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
९	बा - व्यापार पशु उपविधित्त कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१०	पशु स्वास्थ्य विज्ञान कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
११	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१२	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१३	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१४	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१५	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१६	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१७	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१८	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
१९	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख
२०	सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार स्वास्थ्य कार्यक्रम	२० लाख	२० लाख	२० लाख	२० लाख

आर्थिक विकास: प्रमुख पेशाहरु, कृषि तथा पशुपन्छी पालन, लघु तथा घरेलु उद्योग, पर्यटन, पर्यटकीय स्थलहरुको पहिचान औद्योगिक विकास, खाद्य सुरक्षा, व्यापार व्यवसाय, वन पैदावार, खानी, भण्डारण, रेमिट्यान्स, गरिवी र गरिवी निवारण, उपयोग, अन्य आर्थिक गतिविधिहरु आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण ।

क्र.सं.	योजना विवरणहरु	अनुमानित बजेट	प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)			
			१	२	३	४
	सरकारी/सुदूरको योजना विकास सम्बन्धी कार्यक्रम २० लाख	२० लाख	✓	✓	✓	✓
	सरकारी/सुदूरको योजना विकास २० लाख	२० लाख	✓	✓	✓	✓
	कार्यक्रम विपन्नताको सम्बन्धी विकास कार्यक्रम १० लाख	१० लाख	✓	✓	✓	✓
	विपन्नताको सम्बन्धी विकास कार्यक्रम १० लाख	१० लाख	✓	✓	✓	✓
	सरकारी योजना विकास १० लाख	१० लाख	✓	✓	✓	✓
१.	समाप्त पर्यटकीय क्षेत्रको निर्माण र विकास ९ करोड	९ करोड	✓	✓	✓	✓
१.	पर्यटकीय क्षेत्र, वन कालकलमा आवद्धता २० लाख	२० लाख	✓	✓	✓	✓
२.	केन्द्रीय/सुदूरको वन, १६ई इन्फ्रस्ट्रक्चर, दर्राकोट बालुवापिठोको निर्माण १० लाख	१० लाख	✓	✓	✓	✓
	सुदूरको, सुदूरको निर्माण, जला (प्यामिन्ट) १ करोड	१ करोड	✓	✓	✓	✓
	पर्यटकीय विकास कार्यक्रम					
४.	सिंहकोट (सुदूरको) निर्माण र विकास ९ करोड	९ करोड	✓	✓	✓	✓

सरकारी/सुदूरको
विकास

पर्यटन

आर्थिक विकास: प्रमुख पेशाहर, कृषि तथा पशुपन्धी पालन, लघु तथा घरेलु उद्योग, पर्यटन, पर्यटकीय स्तथहरको पहिचान औद्योगिक विकास, खाद्य सुरक्षा, व्यापार व्यवसाय, वन पैदावार, खानी, भण्डारण, रेमिट्यान्स, गरिबी र गरिबी निवारण, उपयोग, अन्य आर्थिक गतिविधिहर आदि सम्बन्धी योजनाहर तथा बजेट विवरण ।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं.	योजना विवरणहरू	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
१.	उद्योग प्रवेदनका लागि स्वकार्यालय को विकास.	५०५३३	✓	✓	✓	✓	✓
२.	बालेन्द्र रानी स्मृतालयलाई युथ क्लब बनाउन अर्पण.	५०५३३	✓	✓	✓	✓	✓
३.	स्वकार्यालयको विकास प्रवेदन अर्पण	५०५३३	✓	✓	✓	✓	✓
४.	सुदूर जनशक्तिसा उपदान रदाना अर्पण	५०५३३	✓	✓	✓	✓	✓
५.	उत्पन्न वसालको उत्पादन र प्रशोधन अर्पण	५०५३३	✓	✓	✓	✓	✓
६.	साला तथा कोषागार कायसुधको उपदान अर्पण	५०५३३	✓	✓	✓	✓	✓

उद्योग/कार्यालय

आवधिक विकास योजना तर्जुमा

दीर्घकालिन सौच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा दुई दिने कार्यशाला गोष्ठी

खैरहरी नगरपालिका / गाउँपालिका

समूह कार्य ३ : विषयगत योजना तर्जुमा

विषय क्षेत्रगत समूह : सामाजिक विकास शाखा

विषय क्षेत्रगत उप - समूह :

क्र.सं	सहभागीको नाम	प्रतिनिधित्व गर्ने संस्था
०१.	श्री रोजिणी प्रसाद उप्रेती	संयोजक: सामाजिक विकास समिति खैरहरी न.पा.
०२.	श्री गौमा भुजेल	कार्यपालिका सदस्य - खैरहरी न.पा.
०३.	श्री राजु बानिया	नगर शिक्षा अधिकारी - खैरहरी न.पा.
०४.	श्री कृष्ण कुमारी गुरुङ	अधिष्ठित - महिला तथा बालबालिका शाखा
०५.	श्री रविन्द्र अधिकारी	जनस्वास्थ्य प्रतिष्ठित - स्वास्थ्य शाखा, खैरहरी न.पा.
०६.	श्री पिताम्बर पन्त	सि.अ.हे.व - खैरहरी नगर अस्पताल

कार्यक्षेत्र:

1. विषयगत योजना, परियोजना तथा कार्यक्रम
2. सूचकका लक्ष्य निर्धारण

३. सामाजिक विकास

३.१ शिक्षा

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
विद्यालय बाहिर रहेका ५-१५ वर्ष उमेर समूहका बालबालिका	प्रतिशत		
माध्यामिक तह (९-१२) को खुद भनांदर	प्रतिशत		
कक्षा १२ को निरन्तरता दर	प्रतिशत		
कक्षा ८ सिकाई उपलब्धी दर	प्रतिशत		
कक्षा ८ को निरन्तरता दर	प्रतिशत		
बालमैत्री सिकाई विधि अवलम्बल गर्ने विद्यालय	प्रतिशत		
बालमैत्री आधारभूत पूर्वाधार र सुविधा (भवन, चर्पी, खानेपानी, खेलकुद मैदान, घेरावार, फर्निचर) उपलब्ध भएका विद्यालय	संख्या		
बालमैत्री, छात्रामैत्री, अपाङ्गतामैत्री र मूकम्प प्रतिरोधात्मक संचरना भएको विद्यालय	संख्या		
आईसिटि सेवा उपलब्ध भएको विद्यालय	संख्या		
छात्रवृत्ती पाउने विद्यार्थी संख्या	संख्या		
बालक्लव गठन भएका विद्यालय	संख्या		
शिक्षक विद्यार्थी अनुपात (आधारभूत र माध्यामिक)	संख्या		
महिला शिक्षकको अनुपात (शिक्षकसंग)	संख्या		
व्यवस्थित विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय	संख्या		
उच्च शिक्षा अध्यापन गर्ने (क्याम्पस) शिक्षण संस्था	संख्या		
विषयगत तालिम प्राप्त शिक्षकहरु	संख्या		
सिटिइभिटिवाट सम्बर्द्धनमा संचालित प्राविधिक विद्यालय	संख्या		
सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक धारको अध्यापन गराउने विद्यालय	संख्या		
आधारभूत तहमा स्थानीय मातृभाषामा पठनपाठन गर्ने विद्यालय	संख्या		
नियमित अध्ययन गर्न नसकेका विद्यार्थीका लागि माध्यामिक तह सम्मको अनौपचारिक वा खुल्ला शिक्षा दिने विद्यालय	संख्या		
राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कोषबाट लाभान्वित विद्यालय	संख्या		
जनसंख्या वनौट र भौगोलिक अवस्थाको आधारमा नक्साङ्कन गरी समायोजना तथा एकीकरण भएका विद्यालय	संख्या		
दिवा खाजा प्रदान गर्ने विद्यालयहरु	संख्या		
स्यानीटरी प्याड र नर्स सेवा उपलब्ध भएको विद्यालय	संख्या		

३.२ आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
विरामी पदा सर्वप्रथम स्वास्थ्य चौकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अस्पताल जाने जनसंख्या	संख्या	६८५८२	
२५०० ग्रामभन्दा कम जन्मतौल भएका शिशु	संख्या	२७/१०८	१०/१०८
कुपोषणका कारण ५ वर्ष मुनीका बालबालिकाहरुको पुङ्कोपन र उचाई	संख्या	नसुनिने प्रष्ट १५८०	

अनुसारको कम तौल भएकाहरु	घण्टा	१/२ घण्टा	०
नजिकको प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वा अस्पताल पुग्न लाग्ने औषत समय	संख्या	१६ जना	१/२ घण्टा वापस
स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूति गराउने गर्भवती महिला (सुपा भित्र)	संख्या	४२६ (१००%)	कम्तीमा १००%
प्रसूति पूर्व प्रसूति सेवा ४ पटक प्राप्त गर्ने महिला	संख्या	१	४
प्रसूति सेवा उपलब्ध भएका स्वास्थ्य संस्थाहरु	संख्या	१	४
भाडा पखालाको संक्रमण दर (प्रति हजारमा)	संख्या	१६/१०००	१०/१०००
स्वाशप्रश्वासको संक्रमण (ARI) दर प्रति हजारमा	संख्या	११/१०००	१०/१०००
स्वास्थ्य संस्थामा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी	संख्या	८०	१४०
भिटामिन ए प्राप्त गर्ने बालबालिका	प्रतिशत	११.६%	४५% राख्ने
परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दर	प्रतिशत	६६%	६२%
स्वास्थ्य बीमा गर्ने परिवार	प्रतिशत	६२%	१००%
स्वास्थ्य सूचना, शिक्षा र संचार सचेतना कार्यक्रममा सहभागि	संख्या	४	१२
घुम्ती लगायत स्वास्थ्य शिविर पटक	संख्या	४	१२
क्यान्सर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुटुरोग, क्षयरोग, एड्स, कुष्ठरोग जस्ता रोगबाट मृत्यु भएकाहरु	संख्या	तथ्याङ्क उपलब्ध नभएको	
नागरिक आरोग्य कार्यक्रम संचालन भएको	संख्या	१	४
आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरु उपलब्ध भएका वडाहरु	संख्या	१३	१५/१६ वडा
निजी तथा समुदायमा आधारित स्वास्थ्यकर्मी	संख्या	६४	१४०
आधारभूत सुविधा (खानेपानी, शौचालय, बाथरूम बाई र परामर्श केन्द्र आदी) उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था	संख्या	२	१३
क्रियाशिल महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका	संख्या	३६	३६
योग, ध्यान तथा वैकल्पिक प्राकृतिक चिकित्सा (आयुर्वेदिक, हार्मोबोथ्याथिक, युनानी, अक्कुपञ्चर, आम्ची) उपचार पद्धति संचालन गर्ने संस्था	संख्या	१	४
कम्तीमा १५ शैयाको सुविधा सम्पन्न अस्पताल संचालन	संख्या	१	१
गाउँघर क्लिनिकको संख्या	संख्या	१३	१३

३.३ खानेपानी र सरसफाई सेवा

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
निजी धारा उपलब्ध घरपरिवार	प्रतिशत		
उपचार गरिएको वा सुरक्षित खानेपानी सुविधा प्राप्त घरधुरी	संख्या		
कुवा, मुल, नदी खोलाको पानी प्रयोग गर्ने घरधुरी	संख्या		
वर्षभरी खानेपानी सेवा उपलब्ध नभएका घरधुरी	संख्या		
स्वच्छ (प्यान भएको) शौचालय भएका घरधुरी	संख्या		
सार्वजनिक शौचालयहरु	संख्या		
जोखिमयुक्त अवस्थामा साबुनपानीले हातधुने जनसंख्या	प्रतिशत		
फोहोर वर्गीकरण गरी विसर्जन गर्ने परिवार	संख्या		
सक्रिय खानेपानी र सरसफाई उपभोक्ता समिति	संख्या		
शौचालय नभएका घरधुरी	संख्या		
खाल्डे शौचालय भएको घरधुरी	संख्या		

घर आँगन तथा शौचालयबाट निष्कृत फोहोरलाई व्यवस्थित गर्ने घरपरिवार संख्या

३.४ लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९ सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
महिलाको औषत आयु	प्रतिशत	६१	६३
रोजगारी पेशा व्यवसाय समान महिला	प्रतिशत		
विभिन्न संघ, संस्था, समूह तथा निर्णायक तहमा महिला	प्रतिशत		
महिला साक्षरता दर	प्रतिशत		
राष्ट्रपति महिला उत्थान कार्यक्रमबाट लाभान्वित महिला	प्रतिशत		
व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्राप्त महिला	संख्या		
महिला उद्यमशीलता, क्षमता तथा सीप विकास कार्यक्रमका लागि वजेट व्यवस्था	रु.		
सम्पत्ति माथिको स्वामित्व भएका महिला	प्रतिशत		
घरव्यवहार तथा कारोबार सम्बन्धी निर्णयमा महिला सहभागी हुने परिवार	प्रतिशत		
महिला संजाल तथा आमा समूहहरु	संख्या		
अन्तरपाटी महिला संजाल	संख्या		
महिला सहकारी संस्था र आवद्ध सदस्य	संख्या/ संख्या		
वहु विवाह गर्नेहरु	प्रतिशत		
एकल महिला सुरक्षा कोषमा जम्मा भएको रकम	रु.		
कृषि, पशुपंक्षी, स्वास्थ्य लगायत क्षेत्रमा महिला प्राविधिक	संख्या		
हिसापीडित महिलाको उद्धार, राहत, मनोसामाजिक परामर्श र कानूनी उपचारका लागि पुनर्स्थापना केन्द्र	संख्या		
बाल विवाह (कूल जनसंख्याको)	प्रतिशत		
बालबालिका क्लब गठन	संख्या		
वडास्तरीय बालसंजाल	संख्या		
वालश्रम तथा शोषण रहेका बालबालिका	संख्या		
अपाङ्गता क्लब	संख्या		
अपाङ्गताको सीप, क्षमता, रोजगारी वृद्धिका लागि संचालन तालिक कार्यक्रमहरु	रु.		
सामाजिक सुरक्षाबाट लाभान्वित जनसंख्या	प्रतिशत		
परिवर्तित स्थानीय संरचना तथा कानून अनुसार समावेशी समिति, संयन्त्र तथा संजालमा महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र अन्य पिछडिएको वर्गको प्रतिनिधित्व	प्रतिशत		
लैंगिक हिंसा र छुवाछुत सम्बन्धी कूल वार्षिक घटनाको	प्रतिशत		

३.५ युवा तथा खेलकुद

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९, सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
युवा बेरोजगारीता	संख्या		
उद्योग, व्यापार व्यवसायमा युवाहरुको आवद्धता	प्रतिशत		
प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत युवा रोजगार सेवा केन्द्रबाट लाभान्वित युवाहरु	संख्या		
स्थानीय तहको संरचना युवाहरुको संलग्न	प्रतिशत		
युवा क्लव, संजाल तथा संस्था	संख्या		
युवा खेलकुद अभ्यास प्रशिक्षण केन्द्र	संख्या		
कवर्डहल तथा खेलकुद मैदान	संख्या		
पालिकाद्वारा संचालित पालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता	संख्या		
राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलाडी	संख्या		

३.६ कला, भाषा, साहित्य र संस्कृति

सूचक	इकाई	आधार वर्ष आव २०७८/७९, सम्मको	५ वर्षे लक्ष्य
कला, संस्कृति, भाषा र साहित्यमा जिल्ला, प्रदेश र राष्ट्रको प्रतिनिधित्व गर्ने स्रष्टा	संख्या		
संरक्षित कला, संस्कृति र सम्पदाका प्रकार	संख्या		
स्थानीय एवं लोपन्मुख भाषाहरु	संख्या		
स्थानीय भाषा, कला, संस्कृति भल्किने म्युजियम, कलाकेन्द्र	संख्या		
स्थानीय कला, भाषा र साहित्यलाई पेशाको रुपमा अवलम्बन गर्ने व्यक्ति	संख्या		
स्थानीय संस्कृति, कला, सम्पदा र साहित्य सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धान	संख्या		
स्थानीय भाषा, कला, संस्कृति, सम्पदा, साहित्यमा आधारित नियमित प्रकाशनहरु	संख्या		

सामाजिक विकास: शिक्षा तथा खेलकुद, स्वास्थ्य सेवा, बालबालिका, आदिवासी, जनजाति, उपेक्षितवर्ग, महिला सशक्तिकरण, अपांगता, सूचना तथा संचार, सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था, बुढ़बुढ़ा, सामाजिक समावेशीकरण, सामाजिक संजाल, लैंगिक विभेद, सामाजिक भेदभाव, पुस्तकालय, गैससहरको सेवा, मठ, मन्दिर, धार्मिक स्थल, भाषाभाषी, कला, पर्यटकीय स्थलहरुको पहिचान, चाडपर्व, मूर्त तथा अमूर्त संस्कृति, जन्म, मृत्यु, वैवाहिक अवस्था, सांस्कृतिक विचलन र संस्कृतिकरण आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण ।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं	योजना विवरणहरु	अनुमानित बजेट	१	२	३	४	५
१.	स्वास्थ्य क्षेत्र पुर्णव्यापक विकास कार्यक्रम	१० करोड	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख
२.	नर्सरी सँगै व्यवस्थापन कार्यक्रम	२ करोड	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख
३.	विपन्न नागरिक तथा ललित समुहलाई स्वास्थ्य किता कार्यक्रम	१ करोड	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख	१५ लाख
४.	दुग्धसमेत सेवा मापदण्ड विकास कार्यक्रम	५० लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख
५.	वकल्पित तथा आयुर्वेद सेवा विकास कार्यक्रम	५ करोड	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख
६.	सुदक्षेत्रिय पोषण योजना कार्यक्रम संचालन	५० लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख
७.	फोहोर प्रैका व्यवस्थापन (स्वास्थ्य स्थित्यापनको कोसे)	५० लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख
८.	बरमा ठुलो सुक्रेडिबल सुधय वनाडन ग्रामा	५५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख
९.	राष्ट्रिय मिश्र सुक्रेडिबल कार्यक्रम	५५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख
१०.	रैहनी नगाँ आस्पताल स्टाटोहनी कार्यक्रम	५ करोड ५०	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख	५ लाख

सामाजिक विकास: शिक्षा तथा खेलकुद, स्वास्थ्य सेवा, बालबालिका, आदिवासी, जनजाति, उपेक्षितवर्ग, महिला सशक्तिकरण, अपांगता, सूचना तथा संचार, सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था, बुद्धबुद्धा, सामाजिक समावेशीकरण, सामाजिक संजाल, लैंगिक विभेद, सामाजिक भेदभाव, पुस्तकालय, नौससहरुको सेवा, मठ, मन्दिर, धार्मिक स्थल, भाषाभाषी, कला, पर्यटकीय स्थलहरुको पहिचान, चाडपर्व, मूर्त तथा अमूर्त संस्कृति, जन्म, मृत्यु, वैवाहिक अवस्था, सांस्कृतिक विचलन र संस्कृतिकरण आदि सम्बन्धी योजनाहरु तथा बजेट विवरण।

प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)

क्र.सं	योजना विवरणहरु		अनुमानित बजेट	प्राथमिकीकरण (कार्यक्रम गर्ने वर्ष)				
				१	२	३	४	५
१.	खपि पिडाउ तालिम	२०२१	२.५०,०००/-	✓				
२.	क्रिषीय तालिम		४,०००००/-	✓				
३.	लेखिदिनु निर्यात बाकि		१०००००/-	✓				
४.	घाटकोष (प्रदान)		१०००००/-	✓				
५.								

परामर्शदाता

The Joint Venture of

नेष्ट प्रालि.

पिकासो कन्सल्टेन्ट प्रालि.

पारागन इन्जिनियरिङ्ग कन्सल्टेन्सी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रालि.

(email: info@picasso.com.np; Sanepa, Lalitpur; 01-5422185)